

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका
निकायहरुको वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
(आ.व. २०६४/६५)



नेपाल सरकार
कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय
अनुगमन तथा मूल्याङ्कन महाशाखा
सिंहदरवार काठमाडौं
२०६५

प्रकाशकः

नेपाल सरकार
कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय
अनुमगन तथा मूल्याकन महाशाखा
सिंहदरवार, काठमाडौं
नेपाल

फोन नं. : ४२११९१५

फ्याक्स नं. ९७७-१-४२२९१३९

ईमेल: memoac@moac.gov.np

बैशाख, २०६६

छपाई: ४०० प्रति

आई.एस.वि.एन.: ९७८-९९९३३-७२०-३-५

मुद्रक: पुष्पाञ्जलि छापाखाना,
अनामनगर, काठमाडौं ।
फोन नं. ४२६१७५१

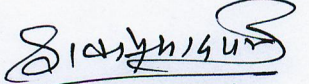
मन्तव्य

मुलुकको अर्थतन्त्रमा कृषि क्षेत्रले खेल्ने गरेको भूमिका, ग्रामीणस्तरमा यसबाट प्राप्त हुने रोजगारीका अवसर, मुलुकलाई समष्टिगत रूपमा प्रदान हुने खाद्य सुरक्षा र कृषि व्यवसायीकरणको प्रतीक्षामा रहेको मुलुकको वर्तमान अवस्था दृष्टिगत गर्दा कृषि विकासको कार्य आज पनि अतिनै महत्वपूर्ण र अपरिहार्य रहेको छ। यस मन्त्रालयले कृषि क्षेत्रको लागि उपलब्ध श्रोत र साधनको आधारमा प्राथमिकता प्रदान गरी कार्यक्रम संचालन गर्ने गरेको सर्वविदितै छ। यस्ता कार्यक्रम यस मन्त्रालय र अन्तर्गतका विभाग, संस्थान, बोर्ड, परिषद्, आयोजना तथा समितिहरू अन्तर्गतबाट संचालन हुँदै आएका छन्। संचालित कार्यक्रमबाट अपेक्षित प्रगती हाँसिल हुन सक्यो/सकेन, नसकेको भए त्यसमा के कस्ता समस्याहरू रहेका थिए र समस्या समाधान गर्न के प्रयासहरू भए, कार्यक्रम कार्यान्वयन स्थिति तथा विनियोजित बजेट अनुसार निकास खर्चको वार्षिक प्रगति मूल्यांकन कस्तो रट्यो सोवारे लेखाजोखा हुनुपर्ने कुरा स्वाभाविक आवश्यकता हो।

आ.व. ०६४/६५ मा विकास कार्यक्रमका लागि कृषि क्षेत्रलाई छुट्याएको रु. ३ अरब ८८ करोड ६९ लाख ८६ हजार बजेटबाट मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूबाट पहिलो र दोश्रो प्राथमिकता छुट्याई ४२ आयोजनाहरू संचालन भएका छन्। यस प्रतिवेदनमा कृषि क्षेत्रको कार्यक्रमबाट आ.व. ०६४/६५ को अवधिमा आयोजनागतरूपमा प्राप्त प्रमुख उपलब्धि र मन्त्रालय अन्तर्गतका विभिन्न विभाग, संस्थान, परिषद्, बोर्ड र समितिहरूको उद्देश्य एवं सो उद्देश्यअनुरूप भए गरेका प्रमुख कार्यहरूको विवरण यस पुस्तिकामा समावेश गरिएको छ।

यो प्रतिवेदन तयार पार्ने क्रममा आवश्यक तथ्यांक उपलब्ध गराई प्रतिवेदनलाई पूर्णता प्रदान गर्न सहयोग गर्ने सबै निकायहरू धन्यवादका पात्र छन्। साथै अनुगमन तथा मूल्यांकन महाशाखाका प्रमुख सहित प्रतिवेदन तयारीमा संलग्न हुने सबै कर्मचारी साथिहरूलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु।

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय
सिंहदरवार
बैशाख, २०६६


(शंकर प्रसाद पाण्डे)
सचिव

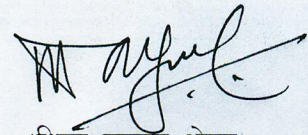
दुई शब्द

उपलब्ध श्रोत र साधनको आधारमा प्रत्येक आर्थिक वर्षका लागि कृषि विकास कार्यक्रम तर्जुमा भई कार्यान्वयन गरिने गरिएको सर्वविदितै छ । निर्धारित कार्यक्रमहरू लक्षअनुसार सम्पन्न गर्न सम्भव भयो भनेर भन्ने कुरा जान्ने मुख्य उद्देश्य राखी कार्यक्रमको लेखाजोखा गर्ने विगतको परिपाटी हालसम्म रही आएको छ र यसलाई निरन्तरता दिनु जरुरी छ । यस किसिमको मूल्यांकनबाट निर्धारित लक्षअनुसार कार्य पुरा हुन सक्थो/सकेन सो जानकारी हुनुको साथै लक्ष पूरा हुन नसक्ने स्थिति रहेका कार्यक्रमको खास समस्या पहिल्याई समाधानको लागि विभिन्न कदम चाल्ने र भविष्यमा यस्तो समस्या दोहोरिन नजाओस् भन्नेतर्फ ध्यान केन्द्रित गर्ने गरिएको छ । यसै सन्दर्भमा आ.व. २०६४/६५ को अवधिमा विभिन्न निकायहरूबाट संचालित आयोजना/ कार्यक्रमहरूको वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तयार गरी प्रस्तुत गरिएको छ ।

यस प्रतिवेदनलाई आवश्यकपर्ने विभिन्न जानकारी एवं विवरणहरू उपलब्ध गराई सहयोग गर्नुहुने कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय मातहतका सबै विभाग/बोर्ड/संस्थान/परिषद्/समिति तथा आयोजनाहरूलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु । प्रतिवेदनलाई अझ तथ्यपरक एवं विश्लेषणात्मक तुल्याउन भविष्यमा सम्बन्धित सबै निकायहरूले समयमै आवश्यक विवरणहरू उपलब्ध गराउनेछन् भन्ने आशा गर्दछु । यसबाट प्रतिवेदन समयमै प्रकाशित मात्र नभै गुणात्मक सुधारमा समेत सहयोग पुग्नेछ भन्ने विश्वास लिएको छु ।

प्रतिवेदन प्रकाशनको लागि आवश्यक विवरण एवं तथ्यांकहरू संकलन, विश्लेषण र प्रतिवेदन लेखन कार्यमा संलग्न यस महाशाखाका वरिष्ठ कृषि अर्थ-विज्ञ श्रीमती बसुधा भट्टराई, कृषि अर्थ विज्ञ श्री जयेन्द्रमान सुल्ल्याका साथै कम्प्युटर अपरेटर श्री हेम बहादुर गुरुङ्ग लगायत अनुगमन तथा मूल्यांकन महाशाखाका अन्य सहयोगीहरूलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

यो प्रतिवेदन कृषि क्षेत्रमा संलग्न योजनाविद्, अनुसन्धानकर्ता, कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने निकाय लगायत कृषि विकाससंग सम्बन्धित कार्यक्रमवारे जानकारी राख्न चाहने पाठकहरूका लागि उपयोगी हुनसक्ने विश्वास लिएको छु । साथै यस प्रतिवेदनलाई आगामी वर्षहरूमा अझ बढी उपयोगी बनाउन पाठकहरूबाट रचनात्मक प्रतिक्रिया एवं उचित सुझावहरूको अपेक्षा राखेको छु ।



(शिव सुन्दर श्रेष्ठ)

सह-सचिव

अनुगमन तथा मूल्याङ्कन महाशाखा

विषय सूची

| क्र.सं. | विषय | पेज नं. |
|---------|---|---------|
| | मन्तव्य | |
| | दुई शब्द | |
| | नेपालको कृषि तथ्याङ्क | १ |
| | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूको वार्षिक प्रगति स्थिति.... | ६ |
| | आ.व. २०६४/६५ मा संचालित कार्यक्रमहरूको संक्षिप्त प्रगति विवरण | ७ |
| | आ.व. २०६४/६५ मा संचालन भएका कार्यक्रमबाट निर्धारित प्रमुख उपलब्धि हाँसिल गर्नका लागि संचालित कार्यक्रमहरूको स्थिति निम्नअनुसार रहेको छ | ८ |
| | आ.व. ०६४/६५ को बजेट बक्तव्यमा उल्लेखित बंदाहरूको २०६४ श्रावण देखि २०६५ आषाढ मसान्त सम्मको प्रगति विवरण | २५ |
| | बजेट शिर्षक अनुसार पहिलो प्राथमिकता प्राप्त (P1) आयोजनाहरूको आ.व. ०६४/६५ को वार्षिक प्रगति स्थिति | ३४ |
| | पहिलो तथा दोश्रो प्राथमिकता प्राप्त आयोजना/कार्यक्रमहरूको वार्षिक भारित प्रगति | ४३ |
| | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूबाट संचालित केन्द्रियस्तरका आयोजनाहरूको प्रतिशतको वर्गिकरण अनुसार वार्षिक प्रगति स्थिति (संख्यामा) | ४७ |
| | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूबाट संचालित जिल्लास्तर आयोजना/कार्यक्रमहरूको एकमुष्ट भारित प्रगती | ४९ |
| | केन्द्रियस्तर एवं जिल्लास्तरका कार्यक्रमहरूको प्रमुख उपलब्धि | ५० |
| | आयोजनाहरूको बजेट, निकाशा र खर्चको विवरण | ५७ |
| | वित्तिय विवरण | ६० |
| १. | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयको परिचयात्मक विवरण | ७५ |
| क. | योजना महाशाखा | ८० |
| ख. | लैङ्गिक समता तथा वातावरण महाशाखा | ८२ |

| क्र.सं. | विषय | पेज नं. |
|-----------------------------|--|---------|
| ग. | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा तथ्याङ्क महाशाखा | ८३ |
| घ. | प्रशासन महाशाखा | ८७ |
| ङ. | अनुगमन तथा मूल्याङ्कन महाशाखा | ८८ |
| च. | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | ९० |
| छ. | राष्ट्रीय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | ९३ |
| ज. | बीउ विजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र | ९४ |
| झ. | दीर्घकालीन कृषि योजना सहयोग कार्यक्रम | ९७ |
| विभागहरू | | |
| १. | कृषि विभाग | १०१ |
| २. | पशु सेवा विभाग | १०५ |
| ३. | सहकारी विभाग | १०९ |
| ४. | खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | ११२ |
| परिषद् | | |
| १. | नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् | ११६ |
| बोर्डहरू | | |
| १. | राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड | ११९ |
| २. | राष्ट्रीय सहकारी विकास बोर्ड | १२१ |
| ३. | राष्ट्रीय चिया तथा कफि विकास बोर्ड | १२२ |
| संस्थान तथा समितिहरू | | |
| १. | पशु आहारा उत्पादन विकास समिति | १२७ |
| २. | कपास विकास समिति | १२८ |
| ३. | चन्द्र डांगी बीउ विजन तथा दुग्ध विकास समिति | १२९ |
| ४. | दुग्ध विकास संस्थान | १३० |

| क्र.सं. | विषय | पेज नं. |
|---------|---|---------|
| ५. | कृषि सामाग्री कम्पनी लि. | १३१ |
| ६. | राष्ट्रिय वीउ विजन कम्पनी लि. | १३३ |
| ७. | कालीमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार विकास समिति | १३५ |
| ८. | राष्ट्रिय सहकारी संघ लि. | १३७ |
| ९. | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरुको संगठन तालिका कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय कृषि विभाग पशु सेवा विभाग खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग सहकारी विभाग नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड पशु आहारा उत्पादन विकास समिति दुग्ध विकास संस्थान | |

नेपालको कृषि तथ्याङ्क

१. नेपालको कुल क्षेत्रफल

| क्षेत्र | क्षेत्रफल (बर्ग कि.मी.) |
|-------------------|-------------------------|
| १. हिमाली क्षेत्र | ५१८१७ |
| २. पहाडी क्षेत्र | ६१३४५ |
| ३. तराई क्षेत्र | ३४०१९ |
| कूल | १४७१८१ |

२. भू-उपयोग (००० हेक्टर)

| क्षेत्र | क्षेत्रफल (००० हेक्टर) |
|---------------------------------|------------------------|
| १. खेती गरिएको जमिन | ३०९१ |
| २. खेती नगरिएको खेती योग्य जमिन | १०३० |
| ३. वन जंगल | ४२६८ |
| ४. भाडी | १५६० |
| ५. चरन खर्क | १७६६ |
| ६. पानी | ३८३ |
| ७. अन्य | २६२० |
| कूल | १४७१८ |

३. कूल गार्हस्थ उत्पादन प्रचलित मूल्यमा (रु. दश लाखमा) - २०६४/०६५

| | |
|-----------------------|--------|
| १. कृषि क्षेत्र | २५८२८२ |
| २. गैह्र कृषि क्षेत्र | ५३३८४८ |

४. गार्हस्थ उत्पादन बृद्धि

| क्षेत्र | बृद्धि प्रतिशत |
|-----------------------|----------------|
| १. कृषि क्षेत्र | ०.७ |
| २. गैह्र कृषि क्षेत्र | ३.६ |

| | |
|--|----------|
| ५. जनसंख्या (जनगणना सन् २००७) | |
| १) पुरुष | १३२४०२३३ |
| २) महिला | १३१८७१६६ |
| जम्मा | २६४२७३९९ |
| ६. वार्षिक जनसंख्या वृद्धिदर (प्रतिशत) | २.२५ |
| ७. जनघनत्व प्रति वर्ग कि.मि. | १७९.५५ |
| ८. कृषि पेशामा संलग्न जनसंख्या प्रतिशत (जनगणना २०५८) | ६५.६ |
| ९. कोरा जन्मदर हजारमा (सन् २००७) | २९.२ |
| १०. कोरा मृत्युदर हजारमा (सन् २००७) | ८.५ |
| ११. कूल प्रजनन् दर (२०६१) | ३.५ |
| १२. बाल मृत्युदर प्रति हजारमा (सन् २००७) | ४८ |
| १३. औसत आयु वर्ष | ६४.८ |
| १४. सिंचित क्षेत्रफल (हे.) | १०६७३२३ |
| १५. घर परिवार संख्या (२०५८) | ४२५३२२० |
| १६. प्रमुख खाद्यान्न वालीहरूको आ.व. ०६३/०६४ र ०६४/६५ को तुलनात्मक उत्पादन तथा क्षेत्रफल स्थिति | |

| वाली | ०६३/६४ | | ०६४/६५ | | उत्पादन घटबढ % |
|-------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|----------------|
| | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | |
| धान | १४३९५२५ | ३६८०८३८ | १५४९२६२ | ४२९९२४६ | +१६.८० |
| मकै | ८७०४०१ | १८१९९२५ | ८७०१६६ | १८७८६४८ | +३.२३ |
| गहुँ | ७०२६६४ | १५१५१३९ | ७०६४८१ | १५७२०६५ | +३.७६ |
| कोदो | २६५१६० | २८४८१३ | २६५४९६ | २९१०९८ | +२.२१ |
| जौ | २६५८० | २८२९३ | २६१०६ | २८०८२ | -०.७५ |
| जम्मा | ३३०४३३० | ७३२९००८ | ३४१७५११ | ८०६९१३९ | +१०.१० |

१७. नगदेवालीहरूको उत्पादन तथा क्षेत्रफल

| वाली | ०६३/६४ | | ०६४/६५ | | उत्पादन घटबढ % |
|-------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-------------------|
| | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | |
| तेलहन | १८४२१८ | १३५६६० | १८०३२८ | १३४२८६ | -१.०१ |
| आलु | १५३५३४ | १९४३२४६ | १५६७३७ | २०५४८१७ | +५.७४ |
| सुती | २७२९ | २६४८ | २६८७ | २६१४ | -१.२८ |
| उखु | ६४०१९ | २५९९७८९ | ६२९६२ | २४८५४३७ | -४.४० |
| जुट | ११७२६ | १६८१५ | ११५९० | १६९८८ | +१.०३ |
| जम्मा | ४१६२२६ | ४६९८१५८ | ४१४३०४ | ४६९४१४२ | -०.०९ |

१८. दलहन वालीको उत्पादन तथा क्षेत्रफल

| वाली | ०६३/६४ | | ०६४/६५ | | उत्पादन घटबढ % |
|--------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-------------------|
| | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | |
| मुसुरो | १८९१८१ | १६४६९४ | १८९४९७ | १६११४७ | -२.१५ |
| चना | ९९७२ | ८०८५ | ९२३८ | ७३१९ | -९.४७ |
| रहर | २०९८८ | १९२४५ | २१३६३ | १८८४१ | -२.१० |
| मास | ३२७७९ | २५३७९ | ३२८७४ | २५६७२ | +१.१५ |
| खेसरी | ६१८३ | ४७०६ | ६६४० | ४९२७ | +४.७० |
| गहत | ७९७० | ५८९५ | ७८३२ | ५३७७ | -८.७९ |
| भटमास | २३२१४ | २०९६१ | २३२१४ | २१००३ | +०.२० |
| अन्य | २९२७० | २५४१० | २९७७३ | २५४९० | +०.३१ |
| जम्मा | ३१९५५७ | २७४३७५ | ३२०४३१ | २६९७७६ | -१.६८ |

अन्य वालीहरूको उत्पादन तथा क्षेत्रफल

| वाली | ०६३/६४ | | ०६४/६५ | | उत्पादन घटबढ % |
|--------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-------------------|
| | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | |
| १९. फलफूल | ५७५९५ | ५७५०९५ | ६३४३२ | ६३०५६३ | +९.६५ |
| २०. तरकारी | १९१९२२ | २२९८६८९ | २०८१०८ | २५३८९०४ | +१०.४५ |
| २१. कपास | ५० | ४५ | ७० | ६८ | +५१.११ |
| २२. चिया | १६४२० | १५१६८ | - | १६१२७ | ६.३२ |
| २३. कफी | १३९५ | ४६० | - | २७६ | -४०.०० |
| २४. खुर्सानी | ४७८० | १५५६९ | ४७२१ | १८६२९ | +१९.६५ |
| २५. अलैची | ११७१२ | ६७९२ | १३५७५ | ७०७८ | +४.२१ |

| वाली | ०६३/६४ | | ०६४/६५ | | उत्पादन घटबढ % |
|---------------|-----------------|--------------------|-----------------|--------------------|-------------------|
| | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.टन) | |
| २६. अदुवा | १३१७० | १६०५७६ | १७६६०२ | १६११७१ | +०.३७ |
| २७. लसुन | ४८०६ | ३०३०८ | ४६१६ | ३१४५३ | +३.७८ |
| २८. बेसार | ३०७९ | २५३९९ | ३०७४ | २४८७० | -२.०८ |
| २९. रेशम कोया | - | ३१ | - | ३३ | +६.४५ |
| ३०. मह | - | ६५० | - | १००० | +५३.८५ |
| ३१. माछा | - | ४६७७९ | - | ४८७५० | +४.२१ |

३२. पशु संख्या

| सि.नं. | विवरण | २०६३/६४ | २०६४/६५ | उत्पादन घटबढ % |
|--------|-------------------|----------|----------|-------------------|
| १. | गाई | ७०४४२७९ | ७०९०७१४ | +०.६६ |
| २. | भैंसी | ४३६६८१३ | ४४९६५०७ | +२.९७ |
| ३. | भेंडा | ८१३६२१ | ८०९४८० | -०.५१ |
| ४. | बाखा | ७८४७६२४ | ८१३५८८० | +३.६७ |
| ५. | बंगुर | ९८९४२९ | १०१३३५९ | +२.४२ |
| ६. | कुखुरा | २३९२४६३० | २४६६५८२० | +३.१० |
| ७. | हांस | ३९४७९८ | ३९०७४८ | -१.०३ |
| ८. | दूध दिने गाई | ९०८७१२ | ९१५४११ | +०.७४ |
| ९. | दूध दिने भैंसी | ११२४४५४ | ११५८३०० | +३.०१ |
| १०. | फुल पार्ने कुखुरा | ६९६२०७६ | ७१५३०८८ | +२.७४ |
| ११. | फुल पार्ने हांस | १८४६०८ | १८२७५३ | -१.०० |

३३. पशुजन्य उत्पादन

| सि.नं. | विवरण | २०६३/६४ | २०६४/६५ | उत्पादन घटबढ % |
|--------|----------------------|---------|---------|-------------------|
| १. | दूध उत्पादन (मे.टन) | १३५१३९४ | १३८८७३० | +२.७६ |
| | गाई | ३९२७९१ | ४००९५० | +२.०८ |
| | भैंसी | ९५८६०३ | ९८७७८० | +३.०४ |
| २. | मासु उत्पादन (मे.टन) | २२७१०५ | २३३९०० | +२.९९ |
| | रांगा/भैंसी | १४७०३१ | १५१२०९ | +२.८४ |
| | भेंडा | २७४७ | २७२५ | -०.८० |
| | बोका/खसी | ४४९३३ | ४६५७० | +३.६४ |
| | बंगुर | १६०३५ | १६४५३ | +२.६१ |

| सि.नं. | विवरण | २०६३/६४ | २०६४/६५ | उत्पादन घटबढ % |
|--------|---------------------|---------|---------|-------------------|
| | कुखुरा | १६१२६ | १६७१२ | +३.६३ |
| | हाँस | २३३ | २३१ | -०.८६ |
| ३. | फुल उत्पादन (हजार) | ६१४८४८ | ६३१२५३ | +२.६७ |
| | कुखुरा | ६००९६६ | ६१७४५५ | +२.७४ |
| | हाँस | १३८८२ | १३७९८ | -०.६१ |
| ४. | ऊन उत्पादन (के.जी.) | ५८८२४८ | ५८५२५५ | -०.५१ |

३४. कृषि सामग्री वितरण

| सि.नं. | सामग्री | २०६३/६४ | २०६४/६५ | परिमाण (मे.टन) |
|--------|---|---------|---------|--------------------------------|
| | | | | गत वर्षको तुलनामा आपूर्ति % |
| १. | रासायनिक मल (कृ.सा.कम्पनी) (ग्रसमा) | २५१६९ | ६६४६.३० | २६.४१ |
| २. | रासायनिक मल (कृ.सा.कम्पनी) (न्यूट्रियन्टमा) | १२७५१ | ३२८५.१५ | २५.७७ |
| ३. | रासायनिक मल (निजी क्षेत्र) | ७८२५८ | ३३७१८ | ४३.०९ |
| ४. | उन्नत वीउ विजन विक्री वितरण (रा.विउ विजन कम्पनी) | ३१५७ | ३८०२ | १२०.४५ |

Source: Statistical Information on Nepalese Agriculture

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूको वार्षिक प्रगति प्रतिशत स्थिति

| सि. नं. | निकाय | वार्षिक | | |
|---------|---|---------------------------------|---------------------------------|----------------|
| | | P ₁ आयोजना संख्या | P ₂ आयोजना संख्या | प्रगति प्रतिशत |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| १ | मन्त्रालयस्तर | | | |
| | राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | १ | | १०० |
| | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | १ | | १०० |
| | दिर्घकालिन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | ८३ | | |
| | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | १ | | १०० |
| | बीउ विजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र, हरिहरभवन | १ | | १०० |
| | व्यवसायिक कृषि विकास आयोजना | १ | | ८९ |
| २ | कृषि विभाग | ३४० | ११ | १०० |
| ३ | पशु सेवा विभाग | २६३ | ७ | ९८ |
| ४ | सहकारी विभाग | ३९ | ३९ | ९४ |
| ५ | खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | १६ | १ | ९६ |
| ६ | नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् | १४ | ५२ | ९६ |
| ७ | राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | | १ | १०० |
| ८ | राष्ट्रिय चिया तथा कफी विकास बोर्ड | | १ | ६९ |
| ९ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड (मिल्क होलिडे) | | १ | १०० |
| १० | कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड | | १ | ५ |
| ११ | राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी लिमिटेड | | १ | ८४ |
| १२ | दुग्ध विकास संस्थान | | १ | ९५ |
| १३ | पशु आहारा उत्पादन विकास समिति | | १ | १०० |
| १४ | चन्द्रडाँगा बीउ विजन तथा दुग्ध विकास समिति | | १ | १०० |
| १५ | कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार विकास समिति | | १ | १०० |
| १६ | राष्ट्रिय सहकारी संघ लि. | | १ | ८८ |

आ.व. २०६४/६५ मा संचालित कार्यक्रमहरूको संक्षिप्त प्रगति विवरण

मुलुको कृषि उत्पादन एवं उत्पादकत्व बढाउने, ब्यावसायिक तथा प्रतिस्पर्धात्मक कृषि प्रणालिका आधारहरूको विकास गरी जीविकोपार्जनस्तर बाट क्रमिक रूपमा ब्यवसायिकरण तर्फ रुपान्तरण हुँदै गएको कृषि क्षेत्रलाई क्षेत्रीय एवं विश्व बजारसंग प्रतिस्पर्धी बनाउनु तत्कालिन आवश्यकता बन्न गएको छ ।

देशका ६५.६ प्रतिशत जनता कृषिमा संलग्न रहेको र कृषि नै ग्रामीण जनताको आय तथा रोजगारीको प्रमुख श्रोतको रूपमा रहेको छ । फराकिलो, लैङ्गिक, समावेशी तथा दीगो बृद्धिदर हाँसिल गर्न सक्ने किसिमबाट कृषि क्षेत्रलाई अधि बढाउने लक्ष्य तीन वर्षीय अन्तरिम योजनाले राखेको छ । यसै लक्ष्य प्राप्तिका लागि यस योजनाले निम्न उद्देश्य राखेको छ ।

१. कृषि तथा पशु जन्य बस्तुको उत्पादन बढाउनु,
२. खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्दै खाद्य संप्रभुता कायम गर्नु,
३. निर्वाहमुखी कृषि पेशालाई ब्यवसायिक बनाउँदै क्षेत्रीय र विश्व बजारसंग प्रतिस्पर्धात्मक बनाउनु,
४. ग्रामीण यूवा, महिला, मधेशी, आदिवासी, जनजाति, अपांग, मुस्लिम तथा विपन्न वर्गका लागि रोजगारीका अवसरहरू बृद्धि गर्नु,
५. वातावरण-मैत्री प्रविधिहरूको विकास एवं विस्तार गरी कृषि जैविक विविधताको संरक्षण, संवर्द्धन एवं सदुपयोग गर्नु ।

आ.व. ०६४/६५ तीन वर्षीय अन्तरीम योजनाको पहिलो वर्ष हो । योजनाले राखेको कृषि क्षेत्रको औसत वार्षिक बृद्धिदर ३.६ प्रतिशत हाँसिल गर्न विभिन्न बालिहरूको उत्पादकत्व बृद्धिको लक्ष्य प्रक्षेपण गरेको छ । उक्त लक्ष्य हाँसिल गर्न चालु आ.व. मा यस मन्त्रालय अन्तर्गत कूल ४ अर्ब १७ करोड ६८ लाख ५३ हजारको बजेट ब्यवस्था गरिएको छ । यसै गरी कार्यक्रम तर्फ दीर्घकालीन कृषि योजनाका मूलभूत पक्षहरूलाई समेटेर तीन वर्षीय अन्तरिम योजनाको क्षेत्रगत उद्देश्य र नीतिहरूको कार्यान्वयन गराउन योगदान पुग्ने गरी ब्यवस्थ गरिएको छ । यसका काली यस आ.व.मा आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको संख्या (बजेट शिर्षकका आधारमा) ४२ वटा रहेका छन् । यी कार्यक्रमहरूको प्राथमिकता क्रम र बजेटको विनियोजन अनुसार पहिलो प्राथमिकतामा ८६.७६ प्रतिशत आयोजना अर्थात् ३३ वटा आयोजना परेका छन् भने दोश्रो प्राथमिकतामा १३.२४ प्रतिशत अर्थात् ९ वटा आयोजना परेका छन् । य आयोजनाहरूको संक्षिप्त प्रगति निम्न अनुसार रहेको छ ।

आ.व. ०६५/६६ मा संचालित आयोजना तथा कार्यक्रमहरू जम्मा ४२ वटा रहेका छन् । तिनको प्राथमिकता र बजेट वर्गीकरण निम्नानुसार छ ।

प्राथमिकता र बजेट सारांश:

| आयोजना प्राथमिकता क्रम | आयोजना संख्या | बजेट रकम (रु. हजारमा) | प्रतिशत |
|----------------------------|---------------|-----------------------|------------|
| प्राथमिकता क्रम १ मा परेका | ३३ | ३३७२३८२ | ८६.७६ |
| प्राथमिकता क्रम २ मा परेका | ९ | ५१४६०४ | १३.२४ |
| जम्मा | ४२ | ३८८६९८६ | १०० |

आ.व. २०६४/६५ मा संचालन भएका कार्यक्रमबाट निर्धारित प्रमुख उपलब्धि हाँसिल गर्नका लागि संचालित कार्यक्रमहरुको स्थिति निम्नअनुसार रहेको छ

१. **कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष (४०-३/४-२११):** प्रतिस्पर्धात्मक अनुदान प्रणालीमा आधारित भई कृषि क्षेत्रको विकासका लागि सरकारी, गैह्र सरकारी, निजी, सामुदायिक, शैक्षिक संस्था एवं नागरिक समाजबाट कृषि अनुसन्धान तथा विकास सम्बन्धी कार्यक्रमहरु माग गर्ने र उपयुक्त एवं प्राथमिकताप्राप्त कार्यक्रमलाई पूर्ण वा आंशिक रुपमा अनुदान दिई सरकारी सेवाको न्यायोचित वितरणद्वारा कार्यक्रम संचालन गरी उपलब्धि हाँसिल गर्ने उद्देश्यले यस कोषको स्थापनापश्चात् आयोजना प्रस्तावहरु आव्हान गरी विभिन्न चरणमा गरिएको छनौट प्रकृयाबाट स्वीकृत भएका आयोजनाहरु कार्यान्वयन हुँदै आएका छन् । यस क्रममा आ.व. मा कोषबाट भएको पहिलो, दोश्रो तथा तेश्रो विज्ञापनबाट गरी ६३ वटा जिल्लामा जम्मा १०० वटा आयोजनाहरु संचालनमा आइसकेका छन् । यस मध्ये ३६ वटा आयोजनाहरु संपन्न समेत भैसकेको र ६४ वटा चालु अवस्थामा छन् । यस कार्यक्रमबाट करिब ७१५०० जनसंख्या लाभान्वित हुने अनुमान छ । यी आयोजनाहरु विषयगत हिसावले २९ क्षेत्रसंग सम्बन्धित भएता पनि प्रमुख रुपमा वागवानी र जीविकोपार्जन, वाली संरक्षण, आयमूलक रोजगारी, खाद्य सुरक्षा एवं खाद्यान्न उत्पादन जस्ता विषयसंग सम्बन्धित बढी आयोजनाहरु संचालन भएका छन् । यस बाहेक पशु विकास, पोष्ट हार्भेष्ट, कृषि बजार, सहकारी, प्लाष्टिक घर, सिंचाई, जैविक मल व्यवस्थापन, मौरी, रेशम, पुष्प खेती, कृषि यांत्रिकरण जस्ता विषयहरुमा पनि आयोजना संचालन भएका छन् ।
२. **दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम (४०-३/४-२२०):** गरीबी न्यूनिकरण गर्ने राष्ट्रिय उद्देश्यमा योगदान पुऱ्याउन दीर्घकालीन कृषि योजनाको सफल कार्यान्वयन हुनुपर्ने परिप्रेक्ष्यमा योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्यांकनमा प्रभावकारिता ल्याउने उद्देश्यबाट यो आयोजना संचालन हुँदै आएको छ । यस आयोजनाअन्तर्गत जिल्ला तथा राष्ट्रिय तहमा दीर्घकालीन कृषि योजना कार्यान्वयनका लागि प्राविधिक सहयोगमा आयोजना परिचालन गरी अधिराज्यका २० जिल्लामा (सिराहा, उदयपुर, ओखलढुंगा, रामेछाप, सिन्धुली, रौतहट, कपिलवस्तु, अर्घाखाँची, हुम्ला, मुगु, प्यूठान, रोल्पा, रुकुम, सल्यान, जाजरकोट, बाजुरा, बझाङ्ग, अछाम, डोटी र वैतडी) जिल्ला प्रसार उपकोष (DEF) र स्थानीय प्रयास उपकोष (LIF) परिचालन गरिएको छ । जिल्ला प्रसार उपकोष आवश्यक श्रोत र साधनलाई सुदृढ गरी विकेन्द्रित कृषि प्रसारलाई टेवा पुऱ्याउने उद्देश्यबाट

संचालन गरिएको हो । यस कोषको उपयोग स्थानीय संभाव्यता र अवसरलाई उपयोग गरी राष्ट्रिय प्राथमिकतासंग मेल खाने, स्थानीय आवश्यकतामा केन्द्रित भई आय आर्जनमा सघाउ पुग्ने, कृषि उत्पादकत्व बढाउने, एकिकृत कृषि उत्पादन र बजारलाई आवद्ध गर्नसक्ने खालका कार्यक्रमहरु स्थानीय सेवा प्रदायकमार्फत् गरीव तथा विकासमा पछि परेका महिला, दलित, अल्पसंख्यक जनजाति तथा भौगोलिक दृष्टिबाट अलग्गएका कृषकहरुसम्म पुऱ्याउने गरिएको छ । यस कोषअन्तर्गत प्रतिआयोजना बढीमा ३ वर्षका लागि रु. १० लाख सम्म रकम प्रदान गरिन्छ । यस कार्यक्रमबाट आयोजना अवधिभरमा १ लाख ४५ हजार ८३३ घर परिवार लाभान्वित भएका छन् । स्थानीय प्रयास उपकोषको प्रयोग दुर्गम क्षेत्रका गरिव कृषक परिवार खासगरी सीमान्त कृषक, महिला, पिछडिएका समूह, जनजातिको आय मूलक कृषाकलापहरु र जीविकोपार्जनका प्रयासहरुलाई सहयोग पुऱ्याउने हेतुले गरिएको छ । यसबाट आयोजनाको अन्त सम्ममा ९३,४०० घरपरिवार लाभान्वित भएका छन् । दुवै कार्यक्रमबाट लाभान्वित परिवार मध्ये दलित परिवार १६.६२%, गैह्र दलित १५.१०%, जनजाति २४.४८%, अल्पसंख्यक जनजाति ४.८२%, र अन्य ३८.९९% प्रतिशत रहेको छ । यसैगरी भौगोलिक आधारमा हेर्दा २२% घर परिवार जिल्ला सदर मुकामका निकटका, २३% सदरमुकाम वरपरका गा.वि.स. र ५५% दुर्गम क्षेत्रका परेका छन् । आयोजनाको संचालनबाट गरिवी निवारण र समावेशीतामा सघाउ पुगेको, तनावग्रस्त समयमा पनि काम गर्न सकिएको, दुर्गम क्षेत्रमा कार्यक्रम लान सकिएको, कार्यक्रमको प्रतिफल कम समयमै प्राप्त भएको र यस कार्यक्रमको प्रकृया भविष्यमा समेत अपनाउन सकिने देखिएको छ । यसै आयोजना अन्तर्गत जिल्ला प्रसार उपकोष र स्थानीय प्रयास उपकोषका अतिरिक्त सडक यातायात सुविधाले नछोएका १० जिल्लाका (ताप्लेजुङ, तेह्रथुम, दोलखा, रसुवा, पर्वत, म्याग्दी, बर्दिया, दैलेख, डडेल्धुरा र दार्चुला) अति गरिव किसानका लागि आय आर्जनमा टेवा पुऱ्याउन कार्यक्रम संचालनका लागि पशु सेवा तर्फ १०/१० जनाको ५ वटा समूहबाट एउटा समिति गठन गरी १० जिल्लामा गरी ८० वटा समिति गठन गरिएको छ । उक्त समितिका लागि अनुदान रकम उपलब्ध गराउन हरेक जिल्लाका लागि करिब रु. १२ लाख उपलब्ध गराइएको छ । यसका लागि कूल रु. १ करोड २३ लाख ७५ हजार बजेट व्यवस्था भएकोमा रु. १ करोड ११ लाख २३ हजार अनुदान उपलब्ध गराइएको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत उन्नत वीउ वितरण, बाखा, बंगुर पालन, तालिम भ्रमण, प्रदर्शन कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने लक्ष अनुरूप अति विपन्न समुदायका पशु बस्तुको लागि पिउने पानीको व्यवस्था, गोठ निर्माण सामाग्री, तरकारी वालिका लागि अनुदान सहयोग उपलब्ध गराइएको छ ।

यसै कार्यक्रम अन्तर्गतको WTO/SPS नेशनल इन्क्वायरी प्वाइन्ट सुदृढीकरण कार्यक्रम अन्तर्गत प्लाण्ट सेफ्टी, एनिमल सेफ्टी र फुड सेफ्टी विषयका ३ वटा गाइडलाईनहरु अनुवाद गरी प्रकाशनका लागि तैयार गरिएको एवं पूर्वाधार विकासका लागि प्रयोगशाला एवं कोडेक्स भवन निर्माण गर्ने लक्ष अनुरूप कोडेक्स भवनको २ तल्ला निर्माण भएको छ ।

३. **विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम (४०-३-२४१):** कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व बृद्धिका लागि आवश्यक पर्ने रासायनिक मलखादको उचित व्यवस्थापन गरी मल आपूर्ति सुलभ गराउन विदेशी सहयोगमा प्राप्त मलको जगेडा कोष व्यवस्था गर्न यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । आ.व. २०६४/६५ मा मौज्जात रासायनिक मल व्यवस्थापन गर्ने सिलसिलामा जापान सरकारको अनुदान सहयोगमा प्राप्त रके.आर. २००६ अन्तर्गतको मल कृषि सामग्री कम्पनीको गोदाममा विराटनगर, वीरगंज र नेपालगंजमा भण्डारण गरी परिचालन गर्ने व्यवस्था मिलाइएको छ । मौज्जात मलको परिचालन विशेष गरी मल अभाव भएको ठाउँमा प्रत्यक्ष विक्रीका माध्यमबाट आपूर्ति गर्नुका साथै टेण्डर प्रकृयाद्वारा दुर्गम स्थानमा प्राथमिकता दिएर विक्री वितरण गर्ने व्यवस्था मिलाइएको छ । निर्धारित व्यवस्थाबाट दुर्गम स्थान एवं अभावको समयमा मल सुलभ आपूर्तिमा योगदान पुग्नुको साथै रासायनिक मलको बजार मूल्यमा आउन सक्ने अस्थिरताबाट निजी क्षेत्रका मल आयातकर्ताहरू आश्वस्त भई मल आयात गर्न प्रोत्साहन मिल्ने अनुमान गरिएको छ ।
४. **वाली विविधिकरण आयोजना (४०-३/४-२६२):** भौगोलिक संभाव्यता र तुलनात्मक एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभको आधारमा वालि/बस्तुको ब्यावसायिक उत्पादन र बजारीकरण गर्ने र कृषि विकासको मूल प्रवाहबाट वाञ्छित भौगोलिक क्षेत्र, जाति एवं वर्गलाई विकास कार्यमा सामाहित गर्ने उद्देश्यले यो आयोजना संचालन भएको हो । यस आयोजनाबाट आयोजना लागु भएका १२ जिल्लामा २०५ वटा उत्पादन पकेट क्षेत्र छनौट एवं त्यस्ता पकेट क्षेत्रमा २ जना (१ महिला र १ पुरुष) सामाजिक परिचालकको व्यवस्था, बजार विकासका लागि भौतिक संरचनाहरूको निर्माण (अतरीया कृषि थोक बजार स्थलमा होलसेल सेड निर्माण, जिल्ला कृषि कार्यालय डोटी र क्षेत्रीय कृषि निर्देशनालय दिपायलमा कार्यालय एवं आवास भवनको अधूरो निर्माण कार्य पुरा), कृषक समूहमा हित कोष संकलन, कार्यालयहरूका लागि आधारभूत उपकरणहरूको व्यवस्था एवं विभिन्न उद्देश्यका निर्माण कार्यहरू पुरा भएका छन् । यस आ.व.मा आयोजना क्षेत्रका कृषि प्राविधिकहरू २ जना अधिकृतलाई एम.एस्सी र ४ जना प्रा.स./ना.प्रा.स.लाई वि.एस्सी गर्न पठाइएको छ (२ जना एम.एस्सी. र ४ जना वि.एस्सी) । साथै क्षेत्रीय एवं केन्द्रियस्तरमा १/१ वटा कार्यशाला गोष्ठी र प्रोजेक्ट कम्प्लीशन रिपोर्ट (१०० प्रति) तयारी पुरा भएको छ ।
५. **कृषि विकास आयोजना जनकपुर (४०-३/४-२७०):** भूमिगत जलको उपयोगका लागि डीप तथा स्यालो ट्यूबवेल जडान गरी त्यस्ता ट्यूबवेलको प्रभाव क्षेत्रमा सघन कृषि विकास कार्यक्रम संचालन गरी कृषकहरूको रोजगारी एवं आय बढाउने दृष्टिबाट शुरु गरिएको आयोजनाले हाल ट्यूबवेल जडान र उपलब्ध फार्म पूर्वाधारको उपयोग गरी उन्नत वीउ तथा विरुवा उत्पादन एवं वितरण गर्ने कार्यसमेत गर्दै आएको छ । यस अतिरिक्त मूल वीउ उत्पादन ८ मे.टन (लक्ष्य ८ मे.टन), ६५०० विभिन्न फलफूलका विरुवा उत्पादन (लक्ष ६५००), १ हजार अलंकारिक विरुवा उत्पादन (लक्ष १ हजार), तरबुजाको वीउ उत्पादन ४.८५ के.जी. (लक्ष ५ के.जी.) र वियाँबाट आलु वीउ उत्पादन १००० के.जी. (लक्ष १००० के.जी.), कृषि चूनको प्रयोगबाट २ हेक्टरमा माटो व्यवस्थापन भएको छ ।

६. **रेशम खेती विकास कार्यक्रम (४०-३/४-२८०):** देशको मध्य पहाडी भेगमा संभाव्य देखिएको रेशम खेतीको विकासद्वारा स्थानीय श्रमको उपयोग गरी आय रोजगार प्रवर्द्धन एवं गरिवी निवारणमा योगदान पुऱ्याउने उद्देश्यले यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत अधिराज्यका ९ ठाउँमा (खोपासी, इटहरी, धनकुटा, भण्डारा, धुनिबेसी, बन्दीपुर, पोखरा, स्याङ्गजा र भक्तपुर) रेशम खेती विकास एवं विस्तारका लागि विभिन्न कार्यक्रम संचालन गरिएका छन् । यस आ.व.मा रेशम कीराको फुल उत्पादन ५००० बक्स (लक्ष ५००० बक्स), ३३ मे.टन कोया उत्पादन (लक्ष ३५ मे.टन), १५ मे.टन प्रशोधित रेशम धागो उत्पादन (लक्ष १५ मे.टन) भएको छ । यसैगरी किम्बु खेती क्षेत्र विस्तारका लागि आवश्यक पर्ने किम्बु बंगैचा व्यवस्थापन एवं रेशम खेती बारे ५० जना कृषकलाई ३५ दिने तालिम एवं ११ लाख किम्बु विरुवा उत्पादन एवं वितरण (लक्ष १० लाख ६५ हजार) भई थप ८० हेक्टरमा (लक्ष ८० हेक्टर) किम्बु खेती विस्तार भएको छ । यस अतिरिक्त १६० कृषकहरूलाई १५ दिने र ४७५ कृषकहरूलाई २ दिने रेशम खेती सम्बन्धी चेतना मूलक तालिम दिइएको छ ।
७. **वागवानी विकास कार्यक्रम (४०-३/४-२९१):** वागवानीजन्य जर्मप्लाज्म संकलन, संरक्षण तथा अनुसन्धानबाट सिफारिस भएका उन्नत श्रोत सामग्रीहरूको सम्बर्द्धन गरी स्थानीय वीज बृद्धिकर्ताहरू/उद्यमी कृषकहरूको लागि श्रोत सामग्री एवं प्राविधिक सेवा पुऱ्याइ वागवानी क्षेत्रको विकास गराउने दृष्टिबाट वागवानी विकास कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस आ.व.मा १० लाख ५२ हजार ३४१ (सरकारी क्षेत्रबाट १ लाख ३८ हजार ५५० र निजी क्षेत्रबाट ७ लाख ७५ हजार ५९०) बोट विरुवा वितरण भई थप २६०० हेक्टर फलफूलको क्षेत्रफल विस्तार हुने लक्ष राखिएकोमा सरकारी क्षेत्रबाट १ लाख ३९ हजार बोट विरुवा उत्पादन एवं विक्री वितरण भएको छ । यस आ.व.को अन्त्य सम्ममा फलफूलले ढाकेको क्षेत्र ६३,४३२ हेक्टर हुन गई ६३०५६३ मे.टन फलफूल उत्पादन भएको (लक्ष ९७५१८ हे र ५५२००० मे.टन) छ । यसका अतिरिक्त थप १०० हेक्टरमा कफी खेति विस्तारका लागि २ लाख २० हजार कफी विरुवा (सरकारी क्षेत्र १३००० र निजी क्षेत्र २,०७,००० बोट) विक्री वितरण गर्ने लक्ष रहेकोमा लक्ष अनुसार कफी विरुवा वितरण भई १४७८ हेक्टर मा कफी खेती भएको अनुमान छ । उक्त खेतीबाट यस आ.व. मा २७६ मे.टन (लक्ष ४२३ मे.टन सुख्खा चेरी) कफी उत्पादन भएको छ ।
८. **आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३००):** फार्मको प्रभाव क्षेत्रभित्र तरकारी, आलु तथा मसला वालीहरूको जर्मप्लाज्म संकलन र संरक्षण तथा अनुसन्धानबाट सिफारिस भएका उन्नत श्रोत सामग्रीहरूको सम्बर्द्धन गरी स्थानीय कृषकहरूको लागि श्रोत सामग्री एवं प्राविधिक सेवा पुऱ्याई तरकारी, आलु तथा मसला वालीको विकास एवं विस्तार गराउने उद्देश्यले यो कार्यक्रम संचालन भएको छ । फार्मको प्रभाव क्षेत्रका विभिन्न तरकारी, आलु तथा मसला वालीहरूको जर्मप्लाज्म संकलन तथा संरक्षण र अनुसन्धानबाट सिफारिस भएका उन्नत श्रोत सामग्रीहरूको सम्बर्द्धन गरी स्थानीय वीज बृद्धिकर्ताहरू/उद्यमी कृषकहरूलाई श्रोत सामग्रीको केन्द्रका रूपमा रही सामग्री र प्राविधिक सेवा पुऱ्याईएको छ ।

यस अन्तर्गत सरकारीस्तरबाट २५ लाख ६९ हजार तरकारी बेर्ना र ११७०६ के.जी. तरकारी वीउ (लक्ष क्रमशः २२ लाख १३ हजार बेर्ना र ६८६७ के.जी. वीउ) उत्पादन एवं विक्री वितरण भएको छ । साथै तरकारी उत्पादन बृद्धिका लागि क्षेत्र विस्तार भन्दा उन्नत प्रविधिहरूको प्रयोगबाट उत्पादकत्व बृद्धिमा जोड दिई गुणस्तरस्य उन्नत वीउ उत्पादनका लागि मूल वीउ ७.२ मे.टन र ७६ के.जी. प्रजनन् वीउ उत्पादन लक्ष अनुसार भएको छ । आलु तथा तरकारी खेतीमा भएको प्रयास स्वरूप यस आ.व. मा आलु १ लाख ५६ हजार ७३७ हेक्टरमा खेती भै २० लाख ५४ हजार ८१७ मे.टन र तरकारी २ लाख ८ हजार १०८ हेक्टरमा खेती भई २५ लाख ३८ हजार ९०४ मे.टन उत्पादन भएको छ । मसलावाली तर्फ २ लाख ४३ हजार २१० मे.टन (लक्ष २ लाख ४२ हजार २४९ मे.टन) उत्पादन भएको छ ।

९. **वीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम (४०-३/४-३०१):** वीउ प्रविधिको क्षेत्रमा वीउ प्रमाणिकरण, गुणस्तर नियमन एवं प्रयोगशाला सेवा संचालन गरी वीउ प्रवर्द्धन एवं गुण नियन्त्रण सेवा उपलब्ध गराइ उत्पादन तथा उत्पादकत्व बृद्धिमा सहयोग पुर्याउने उद्देश्यबाट यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस अतिरिक्त वीउ विजन समितिको संचालन, वीउ उत्पादन तथा विक्री निकायको निरीक्षण/अनुगमन, क्षेत्रिय तथा केन्द्रिय वीउ विजन प्रयोगशाला संचालन गरी प्रभाव क्षेत्रमा प्राविधिक सेवा एवं वीउ विजन प्रमाणिकरण सेवा संचालन गरी गुणस्तरीय वीउ विजनको प्रयोगमा टेवा पुऱ्याउँदै आएको छ । यस आ.व. मा राष्ट्रिय वीउ, विजन समितिको सचिवालय अन्तर्गत व्यवस्था भएको समिति/उपसमितिहरूको बैठक संचालन, वीउ विजन बासलात तयार गर्न वीउ विजन माग तथा आपूर्ति अन्तरकृया गोष्ठी, वीउ विजन गुण नियन्त्रण निर्देशिका तयारी गर्ने जस्ता कार्यहरू सम्पन्न गरिएका छन् भने वीउ विजन प्रयोगशालाहरूबाट क्रसचेक परीक्षणका लागि प्राप्त नमूना परीक्षण ३६५ वटा (लक्ष २५०), अन्तर्राष्ट्रिय वीउ परीक्षण संस्थाबाट प्राप्त मध्यस्थ नमूना परीक्षण ३ वटा (लक्ष ३), रजिष्ट्रेशन र प्रमाणिकरण शाखाबाट प्राप्त वीउ नमूनाहरूको परीक्षण २३७ वटा (लक्ष २०३), अन्य वीउ परीक्षण ३५८ वटा (लक्ष १५०) गरिएको छ । यस अतिरिक्त १० पटक वीउ परिक्षण प्रयोगशालाहरूको निरीक्षण २ पटक भारपातको वीउ नमूना संकलन, पहिचान र परिक्षण, निकासी गरिने मूला वीउको स्वस्थता परीक्षण समेत लक्ष अनुसार सम्पन्न भएको छ ।

१०. **मत्स्य विकास कार्यक्रम (४०-३/-३२०):** माछा फार्मको प्रभाव क्षेत्रमा विभिन्न मत्स्य बीज संकलन, संरक्षण तथा अनुसन्धानबाट सिफारिस भएका उन्नत श्रोत सामग्रीको सम्बर्द्धन गर्नुका साथै स्थानीय मत्स्य कृषकहरूलाई सामग्री एवं प्राविधिक सेवा टेवा पुऱ्याउने उद्देश्यबाट मत्स्य विकास कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । माछा फार्महरूबाट मत्स्य बीज उत्पादन तथा प्रविधि परिमार्जन गर्ने, माछा पालनका लागि आवश्यक प्रविधि प्रचार प्रसार कार्य व्यवस्थापन गर्ने, तालिम तथा जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने, भौतिक सुविधा संबर्द्धन तथा सुधार गर्ने, सरकारी फार्ममा उपलब्ध श्रोतको अधिकतम उपयोग गर्ने र फार्मको प्रभाव क्षेत्रमा प्राविधिक सेवा संचालन गर्ने जस्ता मत्स्य विकास सम्बन्धी कार्यहरू संचालन हुँदा आएको छ । यस आ.व.मा तराईका २० र मध्य पहाडका ३७ जिल्लाहरूमा मत्स्य पालन

कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । मध्य तथा सुदूर पश्चिमाञ्चलका घोलमा माछा पालन कार्यक्रमबाट कमैया एवं पिछडिएका वर्गको लागि लक्षित गरी जीवकोपार्जन कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । यस आ.व.मा. पोखरी ६८४२ हेक्टर, घोल १८०० हेक्टर, धानखेत ३५० हेक्टर, इन्क्कोजरमा १०० हेक्टर र केजमा ५०,००० धनमिटर क्षेत्रफलमा माछा पालन कार्यक्रम संचालन भई ४८७५० मे.टन खानेमाछा उत्पादन भएको छ ।

११. **खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम (४०-३/४-३३०):** खाद्य स्वच्छता तथा गुणस्तर नियमन, खाद्य प्रशोधन प्रविधि विकास, तालिम तथा परामर्श सेवा, खाद्य पोषण सुधार मार्फत् आम उपभोक्ताहरूको स्वच्छ, गुणस्तरीय र पोषणयुक्त खाद्य उपभोग गर्न पाउने हकहितको संरक्षण गर्ने, कृषिजन्य उपज तथा खाद्यबस्तुको आयात प्रतिस्थापन र निर्यात प्रवर्धनमा टेवा पुऱ्याउने एवं प्रौद्योगिकरण मार्फत् मूल्य अभिवृद्धि (Value Addition) गरी खाद्य उद्योग व्यवसायको विकासमा टेवा पुऱ्याउने दृष्टिकोणबाट यो कार्यक्रम संचालन हुदै आएको छ ।

यस आ.व. मा खाद्य तथा दानाको स्वच्छता तथा गुणस्तर नियमन कार्यक्रम अन्तर्गत ३९५१ वटा नमूना (लक्ष ३४२५ वटा) संकलन भै परिक्षण हुंदा २५२ वटामा तोकिएको मापदण्ड अनुकूल नभएकाले कार्वाही अगाडी बढाइएको, ७७० पटक उद्योग एवं ११४९ पटक होटल/रेष्टुरेन्ट (लक्ष ९२० उद्योग र ८७० होटल/रेष्टुरेन्ट) हरुको निरिक्षण अनुगमन भएको छ । १९६ खाद्य तथा दाना उद्योगहरूको अनुज्ञापत्र जारी र ६०५ वटा उद्योगहरूको नविकरण गर्ने काम भएको छ । खाद्य स्वच्छता, गुणस्तर एवं खाद्य पोषण वारे उपभोक्ताहरूलाई सुसूचित गराउने उद्देश्यले संचारका विभिन्न माध्यम मार्फत् ५४ पटक सूचना प्रसारण गरिएको छ । दुर्गम पहाडी क्षेत्रका उपभोक्तालाई लक्षित गरी त्यस क्षेत्रका उद्योग एवं बजार क्षेत्रको निरिक्षण एवं उत्पादन एवं विक्री वितरणमा रहेका खाद्य बस्तुको नमूना जाँच एवं उपभोक्ता भेला समेत सम्पन्न गरिएको छ ।

यसै गरी व्यवसायी, उद्यमी एवं उपभोक्ताहरूबाट जाँचका लागि आउने १६६५२ नमूनाहरूको (लक्ष १६००० नमूना) जाँच परिक्षण गरिएको छ । यस अतिरिक्त मूल्य अभिवृद्धि र व्यवसायीकरण उन्मुख प्रविधि विकास कार्यक्रम अन्तर्गत मिल्क होलिडे न्यूनिकरणका लागि दूध तथा दुग्ध जन्य पदार्थमा आधारित, वेल फलमा आधारित र माछा मासुमा आधारित गरी ३ परिकार विकासका लागि अध्ययन गरिनुका साथै खाद्य बस्तुहरूको पौष्टिक तत्व एवं माइक्रोन्यूट्रियन्ट विश्लेषण २०० वटा र १०० पटक खाद्य पोषण सम्बन्धि श्रव्य सन्देश प्रसारण गरी खाद्य पोषण ज्ञान विस्तार गरिएको छ । खाद्य प्रशोधन तालिम अन्तर्गत ४६६ जना संभाव्य उद्यमी एवं व्यवसायीहरूलाई खाद्य प्रविधिमा आधारित स्वरोजगार मूलक शिप विकास तालिम उपलब्ध गराइएको छ । स्याउ प्रशोधन केन्द्र जुम्लाबाट कृषकहरूको २५ हजार किलो स्याउ प्रशोधनमा प्राविधिक सेवा टेवा दिनुका साथै स्याउ तथा फलफूल प्रशोधन वारे १ दिने प्रदर्शन कार्यक्रम समेतबाट प्रशोधन सम्बन्धि प्राविधिक ज्ञान विस्तार गराइएको छ ।

१२. **खाद्य गुणस्तर व्यवस्थापन सुदृढीकरण आयोजना (४०-३/४-३३१):** नेपालले प्राप्त गरेको डब्लू.टी.ओ. को सदस्यताका सन्दर्भमा यसले निर्वाह गर्नुपर्ने भूमिका, प्रतिवद्धता र दायित्वहरु पालना गर्नको लागि सक्षम खाद्य प्रयोगशाला सहितको खाद्य गुण नियन्त्रण संयन्त्रलाई समयसापेक्ष रुपमा सुदृढीकरण गरी प्रभावकारी तुल्याउने हेतुले यो कार्यक्रम आ.व. २०६२/६३ सुरु भएको र आ.व. २०६३/६४ मा केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला भवन निर्माणतर्फ करीव ६५ प्रतिशत भौतिक प्रगति हाँसिल गरी पूर्वाधार विकास एवं सुदृढीकरणको प्रयास शुरु गरिएको थियो । यस आ.व.मा भवन निर्माण कार्य पुरा भएको र प्रयोगशालामा आवश्यक उपकरण जडान गर्ने कामका लागि रु. १ करोड ५० लाख मूल्यका विभिन्न प्रयोगशाला उपकरणहरु खरिद गरिएका छन् ।
१३. **वाली संरक्षण कार्यक्रम (४०-/४-३४०):** वाली लगाउनु अघि देखि वालि भित्र्याइसकेपछि पनि विभिन्न चरणमा रोग किराहरुबाट वालिलाई जोगाई उत्पादन एवं उत्पादकत्व बृद्धिमा सहयोग पुऱ्याउन यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस आ.व.मा सुन्तला र मौरीमा IPM कृषक पाठशाला कार्यक्रम संचालन, धान वालिमा लाग्ने रोग कीरा पहिचानका लागि सर्भे सर्भिलेन्स निर्देशिका तयारी, काउली वालि जातमा लाग्ने ब्लास्ट रोगको व्यवस्थापन, आलु वालिमा लाग्ने डहुवा रोग र अदुवामा लाग्ने राइजोम रष्ट नियन्त्रण कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । यसै गरी विभिन्न वालिमा आकस्मिक वालि संरक्षण सेवा, वालि संरक्षण जनजागृती कार्यक्रम प्रसारण, प्राङ्गारिक खेती सम्बन्धी कार्यशाला गोष्ठी, पेष्ट स्टाटस् सर्भे, कृषकले प्रयोगमा ल्याएका उपयुक्त कृषि प्रविधिहरुको प्रमाणिकरण, प्रयोगशाला निदान सेवा, अभियान मूलक वालि संरक्षण सेवा, विषादी अवशेष विश्लेषण, विषादी व्यवस्थापन जनचेतना गोष्ठी, विषादीको नमूना संकलन, गुणस्तर परिक्षण र विश्लेषण, वनस्पतिजन्य हरियो विषादी र अन्य वातावरण अनुकूल विषादी पंजिकरण र वेचविखन सम्बन्धी अभियान संचालन जस्ता विविध कृषक उपयोगी कार्यक्रमहरु संचालन गरिएका छन् ।
१४. **व्यावसायिक कीट विकास (४०-३/४-३५०):** व्यावसायिक रुपले आर्थिक महत्व भएको मौरीको व्यवस्थापन गरी आर्थिक उपयोगमा ल्याउन कार्यक्रमहरु संचालन गराउने दृष्टिबाट यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस कार्यक्रमअन्तर्गत यस आ.व.मा मौरी श्रोत केन्द्रहरुको व्यवस्थापन सेवा कृषकहरुलाई उपलब्ध गराई ६५० मे.टन मह उत्पादन भएको अनुमान गरिएको छ । नेपालमा मौरीपालनले व्यावसायिक रुप लिएर मह एवं मौरीजन्य उत्पादनमा वृद्धि भई विदेशमा समेत निकासी भएर आयआर्जनको राम्रो श्रोत बन्न गएको छ । नेपालको बनजंगल र विविध वाली प्रणालीलाई हेर्दा मौरीपालन व्यवसायको विस्तारबाट आय आर्जनमा ठूलो सघाउ पुग्न सक्ने देखिएको छ ।
१५. **वाली विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३६०):** खाद्यान्न एवं नगदे तथा औद्योगिक वाली व्यवस्थापनका लागि प्राविधिक सेवा तथा प्रविधि प्रसारद्वारा उत्पादन एवं उत्पादकत्व बृद्धि गर्ने उद्देश्यबाट यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । जिल्लास्तरका विभिन्न खाद्यान्न वाली, नगदे तथा औद्योगिक वाली व्यवस्थापन सम्बद्ध प्रसार सेवा कार्यक्रमहरुलाई प्राविधिक

सहयोग पुऱ्याउने र बाली सघनता तथा उत्पादकत्व वृद्धिबाट समष्टिगत उत्पादन बढाउने कार्यक्रम रहेको छ । गुणस्तरीय वीउ उत्पादन हाल ५९ जिल्लाहरुमा विस्तार भई कृषकहरुमा गुणस्तरीय वीउ आपूर्तिमा सुधार भएको छ । विपन्न वर्ग, महिला, दलित, जनजातिहरु वीच पनि गुणस्तरीय वीउको महत्व तथा प्रयोगमा क्रमशः वृद्धि भएको छ । जुट, उखु, तेलहन जस्ता वालीहरुको विकास तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रमद्वारा आयात प्रतिस्थापनमा सहयोग पुग्ने क्रम शुरु भएको छ ।

१६. **कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र (४०-३/४-३७१):** कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गराई आर्थिक वृद्धिमा योगदान पुऱ्याउन संचालन हुने कृषिका महत्वपूर्ण कार्यक्रमहरु र कृषक उपयोगी प्रविधिहरु वारे आमसंचारका माध्यमबाट प्रचार प्रसार गरी सेवा पुऱ्याउने उद्देश्यबाट यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यसै उद्देश्यबाट यस आ.व.मा कृषि पत्रिका एवं कृषि प्रविधियुक्त पुस्तिका प्रकाशन, फोल्डर एवं क्यालेण्डर प्रकाशन गरिएको छ । कृषि प्रविधि प्रसार एवं सम्बद्ध सूचनाहरु दैनिक रुपमा रेडियो र टेलिभिजनबाट प्रसारण गरिएको छ । सूचना प्रवाहमा इन्टरनेटको प्रयोग, भिडियो डकुमेन्ट्रि निर्माण ५ वटा र रेडियो कृषि कार्यक्रमका लागि कलाकार तथा विज्ञ सेवा ७५ पटक उपलब्ध गराइएको छ । यस प्रकाशनलाई डिजिटलमा परिवर्तन ४ पटक (लक्ष ५) र केन्द्रका कर्मचारीहरुलाई सूचना प्रविधि सम्बन्धी तालिम समेत दिइएको छ ।
१७. **कृषि प्रसार तथा तालिम कार्यक्रम (४०-३/४-३८१):** कृषि प्रसारसम्बद्ध जनशक्तिको क्षमता विकास गराउने र अगुवा कृषकहरुको लागि तालिम संचालन गरी स्थानीय तहमा कृषि प्रविधि प्रसारको सम्बाहक तयार गर्दैलाने उद्देश्यले यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । कृषि योजना तर्जुमा तथा व्यवस्थापन विषयक आधारभुत सेवाकालीन तालिम, कार्यालय/कार्यक्रम संचालन तथा व्यवस्थापन, कृषि संचार तालिम, भू-सूचना प्रणाली (GIS), विश्व व्यापार संगठन र बजारमुखी उत्पादन, वातावरण प्रभाव मूल्यांकन, कृषि जैविक विविधता, ग्रामीण कृषि कार्यकर्ता तालिम विषयहरुमा तालिम संचालन गरिएका छन् । कृषि प्रसार तरिकाहरुको प्रभावकारीता अध्ययन विश्लेषण, साना सिंचाई विशेष कार्यक्रम प्रोफाइल संकलन तथा प्रकाशन, बालीनालीको मौसमी प्रतिवेदन संकलन र रिपोर्टिङ्ग, पकेट क्षेत्र प्रोफाइल संकलन तथा पुस्तिका प्रकाशन गरिएको छ ।
१८. **समुदाय ब्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (कृषि) (४०-३/४-३८२):** यस आ.व.बाट शुरु भएका यस कार्यक्रम अन्तर्गत प्रारम्भिक कार्यक्रम मात्र संचालन हुन सकेको छ । जस अनुसार जानकारी मूलक गोष्ठीहरु संचालन र आयोजना क्षेत्रका लागि सवारी साधन खरिद गरिएको छ ।
१९. **माटो परिक्षण तथा सुधार सेवा कार्यक्रम (४०-३/४-४००):** माटोको उर्वरा तत्व व्यवस्थापनका लागि आवश्यक मलखाद सिफारिस सेवा प्रदान गर्ने, कृषकहरुमा माटोको गुणस्तर सुधार सम्बन्धी चेतना अभिवृद्धि गराई दिगो उत्पादन प्रणाली विकास गर्न यो

कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । माटोको उर्वराशक्तिमा सुधार ल्याई उत्पादन र उत्पादकत्व बृद्धिमा सघाउ पुऱ्याउन आ.व. ०६४/६५ मा २८३२ वटा (लक्ष ३००० वटा) माटो विश्लेषण, ८२ वटा (लक्ष ८२ वटा) माटो परिक्षण शिविर संचालन, ३०० वटा (लक्ष ३०० वटा) माटो र विरुवाको नमूना संकलन गरी सुक्ष्म तत्व विश्लेषण, ४० प्याकेट (लक्ष ४० प्याकेट) जैविक मल उत्पादन, रासायनिक मलको गुणस्तर विश्लेषण ३३५ वटा, २ जिल्लाको (रुपन्देही र दाङ्ग) माटोको उर्वराशक्ति नक्शा तयारीका साथै माटो विश्लेषणस्तर निर्धारण क्रस चेक ४ पटक, एकिकृत खाद्य तत्व व्यवस्थापन प्रदर्शन एवं कृषक पाठशाला संचालन ६ पटक गर्ने काम समेत संपन्न भएको छ ।

२०. **कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास कार्यक्रम (४०-३/४-४००):** यस कार्यक्रम अन्तर्गत विभिन्न स्थानको बजार कारोवार तथा मूल्य सूचना प्रवाह गर्ने, विभिन्न स्थानको उत्पादन र बचत स्थितिको सूचना प्रवाह गर्ने, कृषि तथ्यांक एवं खेती खर्च अनुगमन तथा आर्थिक विश्लेषण गर्ने, कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यहरू गर्ने, बजार सम्बद्ध पूर्वाधारहरूको विकासमा टेवा पुऱ्याउने, बजार सम्बन्धित अध्ययन विश्लेषण गरी नीति निर्माण तथा कार्यक्रम समन्वय गर्ने कार्य हुँदै आएको छ । यस आ.व.मा बजार संबद्ध पूर्वाधारहरूको विकासमा टेवा पुऱ्याउने तर्फ ५ जिल्लाका ८ ठाउँमा (रुपन्देहीको जोगीकुटी, रुद्रपुर र देवदह, पाल्पाको मदन पोखरा, धादिङ्गको ध्याल्चोक, बाराको अमरेश्वर र पटेर्वा तथा रौतहटको पिपरा) नयाँ बजार संरचना निर्माण लक्ष्य अनुसार पुरा भएको छ भने अधुरो निर्माण पुरा गर्ने तर्फ धादिङ्ग, बारा, सिन्धुली, महोतरी, सुन्सरी, काभ्रे र स्याङ्गजा गरी ६ जिल्लाको ८ ठाउँमा पुरा गरिएको छ भने सिरहा, रौतहट, सर्लाही, चितवन र रुपन्देहीमा पुरा गर्न सकिएको छैन । बजार सूचना प्रवाहतर्फ रेडियो नेपालबाट दैनिक कृषि बस्तुको थोक मूल्य प्रकाशन र हप्ताको २/२ पटक धनकुटा र सुर्खेत क्षेत्रीय प्रसारणबाट समेत कृषि उपजको थोक मूल्य प्रसारण गरिएको छ । बजार सम्बन्धी अध्ययन विश्लेषण तर्फ विभिन्न विषयमा ९ वटा अध्ययन पुरा भएको छ । कृषि बस्तु निर्यात प्रवर्द्धन तर्फ विश्व व्यापार संगठन एवं नेपाली कृषिबस्तुको विश्व बजार वारे अन्तरकृया गोष्ठी, कृषि विमा सम्बन्धी अन्तरकृया, कृषि बस्तुको आयात निर्यात विवरण अध्यावधिक गर्नुका साथै कफीको गुणस्तर सुधारका लागि कफी खेती हुने ९ जिल्ला (कास्की, बाग्लुङ्ग, पर्वत, इलाम, पाल्पा, ललितपुर, अर्घाखाँची, सिन्धुपाल्चोक र गुल्मी) मा २० थान पल्प ५० प्रतिशत अनुदानमा उपलब्ध गराइएको छ ।

२१. **सहकारी खेती साना सिंचाई तथा मल वीउ ढुवानी कार्यक्रम (४०-३/४-४६४):** खाद्य तथा पोषण सुरक्षाका दृष्टिले स-साना कृषक समूहको पहुचमा सिंचाई सुविधा र मल वीउ ढुवानी गरी खाद्य उपलब्धता बृद्धि लगायत आय आर्जन अवसर बृद्धिका लागि यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस आ.व.मा अधिराज्यका ७५ वटै जिल्लामा गरी साना सिंचाई र सहकारी सिंचाई अन्तर्गत गरी जम्मा १७०० वटा साना सिंचाई आयोजना संचालन गरिने लक्ष राखिएकोमा क्रमशः २३०५ र १३० वटा आयोजनाहरू संचालन गरिएका छन् । दुर्गम क्षेत्रमा वीउ विजन एवं रासायनिक मलको सुलभ आपूर्तिको लागि यातायात सुविधा नपुगेका २६ जिल्लामा १०९ मे.टन वीउ विजन र २४४९ मे.टन रासायनिक मल ढुवानीका लागि अनुदान उपलब्ध गराइएको छ ।

२२. **दिगो भू-व्यवस्थापन आयोजना (४०-३/४-४७०):** माटोको उर्वराशक्ति व्यवस्थापनमा स्थानीय प्रविधि र उन्नत प्रविधिको संमिश्रणबाट दिगो भू-व्यवस्थापनका आधारहरु तयार गर्ने दृष्टिबाट यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । माटोको उर्वरा शक्ति व्यवस्थापनमा स्थानीय प्रविधि र उन्नत प्रविधिको संमिश्रण गरी दिगो भू-व्यवस्थापनका आधारहरु तयार गरिएको छ । यस आयोजना अन्तर्गत माटोको उर्वरा शक्तिको नक्सा तैयार भएको, माटो परीक्षण शिविर संचालन गर्ने, गैर सरकारी संस्था लगायतका विभिन्न संस्थाहरुको उपयोगबाट स्थलगत जैविक मल लगायतका भूव्यवस्थापन अध्ययन तथा विश्लेषण गराउने कार्यक्रमहरु सञ्चालन भएको ।
२३. **कृषि तालिम तथा प्रसार सुधार आयोजना (४०-३/४-४७१):** सेवा केन्द्र स्तरदेखि केन्द्रस्तरसम्मको कृषि तालिम तथा प्रसार पद्धतिमा सुधार गर्नुपर्ने कुराहरु पहिचान गरी तालिम तथा प्रसार कार्यक्रमलाई प्रभावकारी गराउने दृष्टिबाट यो आयोजना ५ जिल्लामा (मकवानपुर, रसुवा, धादिङ्ग, नुवाकोट र सिन्धुपाल्चोक) संचालन हुँदै आएको छ । सेवा केन्द्रदेखि केन्द्रस्तर सम्मको कृषि तालिम तथा प्रसार पद्धतिमा सुधार गर्नुपर्ने कुराहरु पहिचान गरी तालिम तथा प्रसार कार्यक्रमलाई प्रभावकारी गराउने दृष्टिबाट यो आयोजना दातृ संस्थाको सहयोगमा शुरु गरिएको हो । यस कार्यक्रम अन्तर्गत तालिम तथा प्रसार पद्धतिमा सुधार गर्न मध्यमान्चल विकास क्षेत्रका आयोजना लागु भएका ५ जिल्लामा कृषक तथा कृषि प्रसार सम्बद्ध कर्मचारीहरुको क्षमता एवं सीप अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम कार्यक्रम सञ्चालन भएको छ । ५ वटा जिल्लाहरुमा १० वटा तालिम तथा प्रदर्शन फार्मको स्थापना भएको, अधिकृतस्तर तथा प्रा.स./ना.प्रा.स. स्तरको क्षमता अभिवृद्धि तालिम प्रदान गरिएको, १५ वटा कृषि विकास समिति गठन भएको, कृषि प्रसार नमुना कृषक र कृषि विकास समिति स्थापना भएका स्थानहरुमा नतिजा प्रदर्शन कार्यक्रमहरु संचालन गरिएको, जिल्ला तथा केन्द्रस्तरीय कार्यक्रमको अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण गर्ने कार्य भएको ।
२४. **व्यावसायिक कृषि विकास तथा व्यापार प्रवर्द्धन आयोजना (४०-३-४७३):** व्यावसायिक खेती विस्तार तथा पूर्वाधार विकास गर्ने उद्देश्यले यो कार्यक्रम आ.व. २०६२/६३ देखि शुरु भएको हो । व्यावसायिक कृषि विकास तथा कृषि बस्तुको बजारीकरणका लागि कार्यक्रम पहिचान गरी संचालन गर्न विधि एवं निर्देशिका तयार गर्ने कामका लागि कन्सल्ट्याण्ट छनौट भई अध्ययनको कार्य प्रारम्भ भैसकेको छ । यस आ.व. मा व्यावसायिक कृषि विकास तथा कृषि बस्तुको बजारीकरणका लागि विस्तृत अध्ययन गरी आयोजना प्रस्ताव तयार गर्ने कार्यक्रम अनुसार गत वर्षबाट शुरु भएको अध्ययनलाई निरन्तरता दिनुका साथै परामर्शदाताहरुबाट व्यावसायिक कृषि विकास सम्बन्धी डकुमेण्टको तयारी, अध्ययन सम्बन्धी प्रारम्भिक प्रतिवेदन, मस्यौदा प्रतिवेदन एवं अन्तिम प्रतिवेदन माथि छलफलका लागि कार्यशाला गोष्ठी जस्ता कार्यहरु संपन्न भएका छन् ।

२५. **ब्यावसायिक कृषि विकास आयोजना (४०-३-४७४):** कृषि पेशालाई ब्यावसायिक पेशाका रूपमा अधि बढाउने उद्देश्यले पूर्वाञ्चल क्षेत्रका ११ जिल्ला (भापा, इलाम, पाँचथर, ताप्लेजुङ्ग, सुन्सरी, धनकुटा, तेह्रथुम, मोरङ्ग, सिराहा, सप्तरी र उदयपुर) मा यो आयोजना यसै आ.व. देखि कार्यान्वयनमा आएको छ । आयोजना कार्यान्वयनबाट जिल्लाहरूको वेसलाईन सभै तयार गर्ने, बजार सूचना पद्धति विकसित गर्ने, Value Chain मा आधारित प्रमुख वालीहरूको अध्ययन गर्ने जस्ता कार्यक्रम संचालनबाट कृषिलाई ब्यवसायीकरण तर्फ अधि बढाउने यस योजनाको उद्देश्य रहेको छ । आयोजना संचालनको शुरु वर्ष यस आ.व.मा आयोजनाको पूर्वाधार विकासका लागि विभिन्न कार्यालय सामानहरू खरिद भएको छ । साथै विकास कार्यक्रम तर्फ ब्यावसायिक कृषि कोषको स्थापना, सरोकारवालाहरूको समावेशी विकास कार्यक्रम, बजार सूचना प्रवाह, आयोजनाका साभेदारहरूको क्षमता अभिवृद्धि, आयोजना कार्यान्वयन सहयोग कार्यक्रमहरू संचालन भएका छन् ।

२६. **पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम (४०-३/४-५००):** पशु स्वास्थ्य सेवासम्बद्ध औषधी उत्पादन, खोप व्यवस्थापन, गुणस्तर नियमन, क्वारेन्टाईन सेवा संचालन तथा स्थानीय तहमा प्राविधिक सेवा/टेवा उपलब्ध गराउने जस्ता कार्यक्रमहरू संचालन गरी पशुधनको सुरक्षामा टेवा पुऱ्याउने दृष्टिकोणबाट यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । पशु स्वास्थ्य सेवा सम्बद्ध औषधि उत्पादन, खोप व्यवस्थापन, गुणस्तर नियमन, क्वारेन्टाइन सेवा सञ्चालन, स्थानीय तहमा प्राविधिक परामर्श जस्ता कार्यहरू सञ्चालन गरी जनताको पशुधनको सुरक्षामा टेवा पुऱ्याएको । विभिन्न खोपहरू (पिपिआर, एच्एस, विक्क्यू, स्वाइन फिभर, रानिखेत, गम्बोरो, एचएस एरोसोल आदि) उत्पादन गरिएको, खोप कार्यक्रमहरू संचालन भएको, रेबीज भ्याक्सीन उत्पादन भएको, पैठारी गरिएका पशुपंक्षी तथा पशुपंक्षीजन्य पदार्थहरूको निरीक्षण गरिएको, प्रमाणपत्र प्रदान गरिएको, प्रयोगशाला संचालनमा आएको, पशु स्वास्थ्य सम्बन्धी ऐन नियम लागू भएको, सूचना प्रवाह तथा कार्यक्रमको समन्वय भएको । साथै जुनोटिक रोग रोकथाम र नियन्त्रणमा र ऐन नियम कार्यान्वयनको लागि भेटेरीनरी जन स्वास्थ्य कार्यालयको परिचालन गरिएको छ । यस आ.व. मा पशु स्वास्थ्यका लागि विभिन्न औषधी उत्पादन १८५९० (लक्ष २०७७३) हजार मात्रा, खोरेत भाइरस सेरोटाइपिङ्ग १२५ (लक्ष १२९ संख्या), रेविज भ्याक्सिन २२ हजार मात्रा (लक्ष २२ हजार मात्रा) एवं १७ लाख ६१ हजार बाखामा PPR भ्याक्सीन लगाइएको (लक्ष १० लाख संख्या) छ । यस अतिरिक्त रोग अन्वेषण परिक्षण २ लाख ६६ हजार पशुपंक्षीमा गरिएको (लक्ष २ लाख ६३ हजार) छ ।

२७. **पशु विकास सेवा (गाई, भैसी, बाखा र अन्य समेत) कार्यक्रम (४०-३/४-५१०):** कृत्रिम गर्भाधान, उन्नत पशुपालन व्यवस्थापन, पशु आहार तथा पोषण विकास, पशुपंक्षीजन्य बस्तुको गुणस्तर नियमन र बजार प्रवर्द्धन, जातीय श्रोत संरक्षण समन्वय जस्ता उन्नत पशुपालन व्यवस्थापन सेवाहरू संचालन गरी पशुहरूको उत्पादकत्व वृद्धि गराउने दृष्टिबाट यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत पशुपंक्षीको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्न पशु व्यवस्थापन, पशु आहारा, पशुपंक्षी बजार लगायतका प्राविधिक

सेवा उपलब्ध गराउने, दूध तथा दुग्धपदार्थको गुणस्तर नियन्त्रण, अनुवांशिकी श्रोत संरक्षण र विकास, कृत्रिम गर्भाधान, चरन विकास सम्बद्ध कार्यक्रमहरु संचालन र समन्वय गर्ने कार्यक्रमहरु भएको छ । यस कार्यक्रमबाट ८६३०० गाई भैंसीमा (लक्ष ९० हजार) कृत्रिम गर्भाधान गरिएको, ३२ जिल्लाका कम आय भएका वर्गको ५१० परिवारमा बाखा पैचो कार्यक्रम अन्तर्गत प्रति परिवार ३ वटा बाखाका दरले १५३० बाखा र ८३ वटा बोका उपलब्ध गराइएको छ । बृहत्तर पशु विकास कार्यक्रम अन्तर्गत १३ जिल्लाका २४ वटा समितिमा पशु विकास कार्यक्रमका लागि अनुदान उपलब्ध गराइएको छ ।

२८. **पशुपंक्षी बजार प्रवर्द्धन कार्यक्रम (४०-३/४-५११):** पशुपंक्षी तथा पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको बजार प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्यले यो कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत बजार तथ्यांक विश्लेषण भएको, साभेदारीमा मासु तथा दुध पसल सुधार, केही पशु हाटबजारहरुको पूर्वाधार निर्माण, पशु बध स्थल निर्माण सुधार ३ वटा (लक्ष ४ वटा) साथै यस सम्बन्धी व्यवसायी तथा संघ संस्थाहरुको बजार सम्बन्धी तथ्यांक संकलन विश्लेषण र अध्यावधिक गर्ने कार्य भएको छ ।
२९. **पशु विकास फार्महरु (४०-३/४-५२०):** फार्मको प्रभाव क्षेत्रमा रहेका विभिन्न पशुपंक्षीहरुको जातीय श्रोत पहिचान, विश्लेषण तथा संरक्षण र अनुसन्धानबाट सिफारिस भएका उन्नत पशुपंक्षीहरु एवं घाँस वीउको श्रोत सम्बर्द्धन गरी स्थानीय नश्ल सुधारकर्ता एवं उद्यमी कृषकहरुलाई श्रोत सामग्रीको केन्द्रको रूपमा विकसित गराई उन्नत नश्ल र प्राविधिक टेवा पुऱ्याउने दृष्टिबाट यी फार्महरु संचालन भएका छन् । यी फार्महरुबाट प्रजननकालागि उन्नत पशुपंक्षी उत्पादन गर्ने, उन्नत घाँसको बीउ उत्पादन गर्ने, राइजोवियम उत्पादन गर्ने, प्रभाव क्षेत्रमा प्राविधिक सेवा पुऱ्याउने, फार्मको श्रोतको अधिकतम उपयोग गर्ने जस्ता कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिएको छ । जस अनुसार बाच्छा बाच्छी उत्पादन २२ वटा (लक्ष १६ वटा), बाखा भेंडा पाठापाठी उत्पादन ३६८ वटा (लक्ष ३३० वटा) पाडापाडी उत्पादन ३१ वटा (लक्ष २५ वटा), वंगुर पाठापाठी उत्पादन १०११ वटा (लक्ष ७६० वटा), याकनाक उत्पादन १८ वटा (लक्ष १५ वटा), मुर्गा रांगो उत्पादन र वितरण २० वटा (लक्ष २५ वटा) र घाँस वीउ उत्पादन ३३ मे.टन (लक्ष ४० मे.टन) भएको छ ।
३०. **कबुलियती वन तथा पशु विकास कार्यक्रम (४०-३/४-५५०):** गरीव तथा विपन्न किसानहरुलाई हैसियत विग्रीएको वन क्षेत्र कबुलियतमा उपलब्ध गराई वनको हैसियत सुधार गर्ने र त्यस्तो वन क्षेत्रद्वारा पशुपालन तथा घाँस विकासका माध्यमबाट गरीव वर्गको आय तथा रोजगार प्रवर्द्धन गरी गरीवी घटाउन योगदान गर्ने उद्देश्यले यो कार्यक्रम २२ जिल्लामा संचालन हुँदै आएको छ । कार्यक्रम संचालनका लागि यस आ.व.मा ६०९ वटा समूहहरु गठन गरिएका छन् । यस समूहमा ५९९७ सदस्यहरु रहेका मध्ये महिला संख्या २०६२ र पुरुष संख्या ३२७२ रहेको छ । समूहले ३००२ हेक्टर क्षेत्रफल कबुलियतीमा लिई बाखा पालन एवं घाँस वाली कार्यक्रम संचालन गरेको छ । बाखा पालनका लागि आवश्यक तालिम उपलब्ध गराउनुका साथै कूल १९४४४ बाखा, १०४७ बोका, भुईँ घाँसको वीउ

६९४६ के.जीं वितरण गरीएको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत गरिबीको रेखामुनीका कृषक परिवारलाई हैसियत विग्रेका वन कबुलियती वनका रूपमा उपलब्ध गराई वन व्यवस्थापन सम्बर्द्धन तथा चरन विकास गरी घाँस खेती तथा पशुपालनमार्फत गरिबी घटाउन योगदान गर्ने खालका कार्यक्रमहरु कृषक सहभागितामा छनौट गरी सञ्चालन गरिएको छ ।

३१. **पशु सेवा तालिम कार्यक्रम (४०-३/४-५७०) :** पशु स्वास्थ्य, पशु व्यवस्थापन र पशुजन्य पदार्थहरुको गुणस्तर, सुधार र नियमन सम्बद्ध क्षेत्रमा जनशक्तिको क्षमता विकास गराउने तथा ग्रामीण पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता अगुवा कृषक तालिम संचालन गरी स्थानीय क्षेत्रमा पशु सेवा प्रविधि विकास गर्दै जाने दृष्टिकोणबाट तालिम कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । पशु स्वास्थ्य, पशु व्यवस्थापन र पशुजन्य पदार्थहरुको गुणस्तर सुधार र नियमन सम्बद्ध क्षेत्रमा जनशक्तिको क्षमता विकास गराउने तथा ग्रामीण पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं अगुवा कृषकहरुको तालिम संचालन गरी स्थानीय क्षेत्रमा पशु सेवा प्रविधि तयार गर्दै जाने दृष्टिकोणबाट पशु सेवा तालिम कार्यक्रम सञ्चालन हुँदै आएको । यस अन्तर्गत पशु सेवा तालिम कार्यक्रम समन्वय, पाठ्यक्रम विकास तथा परिमार्जन, तालिम आवश्यकता पहिचान, तालिम संचालन, अनुगमन र मूल्याङ्कन जस्ता कार्यक्रमहरु सञ्चालन भएको ।

३२. **सामुदायिक पशु विकास आयोजना (४०-३/४-५९९):** पशुपंक्षीहरुको उत्पादकत्व बढाई आर्थिक बृद्धिमा योगदान पुऱ्याउन र आय तथा रोजगारका अवसर बढाई गरिबी घटाउने दृष्टिकोणबाट तेश्रो पशु विकास आयोजनाको अनुभवसमेतका आधारमा समुदायमा आधारित पशु सेवा प्रसार एवं प्रवर्द्धन गर्न सामुदायिक पशु विकास आयोजना संचालनमा रहेको छ । यस आ.व.मा सम्बन्धित विषयमा ज्ञान र सिपमा अभिवृद्धिका लागि १० अधिकृतलाई Veterinary Lab, २५ जनालाई Laboratory and Quality Control & Analysis सम्बन्धी तालिम उपलब्ध गराईएको छ ।

आयोजना अन्तर्गत आ.व. ०६४/६५ सम्ममा बस्तुगत पकेट कार्यक्रम मार्फत् ६९,००० कृषकहरु परिवारमा प्रत्यक्ष सेवा पुऱ्याउने लक्ष भएकोमा ५९,००० कृषक परिवारमा पशु उत्पादकत्व बृद्धि कार्यक्रम मार्फत् प्रत्यक्ष सेवा पुऱ्याइएको छ । जसमा महिलाको संलग्नता ६५ प्रतिशत रहेको छ । समुदाय विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि अन्तर्गत कृषक, पार्टनर गै.स.स. र लघु वित्त संस्था, निजी पशु सेवा कर्मी, सामुदायिक पशु सहायक गरी जम्मा ५०८ जनालाई विभिन्न विषयमा तालिम प्रदान गरिएको छ । पशु उत्पादकत्व सुधार अन्तर्गत १३ वटा सामुदायिक पशु प्रजनन केन्द्र संचालन भएको छ र हिउँदे घाँस ७५७ हेक्टर, वर्षे घाँस १४३ हेक्टर र ३१४५ हेक्टर गरी जम्मा ४०३६ हेक्टरमा घाँस खेती लगाउन लगाइएको छ । प्रशोधन तथा बजारिकरण कार्यक्रम अन्तर्गत हालसम्म ४०७ डेरी ब्यवसायी, २६७ मासु ब्यवसायी, १०८ बजार ब्यवसायी र ४६ जना प्राईभेट पाराभेट्सहरुलाई प्रत्यक्ष सेवा पुऱ्याइएको छ ।

३३. **बर्ड फ्लू नियन्त्रण आयोजना (४०-३/४-५९२):** पंक्षीहरुमा एभिएन इन्फ्लुएन्जाको रुपमा फैलने बर्ड फ्लू रोगको रोकथाम तथा उपचारका लागि यसै आ.व. देखि आयोजना कार्यान्वयनमा आएको छ । आयोजना संचालनको प्रमुख उद्देश्य पंक्षीहरुमा बर्ड फ्लू रोग भित्रन नदिने सतर्कता अपनाउन नमुनाहरुको नियमित जाँच र अनुगमन तथा प्रचार प्रसारका कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । फलस्वरुप देशभित्र बर्ड फ्लूको प्रकोप नियन्त्रण भई पंक्षीजन्य व्यवसाय खास गरी कुखुरा पालन व्यवसायमा नकारात्मक परिणाम आईपरेको छैन । विगत केही वर्ष देखि नै विश्व भरि नै हाईली प्याथोजिनिक एभियन इन्फ्लुएन्जा (HPAI) को प्रकोप देखा परेको छ । नेपालमा हाल सम्म यो रोग कुखुरा तथा मानिसमा देखा नपरेको अवस्था विद्यमान छ तापनि यस रोगको संक्रमणको संभावना यथावतै छ । विगतमा नेपालको छिमेकी राष्ट्रहरु भारत, बंगलादेश, चीन र चीनको स्वशासित क्षेत्र तिब्बतमा समेत रोग देखा परे बाट नेपाल पनि सतर्कताको अवस्थामा बस्नु पर्ने आवश्यकता छ । सो कुरालाई मनन् गरी हाइली प्याथोजेनिक एभियन इन्फ्लुएन्जाबाट हुने क्षतिलाई न्युन गर्न एभियन इन्फ्लुएन्जा कन्ट्रोल आयोजना विश्व बैंकको अनुदान सहयोगमा गोष्ठी र भ्रमणहरु, तालिम र पूर्वाधार सुदृढिकरणका क्रियाकलापहरु संचालन गरिएको छ । कार्यक्रम अन्तर्गत यस आ.व.मा ग्रामिण एवं व्यावसायिक क्षेत्रबाट नमूना संकलन परिक्षण ९१०३ (लक्ष १० हजार) र २०० जना अधिकृतस्तर कर्मचारीलाई तालिम उपलब्ध गराइएको छ । साथै अति आवश्यक ठानिएका क्वारेन्टाईन कार्यालय र क्वारेन्टाईन चेकपोष्टहरुमा कम्प्युटर र सवारी साधन उपलब्ध गराउनुका साथै क्षतीपूर्ति कोषको व्यवस्था गरिएको छ ।
३४. **सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र (४०-३/४-६००):** सहकारिताको सिद्धान्त र सहकारी आन्दोलनको मर्मअनुरूप सहकारी व्यवसाय प्रवर्द्धनका लागि क्षमता विकास सम्बद्ध तालिम कार्यक्रम संचालन गर्ने तथा अध्ययन अनुसन्धान तथा विश्लेषण गरी तालिमको प्रभावकारिता बढाउने दृष्टिबाट सहकारी प्रशिक्षक प्रशिक्षण, लेखापालन, बजार प्रवर्द्धन सहकारी व्यवस्थापन एवं सचेतना सम्बन्धी तालिम संचालन हुँदै आएका छन् । यस आ.व.मा संचालन हुने तालिम कार्यक्रम मध्ये प्रशिक्षक प्रशिक्षण गर्ने कार्य केन्द्रमा गर्ने र अन्य तालिम कार्यक्रमहरु क्षेत्रीय तथा जिल्लास्तरमा गराउने प्रकृया अवलम्बन गरिएको छ । जसअनुसार केन्द्रस्तरमा ९७५ जना (लक्ष १५२५ जना), क्षेत्रस्तरमा २७२५ जना (लक्ष ३६०० जना) र जिल्लास्तरका ७४२५ जना (लक्ष ७८७५ जना) सहकारी सरोकारवालाहरुलाई तालिम उपलब्ध गराइएको छ । यसबाट सहकारीसम्बद्ध क्षेत्रमा संलग्न व्यक्तिहरुको क्षमता विकास भई सहकारी व्यवसाय प्रवर्द्धनमा योगदान पुग्नसक्ने अनुमान छ ।
३५. **सहकारी क्षेत्र सुदृढिकरण आयोजना (४०-३/४-६२०):** सहकारी क्षेत्रमा नियमित अनुगमन तथा नियमन कार्यमा आएको शिथिलता हटाई प्रभावकारिता ल्याउने दृष्टिबाट यो कार्यक्रम शुरु भएको छ । यस अन्तर्गत सहकारी प्रवर्द्धन, सहकारी संस्था अनुगमन तथा नियमन व्यवस्था सम्बन्धी कार्यहरु संचालन भएका छन् । सहकारी क्षेत्रमा नियमित अनुगमन तथा नियमन कार्यमा आएको शिथिलता हटाई प्रभावकारिता ल्याउने दृष्टिबाट यो आयोजना शुरु

गरिएको । यसअन्तर्गत सहकारी प्रवर्द्धन, सहकारी संस्था अनुगमन तथा नियमन व्यवस्था सम्बन्धी कार्यक्रमहरु संचालन भएको । नेपालभर संचालनमा रहेका सहकारी संघ/संस्थाहरुको तथ्यांक अद्यावधिक गर्ने कार्य भएको ।

३६. **कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम (४०-३/४-७१०):** यस कार्यक्रमअन्तर्गत प्राथमिकताका विभिन्न खाद्य वाली, पहाडी वाली, व्यावसायिक तथा औद्योगिक वाली, फलफूलमा विशेषगरी सुन्तला, स्याउ, तरकारी, घाँसे वाली, मासु, दूध, फुल तथा यी वाली/बस्तुको उत्पादन एवं उत्पादकत्वमा सहयोग पुऱ्याउने विभिन्न विषयबस्तु जस्तै माटो विज्ञान, वाली विज्ञान, कीट विज्ञान, पशु प्रजनन, पशु आहारा, पशु स्वास्थ्य, पशु चरनका क्षेत्रमा परिक्षण गर्ने, प्रजनन र मूल वीउ/नश्ल उत्पादन गर्ने कार्यक्रम परिषद् अन्तर्गतका अनुसन्धान फार्महरुमा संचालन भै रहेका छन् । अनुसन्धान/परिक्षणमा गरिएको प्रयासको फलस्वरुप विभिन्न वालीको उपयुक्त जातको सिफारिस, वाली रोग/कीरा प्रतिरोध गर्नसक्ने जातहरुको विकास, लागत कम हुने प्रविधिको विकास, पोष्टहार्भेष्ट भण्डारण प्रविधि विकास, गाई भैंसीमा लाग्ने थुनेलो रोग नियन्त्रण प्रविधि, गाईमा भ्रुण प्रत्यारोपण प्रविधि एवं पशु आहारातर्फ भैंसीका लागि Urea Mineral Molasses Block उत्पादन प्रविधि र बाखाका लागि Stall feeding प्रविधिको विकास गरिएको छ ।

यस आ.व. मा खाद्य सुरक्षामा टेवा पुऱ्याउने उद्देश्य परिपूर्तिका लागि वालि विशेष कार्यक्रमहरुमा धान, मकै, गहुँ, कोदो, जौ, फापर, आलु, दलहन लगायतका वालिहरुको जातीय विकास, ती वालीमा लाग्ने रोग कीराहरुको व्यवस्थापन, श्रोत वीउ उत्पादन आदि कार्यक्रम संचालन भएका छन् । साथै पशु जन्य उत्पादनमा बृद्धि ल्याउन गाई भैंसी, बंगुर, कुखुरा आदिको नश्ल सुधार गर्ने कार्यक्रम समेत संचालन भएका छन् । कृषकको माग र सहभागितामा विभिन्न जातका वालिहरुको छनौट तथा विकास गर्ने क्रममा तोरीका २ उन्नत जातहरु सिफारिस भएका छन् । अनुसन्धान कार्यक्रम अन्तर्गत खाद्यान्न वाली तर्फ ५९८ वटा वालि अनुसन्धान परिक्षण (लक्ष ६२२), २९० वटा वागवानी अनुसन्धान परिक्षण (लक्ष ३९९) संपन्न भएका छन् । यसै गरी १७८ वटा पशुपंक्षी तर्फ र ८७ वटा माछा तर्फ अनुसन्धान परिषण सम्पन्न (लक्ष त्र,मश १८९ र ९९) भएका छन् । अनुसन्धा परिक्षण कार्यक्रमहरु संचालन गर्दा विभिन्न भौगोलिक स्थितिका लागि उपयुक्त हुने वालिहरुको जातीय विकासमा समेत ध्यान दिइएको छ । कृषिजैविक विविधता सुरक्षा एवं सम्बर्द्धनका लागि जीन बैंक स्थापनाको शुरुआत गर्न जीन बैंक भवन निर्माण कार्य शुरु भएको छ ।

३७. **प्राकृतिक जलाशय मत्स्य विकास आयोजना (४०-३/४-७५०):** प्राकृतिक जलाशय एवं ताजा पानीमा माछापालन व्यवस्थापन प्रविधिको अनुसन्धान, परिक्षण तथा प्रजनन र मूल वीउ उत्पादन कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ । यसअन्तर्गत विभिन्न अनुसन्धान केन्द्रहरुमा माछाका विभिन्न पक्षहरुमा अनुसन्धान परिक्षणहरु संचालन भै उन्नत प्रविधिहरुको निक्क्यौल एवं प्रचार प्रसार हुँदै आएको छ । फलस्वरुप ट्राउट, असला जस्ता बढी मोल पर्ने माछाको श्रोत वीउ उत्पादन भई त्यसको उपलब्धताबाट उत्पादनमा बृद्धि भएको छ । साथै चिसो

पानीमा पाइने बढी मोल जाने माछा उत्पादन प्रविधिको विकास गरिएको छ । यस आ.व.मा राष्ट्रिय आवश्यकताअनुरूप श्रोत माछा भूरा उत्पादन गर्न देशका विभिन्न आवहवामा अवस्थित मत्स्य अनुसन्धान केन्द्रहरु तथा गोदावरीस्थित केन्द्रिय महाशाखाद्वारा ८७ वटा र ४२ वटा बाह्य (लक्ष क्रमशः ९१ र ५१) अनुसन्धान परिक्षणका कार्यका साथै ४३ लाख १५ हजार ५७३ संख्यामा माछा भूरा उत्पादन गरिएका छन् । आयोजनाअन्तर्गत स्थानीय माछाहरु सहर, असला, कत्ले आदिको सम्बर्द्धन तथा संरक्षण एवं यिनीहरुको नश्ल सुधार गर्नेतर्फ प्रयास भैरहनुका साथै बाहिरबाट आयातित जात प्राउन माछा र स्थानीय मागुर जातको माछामा प्रजनन प्रविधि विकास गरिएको छ । ट्राउट माछा पालनलाई विस्तार गराउन यो माछा उत्पादनका लागि उपयुक्त हुने क्षेत्रको पहिचान गरी ती क्षेत्रमा ट्राउट पालनमा जोड दिइएको छ ।

३८. **पहाडी मकै अनुसन्धान आयोजना (४०-३/४-७६१):** प्रमुख पहाडी खाद्यान्न वाली मकैको उत्पादन तथा उत्पादकत्व बृद्धिका लागि उन्नत प्रविधिको आयात, स्थानीय उपयुक्तता परिक्षण, जातीय सुधार आदि अध्ययन कार्यहरु हुँदै आएका छन् । फलस्वरूप वर्णशंकर र गुणस्तरीय प्रोटीनयुक्त (QPM) मकैका २ वटा नयाँ जात “मनकामना ५” र “मनकामना ७” किसानहरुको खेतवारीमा परिक्षण समेत भैसकेको छ । साथै मकैसंग भित्री वालीको रूपमा गोलभेंडा, अदुवा, भटमास, सिमी जस्ता वाली लागउने प्रविधि फाइदाजनक देखिएकोले त्यसको विस्तारका लागि सिफारिस गरिएको छ । यस आयोजना अन्तर्गत प्रमुख पहाडी खाद्यान्न वाली मकैको उत्पादन तथा उत्पादकत्व बृद्धिका लागि उन्नत प्रविधिको आयात, स्थानीय उपयुक्तता परीक्षण, जातीय सुधार आदि अध्ययन कार्यक्रमहरु सञ्चालन भएको । वर्णशंकर र क्यू. पि. एम. मकैको पहिचान भई किसानको खेत बारीमा सफलतापूर्वक परीक्षणहरु समेत गरिएको छ ।

३९. **राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड (मिल्क होलिडे बन्द कार्यक्रम) (४०-३/४/७७३):** दूध विदाको समस्या घटाउन दुग्ध प्रशोधन क्षमता स्थानीयस्तरमा बढाउन सहयोग गर्ने दृष्टिबाट यो कार्यक्रम संचालन भएको छ । यस आ.व.मा दूध उद्योगको लागि व्यवहारिक आचार संहिता कार्यान्वयन सम्बन्धमा अनुगमन गर्ने सम्बन्धमा ५ पटकमा गरी ३० वटा उद्योगको अनुगमन गरिएको छ । सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरुले संचालन गरेको वनमा दुग्ध उत्पादक संस्थाका सदस्यहरुद्वारा घाँसखेतीको संभाव्यतावारे अध्ययन अन्तरक्रिया ३ पटक गरिएको छ । ८ वटा नयाँ दूध चिस्यान भ्याट संचालन एवं विगतमा जडान भएका १५ वटा चिलिङ्ग भ्याटहरुको अनुगमन समेत गरिएको छ । यस अतिरिक्त राष्ट्रिय दुग्ध विकास नीति, धूलो दूध कारखाना र उत्पादन विविधिकरण गर्ने जस्ता विषयमा अन्तरक्रिया कार्यक्रम संपन्न गरिएको छ । दूध बजार प्रवर्द्धन क्षमता विकास, दूध गुणस्तर सुधार, दुग्ध उद्योगहरुको अनुगमन, पाउडर प्लाण्ट स्थापना गर्ने संभाव्यता अध्ययन सम्पन्न भएको छ ।

४०. **कर्णाली अञ्चल विशेष कृषि विकास कार्यक्रम (४०-३/४-८८९):** कर्णाली अञ्चलमा विभिन्न कृषि एवं पशु विकास सम्बन्धी कार्यक्रमहरूको संचालनबाट उत्पादन एवं कृषकहरूको आय तथा रोजगारीमा टेवा पुऱ्याउने उद्देश्य यस कार्यक्रमको रहेको छ । यस आयोजना अन्तर्गत व्यवसायिक फलफूल विकास, तरकारी विकास, आलु विकास, गेडागुडी उत्पादन विकास, संभाव्य खाद्यान्न वाली उत्पादन विकास, कृषि सेवा प्रसार, प्रविधि प्रसार, पशु सेवा कार्यक्रम, चरन विकास दलितमुखी कार्यक्रम प्रवर्द्धन सेवा संचालन जस्ता कार्यक्रमहरू जिल्ला विकास समितिको प्राथमिकताअनुरूप कृषि अनुसन्धान र प्रसारले आवद्धितरूपमा कार्यक्रम संचालन गर्ने व्यवस्था विगतका वर्षहरूमा भई आएकोमा आ.व. ०६२/६३ देखि यस आ.व. मा समेत छुट्टै कार्यक्रमको रूपमा कर्णाली अञ्चल विशेष कृषि विकास कार्यक्रमका नामबाट संचालन भएको छ ।
४१. **कृषि प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) (४०-३/४-८०५):** यस कार्यक्रम अन्तर्गत वाली सघनता तथा उत्पादकत्व बृद्धि, फार्म जल उपयोग व्यवस्थापन, खाद्यान्न बीजबृद्धि, रेशम, फलफूल, तरकारी, मौरी, आलु, मसला वाली विकास सम्बन्धी कार्यहरू, माटो, बीउ, वाली संरक्षण एवं मलखादवारे प्रविधि प्रसार, बजार सूचना प्रवर्द्धन, दलितमुखि कार्यक्रम प्रवर्द्धन जस्ता कार्यक्रमहरू संचालन हुँदै आएका छन् । यस कार्यक्रम अन्तर्गत वाली सघनता तथा उत्पादकत्व बृद्धि, फार्म जल उपयोग व्यवस्थापन, खाद्यान्न बीज बृद्धि, रेशम खेती विकास, नगदेवाली विकास, फलफूल तरकारी, मौरी, आलु मसला वाली विकास सम्बन्धी कार्यहरू, माटो, बीउ, वाली संरक्षण, मलखादहरूको प्रविधि प्रसार, बजार सूचना प्रवर्द्धन, दलितमुखी कार्यक्रम प्रवर्द्धन, जिल्लाको कृषि योजना तर्जुमा अनुगमन तथा मूल्यांकन र कार्यक्रम समन्वय गर्ने जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको छ ।
४२. **पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) (४०-३/४-४९३):** यस कार्यक्रम अन्तर्गत चरन, पशु आहारा, पोषण, पशु व्यवस्थापन, कृत्रिम गर्भाधान आदि पशु विकास सेवा, पशु स्वास्थ्य सेवा, पशु बजार सूचना सेवा, पकेट क्षेत्र विस्तार, बाखा कुखुरा प्रवर्द्धन र दलितमुखी कार्यक्रम प्रवर्द्धन सम्बन्धी कार्यक्रमहरू जिल्लास्तरमा संचालन हुँदै आएका छन् । नियमन कार्यक्रमलाई प्रसार कार्यक्रमबाट छुट्टयाई पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम ७५ वटै जिल्लामा संचालन गरिएको छ । यी कार्यक्रमहरू स्थानीय जिल्ला विकास समितिबाट स्वीकृत भई कार्यान्वयन भईरहेका छन् ।

आ.व. २०६४/६५ को बजेट बक्तब्यमा उल्लेखित बुंदाहरुको २०६४ श्रावण देखि २०६५ आषाढ मसान्त सम्मको प्रगति विवरण

खण्ड - १

| क्र.सं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|---|---|
| २४. | <ul style="list-style-type: none"> उच्च मूल्यका नगदे वाली तथा बेमौसमी कृषि उत्पादनमा जोड दिई आय आर्जन बढाउन पूर्वाञ्चल क्षेत्रका अन्य जिल्लाहरुसमेतमा चिया खेती विस्तार गरिनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> चिया कटिगं विक्री वितरण - २८२८४० थान चिया विरुवा वितरण १०५० थान चिया खेती सम्बन्धी फिल्ड स्तरीय तालिम -७२५ कृषकलाई प्राविधिक सहयोग २५० जना कृषकलाई |
| | <ul style="list-style-type: none"> पश्चिम पहाडी जिल्लाहरुमा कफी खेती विस्तार गरिनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> ओखलढुंगामा नर्सरी स्थापनाका लागि प्राविधिक सहयोग कफी खेती विस्तारका लागि तालिम सम्पन्न (लमजुंग) पोखरा र लेखनाथ महोत्सव २०६४ मा प्रचारात्मक क्रियाकलाप |
| | <ul style="list-style-type: none"> सप्तरी, बारा, सिराहा, सर्लाही, धनुषा र रुपन्देही जिल्लाका थप २ हजार ४ सय हेक्टर जग्गामा प्याज खेती विस्तार गरी प्याजको बढ्दो आयातलाई प्रतिस्थापन गरिनेछ । | <p>मिसन प्याज:</p> <ul style="list-style-type: none"> प्याज : ४९९० के.जी वीड वितरित क्षेत्रफल विस्तार: ५९९.२ हेक्टर तालिम सेवाकेन्द्रस्तर - १२० र जिल्लास्तर ८ पटक प्याजको गानो उत्पादन ३००० के जी । कार्यक्रम अनुगमन तथा निरिक्षण १३२ पटक गरिएको । |
| | <ul style="list-style-type: none"> मध्य पहाडी जिल्लामा सुन्तला खेती उत्पादन कार्यक्रमलाई जोड दिइनेछ । | <p>मिसन सिटरस:</p> <ul style="list-style-type: none"> कागतीको लागि तेह्रथुम, भोजपुर र धनकुटामा २५० हेक्टर सम्भाव्य क्षेत्र पहिचान सुन्तलाजात फलफूल विकास केन्द्र, पाल्पाबाट ५ हजार कागतीको वीजु विरुवा उत्पादन भएको । केन्द्रीय बागवानी केन्द्र कीर्तिपुरले २५ हजार कागतीको वीजु विरुवा उत्पादन गरेको । धनकुटा जिल्लामा ३० हजार, भोजपुर जिल्लामा १५ हजार र तेह्रथुम जिल्लामा ३३ हजार विरुवा वितरण कार्य भएको । नार्कको परिपाल्ने फार्म धनकुटामा ५ हजार कागतीको कलमी विरुवा उत्पादन तथा वितरण कार्य भएको । |
| | <ul style="list-style-type: none"> ताजा माछाको बढ्दो माग पुरा गर्न माछापालन व्यवसायलाई अभियानका रुपमा संचालन गरिनेछ । | <p>मिसन माछा:</p> <ul style="list-style-type: none"> रुपन्देहीमा क्षेत्रविस्तार तर्फ ६ हेक्टर र पोखरी सुधार तर्फ ५ हेक्टर बारा, बर्दिया, बाँके, कञ्चनपुर र कैलालीमा १० हेक्टर क्षेत्र विस्तार |

| क्र.सं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|--|---|
| | | <ul style="list-style-type: none"> ■ ४ वटा फार्म केन्द्रमा इमेल, इन्टरनेट सुविधा ■ ह्याचरी निर्माण र सुदृढिकरण २ वटा । ■ पोखरी सुदृढिकरण ४ हे. । ■ जिल्लास्तरीय कृषक तालिम ३ दिने २ पटक । ■ घुम्ति स्थलगत सेवाकेन्द्रस्तरीय १ दिने तालिम १४ पटक । <p>क) <u>साना पोखरी (२०० ब.मि.मा) मत्स्य पालन</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ■ पोखरी निर्माण ४५ वटा ■ पानी व्यवस्थापन (ढिकी पम्प अनुदान) ४५ वटा । <p>ख) <u>जिविकोपार्जनको लागि घोलमा मत्स्य पालन</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ■ घोल सुदृढिकरण ४ वटा । ■ नर्सरी पोखरी निर्माण २ वटा । ■ नर्सरी पोखरी सुदृढिकरण १ वटा । <p>ग) <u>ईटा भट्टाको खालटा खुल्टीमा मत्स्य पालन</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ■ खाल्टाखुल्टीमा मत्स्य पालन ६ वटा ■ सरसरफाई डिल निर्माण सुधार ४ वटा । ■ नर्सरी पोखरी सुदृढिकरण १ वटा । <p>घ) <u>अतिरिक्त आय आर्जनको लागि मध्य पहाडी जिल्लाका महिलाको लागि मत्स्य पालन</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ■ पोखरी निर्माण १० वटा । ■ केजमा मत्स्य पालनको लागि केज सामाग्री अनुदान १० केजका लागि ■ माछा भूरा ५००० वितरण । ■ दाना २५०० के.जि. । ■ माछा भूरा एवं केज सामाग्री ढुवानी १० पटक । ■ कृषकस्तरीय विषय विशेष ३ दिने तालिम (जिल्लास्तर) २ पटक । |
| | <ul style="list-style-type: none"> ■ “एक गाउँ एक उत्पादन” अवधारणा अन्तर्गत ट्राउट माछा, लप्सी, बेल र जुनारको खेतीलाई निरन्तरता दिइनेछ । | <p><u>जुनार:</u></p> <ul style="list-style-type: none"> - फलफूल विकास निर्देशनालयले जुनार बगैचा व्यवस्थापन सम्बन्धि ४ दिने तालिम १६ जनालाई प्रदान गरेको । - OVOP को लोगो सहित ग्रेडिंग (A/B) गरिएका जुनार विक्री वितरणमा - जुनार उत्पादन र टिप्ने काममा उपयोग हुने सामाग्री र उपकरण वितरण (भन्याङ्ग, भोला, कैची, Refractometer) |

| क्र.सं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|-------|--|
| | | <p>सिन्धुली</p> <ul style="list-style-type: none"> - ६२ हे. बगैँचा सुदृढिकरण - सिन्धुली महोत्सव २०६४ मा OVOP को प्रचार प्रसार - कृषक गोष्ठी जिल्लास्तर १ पटक (२० जना) - बजार व्यवस्थापन तालिम १ पटक (२५ जना) - विरुवा वितरण ८,००० वटा । (५० प्रतिशत अनुदान) - २५०० बक्स ए ग्रेडको जुनार काठमाण्डौ लगायतका बजारमा विक्री <p>रामेछाप</p> <ul style="list-style-type: none"> - A grade को जुनारको बजारीकरण गर्न सहकारी स्थापना - सिन्धुली जुनार प्रशोधन सहकारी संस्था, श्री जुनार कृषि सहकारी संस्था - बगैँचा व्यवस्थापन सम्बन्धि प्रा.स./ना.प्रा.स. तालिम १ पटक (६ जना) । - जुनार १६०० बाकस (प्रति बाकस १० किलो) काठमाडौँमा विक्री । - रुट स्टक विरुवा वितरण २००० वटा - विभिन्न किसिमका प्रदर्शन ६५ - जुनार ग्रेडिग मेसिन २ थान वितरण <p>लप्सी:</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ भक्तपुरमा प्राविधिक तालिम, गोष्ठी -७, लप्सीको परिकार बनाउने तालिम - २६ महिला कृषक संलग्न, लप्सीको काँटछाँट सम्बन्धि तालिम २ दिने (२० जना प्रा.स./ना.प्रा.स.), गोदावरीमा अगुवा कृषक तालिम १ पटक (२५ जना) ■ भक्तपुर जिल्लाले ७ हजार लप्सीका विरुवाहरु कृषकलाई वितरण गरी कृषकहरुबाट ती विरुवा रोप्ने कार्य भएको । लप्सि बगैँचा विस्तार ६५ हेक्टर ■ कृषि औजार वितरण १५ थान । <p>नुवाकोट</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ पोखरीमा माउ माछा छोडिएको र चार कृषकको फार्ममा ब्रिडिङ्ग कार्य शुरु । १२ कृषक संलग्न । ■ सामुदायिक ट्राउट मत्स्यपालन क्षेत्र वितार (१००० वर्ग मिटर) । ■ ट्राउट ह्याचरी सुदृढिकरण तथा विस्तार (४ जना कृषक) । |

| क्र.सं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|---|---|
| | | <ul style="list-style-type: none"> ट्राउट माछा पालन सम्बन्धी अन्तरक्रिया गोष्ठी १ पटक (२२ जना कृषक) । ३ दिने जिल्लास्तरीय तालिम (२६ जना) सम्पन्न । <p>रसुवामा</p> <ul style="list-style-type: none"> २ वटा पोखरी निर्माण ५५०० हजार भुरा वितरण । <p>बेल</p> <ul style="list-style-type: none"> सिराहामा बेल संकलन प्रशोधन तालिम १ पटक । बर्दियामा बेलको सर्वत उत्पादन सुरु । बागवानी केन्द्र, सर्लाहीमा बेलको स्थानीय जर्मप्लाजम संकलन गरी सम्बर्द्धन कार्य भैरहेको । |
| | <ul style="list-style-type: none"> जैविक रुपमा उत्पादित कृषि उपजको निर्यातका लागि अन्तर्राष्ट्रिय मान्यताप्राप्त परीक्षण प्रमाणपत्र जारी गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त निकायबाट अर्गानिक चिया र कफी प्रमाण पत्र हासिल गर्न हिमालयन अर्थोडक्स चिया उत्पादक संघ र सहकारी संघ गुल्मीलाई सो कार्यमा आवश्यक पर्ने रकम रु ६लाख उपलब्ध गराइसकिएको । |
| २५. | <ul style="list-style-type: none"> पूर्वाञ्चलको इलाम र भ्वापा जिल्लामा हाल देखिएको चिया प्रशोधन कारखाना अभावको गम्भीर समस्यालाई निराकरण गर्न चिया उत्पादक सहकारी संस्थाहरुको संयुक्त सहभागितामा प्रशोधन कारखाना स्थापना गर्न मेशिन उपकरण लागतको २५ प्रतिशत पूँजीगत अनुदान वा मेशीन उपकरण खरिदको लागि कारखानाले लिने ऋणको व्याजको ८० प्रतिशत अनुदान ५ वर्षसम्म उपलब्ध गराइनेछ । कारखाना स्थापना गर्न चाहने यस्ता संस्थाहरुले यी दुई मध्ये कुनै एक सुविधा छनौट गर्न सक्नेछन् । | <ul style="list-style-type: none"> प्राप्त ९ वटा प्रस्तावहरु (अर्थोडक्स तर्फ ६ र सि टि सी तर्फका ३) लाई उक्त सुविधा उपलब्ध गराउने प्रकृया अघि बढाइएको । |

| क्र.सं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|--|---|
| | <ul style="list-style-type: none"> दुध उत्पादनमा देखिएको मिल्क होलिडेलाई अन्त्य गर्न धुलो दूध उत्पादन कारखाना स्थापना गर्न चाहने दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्थाहरुलाई पनि यस्तो सुविधा उपलब्ध गराइनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> केन्द्रिय दुग्ध उत्पादक सहकारी संघको प्रस्ताव अर्थ मन्त्रालयमा सिफारिस भै गएको । |
| २६. | <ul style="list-style-type: none"> २६ जिल्लामा रासायनिक मल र बीउ ढुवानीमा अनुदान उपलब्ध गराइने छ । | <ul style="list-style-type: none"> १२९१ मे.टन रासायनिक मल ढुवानी अनुदान। ९४.६३ मे.टन उन्नत बीउ ढुवानी अनुदान। |
| २७. | <ul style="list-style-type: none"> उखु खेतीको उत्पादकत्व बृद्धि गर्न अनुसन्धान गर्ने गराउने, चिनी उद्योगहरुको क्षमता अभिवृद्धिका लागि श्रोत केन्द्रको रुपमा काम गर्ने र उखु कृषकहरु तथा उद्योगहरु बीच समन्वय कायम गर्ने प्रयोजनका लागि उखु उत्पादक तथा चिनी उद्योगीहरु समेतको प्रतिनिधित्व रहने गरी उखु तथा चिनी बोर्ड गठन गरिनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> कृषक एवं उद्योगी व्यवसायी बीच समिती गठन सम्बन्धी अन्तरकृया सम्पन्न । लिखित सुझाव संकलन गरी परिमार्जित मस्यौदालाई अर्थ मन्त्रालयमा रायका लागि पठाइएको । |
| २९. | <ul style="list-style-type: none"> कृषि उपज संकलनका लागि थोक बजार र हाटबजार विस्तार गर्ने क्रममा धादिङ्ग, चितवन, बारा, सिन्धुली, सुनसरी, रौतहट, सर्लाही,सोलुखुम्बु, सिराहा र महोत्तरी जिल्लाका विभिन्न स्थानमा कृषि बजारको पूर्वाधार विकास गरिनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> धादिङ्गको ध्याल्चोक र चरौँदि, रुपन्देहीको रुद्रपुर, योगीकुटी र देवदह, महोत्तरीको गौशाला र वर्दिवास, सिन्धुलीको सिन्धुलीमाडी एवं बाराको कलैयामा निर्माण कार्य सम्पन्न भएको । |
| ३०. | <ul style="list-style-type: none"> जैविक विविधताको दीर्घकालीन संरक्षणका लागि एउटा जिन बैंक स्थापना गरिनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> Master Plan तयार, भवन निर्माण सम्बन्धी बोलपत्र स्वीकृत भई निर्माण कार्य शुरु । |
| ३१. | <ul style="list-style-type: none"> दीर्घकालीन कृषि योजना कार्यान्वयन भएको १० वर्ष वितिसकेको छ । यसको कार्यान्वयनको मध्यावधि मूल्यांकन गरिनेछ । मूल्यांकनबाट देखिएका सकारात्मक पक्षहरुको सवलीकरण गर्दै कमजोर पक्षहरु सच्याई कृषि क्षेत्रको एकीकृत विकासलाई अघि बढाइनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> दुई वर्ष पूर्व सम्पन्न Review प्रतिवेदन रा.यो.आ. मा समीक्षा एवं राय सुझावका लागि पेश गरिएको । |

| क्र.सं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|--|---|
| ४०. | <ul style="list-style-type: none"> कृषकका माग अनुरूपका सिंचाई आयोजनाको निर्माणसंभारका लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था भएको । यस अन्तर्गत सम्बन्धित कृषकहरुको सहभागिता समेतका आधारमा साना सिंचाई आयोजना कृषक सहभागीतामा रु. ३ लाख सम्म र कृषक उपभोक्ता समूहका लागि रु. १ लाख सम्म अनुदान उपलब्ध गराईने छ । | <ul style="list-style-type: none"> साना सिंचाई आयोजना तर्फ ९५० वटा आयोजना स्वीकृत/सम्पन्न सहकारीमा आधारित साना सिंचाई तर्फ ४७ वटा आयोजना स्वीकृत/सम्पन्न । |
| ८१. | <ul style="list-style-type: none"> कृषिका माध्यमबाट विपन्न र पिछडिएका वर्गको आय आर्जन अभिवृद्धि गर्न | |
| | <ul style="list-style-type: none"> प्लाष्टिक घरमा बेमौसमी तरकारी खेती | <ul style="list-style-type: none"> बागलुङ्गमा ५ वटा, स्याङ्गजामा १० वटा, तनहुँमा ६, कास्कीमा ६ र पाल्पामा ६ वटा Site Selection भै प्लाष्टिक घर निर्माण एवं खेती कार्य भएको । |
| | <ul style="list-style-type: none"> ३८ जिल्लामा बाखा पैचो कार्यक्रम, कैलाली | <ul style="list-style-type: none"> ८९५० वाखा, ४१९ वोका वितरण, स्थलगत तालिम २७७ वटा, ११९०० वाखामा खोप संचालन |
| | <ul style="list-style-type: none"> कञ्चनपुर जिल्लाका राजमार्ग छेउमा महिला समूहमार्फत माछापालन कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> महिला समूह मार्फत माछापालन गर्न ६ वटा समूह परिचालित । माछा भुरा (८०००) अनुदानमा उपलब्ध गराईएको । ६ वटा स्थलगत तालिम प्रदान गरिएको । डिल निर्माण सुधार (६) र करेसा पोखरी निर्माणमा अनुदान (१२) |
| | <ul style="list-style-type: none"> मधेशका ११ जिल्लामा परवर खेती विस्तार | <ul style="list-style-type: none"> १११० हेक्टरमा परवर खेती गरिएको । १२७६० मे टन परवर उत्पादन । |
| | <ul style="list-style-type: none"> २० जिल्लामा आलु खेती (संखुवासभा, सोलुखुम्बु, खोटाङ्ग, सुनसरी, काभ्रे, सिन्धुपाल्चोक, सर्लाही, बारा, मनाङ्ग, पर्वत, म्याग्दी, कपिलबस्तु, अछाम, बाजुरा, डडेल्धुरा, डोल्पा, दैलेख रुकुम, बाँके र कञ्चनपुर) | <ul style="list-style-type: none"> आलुले ढाकेको क्षेत्रफल ४१४० हेक्टर आलु उत्पादन २४७२१ मे.टन |
| | <ul style="list-style-type: none"> १० जिल्ला मा अति विपन्न वर्ग लक्षित कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । | <ul style="list-style-type: none"> ७२ वटा समिति मार्फत कार्यक्रम संचालन गरिएको । |
| | <ul style="list-style-type: none"> दलित तथा मुक्त कर्मैयाको जनघनत्व वढी भएका २२ जिल्लामा सामुदायिक पशु विकास कार्यक्रम संचालन गरिने छ । | <ul style="list-style-type: none"> सामुदायिक पशु विकास आयोजना तर्फ वाख्राका ९५ वटा समिति लगायत कूल ३७७ वटा समिति गठन भै कार्य भैरहेको । ४६१ समितिका २३०५० कृषकमा फलो अप, ७९५० वाखा, ३४८ वोका वितरण, २३४ औषधि कोष स्थापना |

| क्र.सं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|--|---------------------------------|
| १७३. | <ul style="list-style-type: none"> प्रस्तुत बजेटको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि मन्त्रालय स्तरमा सम्बन्धित मन्त्रीको अध्यक्षतामा महिनाको ७ गते अनिवार्य रूपमा प्रगति समीक्षा गर्ने र प्रत्येक दुई महिनामा अर्थ मन्त्रालयमा सबै सम्बन्धित सचिवहरुको सहभागितामा अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने व्यवस्थालाई आगामी वर्ष पनि निरन्तरता दिने व्यवस्था मिलाएको छ । | तदनुसृत कार्य भैरहेको । |
| १७४. | <ul style="list-style-type: none"> सबै मन्त्रालय तथा संवैधानिक निकायहरुले आ-आफ्नो वार्षिक कार्यक्रम र योजना साउन महिना भित्र सार्वजनिक गर्ने व्यवस्था मिलाइएको छ । प्रत्येक मन्त्रालयले आफ्नो वार्षिक प्रगति तथा वित्तीय विवरण आर्थिक वर्ष सकिएको चार महिनाभित्र प्रकाशित गर्नु पर्ने व्यवस्था अनिवार्य व्यवस्था गरिनेछ । | सो अनुसारको व्यवस्था मिलाईएको । |
| १७५ | <ul style="list-style-type: none"> खर्च गर्ने निकायमा साउन १५ गर्ने भित्र स्वीकृत कार्यक्रम र अख्तियारी पुगनुपर्ने व्यवस्थालाई अनिवार्य गराइएको छ । स्थानीय निकायहरुमा जाने निःशर्त अनुदानको अख्तियारी साउन ७ गतेभित्र अर्थ मन्त्रालयबाट सिधै पठाइनेछ र कर्णाली अञ्चल र बाजुरा जिल्लामा जाने पूँजीगत बजेट अर्को वर्षको कार्तिक मसान्तमा मात्र फ्रिज गर्ने व्यवस्था गरिएको छ । | सो अनुसार भै रहेको । |

खण्ड - २

| क्र.सं. | बुंदा नं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|-----------|--|---|
| १. | ३० | यस अनुभवलाई दृष्टिगत गरी अवस्थानीय स्तरमा संचालन गरिने योजनाको छनौट, कार्यान्वयन र संचालनको जिम्मेवारी स्थानीय समुदायलाई नै दिइने छ। | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय अन्तर्गत रहेको साना सिंचाई विशेष कार्यक्रममा योजनाको छनौटमा स्थानीय समुदायको सहभागिता सुनिश्चित गरिएको र त्यस्ता योजनाहरूको कार्यान्वयन र संचालन स्थानीय समुदायले नै गर्नेगरेको छ। |
| २ | ३७ | आधा हेक्टर भन्दा कम जमिन भएका दलित एवं पिछडिएका सीमान्त कृषक तथा कृषि श्रमिकहरूलाई लक्षित समूहमा वर्गिकरण गरी विशेष सुविधा दिइने छ। यस्तो कार्यक्रम पूर्वाञ्चलका ३ जिल्ला, मध्यमाञ्चलका २ जिल्ला र पश्चिमाञ्चलका १ जिल्लामा गरी जम्मा ६ जिल्लामा परीक्षणको रूपमा शुरु गरिने छ। | सप्तरी, सोलुखुम्बु, भोजपुर, सर्लाही, महोत्तरी र पर्वतमा लक्षित वर्गको पहिचान गरी ८२ वटा समूह गठन गरिएको। त्यस्ता समूहमा हालसम्म ९९९ जनालाई जिल्ला/सेवा केन्द्र स्तरीय तालिम उपलब्ध गराईएको, १७४ स्थानमा उन्नत प्रविधि प्रदर्शन गरिएको। ४३३६ जनालाई तरकारी एवं खाद्यान्नको उन्नत बीउको मिनीकीट र १७८ जनालाई च्याउको बीउ उपलब्ध गराईएको। ६० कृषक परिवारलाई गहुँको वीजवृद्धि कार्यक्रममा संलग्न गराईएको। २ वटा समूहलाई हितकोषमा अनुदान उपलब्ध गराईएको। |
| ३ | ४९ | कृषि तथा पशुपंक्षीजन्य वस्तुको बजार विकास गर्न आगामी वर्ष कैलालीको अत्तरिया, बाँकेको चौलीकावावा, स्यांगजाको वाडसिड, सर्लाहीको गडहिया, धनुषाको हंसपुर कठपुला र रौतहटको महमुदपुरमा पूर्वाधार निर्माण र बजार सूचना व्यवस्था सहितको कृषि थोक बजार विकास गरिने छ। | कैलालीको अत्तरिया, बाँकेको चौलीकावावा तथा स्याङ्गाको वाङ्सिडमा बजार सेड निर्माण कार्य पुरा भएको। सर्लाहीको गडहिया, धनुषाको हंसपुर कठपुला तथा रौतहट महम्मदपुरमा तराई बन्द लगायतका विविध कारणबाट निर्माण कार्य शुरु मात्र हुन सकेको। |
| ४ | ५६ | कुखुरामा सर्ने वर्डफ्लु रोगको महामारीबाट बच्न निरोधात्मक उपायहरू अवलम्बन गरिनेछ। यस रोगबाट कुखुरापालन व्यवसायमा हुन सक्ने नोक्सानीको क्षतिपूर्तिका निम्ति | <ul style="list-style-type: none"> ■ World Bank को सहयोगमा Avian Influenza Control Project शुरु गरिएको। ■ Survey Surveillance का लागि परियोजनाका तर्फबाट हालसम्म १०९ |

| क्र.सं. | वुंदा नं. | विवरण | प्रगति स्थिति |
|---------|-----------|---|--|
| | | केही रकमको व्यवस्था गरी कुखुरापालन व्यवसायलाई दीर्घकालीन सुरक्षा दिन यस व्यवसायको वीमा गर्ने सम्भावनाको खोजी गरिनेछ । | <p>जना प्राविधिकलाई Bird Flu Specific तालिम उपलब्ध गराईएको ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ वर्ड फ्लु सम्बन्धी सचेतना एवं निरोधात्मक उपायहरूका लागि मिडियावाट सूचना प्रवाह भइरहेको । ▪ सीमा क्षेत्रमा क्वारेन्टाईन मार्फत अनुगमन वढाई विशेष सर्तकता अपनाईएको । ▪ HA/HI Test को लागि Symbiotic Rapid Antigen Test Kits 55, H5 and H9 Antigen Set 35, H5 and H9 Antiserum Set 35 / Universal Negative Serum Set 7 FAO/TCP बाट उपलब्ध गरिएको । |
| ५ | १५१ | सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सुधार गरी सेवाग्राहीको लागत र समय कम गर्न विद्युतीय सुशासन गुरुयोजना ल्याइने । | <p>मन्त्रालय र विभाग स्तरसम्म e-reporting लाई संस्थागत गर्न प्रयास शुरु गरिएको ।</p> <p>मन्त्रालयस्तरमा कृषि सूचना प्रविधि समिति गठन भै कार्यारम्भ गरिएको छ ।</p> |

बजेट शिर्षक अनुसार पहिलो प्राथमिकता प्राप्त (P1) आयोजनाहरूको आ.ब. ०६४/६५ को वार्षिक प्रगति स्थिति

| प्रतिशतका आधारमा प्रगति स्थिति | आयोजना संख्या |
|--|---------------|
| शतप्रतिशत मध्ये प्रगति हाँसिल गरेको आयोजना/कार्यक्रमहरू | ९ |
| ८०-९९ प्रतिशत सम्म प्रगति हाँसिल गरेको आयोजना/कार्यक्रम | २१ |
| ५० प्रतिशत देखि ७९ प्रतिशतसम्म प्रगति हाँसिल गरेको आयोजना/कार्यक्रमहरू | २ |
| ५० प्रतिशत भन्दा कम प्रगति हाँसिल गरेका आयोजना/कार्यक्रमहरू | १ |
| यस चौमासिकमा लक्ष्य नभएको | - |
| पहिलो प्राथमिकता प्राप्त (P1) आयोजना/कार्यक्रमहरूको जम्मा | ३३ |

| सि.नं. | बजेट उप-शिर्षक नं. | आयोजना/कार्यक्रमको नाम | वार्षिक प्रगति स्थिति | | कैफियत |
|--------|--------------------|---|-----------------------|----------------|--------|
| | | | भारित प्रगति | वित्तीय प्रगति | |
| १ | ४०-३/४-२११ | राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | ९०.०० | ६८ | |
| २ | ४०-३/४-२२० | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | ८८.०० | ९२ | |
| ३ | ४०-३-२४१ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | १००.०० | ५० | |
| ४ | ४०-३-२६२ | बाली विविधिकरण आयोजना | १००.०० | ६६.०० | |
| ५ | ४०-३/४-२८० | रेशम खेती विकास कार्यक्रम | ९५.०० | ९६.०० | |
| ६ | ४०-३/४-२९१ | वागावनी विकास कार्यक्रम | ९९.०० | ८७.०० | |
| ७ | ४०-३/४-३०० | आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | ९८.०० | ७६.०० | |
| ८ | ४०-३/४-३०१ | बीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | १००.०० | ९६.०० | |
| ९ | ४०-३/४-३२० | मत्स्य विकास कार्यक्रम | ९८.०० | ८९.०० | |
| १० | ४०-३/४-३३० | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम | ९५.०० | ९५.०० | |
| ११ | ४०-३/४-३४० | बाली संरक्षण कार्यक्रम | १००.०० | ६५.०० | |
| १२ | ४०-३/४-३६० | बाली विकास कार्यक्रम | १००.०० | ९९.०० | |
| १३ | ४०-३/४-३७१ | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | ९९.०० | ९९.०० | |
| १४ | ४०-३/४-३८२ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि कार्यक्रम | ६२.०० | ४४.०० | |
| १५ | ४०-३/४-४०० | माटो परिक्षण तथा सुधार सेवा कार्यक्रम | १००.०० | ९४.०० | |
| १६ | ४०-३/४-४५० | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास कार्यक्रम | ८५.०० | १००.०० | |
| १७ | ४०-३/४-४६४ | सहकारी खेती साना सिंचाई तथा मल बीउ ढुवानी कार्यक्रम | ९१.०० | ६५.०० | |
| १८ | ४०-३/४-४७० | दिगो भू-व्यवस्थापन आयोजना | १००.०० | ९५.०० | |
| १९ | ४०-३-४७१ | कृषि तालिम तथा प्रसार सुधार | १००.०० | ७१.०० | |

| सि.नं. | बजेट उप-शिर्षक नं. | आयोजना/कार्यक्रमको नाम | वार्षिक प्रगति स्थिति | | कैफियत |
|--------|--------------------|---|-----------------------|----------------|--------|
| | | | भारित प्रगति | वित्तिय प्रगति | |
| | | आयोजना | | | |
| २० | ४०-३-४७३ | व्यवसायिक कृषि विकास तथा व्यापार प्रवर्द्धन आयोजना | ९८.०० | १३.०० | |
| २१ | ४०-३/४-४७४ | व्यवसायिक कृषि विकास आयोजना | ४२.०० | २५.०० | |
| २२ | ४०-३/४-५०० | पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम | ९९.०० | ८२.०० | |
| २३ | ४०-३/४-५१० | पशु विकास सेवा कार्यक्रम (गाई, भैसी, बाख्रा र अन्य) | ९६.०० | ९५.०० | |
| २४ | ४०-३/४-५२० | पशु विकास फार्महरु | ९७.०० | ९५.०० | |
| २५ | ४०-३/४-५५० | पहाडी कबुलियती वन आयोजना (पशु विकास) | ८७.०० | ९०.०० | |
| २६ | ४०-३/४-५९१ | सामुदायिक पशु विकास आयोजना | ९६.०० | ७५.०० | |
| २७ | ४०-३/४-५९२ | वर्ड फूल्यू नियन्त्रण आयोजना | ६५.०० | ४५.०० | |
| २८ | ४०-३/४-६२० | सहकारी क्षेत्र सुदृढीकरण आयोजना | ९४.०० | ८६.०० | |
| २९ | ४०-३/४-७५० | प्राकृतिक जलाशय मत्स्य विकास आयोजना | ९८.०० | ९९.०० | |
| ३० | ४०-३/४-७६१ | पहाडी मकै अनुसन्धान कार्यक्रम | १००.०० | ३९.०० | |
| ३१ | ४०-३/४-८०१ | कर्णाली अञ्चल कृषि विकास आयोजना (जिल्लास्तर) | ९७.०० | ८१.०० | |
| ३२ | ४०-३/४-८०५ | कृषि प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | ९९.०० | १००.०० | |
| ३३ | ४०-३/४-८१३ | पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | ९७.०० | ९७.०० | |

वित्तिय प्रगति:- बजेटको तुलनामा खर्चको प्रतिशत

वार्षिक बजेट बाँडफाँड

(रु. हजारमा)

| बजेट | २०६४/६५ | प्रतिशत |
|------------------------------|-----------|---------|
| १. राष्ट्रिय | १६८९९५६०० | |
| २. कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | ४१७६८५३ | २.४८ |
| साधारण | २८९८६७ | ७ |
| विकास | ३८८६९८६ | ९३ |
| चालु | २५८४२२६ | ८६ |
| पूँजगत | ५९२६२७ | १४ |

कार्यक्रम अनुसारको प्रगति स्थिति

(भारित प्रगति प्रतिशतमा)

| कार्यक्रम | वार्षिक |
|---------------------------------|---------|
| पी.१ कार्यक्रम (केन्द्र/जिल्ला) | ८५.७९ |
| पी.२ कार्यक्रम | ९५.७० |
| जम्मा | ८६.७४ |

समग्र प्रगति स्थिति

(भारित प्रगति प्रतिशतमा)

| कार्यक्रम | आयोजना संख्या | वार्षिक प्रगति स्थिति |
|-----------------------|---------------|-----------------------|
| केन्द्रस्तर (पी१+पी२) | २९ | ८५ |
| जिल्लास्तर | ३ | ९७ |
| जम्मा | ४२ | ८६.७४ |

केन्द्रिय तथा जिल्लास्तरको प्रगति

(प्रगति प्रतिशतमा)

| कार्यक्रम | केन्द्रस्तर | जिल्लास्तर |
|---------------|-------------|------------|
| पी१ कार्यक्रम | ७३.७६ | ९७ |
| पी२ कार्यक्रम | ९५.७० | - |

संस्थागत प्रगति विवरण (केन्द्रस्तर)

(प्रगति प्रतिशतमा)

| संस्था/कार्यालय | केन्द्रस्तर | जिल्लास्तर |
|---------------------------------------|-------------|------------|
| मन्त्रालयस्तर | ९६ | - |
| कृषि विभाग | ७७ | ९८ |
| पशु सेवा विभाग | ९० | ९९ |
| सहकारी विभाग | ९७ | ९६ |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | ९५ | १०० |
| नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् | ९६ | ९४ |

८०% भन्दा कम प्रगति भएका आयोजनाहरु

(भारित प्रगति प्रतिशतमा)

| बजेट शि.नं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक |
|-------------|--|---------|
| ४०-३/४-३८२ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि कार्यक्रम | ६२ |
| ४०-३/४-४७४ | ब्यवसायिक कृषि विकास आयोजना | ४२ |
| ४०-३/४-५९२ | वर्ड फ्लू नियन्त्रण आयोजना | ६५ |

८०% भन्दा कम प्रगति भएका उप-आयोजनाहरु

(संख्यामा)

| संस्था/कार्यालय | उप-आयोजना संख्या | वार्षिक |
|---------------------------------------|------------------|---------|
| मन्त्रालयस्तर | ८८ | ५ |
| कृषि विभाग | ३५१ | १३ |
| पशु सेवा विभाग | २७० | ७ |
| सहकारी विभाग | ७८ | ३ |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | १७ | - |
| नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् | ६६ | १ |
| अन्य | ११ | ४ |
| जम्मा | ८८१ | ३२(४%) |

२०६४ आषाढ महिनासम्मको बेरुजु फछ्यौट स्थिति (सरकारी कार्यालय)

(रु. हजारमा))

| संस्था/कार्यालय | बेरुजु रकम | फछ्यौट | प्रतिशत |
|--|------------|----------|---------|
| कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | २९,४१३९ | ८७८१५ | २९.८५ |
| कृषि विभाग | ४०,१४३७ | १२,१८४४ | ३०.३५ |
| पशु सेवा विभाग | १,७३,९८३ | ५६,१०७ | ३२.४० |
| सहकारी विभाग | ८६,८९ | ३,४९१ | ४०.१८ |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | ७,९०१ | २,५१५ | ३१.८३ |
| कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | ४,२४७ | ० | ० |
| वीउ विजन गुणस्तर निन्त्रण केन्द्र | २,१५ | १६५ | ७६.७४ |
| राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | २,९९१ | २,९९१ | १०० |
| जम्मा | ८,९२,८०२ | २,७४,९२८ | ३०.७९ |

२०६४ आषाढ महिनासम्मको बेरुजु फछ्यौट स्थिति (बोर्ड/संस्थान/समिति/परिषद्/आदि)

(रु. हजारमा))

| संस्था/कार्यालय | बेरुजु रकम | फछ्यौट | प्रतिशत |
|---|------------|--------|---------|
| नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् | २९६५१६ | ८०३४९ | २७.१० |
| कपास विकास समिति | १०८०६३ | ५९९२२ | ५५.४५ |
| कृषि चून उद्योग | १४०६३ | ० | ० |
| कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी विकास समिति | ७२७६ | १११५ | १५.३२ |
| चन्द्रडाँगी वीउ वि.दू.उ.स. | ३७१ | ० | ० |
| राष्ट्रिय चिया तथा कफि विकास बोर्ड | ९२०८ | ३२४२ | ३५.२१ |
| कृषि औजार | ८१०९ | ० | ० |
| राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड | २४९५५ | ० | ० |
| पशु आहारा उत्पादन समिति | ४३८४ | ६२४ | १४.२३ |
| कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र कार्य संचालन कोष | २१६६ | ० | ० |
| पशु विकास फार्म, पोखरा (दोहोर मार्ग व्यवस्थापन प्रणाली तथा अ.का. संचालन कोष) | २२३ | ० | ० |
| मत्स्य विकास केन्द्र, हेटौँडा (दोहोर मार्ग व्यवस्थापन प्रणाली तथा अ.का. संचालन कोष) | ३ | ३ | १०० |
| जम्मा | ४७५३३७ | १४५२५५ | ३०.५५ |

कृषि उत्पादन सामग्रीहरूको स्थिति

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|--|-----------|---------|--------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| १. फलफूल विरुवा उत्पादन तथा वितरण | संख्या | १४८०५० | १५०७२४ |
| २. कफी विरुवा उत्पादन तथा वितरण | संख्या | १३००० | १७१०५ |
| ३. तरकारी वीउ उत्पादन वितरण | के.जी. | ६८६७ | ११७०६ |
| ४. तरकारी वेर्ना उत्पादन वितरण | संख्या ह. | २२१३ | २५६९ |
| ५. रुटस्टक विरुवा उत्पादन | संख्या | | |
| ६. आलंकारीक विरुवा उत्पादन वितरण | संख्या | ३७४०१ | ३६७४३ |
| ७. अलैची विरुवा विक्री वितरण | सं. लाख | १ | १ |
| ८. माछा भुरा उत्पादन वितरण | संख्या ह. | १०३२५० | ११४३१५ |
| ९. रेशम धागो उत्पादन | के.जी. | ७०० | ६०८ |
| १०. बीज कोया उत्पादन | मे.टन | १६०० | १५६७ |
| ११. चौकी किरा पालन र कृषकलाई वितरण | बक्स | २०६३ | २०५२ |
| १२. कृषकद्वारा उत्पादीत रेशम कोया खरिद | मे.टन | ३२ | २८ |

मुख्य मुख्य प्राविधिक सेवाको स्थिति

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|---|--------|---------|--------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| १. माटोको नमूना विश्लेषण सेवा | संख्या | ३००० | २८३२ |
| २. माटो परिक्षण शिविर | पटक | ८२ | ८२ |
| ३. रासायनिक मलको गुणस्तर परिक्षण विश्लेषण | संख्या | ३३५ | ३३५ |
| ४. बीउ प्रमाणीकरण | मे.टन | ९१० | २०६२ |
| ५. बीउ परिक्षण | संख्या | १८५० | ३७४२ |
| ६. बीउ, बाली र खेत निरिक्षण | हेक्टर | १७५० | ५०६२ |
| ७. श्रोत केन्द्रको बीउ नमूना परिक्षण | संख्या | ३०० | ४९९ |

मुख्य मुख्य कार्य (जिल्लास्तर) कृषि प्रसार सेवा

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|---|--------|---------|--------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| १. प्रदर्शन | पटक | २६०७३ | २५८१२ |
| २. मिनीकिट वितरण | संख्या | २६९९३३ | २६९९६९ |
| ३. कृषक समूह गठन | संख्या | २३०३ | २३९९ |
| ४. कृषक गोष्ठी/दिवस | संख्या | ६९४ | ६८९ |
| ५. कृषक भ्रमण | | | |
| कृषक भ्रमण जिल्लास्तर | संख्या | १०३ | १०३ |
| कृषक भ्रमण अन्तर जिल्लास्तर | संख्या | ४१ | ३८ |
| कृषक भ्रमण सेवा केन्द्र स्तर अन्तर समूह | संख्या | ५ | ४ |
| ६. कृषि मेला प्रदर्शनी | संख्या | ४५ | ४५ |
| ७. फलफूल बगैचा स्थापना | हेक्टर | ८५१ | ८५३ |
| ८. नीजि नर्सरी स्थापना | संख्या | २०३ | २०३ |

मुख्य मुख्य कार्य (केन्द्रस्तर) पशु सेवा प्रसार

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|--|-----------|---------|--------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| १. विभिन्न पशु रोग विरुद्ध भ्याक्सिन उत्पादन | ह. मात्रा | १८५९० | २०७७३ |
| २. रेविज रोग विरुद्ध भ्याक्सिन उत्पादन | ह. डोज | २२ | २२ |
| ३. खोरेत भाइरस टाईपिङ्ग | संख्या | १२५ | १२९ |
| ४. रांगो साढेको वीर्य उत्पादन | ह. डोज | ११० | १२३ |
| ५. तरल नाईट्रोजन उत्पादन | ह. लिटर | १९.७ | २०.२ |
| ६. बाच्छा बाच्छी उत्पादन | संख्या | १६ | २२ |
| ७. बंगुरको पाठा पाठी उत्पादन | संख्या | ७६० | १०११ |
| ८. कुखुराको चल्ला उत्पादन | ह. संख्या | १४० | १६० |
| ९. बोका/बाखा वितरण | ह. संख्या | ४५.५ | ४६.८० |

मुख्य मुख्य कार्य (जिल्लास्तर) पशु सेवा प्रसार

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|--|--------|---------|--------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| १. उन्नत पशुपंक्षी वितरण | | | |
| उन्नत पशु वितरण | संख्या | ७०० | ६४५ |
| चल्ला वितरण | संख्या | ६५००० | ६४०४३ |
| २. पशु प्रजनन सेवा | | | |
| कृत्रिम गर्भाधान | संख्या | ९०००० | ८६३०० |
| ३. पशु आहार कार्यक्रम | | | |
| घाँस विकास गर्ने | हेक्टर | ७७७ | ७७७ |
| ४. तालिम कार्यक्रम | | | |
| सेवाकेन्द्रस्तरीय कृषक तालिम | पटक | १०७५ | १०४६ |
| क्षेत्रिय कृषकस्तर तालिम | जवान | ३४४ | ३४४ |
| क्षेत्रियस्तर प्रा.स. वा ना.प्रा.स. | संख्या | २१८ | २१८ |
| ५. पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम | | | |
| प्रयोगशाला सेवा | हजार | २३९ | २६६ |
| रोग नियन्त्रण खोप सेवा | हजार | ८१८ | १०८० |
| उपचार सेवा | हजार | ९६१ | ११०७ |
| शिविर कार्यक्रम | पटक | ८५ | ८३ |
| प्रतियोगिता कार्यक्रम | पटक | २० | २० |
| प्रदर्शन कार्यक्रम | पटक | ५७ | ५७ |
| वार्षिक पुस्तिका प्रकाशन | जिल्ला | ७५ | ७४ |

कृषि तथा पशु सेवा तालिम

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|--------------------------------|------|---------|--------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| क) अधिकृतस्तर | | | |
| कृषि तर्फ | जवान | १६५ | १३९ |
| पशु सेवा तर्फ | पटक | ९६ | ९६ |
| ख) प्रा.स. / ना.प्रा.स. | | | |
| कृषि तर्फ | जवान | ४७७ | ४७७ |
| पशु सेवा तर्फ | जवान | २१८ | २१८ |
| ग) कृषक तालिम | | | |
| कृषि तर्फ | जवान | ६१३ | ५१५ |
| पशु सेवा तर्फ | जवान | ३४४ | ३४४ |

मुख्य मुख्य कार्य (खाद्य प्रविधि)

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|--|--------|---------|--------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| १. बजार निरीक्षण तथा नमूना संकलन | संख्या | २४२५ | ३९५१ |
| २. उद्योग निरीक्षण अनुगमन | संख्या | ९२० | ७७० |
| ३. होटेल/रेष्टुरा/मिठाई पसल निरीक्षण | संख्या | ८७४ | १४४९ |
| ४. खाद्य तथा दाना विश्लेषण सेवा | नमूना | १६००० | १६६५२ |
| ५. पौष्टिक तत्व तथा माइक्रो न्यूट्रियन्ट विश्लेषण | संख्या | २०० | २०० |
| ६. परिकार विकास | किसिम | २ | २ |
| ७. रिफरेन्स ल्याब कार्यक्रम अन्तर्गत चेक नमूना तयारी तथा परिक्षण (१२ जिल्ला) | नमूना | १५० | १५० |

मुख्य मुख्य कार्य (नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्)

| कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | |
|---------------------------------|--------|---------|---------|
| | | लक्ष्य | प्रगति |
| १. वाली अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ६२२ | ५९८ |
| २. वागवानी अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ३११ | २९० |
| ३. बाह्य अनुसन्धान | संख्या | ७२२ | ६६८ |
| ४. पशु पंक्षी अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | १८९ | १७८ |
| ५. मत्स्य अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ९१ | ८७ |
| ६. श्रोत बीउ | मे.टन | ७३५ | १६२९ |
| ७. बेर्ना/विरुवा | संख्या | ३९६४०० | ४३८४०५ |
| ८. पाठापाठी/पाडापाडी | संख्या | १००० | १४३६ |
| ९. चल्ला | संख्या | १०००० | २००२२ |
| १०. माछा भुरा | संख्या | ४५०००० | ४३१४४७३ |
| ११. खाने माछा | मे.टन | १८ | १०.५५ |

साना सिंचाई विशेष कार्यक्रम

| कार्यक्रम | इकाई | लक्ष्य | प्रगति |
|------------------|--------|-------------|-------------|
| १. साना सिंचाई | संख्या | १७६८ | २३०५ |
| २. सहकारी सिंचाई | संख्या | ७५ | १३० |
| जम्मा | | १८४३ | २४०५ |

रासायनिक मल स्थिति (आषाढ मसान्त सम्म)

| कार्यक्रम | परिमाण (मे.टन) |
|--------------------|----------------|
| पुरानो मौज्दात | २४३९५ |
| आयात | |
| सरकारी क्षेत्र | ६६४६ |
| नीजि क्षेत्र | ३३७१८ |
| उत्पादन | २७९२ |
| जम्मा उपलब्धता | ४७५५१ |
| कूल माग (अनुमानित) | ४३३६५९ |
| वितरण | ४७५५१ |

१. पहिलो तथा दोश्रो प्राथमिकतामा परेका आयोजना/कार्यक्रमहरूको वार्षिक भारित प्रगति

| सि.नं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक बजेट | कार्यक्रम बजेट | कार्यक्रमको भार (प्रतिशत) | वार्षिक | | |
|--------------------------------|--|--------------|----------------|---------------------------|--|----------------|--------------------|
| | | | | | आयोजनाको एक मुष्ट भारित प्रगति प्रतिशत | वित्तीय प्रगति | जम्मा भारित प्रगति |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| P1 अन्तर्गतका आयोजनाहरू | | | | | | | |
| १ | राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष (४०-३-२११) | ७७५७० | ७३६१० | ३.४५ | ९० | ३.१० | |
| २ | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम (४०-३-२२०) | ३३५७८२ | ३२५२८५ | १५.२३ | ८८ | १३.४१ | |
| ३ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम (४०-३-२४१) | ७८०० | ७५०० | ०.३५ | १०० | ०.३५ | |
| ४ | वाली विविधिकरण आयोजना (४०-३/४-२६२) | २३९८६ | २०९८० | ०.९८ | १०० | ०.९८ | |
| ५ | रेशम खेती विकास कार्यक्रम (४०-३/४-२८०) | ४१८९९ | २५०२९ | १.१७ | ९५ | १.११ | |
| ६ | वागवानी विकास कार्यक्रम (४०-३/४-२९१) | ६७१७३ | ३३२६२ | १.५६ | ९९ | १.५४ | |
| ७ | आलु तरकारी तथा मसाला विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३००) | ४६१२५ | २२०५१ | १.०३ | ९८ | १.०१ | |
| ८ | वीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम (४०-३/४-३०१) | १४९६३ | ९६७० | ०.४५ | १०० | ०.४५ | |
| ९ | मत्स्य विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३२०) | ७४३१० | ४१३९६ | १.९४ | ९८ | १.९० | |
| १० | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम (४०-३/४-३३०) | ४५९२६ | १०३०५ | ०.४८ | ९५ | ०.४६ | |
| ११ | वाली संरक्षण कार्यक्रम (४०-३/४-३४०) | ७९१७७ | ४२०३० | १.९७ | १०० | १.९७ | |

| सि.नं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक बजेट | कार्यक्रम बजेट | कार्यक्रमको भार (प्रतिशत) | वार्षिक | | |
|--------|---|--------------|----------------|---------------------------|--|----------------|--------------------|
| | | | | | आयोजनाको एक मुष्ट भारित प्रगति प्रतिशत | वित्तीय प्रगति | जम्मा भारित प्रगति |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| १२ | वाली विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३६०) | २०८६३ | ८३४० | ०.३९ | १०० | ०.३९ | |
| १३ | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र (४०-३-३७१) | २१३०१ | १५८३५ | ०.७४ | ९९ | ०.७३ | |
| १४ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि कार्यक्रम (४०-३/४-३८२) | ११९५६ | १०१६१ | ०.४८ | ६२ | ०.३० | |
| १५ | माटो परिक्षण तथा सुधार सेवा कार्यक्रम (४०-३-४००) | २४१३४ | ११५८५ | ०.५४ | १०० | ०.५४ | |
| १६ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास कार्यक्रम (४०-३/४-४५०) | ३४६२८ | २३५३८ | १.१० | ८५ | ०.९४ | |
| १७ | सहकारी खेती, साना सिंचाई तथा मल वीउ ढुवानी कार्यक्रम (४०-३/४-४६४) | १७०००० | १६८२६६ | ७.८८ | ९१ | ७.१७ | |
| १८ | दीगो भू-व्यवस्थापन आयोजना (४०-३/४-४७०) | ५५४४ | ५२८८ | ०.२५ | १०० | ०.२५ | |
| १९ | कृषि तालिम तथा प्रसार सुधार आयोजना (४०-३-४७१) | ९८२१ | ५६५० | ०.२६ | १०० | ०.२६ | |
| २० | व्यवसायिक कृषि विकास तथा व्यापार प्रवर्द्धन आयोजना (४०-३-४७३) | ११८५० | ११३४० | ०.५३ | ९८ | ०.५२ | |
| २१ | व्यवसायिक कृषि विकास आयोजना (४०-३-४७४) | २१६९६३ | २०८९३५ | ९.७८ | ४२ | ४.११ | |
| २२ | पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम (४०-३/४-५००) | १०३०६६ | ४८१३३ | २.२५ | ९९ | २.२३ | |
| २३ | पशु विकास सेवा कार्यक्रम (गाई, भैसी, बाख्रा र अन्य) (४०-३/४-५१०) | ९४२१९ | १४८२५ | ०.६९ | ९६ | ०.६७ | |

| सि.नं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक बजेट | कार्यक्रम बजेट | कार्यक्रमको भार (प्रतिशत) | वार्षिक | | |
|------------------------------|---|----------------|----------------|---------------------------|--|----------------|--------------------|
| | | | | | आयोजनाको एक मुष्ट भारित प्रगति प्रतिशत | वित्तिय प्रगति | जम्मा भारित प्रगति |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| २४ | पशु विकास फार्महरु (४०-३/४-५२०) | ५५४५८ | ३०९५९ | १.४५ | ९७ | १.४१ | |
| २५ | पहाडि कवुलियती वन आयोजना (पशु विकास) (४०-३-५५०) | १००७५७ | ९२८०५ | ४.३५ | ८७ | ३.७८ | |
| २६ | सामुदायिक पशु विकास आयोजना (४०-३/४-५९१) | २९०४२४ | २७३०२१ | १२.७९ | ९६ | १२.२७ | |
| २७ | वर्ड फ्ल्यू नियन्त्रण आयोजना (४०-३/४-५९२) | २२८२३३ | २१६७०६ | १०.१५ | ६५ | ६.६० | |
| २८ | सहकारी क्षेत्र सुदृढीकरण आयोजना (४०-३-६२०) | ३५१७९ | ३५१७९ | १.६५ | ९४ | १.५५ | |
| २९ | प्राकृतिक जलाशय मत्स्य विकास आयोजना (४०-३-७५०) | ४६३०० | २०४२४ | ०.९६ | ९८ | ०.९४ | |
| ३० | पहाडी मकै अनुसन्धान आयोजना (४०-३-७६१) | २१००० | १७६४६ | ०.८३ | १०० | ०.८३ | |
| ३१ | कर्णाली अञ्चल कृषि विकास आयोजना (जिल्लास्तर) (४०-३-८०१) | २५५२५ | २३०१० | १.०८ | ९७ | १.०५ | |
| ३२ | कृषि प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) (४०-३-८०५) | ५८४०५० | १४८६५४ | ६.९६ | ९९ | ६.८९ | |
| ३३ | पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) (४०-३/४-८१३) | ४४६४०० | १३३९२० | ६.२७ | ९७ | ६.०८ | |
| P1 अन्तर्गतको जम्मा | | ३३७२३८२ | २१३५३३८ | ९०.३९ | | ८५.७९ | ७७.५५ |
| P2 मा परेका आयोजनाहरु | | | | | | | |
| १ | कृषि विकास आयोजना, जनकपुर (४०-३/४-२७०) | २६४०५ | १८६०५ | ८.२० | ९४ | ७.७० | |

| सि.नं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक बजेट | कार्यक्रम बजेट | कार्यक्रमको भार (प्रतिशत) | वार्षिक | | |
|--------------------------|--|----------------|----------------|---------------------------|--|----------------|--------------------|
| | | | | | आयोजनाको एक मुष्ट भारित प्रगति प्रतिशत | वित्तिय प्रगति | जम्मा भारित प्रगति |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| २ | खाद्य गुणस्तर व्यवस्थापन सुदृढिकरण आयोजना (४०-३/४-३३१) | ३०००० | ३०००० | १३.२२ | ९५ | १२.५५ | |
| ३ | व्यावसायिक किट विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३५०) | १०४०८ | २४९६ | १.१० | १०० | १.१० | |
| ४ | कृषि प्रसार तथा तालिम कार्यक्रम (४०-३/४-३८१) | ३७३०८ | १३७६९ | ६.०७ | ९६ | ५.८२ | |
| ५ | पशु पंक्षी बजार प्रवर्द्धन कार्यक्रम (४०-३-५११) | ९२१० | ६३४३ | २.७९ | ८९ | २.४९ | |
| ६ | पशु सेवा तालिम कार्यक्रम (४०-३/४-५७०) | १८५१२ | ६२१८ | २.७४ | ९२ | २.५२ | |
| ७ | सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र (४०-३/४-६००) | ३२०६१ | २६७३६ | ११.७८ | ९८ | ११.५४ | |
| ८ | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम (४०-३/४-७१०) | ३४७७०० | १२१३३७ | ५३.४५ | ९६ | ५१.३१ | |
| ९ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड (मिल्क होलिडे बन्द कार्यक्रम) (४०-३-७७३) | ३००० | १५०० | ०.६६ | १०० | ०.६६ | |
| P2 को जम्मा | | ५१४६०४ | २२७००४ | ९.६१ | | ९५.७० | ९.२० |
| मन्त्रालयको जम्मा | | ३८८६९८६ | २३६२३४२ | १००.०० | | | ८६.७४ |

२. कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूबाट संचालित केन्द्रियस्तर आयोजनाहरूको प्रतिशतको वर्गिकरण अनुसार वार्षिक प्रगति स्थिति (संख्यामा)

| सि. नं. | निकायहरू | ०६४/६५ को वार्षिक प्रगति | | | | | | | | | | | | कूल जम्मा |
|---------|--|---|------|---------------|----------------|--------------|-------------------|--|------|---------------|----------------|--------------|-------------------|-----------|
| | | P ₁ अन्तर्गतका आयोजना/कार्यक्रमहरू | | | | | | P ₂ र अन्य आयोजना/कार्यक्रम | | | | | | |
| | | जम्मा | १००% | ८०-९९% राम्रो | ५०-७९% सामान्य | <५०% निकै कम | शुन्य वा अप्राप्त | जम्मा | १००% | ८०-९९% राम्रो | ५०-७९% सामान्य | <५०% निकै कम | शुन्य वा अप्राप्त | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| १ | मन्त्रालयस्तर | | | | | | | | | | | | | |
| | राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | १ | | १ | | | | | | | | | | १ |
| | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | १ | १ | | | | | | | | | | | १ |
| | दीर्घकालीन कृषि अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | ८३ | ४४ | २५ | १२ | | २ | | | | | | | ८३ |
| | बीउ विजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र | १ | १ | | | | | | | | | | | १ |
| | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | १ | १ | | | | | | | | | | | १ |
| | व्यवसायिक कृषि विकास तथा व्यापार प्रवर्द्धन आयोजना | १ | | १ | | | | | | | | | | १ |
| २ | कृषि विभाग | ३४० | २०० | १२७ | ६ | ७ | | ११ | ४ | ७ | | | | ३५१ |
| ३ | पशु सेवा विभाग | २६३ | १४८ | १०८ | ७ | | | ७ | ३ | ४ | | | | २७० |
| ४ | सहकारी विभाग | ३९ | १२ | २५ | २ | | | ३९ | ३२ | ६ | १ | | | ७८ |
| ५ | खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | १६ | ६ | १० | | | | १ | | १ | | | | १७ |
| ६ | नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् | १४ | ११ | ३ | | | | ५२ | ३१ | २० | १ | | | ६६ |

| सि. नं. | निकायहरु | ०६४/६५ को वार्षिक प्रगति | | | | | | | | | | | | कूल जम्मा |
|---------|--|---|-------|---------------|----------------|--------------|-------------------|--|------|---------------|----------------|--------------|-------------------|-----------|
| | | P ₁ अन्तर्गतका आयोजना/कार्यक्रमहरु | | | | | | P ₂ र अन्य आयोजना/कार्यक्रम | | | | | | |
| | | जम्मा | १००% | ८०-९९% राम्रो | ५०-७९% सामान्य | <५०% निकै कम | शुन्य वा अप्राप्त | जम्मा | १००% | ८०-९९% राम्रो | ५०-७९% सामान्य | <५०% निकै कम | शुन्य वा अप्राप्त | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १२ | १४ | १५ |
| ७ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड | | | | | | | १ | १ | | | | | १ |
| ८ | दुग्ध विकास संस्थान | | | | | | | १ | | १ | | | | १ |
| ९ | कपास विकास समिति | | | | | | | १ | | | १ | | | १ |
| १० | राष्ट्रिय सहकारी संघ लि. | | | | | | | १ | १ | | | | | १ |
| ११ | राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | | | | | | | १ | | १ | | | | १ |
| १२ | कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड | | | | | | | १ | | | | १ | | १ |
| १३ | राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी | | | | | | | १ | | | १ | | | १ |
| १४ | पशु आहारा उत्पादन विकास समिति | | | | | | | १ | १ | | | | | १ |
| १५ | चन्द्रडांगी विउ विजन तथा दुग्ध उत्पादन विकास समिति | | | | | | | १ | १ | | | | | १ |
| १६ | कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार विकास समिति | | | | | | | १ | | १ | | | | १ |
| १७ | राष्ट्रिय चिया तथा कफि विकास बोर्ड | | | | | | | १ | | १ | | | | १ |
| | जम्मा | ७६० | ४२४ | ३०० | २७ | ७ | २ | १२१ | ७४ | ४२ | ४ | १ | ० | ८८१ |
| | प्रतिशतमा | ८६.२७ | ४५.८९ | ३२.४७ | २.९२ | ०.७६ | ०.२२ | १३.७३ | ८.०१ | ४.५५ | ०.४३ | ०.११ | ०.०० | १००.०० |

३. कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूबाट संचालित जिल्लास्तर आयोजना/कार्यक्रमको एक मुष्ट भारित प्रगति प्रतिशत

क) कृषि विभाग

| आयोजना/कार्यक्रमहरू | वार्षिक भारित प्रगति प्रतिशत |
|-----------------------------------|------------------------------|
| १. कृषि प्रसार कार्यक्रम (AEP) | ९८.९९ |
| २. कर्णाली अंचल कृषि विकास आयोजना | ९३.९८ |
| ३. वाली विविधिकरण आयोजना (CDP) | ९६.९८ |

ख) पशु सेवा विभाग

| आयोजना/कार्यक्रमहरू | वार्षिक भारित प्रगति प्रतिशत |
|-----------------------------------|------------------------------|
| १. पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम | ९८.३८ |
| २. कर्णाली अञ्चल पशु विकास आयोजना | ९७.५५ |

ग) सहकारी विभाग

| आयोजना/कार्यक्रमहरू | वार्षिक भारित प्रगति प्रतिशत |
|-----------------------------------|------------------------------|
| १. कर्णाली अञ्चल कृषि विकास योजना | १००.०० |

घ) खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग (५ जिल्ला)

| आयोजना/कार्यक्रमहरू | वार्षिक भारित प्रगति प्रतिशत |
|-----------------------------------|------------------------------|
| १. कर्णाली अञ्चल कृषि विकास योजना | ३३.०० |

ड) नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् (१ जिल्ला)

| आयोजना/कार्यक्रमहरू | वार्षिक भारित प्रगति प्रतिशत |
|-----------------------------------|------------------------------|
| १. कर्णाली अञ्चल कृषि विकास योजना | १००.०० |

४.१ : केन्द्रिय स्तरका कार्यक्रमहरूको प्रमुख उपलब्धी

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | | कैफियत |
|--------|--|-----------------|---------|---------|---------|--------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत | |
| १ | फलफूल विरुवा उत्पादन तथा वितरण | संख्या | १४८०५० | १५०७२४ | १०० | |
| २ | तरकारी बीउ उत्पादन वितरण | के.जी. | ६८६७ | ११७०६ | १०० | |
| ३ | तरकारी बेर्ना उत्पादन वितरण | संख्या (०००) | २२१३ | २५६९ | १०० | |
| ४ | आलँकारी विरुवा उत्पादन वितरण | संख्या | ३७४०१ | ३६७४३ | ९८ | |
| ५ | अलैची विरुवा विक्री वितरण | संख्या (लाख) | १ | १ | १०० | |
| ६ | कफि विरुवा उत्पादन वितरण | संख्या | १३००० | १७१०५ | १०० | |
| ७ | माछा भुरा उत्पादन वितरण | | | | | |
| | ह्याचलिङ्ग | संख्या (०००) | ८४००० | ९४५८५ | १०० | |
| | फ्राई | „ | १३०५० | १३५२६ | १०० | |
| | फिङ्गरलिङ्ग | „ | ६२०० | ६२०४ | १०० | |
| ८ | कृषकद्वारा उत्पादीत रेशम कोया खरिद | मे.ट | ३२ | २८ | ८८ | |
| ९ | चौकी कीरा पालन र कृषकलाई वितरण | बक्स | २०६३ | २०५२ | ९९.४७ | |
| १० | रेशम धागो उत्पादन | के.जी. | ७०० | ६०८ | ८६.८६ | |
| ११ | विज कोया उत्पादन | के.जी. | १६०० | १५६७ | ९७.९४ | |
| १२ | रेशम कीराको फुल उत्पादन | बक्स | ४००० | ४००० | १०० | |
| १३ | माटोको नमूना विश्लेषण | संख्या | ३००० | २८३२ | ९४.४० | |
| १४ | रासायनिक मलको गुणस्तर परिक्षण विश्लेषण | संख्या | ३३५ | ३३५ | १०० | |
| १५ | शुष्मत्व विश्लेषण | संख्या | ३०० | ३०० | १०० | |
| १६ | माटो परिक्षण शिबीर | पटक | ८२ | ८२ | १०० | |
| १७ | तालिम कार्यक्रम | | | | | |
| | अधिकृतस्तर | जवान | ८(१६५) | ७(१३९) | ८७.५० | |
| | प्रा.स./ना.प्रा.स. | „ | २२(४७७) | २२(४१७) | १०० | |
| | अगुवा कृषक | „ | २७(६१३) | २७(५१५) | १०० | |
| १८ | बीउ परिक्षण | संख्या | २६०० | ४०८५ | १०० | |
| १९ | बीउ प्रमाणिकरण | मे.टन | ९१० | २०६२ | १०० | |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | | कैफियत |
|---|--|-------------|---------|--------|---------|--------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत | |
| २० | वीउ भण्डार निरीक्षण | पटक | २१ | २४ | १०० | |
| २१ | श्रोतकेन्द्रको वीउ नमूना परिक्षण | संख्या | ३२५ | ५६२ | १०० | |
| पहिलो प्राथमिकता परेको आयोजना (P ₁) | | | | | | |
| १ | पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम | | | | | |
| १.१ | विभिन्न पशु रोग विरुद्ध भ्याक्सीन उत्पादन | हजार मात्रा | १८५९० | २०७७३ | १०० | |
| १.२ | खोरेत भाइरस सोरोटाईपिङ्ग | संख्या | १२५ | १२९ | १०० | |
| १.३ | रेविज रोग विरुद्ध भ्याक्सीन उत्पादन | हजार डोज | २२ | २२ | १०० | |
| १.४ | भेटेनरी औषधी तथा भ्याक्सिनको प्रयोग शाला परिक्षण | संख्या | २१७ | २३३ | १०० | |
| २ | पशु विकास सेवा कार्यक्रम | | | | | |
| २.१ | रागो/साँढेको जमेको विर्य उत्पादन | ह.डोज | ११० | १२३ | १०० | |
| २.२ | तरल नाइट्रोजन उत्पादन | ह. लिटर | १९.७ | २०.२ | १०० | |
| २.३ | पशुजन्य पदार्थको गुण सम्बन्धी प्रयोगशाला परिक्षण | संख्या | ३३० | ३३० | १०० | |
| ३ | पशु पंक्षी बजार प्रबर्द्धन कार्यक्रम | | | | | |
| ३.१ | बजार सूचना संकलन तथा व्यवस्थापन | पटक | १२ | १२ | १०० | |
| ३.२ | पशु हाट बजार स्थलगत अध्ययन | पटक | १० | ९ | ९० | |
| ३.३ | पशु बधस्थल सम्बन्धी निर्माण सुधार | पटक | ४ | ३ | ७५ | |
| ४ | पशु विकास फार्महरू | | | | | |
| ४.१ | बाच्छा बाच्छी उत्पादन | संख्या | १६ | २२ | १०० | |
| ४.२ | मुर्गा भैंसीको पाडापाडी उत्पादन | संख्या | २५ | ३१ | १०० | |
| ४.३ | बंगुरको पाठापाठी उत्पादन | संख्या | ७६० | १०११ | १०० | |
| ४.५ | भेंडा/बाखाको पाठापाठी उत्पादन | संख्या | ३३० | ३६८ | १०० | |
| ४.६ | कुखुराको चल्ला उत्पादन | संख्या हजार | १४० | १५८.९ | १०० | |
| ५.६ | इनोकुलम उत्पादन | के.जि | १५० | १५८ | १०० | |
| ५.७ | याक नाक | संख्या | १५ | १८ | १०० | |
| ५ | पहाडी कवुलियती वन तथा चरन विकास | | | | | |
| ५.१ | बाखा छनौट तथा वितरण | संख्या | २२३०४ | १९४४४ | ८७.१८ | |
| ५.२ | बोका छनौट तथा वितरण | संख्या | ११६० | १०४७ | ९०.२६ | |
| ५.३ | बोका/बाखामा भ्याक्सीनेशन | ह. संख्या | ४५.५ | ४६.८० | १०२.८६ | |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | | कैफियत |
|---|---|--------|----------|----------|---------|--------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत | |
| ६ | सामुदायिक पशु विकास आयोजना | | | | | |
| ६.१ | समिति गठन (बाखा २३६, भैसी ६१, गाई ४, बंगुर २६ र घाँस २१, कुखुरा २९) | संख्या | ३७७ | ३७७ | १०० | |
| ७. | पशु सेवा तालिम | | | | | |
| ७.१ | अधिकृत स्तर तालिम | पटक | ५(९६) | ५(९६) | १०० | |
| ७.२ | प्रा.स./ना.प्रा.स. | पटक | ११ (२१८) | १२ (२१८) | १०० | |
| ७.३ | कृषकस्तर तालिम | पटक | १८(३४४) | १८(३४४) | १०० | |
| ग) खाद्यान्नबाट संचालित कृषि आयोजनाहरु (नेपाल खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम (P₁)) | | | | | | |
| १ | खाद्य स्वच्छता तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | | | | | |
| १.१ | बजार निरीक्षण तथा नमूना संकलन | संख्या | ३४२५ | ३९५१ | ११५ | |
| १.२ | उद्योग निरीक्षण अनुगमन | पटक | ९२० | ७७० | ८४ | |
| १.३ | होटल रेष्टुरेण्ट तथा मिठाई पसलहरुको निरीक्षण | पटक | ८७४ | १४४९ | १६६ | |
| १.४ | गुणस्तर निर्धारण तथा परिमार्जन सम्बन्धि मस्यौदा तयार गर्ने | संख्या | १० | १० | १०० | |
| १.५ | दुर्गम तथा पहाडी क्षेत्र लक्षित उपभोक्ता मुखी कार्यक्रम | जिल्ला | १२ | १२ | १०० | |
| २ | प्रयोगशाला सेवा | | | | | |
| २.१ | खाद्य तथा दाना नमूना परिक्षण | नमूना | १६००० | १६६५२ | १०० | |
| २.२ | रिफरेन्स ल्याब कार्यक्रम अन्तर्गत चेक नमूना तयारी तथा परिक्षण (१२ जिल्ला) | नमूना | १५० | १५० | १०० | |
| ३ | खाद्य प्रविधि बिकास तथा तालिम कार्यक्रम | | | | | |
| ३.१ | बेल, दूध तथा दुग्ध जन्य पदार्थ र माछा मासुमा आधारित मूल्य बृद्धि व्यवसायिक उन्मुख प्राविधिक विकास कार्यक्रम | किसिम | ३ | ३ | १०० | |
| ४ | खाद्य पोषण कार्यक्रम | | | | | |
| ४.१ | पौष्टिक तत्व तथा माइक्रो न्यूट्रियन विश्लेषण | संख्या | २०० | २०० | १०० | |
| ४.२ | परिकार विकास | किसिम | २ | २ | १०० | |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | | कैफियत |
|---|---|--------|---------|--------|---------|--------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत | |
| ५. | एस.पि.एस. नेशनल इन्वारी प्वाइन्ट सदृढिकरण कार्यक्रम | | | | | |
| ५.१ | प्लान्ट सेफटी/एनिमल सेफटी र फुड सेफटी विषयक गाईड लाईनहरु तयारी तथा अनुवाद/छपाई | किसिम | ३ | ३ | १०० | |
| घ) राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | | | | | | |
| १ | आयोजना अनुगमन तथा मूल्यांकन | पटक | २० | २० | १००.०० | |
| २ | आयोजना अवधारणा पत्र समिक्षा | पटक | १ | १ | १००.०० | |
| ङ) दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम (P₁) | | | | | | |
| १ | केन्द्रीय कृषि विकास कार्यान्वयन समितिको बैठक संचालनका लागि छलफल पत्र तयार गरी बैठक संचालन गर्ने | पटक | ३ | ३ | १०० | |
| २ | दीर्घकालीन कृषि योजना प्रथमिकता कार्यक्रमहरुको Periodic अनुगमन गर्ने र प्राविधिक समिति (APP-TWG) को बैठक संचालन गर्ने तथा बैठकको लागि आधार पत्र तयार गर्ने | पटक | ३ | ३ | १०० | |
| ३ | जिल्ला कृषि विकास कोष संचालन | | | | | |
| | जिल्ला प्रसार उपकोष आयोजना संचालन | घरधुरी | १७६७३ | १५३८५ | ८७.०५ | |
| | स्थानीय प्रयास उपकोष परियोजना संचालन | घरधुरी | १७८६८ | १५५३१ | ८६.९२ | |
| ४ | कृषि जैविक विविधता संरक्षण समितिको बैठक | पटक | १ | १ | १०० | |
| ५ | प्रेस भेटघाट | पटक | ३ | २ | ६६.६७ | |
| ६ | बैठक तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम | | | | | |
| | WTO सम्बन्धि तालिम समन्वय तथा अन्तरक्रिया बैठक (आन्तरिक) गर्ने | पटक | ३ | ३ | १०० | |
| | SPS Coordination Committee सम्बन्धि बैठक गर्ने | पटक | ४ | ४ | १०० | |
| ७ | जिल्लास्तरमा GIS को पूर्वाधार विकास / विस्तारका लागि Digital Tata / Software Installation Orientation अनुगमन, प्रशिक्षण गोष्ठी एवं तालिम कार्यक्रम समन्वय गर्ने (क्षेत्रियस्तर २) | संख्या | २ | २ | १०० | |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | | कैफियत |
|--|--|---------------|---------|--------|---------|--------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत | |
| ८ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सम्बन्धी नीतिगत बैठक संचालन | पटक | ३ | ३ | १०० | |
| च) वीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | | | | | | |
| १ | राष्ट्रिय वीउ विजन समिति, उप-समितिहरु तथा अस्थाई प्राविधिक उप-समितिहरुको बैठक संचालन | संख्या | १५ | १६ | १०० | |
| २ | निरीक्षण तथा अनुगमन | पटक | ९ | ९ | १०० | |
| ३ | निकासी गरिने मूलाको वीउमा स्वास्थ्यको परिक्षण | पटक | १ | १ | | |
| ४ | विउ वाली खेत निरीक्षण | हेक्टर | ४० | ४८ | १००.०० | |
| छ) कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | | | | | | |
| १ | कृषि द्वैमासिक पुस्तिका र फोल्डर प्रकाशन तथा वितरण | प्रकार संख्या | २१ | २१ | १००.०० | |
| २ | रेडियो कृषि कार्यक्रम प्रसारण | पटक | ३६५ | ३६५ | १००.०० | |
| ३ | टेलिभिजन कृषि कार्यक्रम प्रसारण | पटक | ३६५ | ३६५ | १००.०० | |
| ४ | भिडियो डकुमेण्ट निर्माण | संख्या | ५ | ५ | १००.०० | |
| ज) नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् | | | | | | |
| १ | वाली अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ६२२ | ५९८ | ९६.१४ | |
| २ | वागवानी अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ३११ | २९० | ९३.२५ | |
| ३ | पशुपंक्षी अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | १८९ | १७८ | ९४.१८ | |
| ४ | मत्स्य अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ९१ | ८७ | ९५.६० | |
| ५ | बाह्य अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ७२२ | ६६८ | ९२.५२ | |
| ६ | विविध अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ८० | ८० | १००.०० | |
| ७ | रिशर्च सपोट तथा व्यवस्थापन | संख्या | ३१७ | ३१७ | १००.०० | |
| झ) सहकारी (सहकारी विभाग) (P₁) | | | | | | |
| क) सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम | | | | | | |
| १ | मामला अध्ययन | पटक | २८ | ३८ | १०० | |
| ख) सहकारी सुदृढिकरण कार्यक्रम | | | | | | |
| १ | समूह शहरीकरण | संख्या | ६८५ | ६६८ | ९७.५२ | |
| २ | दर्ता खारिज | संख्या | १९१ | १४७ | ७६.९६ | |
| ग) तालिम कार्यक्रम | | | | | | |
| १ | आधाभूत सहकारी व्यवस्थापन तालिम | पटक | २४ | २४ | १०० | |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | | कैफियत |
|--|--|----------|---------|--------|---------|--------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत | |
| २ | आधारभूत सहकारी लेखापालन तालिम | पटक | ३० | ३० | १०० | |
| ३ | पूर्व सहकारी शिक्षा | पटक | १३९ | १४० | १०० | |
| ४ | सहकारी सचेतना तालिम | पटक | ११२ | ११२ | १०० | |
| त्र) राष्ट्रिय सहकारी संघ (P₁) | | | | | | |
| १ | जिल्लास्तरीय सहकारी संघका पदाधिकारीहरुको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | वटा | १० | १० | १०० | |
| ट) राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | | | | | | |
| १ | सहकारी सम्वाद पत्रिका छपाई द्वैमासिक | पटक | ६ | ६ | १०० | |
| २ | सहकारी रेडियो कार्यक्रम | पटक | २४ | २४ | १०० | |
| ठ) प्रशोधित दुग्ध पदार्थ विक्री वितरण | | | | | | |
| १ | स्थानीय दूध संकलन | हजार लि. | ६१८४५ | ५०७६८ | ८२.०९ | |
| २ | प्रशोधित दूध विक्री | हजार लि. | ५८६३४ | ५२०४९ | ८८.७७ | |
| ३ | चीज उत्पादन | मे.टन | ३०० | १७४ | ५८.०० | |
| ४ | मखन उत्पादन | मे.टन | १२९५ | ८९६ | ६९.१९ | |
| ५ | स्किम मिल्क पाउडर उत्पादन | मे.टन | ७१२ | ४२६ | ५९.८३ | |
| ड) राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड | | | | | | |
| १ | धूलो दूध कारखानाको स्थापना सन्दर्भमा सहकारी संस्थाहरूसंग प्रस्ताव आव्हान | पटक | १ | १ | १०० | |
| ढ) पशु आहारा उत्पादन विकास समिति | | | | | | |
| १ | दाना उत्पादन | मे.टन | ६४ | ६४ | १०० | |
| २ | बोन मिल उत्पादन | मे.टन | ३० | ३० | १०० | |
| ण) कृषि सामग्री कम्पनी लि. | | | | | | |
| १ | रासायनिक मल विक्री | | | | | |
| | यूरीया | मे.टन | ३०००० | २५०० | ८.३३ | |
| | डि.ए.पी. | मे.टन | १०००० | १९९० | १९.९० | |
| | कम्प्लेक्स | मे.टन | १५००० | २१५६ | १४.३७ | |
| | पोटास | मे.टन | २५०० | ०.३ | ०.०१ | |
| | एमोनियम सल्फेट | मे.टन | २५०० | ० | ०.०० | |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | | कैफियत |
|--|--|--------|---------|--------|---------|--------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत | |
| त) राष्ट्रीय बीउ विजन कम्पनी लि. | | | | | | |
| १ | बीउ विक्री | | | | | |
| | गहु | मे.टन | ३२०० | २८८२ | ९०.०६ | |
| | मकै | मे.टन | ४५ | ०.६ | १.३३ | |
| | मुसुरो | मे.टन | ४७ | ५ | १०.६४ | |
| | तोरी | मे.टन | ७ | ०.८ | ११.४३ | |
| | तरकारी | मे.टन | १२ | १५ | १०० | |
| थ) कालीमाटी फलफूल तथा तरकारी बजार विकास समिति | | | | | | |
| १ | समिति अन्तर्गतका बजारहरु संचालन तथा व्यवस्थापन | संख्या | ३६५ | ३६५ | १०० | |
| २ | बजार सूचना सेवा एवं सुदृढिकरण | पटक | ३ | ३ | १०० | |
| ३ | जनशक्ति वृत्ति विकास कार्यक्रम | संख्या | १७ | १७ | १०० | |
| ४ | तालिम अन्तरक्रिया | पटक | १९ | १९ | १०० | |
| ५ | बजार अवलोकन अध्ययन भ्रमण | जना | २० | २० | १०० | |
| ६ | वार्षिक उत्सव कार्यक्रम | पटक | १ | १ | १०० | |

५. आयोजनाहरूको बजेट निकास र खर्चको विवरण (केन्द्रियस्तर तथा जिल्लास्तरका विकास आयोजनाहरूको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक बजेट, निकास र खर्चको विवरण)

(रु. हजारमा)

| क्र.सं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक बजेट | निकास | खर्च | वित्तिय प्रगति प्रतिशत |
|---------|---|--------------|--------|--------|------------------------|
| १ | कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष (४०-३/४०-४-२११) | ७७५७० | ५२६६८ | ५२६६८ | ६८ |
| २ | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम (४०-३/४-२२०) | ३३५७८२ | ३०५६४१ | ३०८२१२ | ९२ |
| ३ | व्यावसायिक कृषि विकास तथा व्यापार प्रवर्द्धन आयोजना (४०-३/४-४७३) | ११८५० | १५०२ | १५०२ | १३ |
| ४ | व्यावसायिक कृषि विकास आयोजना (४०-३/४-४७४) | २१६९६३ | | ५४८१८ | २५ |
| ५ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम (४०-३/४-२४१) | ७८०० | ३८९७ | ३८७५ | ५० |
| ६ | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र (४०-३/४-३७१) | २१३०१ | | १९४७४ | ९१ |
| ७ | बीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम (४०-३/४-३०१) | १४९६३ | | १४४१३ | ९६ |
| ८ | सहकारी खेती, साना सिंचाई तथा मल बीउ ढुवानी कार्यक्रम (४०-३/४-४६४) ७५ जिल्ला | १७०००० | ११५५४९ | ११०८०१ | ६५ |
| ९ | वाली विविधिकरण आयोजना (४०-३/४-२६२) | २३९८६ | १५७११ | १५७११ | ६६ |
| १० | रेशम खेती विकास कार्यक्रम (४०-३/४-२८०) | ४१८९९ | ४०२५९ | ४०२१३ | ९६ |
| ११ | वागवानी विकास कार्यक्रम (४०-३/४-२९१) | ६७१७३ | ५९६०५ | ५८६७० | ८७ |
| १२ | आलु तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३००) | ४६१२५ | ३५३२१ | ३५२१५ | ७६ |
| १३ | मत्स्य विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३२०) | ७४३१० | ६६४४९ | ६६४४६ | ८९ |
| १४ | माटो परीक्षण तथा सुधार सेवा कार्यक्रम (४०-३/४-४००) | २४१३४ | २३५०८ | २२६९६ | ९४ |
| १५ | बाली संरक्षण कार्यक्रम (४०-३/४-३४०) | ७९१७७ | ५१८२० | ५१८२० | ६५ |
| १६ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास कार्यक्रम (४०-३/४-४५०) | ३४६२८ | | ३९७२१ | १०० |

| क्र.सं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक बजेट | निकाशा | खर्च | वित्तिय प्रगति प्रतिशत |
|---------|---|--------------|--------|--------|------------------------|
| १७ | व्यावसायिक किट विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३५०) | १०४०८ | ९६६२ | ९५२९ | ९२ |
| १८ | कृषि प्रसार तथा तालीम कार्यक्रम (४०-३/४-३८१) | ३७३०८ | ३४५९७ | ३४५९७ | ९३ |
| १९ | जनकपुर कृषि विकास आयोजना (४०-३/४-२७०) | २६४०५ | २७७७२ | २७३७९ | १०० |
| २० | दीगो भू व्यवस्थापन आयोजना (४०-३/४-४७०) | ५५४४ | ५२९१ | ५२६९ | ९५ |
| २१ | बाली विकास कार्यक्रम (४०-३/४-३६०) | २०८६३ | २०७६८ | २०६९५ | ९९ |
| २२ | कृषि तालिम तथा प्रसार सुधार आयोजना (४०-३/४-४७१) | ९८२१ | ७२७० | ६९४१ | ७१ |
| २३ | सामुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (कृषि) (४०-३/४-३८२) | ११९५६ | ५२५७ | ५२५७ | ४४ |
| २४ | पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम (४०-३/४-५००) | १०३०६६ | ८५९४५ | ८४८१३ | ८२ |
| २५ | पशु विकास सेवा कार्यक्रम (गाई, भैसी, बाखा र अन्य) (४०-३/४-५१०) | ९४२१९ | ७४१८४ | ८९३०४ | ९५ |
| २६ | पशु पंक्षी बजार प्रवर्द्धन कार्यक्रम (४०-३/४-५११) | ९२१० | ८७२० | ७५४३ | ८२ |
| २७ | पशु विकास फार्महरु (४०-३/४-५२०) | ५५४५८ | ५३१०६ | ५२७८१ | ९५ |
| २८ | पहाडी कवुलियती वन आयोजना (पशु विकास) (४०-३/४-५५०) समन्वय कार्यालय | १००७५७ | ९०५४७ | ९०५४७ | ९० |
| २९ | पशु सेवा तालीम कार्यक्रम (४०-३/४-५७०) | १८५१२ | १७७७१ | १७७७१ | ९६ |
| ३० | सामुदायिक पशु विकास आयोजना (४०-३/४-५९१) | २९०४२४ | २३४३७४ | २१८८५३ | ७५ |
| ३१ | वर्डफ्लू (एभियन इन्फ्लुएन्जा) नियन्त्रण आयोजना (४०-३/४-५९२) | २२८२३३ | १०३४८३ | १०२३६२ | ४५ |
| ३२ | सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र (४०-३/४-६००) | ३२०६१ | ३१९८३ | ३०७५९ | ९६ |
| ३३ | सहकारी क्षेत्र सुदृढिकरण आयोजना (४०-३/४-६२०) | ३५१७९ | ३२०१३ | ३०३९१ | ८६ |

| क्र.सं. | आयोजनाको नाम | वार्षिक बजेट | निकाशा | खर्च | वित्तिय प्रगति प्रतिशत |
|-------------------|--|----------------|----------------|----------------|------------------------|
| ३४ | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम (४०-३/४-३३०) | ४५९२६ | | ४३७३७ | ९५ |
| ३५ | खाद्य गुणस्तर व्यवस्थापन सुदृढिकरण आयोजना (४०-३/४-३३१) | ३०००० | | २९२६६ | ९८ |
| ३६ | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम (४०-३/४-७१०) | ३४७७०० | ३७२३७४ | ३६८४९८ | १०० |
| ३७ | प्राकृतिक जलाशय मत्स्य विकास आयोजना (४०-३/४-७५०) | ४६३०० | ४६३७० | ४५९२९ | ९९ |
| ३८ | पहाडी मकै अनुसन्धान आयोजना (४०-३/४-७६१) | २१००० | ७९६८ | ८१८९ | ३९ |
| ३९ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड (मिल्क होलिडे बन्द कार्यक्रम) (४०-३/४-७७३) | ३००० | ३००० | ३००० | १०० |
| ४० | कर्णाली अन्वल कृषि विकास आयोजना (४०-३/४-८०१) | २५५२५ | २०७७३ | २०७७३ | ८१ |
| ४१ | कृषि प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) (४०-३/४-८०५) | ५८४०५० | ५८३०३८ | ५८१९८२ | १०० |
| ४२ | पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) (४०-३/४-८१३) | ४४६४०० | ४४६३६८ | ४३३५३३ | ९७ |
| | जम्मा | ३८८६९८६ | ३०९४५६४ | ३२६५९५३ | ८४ |
| जिल्लास्तर | | | | | |
| १ | कृषि विभाग | ५९३५८१ | ५९४७०७ | ५९३२५० | ९९.९४ |
| २ | पशु सेवा विभाग | ४६४४४८ | ४५४८७२ | ४४२०३६ | ९५.१७ |
| | जम्मा | १०५८०२९ | १०४९५७९ | १०३५२८६ | ९७.८५ |

वित्तिय विवरण

क) आ.व. २०६४/६५ को खुद वार्षिक बजेट

(रु. ००० मा)

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | नेपाल सरकार | वैदेशिक श्रोत | | जम्मा | दातृ संस्था |
|--------|------------|---------------------------------|-------------|---------------|--------|-------|------------------|
| | | | | ऋण | अनुदान | | |
| १. | ४०-३-११० | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | २३७३८ | | | २३७३८ | |
| २. | ४०-३-१२० | कृषि विभाग | २०४०६ | | | २०४०६ | |
| ३. | ४०-३-१२१ | क्षेत्रिय कृषि निर्देशनालयहरु | ३२३७३ | | | ३२३७३ | |
| ४. | ४०-३-१३० | पशु सेवा विभाग | २७२०० | | | २७२०० | |
| ५. | ४०-३-१३१ | क्षेत्रिय पशु सेवा निर्देशनालय | १६५६६ | | | १६५६६ | |
| ६. | ४०-३-१३२ | नेपाल पशु चिकित्सक परिषद् | १५०० | | | १५०० | |
| ७. | ४०-३-१४० | सहकारी विभाग | ६५५० | | | ६५५० | |
| ८. | ४०-३-१४१ | डिभिजन सहकारी कार्यालयहरु | ७११८० | | | ७११८० | |
| ९. | ४०-३-१६१ | राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | ४२०० | | | ४२०० | |
| १०. | ४०-३-१६२ | कपास विकास समिति | ५८२९ | | | ५८२९ | |
| ११. | ४०-३-२११ | कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | ४९३७५ | | २८००० | ७७३७५ | DFID-UK, SDC-SWZ |
| १२. | ४०-३-१६३ | चिया, कफि तथा अलैची विकास बोर्ड | १८२०० | | | १८२०० | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | नेपाल सरकार | वैदेशिक स्रोत | | जम्मा | दातृ संस्था |
|--------|------------|---|-------------|---------------|--------|--------|-------------|
| | | | | ऋण | अनुदान | | |
| १३. | ४०-३-२२० | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | १०२०७२ | | १८०००० | २८२०७२ | DFID-UK |
| १४. | ४०-३-२४१ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | ३०० | | ७५०० | ७८०० | KR2-Japan |
| १५. | ४०-३-२६२ | वाली विविधिकरण आयोजना | ४०८६ | १२००० | | १६०८६ | ADB |
| १६. | ४०-३-२७० | कृषि विकास योजना, जनकपुर | १४१०५ | | | १४१०५ | |
| १७. | ४०-३-२८० | रेशम खेती विकास कार्यक्रम | ४१३९९ | | | ४१३९९ | |
| १८. | ४०-३-२९१ | वागवानी विकास कार्यक्रम | ६१३२१ | | | ६१३२१ | |
| १९. | ४०-३-३०० | आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | ४०६०२ | | २९०० | ४३५०२ | NPG-Japan |
| २०. | ४०-३-३०१ | वीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | १४८१३ | | | १४८१३ | China |
| २१. | ४०-३-३२० | मत्स्य विकास कार्यक्रम | ६१४५१ | | | ६१४५१ | KR2-Japan |
| २२. | ४०-३-३३० | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम | ४४८६८ | | | ४४८६८ | |
| २३. | ४०-३-३४० | वाली संरक्षण कार्यक्रम | ४५३८३ | | ३२५०० | ७७८८३ | Narway |
| २४. | ४०-३-३५० | व्यावसायिक कीट विकास कार्यक्रम | १०२५८ | | | १०२५८ | |
| २५. | ४०-३-३६० | वाली विकास कार्यक्रम | २०२७८ | | | २०२७८ | |
| २६. | ४०-३-३७१ | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | २१०८६ | | | २१०८६ | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | नेपाल सरकार | वैदेशिक स्रोत | | जम्मा | दातृ संस्था |
|--------|------------|---|-------------|---------------|--------|-------|-------------|
| | | | | ऋण | अनुदान | | |
| २७. | ४०-३-३८१ | कृषि प्रसार तथा तालिम कार्यक्रम | ३२७७३ | | | ३२७७३ | |
| २८. | ४०-३-३८२ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कार्यक्रम (कृषि) | १२८५ | ५३७६ | | ६६६१ | ADB |
| २९. | ४०-३-४०० | माटो परिक्षण तथा सुधार सेवा कार्यक्रम | १८२३९ | | | १८२३९ | |
| ३०. | ४०-३-४५० | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास कार्यक्रम | १८६०६ | | | १८६०६ | |
| ३१. | ४०-३-४६४ | सहकारी खेती साना सिंचाई तथा मल वीउ ढुवानी कार्यक्रम | | | ४५००० | ४५००० | KR2-Japan |
| ३२. | ४०-३-४७० | दिगो भू-व्यवस्थापन आयोजना | | | ४६८१ | ४६८१ | SDC-SWZ |
| ३३. | ४०-३-४७१ | कृषि तालिम तथा प्रसार सुधार आयोजना | ३२६३ | | ४६५८ | ७९२१ | KR2-Japan |
| ३४. | ४०-३-४७३ | व्यावसायिक कृषि विकास तथा व्यापार प्रवर्द्धन आयोजना | १८५० | | १०००० | ११८५० | IDA |
| ३५. | ४०-३-४७४ | व्यावसायिक कृषि विकास आयोजना | १४२५१ | | ८२९२६ | ९७१७७ | ADB |
| ३६. | ४०-३-५०० | पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम | ९५५३४ | | | ९५५३४ | |
| ३७. | ४०-३-५१० | पशु विकास सेवा (गाई, भैसी, बाख्रा र अन्य) कार्यक्रम | ८९३८९ | | | ८९३८९ | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | नेपाल सरकार | वैदेशिक स्रोत | | जम्मा | दातृ संस्था |
|--------|------------|---|-------------|---------------|--------|--------|-------------|
| | | | | ऋण | अनुदान | | |
| ३८. | ४०-३-५११ | पशुपंक्षी बजार प्रवर्द्धन आयोजना | ९१४५ | | | ९१४५ | |
| ३९. | ४०-३-५२० | पशु विकास फार्महरु | ४९०९३ | | | ९४०९३ | |
| ४०. | ४०-३-५५० | पहाडी कबुलियती वन तथा पशु विकास कार्यक्रम | ४२६ | ९५११९ | | ९५५४५ | IFAD |
| ४१. | ४०-३-५७० | पशु सेवा तालिम कार्यक्रम | १७८९२ | | | १७८९२ | |
| ४२. | ४०-३-५९१ | सामुदायिक पशु विकास आयोजना | ५२३९३ | २०७४८७ | | २५९८८० | ADB |
| ४३. | ४०-३-५९२ | वर्ड फ्लू नियन्त्रण आयोजना | ५४८ | | १०९५०४ | ११००५२ | IDA |
| ४४. | ४०-३-६०० | सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र | ३१४६१ | | | ३१४६१ | |
| ४५. | ४०-३-६२० | सहकारी क्षेत्र सुदृढिकरण आयोजना | २६९७९ | | | २६९७९ | |
| ४६. | ४०-३-७१० | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम | ३५२३०० | | | ३५२३०० | |
| ४७. | ४०-३-७५० | प्राकृतिक जलाशय मत्स्य विकास आयोजना | ४२८०० | | | ४२८०० | |
| ४८. | ४०-३-७६१ | पहाडी मकै अनुसन्धान आयोजना | | | १८६०० | १८६०० | SDC-SWZ |
| ४९. | ४०-३-७७३ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड (मिल्क होलिडे बन्द कार्यक्रम) | ३००० | | | ३००० | |
| ५०. | ४०-३-८०१ | कर्णाली अंचल विशेष कृषि विकास कार्यक्रम | २३०२५ | | | २३०२५ | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | नेपाल सरकार | वैदेशिक स्रोत | | जम्मा | दातृ संस्था |
|--------|------------|--|-------------|---------------|--------|---------|---------------------|
| | | | | ऋण | अनुदान | | |
| ५१. | ४०-३-८०५ | कृषि प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | ४८४४५० | | ९०००० | ५७४४५० | Japan DRF/Japan KR2 |
| ५२. | ४०-३-८१३ | पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | ३७८६३० | | ७०००० | ४४८६३० | Japan DRF/Japan KR2 |
| जम्मा | | | २५०६४७१ | ३१९९८२ | ६८६२६९ | ३५१२७२२ | |

ख) आ.व. २०६४/६५ को अर्थ बजेटको केन्द्रीय आर्थिक विवरण

(रु. ००० मा)

| विवरण | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | कृषि विभाग | सहकारी विभाग | पशु सेवा विभाग | खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | विउ विजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र | राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | जम्मा |
|--|---------------------------|------------|--------------|----------------|---------------------------------------|------------------------------|------------------------------------|--|--------|
| क) प्रतिनिधि मण्डलको भ्रमण तथा स्वागत खर्च (९५-३-९०३) | | | | | | | | | |
| निकासा | १३४५ | - | - | - | - | - | - | - | १३४५ |
| खर्च | १३४५ | - | - | - | - | - | - | - | १३४५ |
| ख) उपदान (९०-३-९०७) | | | | | | | | | |
| निकासा | - | ८६४ | - | ७७१ | ४७९ | - | - | - | २११४ |
| खर्च | - | ८६४ | - | ७७१ | ४७९ | - | - | - | २११४ |
| ग) संचित बिदा (९०-३-९१०) | | | | | | | | | |
| निकासा | १७४५ | ११२०६ | २४७८ | ५१३७ | ७१५ | २५१ | १९७ | - | २१७२८ |
| खर्च | १७४५ | ११२०६ | २४७८ | ५४५३ | ७१५ | २५१ | १९७ | - | २२०४५ |
| घ) औषधि उपचार (९०-३-९३०) | | | | | | | | | |
| निकासा | २१८६ | १८६१५ | ४१२९ | ७६७६ | १०३८ | ३९५ | २४२ | - | ३४२८२ |
| खर्च | २१८६ | १८६१५ | ४१२९ | ७६७६ | १०३८ | ३९५ | २४२ | - | ३४२८२ |
| ङ) मृत कर्मचारी सहायता (९०-३-९३२) | | | | | | | | | |
| निकासा | - | १५० | - | - | - | - | - | - | १५० |
| खर्च | - | १५० | - | - | - | - | - | - | १५० |
| च) कर्मचारी सुविधा (९०-३-९३२) | | | | | | | | | |
| निकासा | ८७४ | १८६७८ | ४५५४ | ३२२४४ | १२३० | - | - | ३२० | ५७८९९ |
| खर्च | ८७४ | १८६३४ | ४५५४ | ३२२१९ | १२३० | - | - | ३२० | ८७८३० |
| कूल निकासा | ६१५० | ४९५१३ | १११६१ | ४५८२९ | ३४६२ | ६४६ | ४३९ | ३२० | ११७५१९ |
| कूल खर्च | ६१५० | ४९४६९ | १११६१ | ४६१२० | ३४६२ | ६४६ | ४३९ | ३२० | ११७७६७ |

ग) बजेट शिर्षक अनुसार चालु तर्फ बजेट, निकाशा र खर्चको विवरण

(रु. ००० मा)

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | चालु तर्फ | | | कैफियत |
|--------|------------|---|-----------|--------|--------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| १. | ४०-३-११० | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | २३७३८ | २६४६६ | २३४६६ | |
| २. | ४०-३-१२० | कृषि विभाग | २०४०६ | २०१११ | २००९६ | |
| ३. | ४०-३-१२१ | क्षेत्रिय कृषि निर्देशनालयहरु | ३२३७३ | ३०५२९ | ३०५२९ | |
| ४. | ४०-३-१३० | पशु सेवा विभाग | २७२०० | २४५३० | २४५३० | |
| ५. | ४०-३-१३१ | क्षेत्रिय पशु सेवा निर्देशनालय | १६५६६ | १३८८५ | १३८८५ | |
| ६. | ४०-३-१३२ | नेपाल पशु चिकित्सक परिषद् | १५०० | १४९७ | १४९७ | |
| ७. | ४०-३-१४० | सहकारी विभाग | ६५५० | ६४१५ | ६४१५ | |
| ८. | ४०-३-१४१ | डिभिजन सहकारी कार्यालयहरु | ७११८० | ६७१८३ | ७६१८३ | |
| ९. | ४०-३-१६१ | राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | ४२०० | ४२०० | ४२०० | |
| १०. | ४०-३-१६२ | कपास विकास समिति | ५८२९ | ५८२९ | ५८२९ | |
| ११. | ४०-३-२११ | कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | ७७३७५ | ५२१५४ | ५२१५४ | |
| १२. | ४०-३-१६३ | चिया, कफि तथा अलैची विकास बोर्ड | १८२०० | १८२०० | १८२०० | |
| १३. | ४०-३-२२० | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | २८२०७२ | २४८५०७ | २४८५०७ | |
| १४. | ४०-३-२४१ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | ७८०० | ३८९७ | ३८९७ | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | चालु तर्फ | | | कैफियत |
|--------|------------|--|-----------|--------|-------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| १५. | ४०-३-२६२ | वाली विविधिकरण आयोजना | १६०८६ | ७३०८ | ७३०८ | |
| १६. | ४०-३-२७० | कृषि विकास योजना, जनकपुर | १४१०५ | १३८५३ | १३८५३ | |
| १७. | ४०-३-२८० | रेशम खेती विकास कार्यक्रम | ४१३९९ | ३९८७२ | ३९८७१ | |
| १८. | ४०-३-२९१ | वागवानी विकास कार्यक्रम | ६१३२१ | ५८४४० | ५८४४० | |
| १९. | ४०-३-३०० | आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | ४३५०२ | ४०२६१ | ४०२५९ | |
| २०. | ४०-३-३०१ | बीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | १४८१३ | १४२६४ | १४२६४ | |
| २१. | ४०-३-३२० | मत्स्य विकास कार्यक्रम | ६१४५१ | ५७७२० | ५७७२० | |
| २२. | ४०-३-३३० | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम | ४४८६८ | ४१५२९ | ४१२५६ | |
| २३. | ४०-३-३४० | वाली संरक्षण कार्यक्रम | ७७८८३ | ५०००२ | ५०००२ | |
| २४. | ४०-३-३५० | व्यावसायिक कीट विकास कार्यक्रम | १०२५८ | ९५३० | ९५३० | |
| २५. | ४०-३-३६० | वाली विकास कार्यक्रम | २०२७८ | १९६२८ | १९६२८ | |
| २६. | ४०-३-३७१ | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | २१०८६ | १९४७४ | १९४७४ | |
| २७. | ४०-३-३८१ | कृषि प्रसार तथा तालिम कार्यक्रम | ३२७७३ | ३०२४२ | ३०२४२ | |
| २८. | ४०-३-३८२ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कार्यक्रम (कृषि) | ६६६१ | ५२१९ | ५२१९ | |
| २९. | ४०-३-४०० | माटो परिक्षण तथा सुधार सेवा कार्यक्रम | १८२३९ | १७०२४ | १७०२४ | |
| ३०. | ४०-३-४५० | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास कार्यक्रम | १८६०६ | १६७५४ | १६७५४ | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | चालु तर्फ | | | कैफियत |
|--------|------------|---|-----------|--------|--------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| ३१. | ४०-३-४६४ | सहकारी खेती साना सिंचाई तथा मल वीउ ढुवानी कार्यक्रम | ४५००० | ३७३४८ | ३७३४८ | |
| ३२. | ४०-३-४७० | दिगो भू-व्यवस्थापन आयोजना | ४६८१ | ४४८२ | ४४८२ | |
| ३३. | ४०-३-४७१ | कृषि तालिम तथा प्रसार सुधार आयोजना | ७९२१ | ७२४३ | ७२४३ | |
| ३४. | ४०-३-४७३ | व्यावसायिक कृषि विकास तथा व्यापार प्रवर्द्धन आयोजना | ११८५० | १५०२ | १५०२ | |
| ३५. | ४०-३-४७४ | व्यावसायिक कृषि विकास आयोजना | ९७१७७ | ४५०३८ | ४५०३८ | |
| ३६. | ४०-३-५०० | पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम | ९५५३४ | ८८८४७ | ८८२४८ | |
| ३७. | ४०-३-५१० | पशु विकास सेवा (गाई, भैसी, बाख्रा र अन्य) कार्यक्रम | ८९३८९ | ८२३९१ | ८२३७८ | |
| ३८. | ४०-३-५११ | पशुपंक्षी बजार प्रवर्द्धन आयोजना | ९१४५ | ८७२० | ७५४२ | |
| ३९. | ४०-३-५२० | पशु विकास फार्महरु | ४९०९३ | ४६९९१ | ४६९९१ | |
| ४०. | ४०-३-५५० | पहाडी कवुलियती वन तथा पशु विकास कार्यक्रम | ९५५४५ | ८६६२२ | ८६६२२ | |
| ४१. | ४०-३-५७० | पशु सेवा तालिम कार्यक्रम | १७८९२ | १६५३९ | १६५३९ | |
| ४२. | ४०-३-५९१ | सामुदायिक पशु विकास आयोजना | २५९८८० | १८८२७१ | १८८१६६ | |
| ४३. | ४०-३-५९२ | वर्ड फ्लू नियन्त्रण आयोजना | ११००५२ | ४२१५४ | ४२१५० | |
| ४४. | ४०-३-६०० | सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र | ३१४६१ | २९९६२ | २९९६२ | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | चालु तर्फ | | | कैफियत |
|--------------|------------|---|----------------|----------------|----------------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| ४५. | ४०-३-६२० | सहकारी क्षेत्र सुदृढिकरण आयोजना | २६९७९ | २५५९९ | २५५९९ | |
| ४६. | ४०-३-७१० | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम | ३५२३०० | ३५२३०० | ३५२३०० | |
| ४७. | ४०-३-७५० | प्राकृतिक जलाशय मत्स्य विकास आयोजना | ४२८०० | ४२८०० | ४२८०० | |
| ४८. | ४०-३-७६१ | पहाडी मकै अनुसन्धान आयोजना | १८६०० | - | - | |
| ४९. | ४०-३-७७३ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड (मिल्क होलिडे बन्द कार्यक्रम) | ३००० | ३००० | ३००० | |
| ५०. | ४०-३-८०१ | कर्णाली अंचल विशेष कृषि विकास कार्यक्रम | २३०२५ | २१७२६ | २१७२६ | |
| ५१. | ४०-३-८०५ | कृषि प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | ५७४४५० | ५६३३३४ | ५६३२३५ | |
| ५२. | ४०-३-८१३ | पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | ४४८६३० | ४४१०६२ | ४४०९६८ | |
| जम्मा | | | ३५१२७२२ | ३०९७४१४ | ३०९५०३२ | |

घ) बजेट शिर्षक अनुसार पूँजीगत तर्फ बजेट, निकाशा र खर्चको विवरण

(रु. ००० मा)

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | पूँजीगत तर्फ | | | कैफियत |
|--------|------------|---|--------------|--------|-------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| १. | ४०-४-११० | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | २३६० | २९७ | २९७ | |
| २. | ४०-४-१२० | कृषि विभाग | ५७०७ | ४९७८ | ४७०५ | |
| ३. | ४०-४-१२१ | क्षेत्रिय कृषि निर्देशनालयहरु | २८३० | २७६४ | २७६४ | |
| ४. | ४०-४-१३० | पशु सेवा विभाग | १९५० | १७८६ | १७८६ | |
| ५. | ४०-४-१३१ | क्षेत्रिय पशु सेवा निर्देशनालय | ४५५० | ४५३९ | ४५३९ | |
| ६. | ४०-४-१४० | सहकारी विभाग | १५०० | १४९८ | १४९८ | |
| ७. | ४०-४-१४१ | डिभिजन सहकारी कार्यालयहरु | ५५०० | ५४४३ | ५४४३ | |
| ८. | ४०-४-१६३ | चिया कफि तथा अलैची विकास बोर्ड | ४०००० | - | - | |
| ९. | ४०-४-२११ | कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष | १९५ | १९५ | १९५ | |
| १०. | ४०-४-२२० | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | ५२५८४ | ४२०६० | ४४४५२ | |
| ११. | ४०-४-२६२ | वाली विविधिकरण आयोजना | ८००० | ८००० | ८००० | |
| १२. | ४०-४-२७० | कृषि विकास योजना, जनकपुर | १२३०० | ११८४९ | ११८४९ | |
| १३. | ४०-४-२८० | रेशम खेती विकास कार्यक्रम | ५०० | ४८७ | ४८७ | |
| १४. | ४०-४-२९१ | वागवानी विकास कार्यक्रम | ५८५२ | ५६२० | ५६२० | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | पूँजीगत तर्फ | | | कैफियत |
|--------|------------|---|--------------|--------|--------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| १५. | ४०-४-३०० | आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | २६२३ | २६२० | २६२० | |
| १६. | ४०-४-३०१ | वीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | १५० | १४९ | १४९ | |
| १७. | ४०-४-३२० | मत्स्य विकास कार्यक्रम | १२९८५ | १२९०२ | १२९०२ | |
| १८. | ४०-४-३३० | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम | १२१५ | ११७८ | ११७८ | |
| १९. | ४०-४-३३१ | खाद्य गुणस्तर व्यवस्थापन सुदृढिकरण आयोजना | ३०००० | २९२६६ | २९२६६ | |
| २०. | ४०-४-३४० | वाली संरक्षण कार्यक्रम | १२९४ | १२९१ | १२९१ | |
| २१. | ४०-४-३५० | व्यावसायिक कीट विकास कार्यक्रम | १५० | १५० | १५० | |
| २२. | ४०-४-३६० | वाली विकास कार्यक्रम | ५८५ | ५८२ | ५८२ | |
| २३. | ४०-४-३७१ | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | २१५ | २०७ | २०७ | |
| २४. | ४०-४-३८१ | कृषि प्रसार तथा तालिम कार्यक्रम | ४९३५ | ४३६५ | ४३६५ | |
| २५. | ४०-४-३८२ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (कृषि) | ५२९५ | २३१४ | २३१४ | |
| २६. | ४०-४-४०० | माटो परिक्षण तथा सुधार सेवा कार्यक्रम | ५८९५ | ५५२९ | ५५२९ | |
| २७. | ४०-४-४५० | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास कार्यक्रम | २७६९२ | २३६७० | २३६७० | |
| २८. | ४०-४-४६४ | सहकारी खेती साना सिंचाई तथा मल वीउ ढुवानी कार्यक्रम | १२५००० | १२१०७५ | ११९७८९ | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | पूँजीगत तर्फ | | | कैफियत |
|--------|------------|--|--------------|--------|-------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| २९. | ४०-४-४७० | दिगो भू-व्यवस्थापन आयोजना | ८६३ | ८६२ | ८६२ | |
| ३०. | ४०-४-४७४ | व्यवसायिक कृषि विकास आयोजना | ३१७५० | २६४३१ | २६४३१ | |
| ३१. | ४०-४-५०० | पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम | ७५३२ | ४०१७ | ४०१७ | |
| ३२. | ४०-४-५१० | पशु विकास सेवा (गाई, भैसी, बाख्रा र अन्य) कार्यक्रम | ४७७५ | ४५६१ | ४५६१ | |
| ३३. | ४०-४-५११ | पशुपंक्षी बजार प्रवर्द्धन आयोजना | ६५ | ६५ | ६५ | |
| ३४. | ४०-४-५२० | पशु विकास फार्महरु | ६४२० | ५८४२ | ५८४२ | |
| ३५. | ४०-४-५५० | कवुलियती वन तथा पशु विकास कार्यक्रम | ५२१२ | ३८४० | ३८४० | |
| ३६. | ४०-४-५७० | पशु सेवा तालिम कार्यक्रम | ६२० | ५९१ | ५९१ | |
| ३७. | ४०-४-५९१ | सामुदायिक पशु विकास आयोजना | १५७२५ | १४०७३ | १४०७ | |
| ३८. | ४०-४-५९२ | वर्ड फ्लू नियन्त्रण आयोजना | ११०४५३ | ५५९७८ | ५५९७८ | |
| ३९. | ४०-४-६०० | सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र | ८०० | ७९९ | ७९९ | |
| ४०. | ४०-४-६२० | सहकारी क्षेत्र सुदृढिकरण आयोजना | ८२०० | ८१३९ | ८१३९ | |
| ४१. | ४०-४-७१० | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम | २०००० | २०००० | २०००० | |
| ४२. | ४०-४-७५० | प्राकृतिक जलाशय मत्स्य विकास आयोजना | ३५०० | ३५०० | ३५०० | |
| ४३. | ४०-४-७६१ | पहाडी मकै अनुसन्धान आयोजना | २४०० | - | - | |

| सि.नं. | व.उ.शि.नं. | आयोजना वा कार्यालयको नाम | पूँजीगत तर्फ | | | कैफियत |
|--------|------------|---|--------------|--------|--------|--------|
| | | | बजेट | निकाशा | खर्च | |
| ४४. | ४०-४-८०१ | कर्णाली अंचल विशेष कृषि विकास कार्यक्रम | २५०० | २५०० | २५०० | |
| ४५. | ४०-४-८०५ | कृषि प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | २१०५० | २०९१४ | २०८०२ | |
| ४६. | ४०-४-८१३ | पशु सेवा प्रसार कार्यक्रम (जिल्लास्तर) | १४८१८ | १४३७६ | १४३७६ | |
| जम्मा | | | ६१८५४५ | ४८१३०० | ४८२०२१ | |

उ) आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को धरौटीको केन्द्रिय आर्थिक विवरण

| सि. नं. | धरौटीको विवरण | धरौटी आम्दानी विवरण | | | धरौटी खर्च विवरण | | | बाँकी | | श्रेस्ता र बैंक अनुसार फरक रकम |
|--------------|--|---------------------|-----------------|-----------------|------------------|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|--------------------------------|
| | | गत आ.व.को | यस आ.व.को | जम्मा | फिर्ता | सदर स्याह | जम्मा | श्रेस्ता अनुसार | बैंक अनुसार | |
| १. | कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | ३४५२१ | २००० | ३६५२१ | ३०५७१ | ० | ३०५७१ | ५९५० | ५९५० | ० |
| २. | खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | २११७४१३ | १६६६१०२ | ३७८३५१६ | ८८९९४५ | ० | ८८९९४५ | २८९३५७० | २८९३५७० | ० |
| ३. | कृषि विभाग | २७९२१२०९ | २१८७६६८८ | ४९७९७८९७ | २३००१६० | ३४४५०९३ | २६४४६७०१ | २३३५११९५ | २३९१२६६० | ५६१४६५ |
| ४. | पशु सेवा विभाग | ६४८८९३९ | ५९१७९८५ | १२४०६९२४ | ३०८९६९७ | ९२८५८ | ३१८२५५५ | ५६६३१२० | ५६६३१२० | ० |
| ५. | सहकारी विभाग | ८०१४४२ | ७७४०६३ | १५७५५०६ | ३६९६८९ | ५००० | ३७४६८९ | ११७४७०८ | ११६०६७२ | १४०३६ |
| ६. | कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र | २०२६६५ | १४८१६२ | ३५०८२७ | १४४५५६ | ५२३२४ | १९६८८१ | १५३९४६ | १५३९४६ | ० |
| ७. | बीए विजन तथा गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र | १५१६४ | ३६७६०० | ५१९२४१ | १३४५४४ | ० | १३४५४४ | ३८४६९६ | ३८४६९६ | ० |
| जम्मा | | ३७७१७८३२ | ३०७५२६०२ | ६८४७०४३५ | २७६६०६१२ | ३५९५२७६ | ३१२५५८८९ | ३३६२७१८९ | ३४१७४६१८ | ५४७४२९ |

१. कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयको परिचयात्मक विवरण

नेपालको कृषि विकास सम्बन्धी संस्थागत रूपमा कार्यक्रम संचालनको थालनी विक्रम सम्बत् १९७८ मा चारखालमा स्थापित कृषि अड्डाबाट शुरु भएको पाईन्छ। १९८२ सालमा सिंहदरबार परिसरमा कृषि प्रदर्शन फार्म खुल्यो। यसपछि कृषिको समग्र विकास गर्ने उद्देश्यले बि.सं. १९९४ मा कृषि परिषद्को गठन भयो। परिषद्बाट कृषि विकासको लागि कृषि फार्महरू खोल्ने, सर्भेक्षण कार्यहरू गर्ने जस्ता कार्यहरू भए। विक्रम संवत् १९९८ सालमा त्रिपुरेश्वरमा भेटेरीनरी हस्पिटलको स्थापना भयो। त्यसै सालमा नहर शाखाको समेत स्थापना भयो। बि. सं. २००० मा चितलाङ्ग तथा ककनीमा भेडा फार्महरू खुले। बि. सं. २००४ मा परवानीपुर सेन्ट्रल एक्सपेरिमेन्टल एण्ड रिसर्च फार्म खडा गरी कृषि अनुसन्धानलाई जोड दिन थालियो। बि.सं. २००७ को परिवर्तनपछि परिषद्बाट भएका विभिन्न कार्यहरूको लेखाजोखा भयो। त्यसैको आधारमा बि.सं. २००८ मा कृषि परिषदलाई विघटन गरी त्यसबेलाको सबैभन्दा माथिल्लो निकायको रूपमा रहने गरी कृषि विभाग खडा भयो। तत्कालिन कृषि परिषद्को सेक्रेटरीलाई कृषि विभागको डाईरेक्टरमा सरुवा नियुक्ती गरियो। बि.सं. २०१० मा कृषि विभागमा एग्रोनोमी, हर्टिकल्चर, लाईभस्टक एण्ड डेरी, एगृ ईन्जीनियरिङ्ग र फिसरिज (भेटेरेनरी बाहेक) गरी ५ सेक्सनहरू खडा भए। ती सेक्सनका मातहतमा कृषि विकासका विभिन्न कार्यक्रमहरू संचालन हुन थाल्यो। विक्रम संवत् २०१० सालमा सहकारी विभाग खडा भयो। यही सालमा कृषि स्कूलको स्थापना पनि भयो। विक्रम संवत् २०१२ सालमा नहर शाखालाई नहर विभागको रूपमा विस्तार गरियो। विक्रम संवत् २०१७ सालमा श्री रानी जगदम्बा कुमारीद्वारा श्री जगदम्बा कलेज अफ एगृकल्चर एण्ड रिसर्च ईन्स्टिच्यूटका लागि हाल स्थानीय विकास मन्त्रालय रहेको पुल्चोक स्थित श्रीमहल भन्ने नीजि महल कृषि विकासको भौतिक संरचनाको रूपमा प्राप्त भयो। विक्रम संवत् २००४ सालमा स्थापित परवानीपुर कृषि फार्मलाई बहुमुखी कृषि स्टेशनको रूपमा परिवर्तन गरियो। २०१९ सालमा कीर्तिपुर बागबानी केन्द्र र गोदावरी मत्स्य विकास केन्द्रको स्थापना भयो।

२०३० सालमा सिंचाई सम्बन्धी कार्य/क्षेत्र पनि कृषि मन्त्रालय अन्तर्गत समावेश गराई मन्त्रालयको नाम खाद्य, कृषि तथा सिंचाई मन्त्रालय हुन गयो। आ.व. २०३७/३८ मा मन्त्रालयको कार्यभारमा पुनर्गठन भई यस मन्त्रालय अन्तर्गत संचालन हुँदै आएको सिंचाई र खाद्य व्यवस्थाको जिम्मेवारी क्रमशः जलश्रोत मन्त्रालय र आपूर्ति मन्त्रालयलाई गएपछि मन्त्रालयको नाम कृषि मन्त्रालय मात्र रहन गयो। आ.व. ०४७/४८ देखि सहकारी आन्दोलन प्रभावकारीरूपमा अगाडि बढाउन साभा विकास विभाग सम्बन्धी कार्यक्रमलाई कृषि मन्त्रालय अन्तर्गत समावेश गराएपश्चात् आ.व. ०५५/५६ देखि यस मन्त्रालयको नाम कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय भएको हो।

देशको आवश्यकता र सम्भाव्यताअनुरूप कृषि विकाससंबन्धी नीति तर्जुमा एवं कार्यान्वयन गर्ने मूल उद्देश्य बोकेको यस मन्त्रालयको लक्ष्य व्यावसायिक एवं प्रतिस्पर्धात्मक कृषि प्रणालीबाट उच्च एवं दिगो आर्थिक बृद्धि हाँसिल गरी खाद्य सुरक्षा तथा गरिवी निवारणमा योगदान पुऱ्याउनु हो।

दृष्टिकोण

निर्वाहमुखि कृषि प्रणालीलाई व्यावसायिक एवं प्रतिस्पर्धात्मक कृषि प्रणालीमा रुपान्तरण गरी दीगो कृषि विकासको माध्यमबाट जीवनस्तरमा सुधार ल्याउनु यस मन्त्रालयको दीर्घकालीन दृष्टिकोण रहेको छ ।

उद्देश्यहरू

१. कृषि उत्पादन एवं उत्पादकत्व बढाउने ।
२. व्यावसायिक तथा प्रतिस्पर्धात्मक कृषि प्रणालीका आधारहरूको विकास गरी क्षेत्रीय र विश्व बजारसंग प्रतिस्पर्धात्मक बनाउने ।
३. प्राकृतिक श्रोत, वातावरण र जैविक विविधताको संरक्षण, सम्बर्द्धन एवं सदुपयोग गर्ने ।

नेपाल सरकार (कार्य विभाजन नियमावली २०६४ अनुसार) कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयले गर्ने कार्यहरू निम्नअनुसार रहेका छन् ।

१. कृषि तथा कृषि उत्पादन सम्बन्धी नीति, योजना तथा कार्यान्वयन सम्बन्धी,
२. खाद्यान्न र दलहन, तेलहन, कपास, जुट, उखु, सुर्ती लगायत नगदे तथा औद्योगिक वाली, तरकारी तथा फलफूल खेतीको विकास तथा सुधार सम्बन्धी,
३. कृषि रसायन तथा माटो सम्बन्धी अनुसन्धान र ज्ञानको उपयोग सम्बन्धी,
४. कृषि इन्जिनियरिङ्ग र उन्नत कृषि औजार सम्बन्धी,
५. कृषि फार्महरू र कृषि केन्द्रहरू सम्बन्धी,
६. बाली संरक्षण विषयक अनुसन्धान तथा सर्भेक्षण सम्बन्धी,
७. कृषि प्रचार प्रसार तथा युवा कृषक कार्यक्रम सम्बन्धी,
८. कृषि नर्सरी तथा बीउ विजनको विकास सम्बन्धी,
९. पशुपंक्षी पालन तथा यसको विकास, नश्ल सुधार, दाना र चरन विकास सम्बन्धी,
१०. पशु चिकित्सा, पशु रोगको रोकथाम र औषधि उत्पादन सम्बन्धी,
११. दुग्ध तथा दुग्धोत्पादित वस्तुहरूको विकास सम्बन्धी,
१२. मत्स्यपालन सम्बन्धी,
१३. कृषिजन्य वस्तुहरूको बजार तथा मूल्य सम्बन्धी,
१४. कृषि सामग्री तथा कृषि प्रविधि विकास सम्बन्धी,

१५. कम्पोष्ट मल तथा रासायनिक मल सम्बन्धी,
१६. सहकारी विकास सम्बन्धी नीति, योजना र कार्यान्वयन सम्बन्धी,
१७. सहकारी सम्बन्धी संघ संस्थाहरु सम्बन्धी,
१८. अन्तर्राष्ट्रिय कृषि तथा सहकारी संस्थाहरु सम्बन्धी,
१९. खाद्य अनुसन्धान सम्बन्धी,
२०. पशु तथा प्लान्ट क्वारेन्टिन सम्बन्धी,
२१. मौरी पालन तथा च्याउ, रेशम आदी विशेष बालीहरुको विकास सम्बन्धी,
२२. कृषि क्षेत्रको बीउ, विजन, विरुवा, पशुपंक्षी, माछा भुरा आदिको जात, नश्लको गुणस्तर निर्धारण, प्रमाणीकरण र नियमन सम्बन्धी,
२३. कृषि क्षेत्रसंग सम्बन्धित विषयमा अध्ययन, अनुसन्धान, सर्भेक्षण एवं तालिम सम्बन्धी,
२४. नेपाल कृषि सेवा अन्तर्गतका समूह र उप-समूह सम्बन्धी नियुक्ति, सरुवा, बढुवा, शुरु नियुक्तिको न्यूनतम शैक्षिक योग्यता र बढुवामा गणना हुने सम्बन्धित विषयको शैक्षिक योग्यताको निर्धारण तथा विभागीय कारवाही आदि सम्बन्धी ।

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयको मुख्य मुख्य कार्यक्रमहरु

- उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि
- खाद्य सुरक्षा
- गरिवी निवारण
- वातावरण तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम
- लक्षित कार्यक्रम
- जनशक्ति विकास
- सहकारी प्रवर्द्धन

संगठनात्मक संरचना

माथि उल्लेखित उद्देश्य तथा कार्य व्यवस्था नियमावलीमा उल्लेख भएका कार्यहरुको प्रभावकारी कार्यान्वयन र सक्षम व्यवस्थापनको लागि यस मन्त्रालयको कार्यक्षेत्र र संगठनात्मक संरचनामा वेला बखतमा फेरबदल हुँदै आएको पाईन्छ । हाल कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय तथा अन्तरगतका विभाग, संस्थान, कम्पनी, समिति, परिषद् तथा बोर्डहरुको नाम, मौजुदा दरवन्दी व्यवस्था र संगठनात्मक स्वरुप देहायअनुसार रहेको छ ।

क) विभागहरू

१. कृषि विभाग
२. पशु सेवा विभाग
३. खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग
४. सहकारी विभाग

ख) संस्थान/समितिहरू

१. दुग्ध विकास संस्थान
२. कृषि सामग्री कम्पनी
३. राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी
४. पशु आहारा उत्पादन विकास समिति
५. कालीमाटी फलफूल तथा तरकारी बजार विकास समिति
६. कपास विकास समिति
७. चन्द्रडाँगी बीउ विजन तथा दुग्ध विकास समिति
८. राष्ट्रिय सहकारी संघ

ग) परिषद् तथा बोर्डहरू

१. नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्
२. राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड
३. राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड
४. राष्ट्रिय चिया तथा कफि विकास बोर्ड

मन्त्रालय र अन्तर्गतका कार्यालयहरूको विवरण

| | |
|------------------------------|--------|
| १. केन्द्रिय स्तरका कार्यालय | - ४९ |
| २. क्षेत्रीय स्तरीय कार्यालय | - ५० |
| ३. जिल्ला स्तरीय कार्यालय | - २२७ |
| ४. फार्म/केन्द्र | - ५८ |
| ५. सेवा केन्द्र/उपकेन्द्र | - १३७७ |
| ६. परिषद् | - १ |
| ७. संघ/संस्थान/समिति/बोर्ड | - १२ |

मन्त्रालयको संगठनात्मक स्वरूपअनुसारको दरवन्दी व्यवस्था

| श्रेणी | प्राविधिक | प्रशासनीक | कुल |
|--------------|-----------|-----------|-----|
| विशिष्ट | - | १ | १ |
| रा.प.प्रथम | ५ | १ | ६ |
| रा.प.द्वितीय | १५ | ४ | १९ |
| रा.प.तृतीय | २२ | ११ | ३३ |
| सहायक स्तर | २४ | ४९ | ७३ |
| जम्मा | ६६ | ६६ | १३२ |

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तरगत निकायमा मौजुदा दरवन्दी स्थिति (निजामती कर्मचारी मात्र)

| श्रेणी | प्राविधिक | प्रशासनीक | कुल |
|--------------|-----------|-----------|-----------|
| विशिष्ट | - | १ | १ |
| रा.प.प्रथम | ६५ | २ | ६७ |
| रा.प.द्वितीय | २६२ | १६ | २७८ |
| रा.प.तृतीय | ८७० | ७७ | ९४७ |
| सहायक स्तर | ४२२० (४५) | ४५६० (-) | ८७८० (४५) |
| जम्मा | ५४१७ | ४६५६ | १००७३ |

नोट: कोष्ठमा रहेको दरवन्दी फाजिलमा परेकोले कूल दरवन्दीमा समावेश गरिएको छैन ।

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूको कूल दरवन्दीको विवरण

| | |
|---|-------|
| १. निजामती कर्मचारीहरूको दरवन्दी | १००७३ |
| २. नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्को दरवन्दी | १८२३ |
| ३. संघ/संस्थान/समिति/कम्पनी/बोर्डको दरवन्दी | २०३४ |
| जम्मा | १३९३० |

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयको माथी उल्लेखित उद्देश्यहरु हाँसिल गर्न मन्त्रालयअन्तर्गत विभिन्न महाशाखा, विभाग, परिषद्, समिति तथा आयोजनाहरु संचालनमा रहेका छन् । यी निकायहरुको परिचय, उद्देश्य तथा यी निकायहरुले गर्ने मुख्य मुख्य कार्यहरु निम्नानुसार रहेको छ ।

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयअन्तर्गतका महाशाखाहरु

क) योजना महाशाखा

परिचय

कृषि विकासको लागि आवश्यक अल्पकालिन तथा दीर्घकालीन योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयनको लागि आवश्यक आधार तयार पार्ने कामका साथै यस महाशाखाबाट कृषि सम्बन्धी कार्यक्रम तर्जुमा, बजेट तर्जुमा, कृषि नीति तर्जुमा, वैदेशिक सहायता समन्वय गर्ने जस्ता कार्यहरु हुँदै आएको छ ।

उद्देश्य

- समग्र कृषि क्षेत्रको विकासको लागि आवश्यक पर्ने नीति तथा योजना तर्जुमा एवं सोको कार्यान्वयनको लागि श्रोत र साधनको व्यवस्था गर्ने/गराउने ।

कार्य क्षेत्र

- दीर्घकालीन र समसायिक कृषि नीति तथा आवधिक योजना तर्जुमा एवं समन्वय गर्ने ।
- कृषि विकास सम्बन्धी वार्षिक कार्यक्रम र बजेट तर्जुमा एवं समन्वय गर्ने ।
- कृषि सम्बन्धी मानवसंसाधन योजना तथा जनशक्ति विकास र तालिमको व्यवस्था गर्ने ।
- कृषि विकास सम्बन्धी आयोजना तर्जुमा र आयोजना संचालनको लागि वैदेशिक सहयोग परिचालन एवं समन्वय गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|----------------------------|--|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| क) बजेट तथा कार्यक्रम शाखा | | | | | |
| १. | आगामी आ.व. २०६५/६६ को कार्यक्रम बजेट तर्जुमा सम्बन्धी अन्तरकृया/गोष्ठी (केन्द्रियस्तर) | पटक | ३ | ३ | १०० |
| २. | आगामी आ.व. २०६५/६६ को कार्यक्रम तर्जुमा | " | २ | २ | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--|--|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| | गरी रा.यो.आ. तथा अर्थ मन्त्रालयमा पठाउने | | | | |
| ३. | DEF/LIF को कार्यान्वयन सम्बन्धी अध्ययन | " | १ | १ | १०० |
| ४. | आ.व. २०६४/६५ को नीति तथा कार्यक्रम बारे अन्तरक्रिया/गोष्ठि | " | १ | १ | १०० |
| ५. | आ.व. ०६४/६५ मा संचालन गरिने अधियान मुखि कार्यक्रम (Mission of Onion, Fish, Citrus, Maize and Soybean) बारे अन्तरक्रिया गोष्ठि | " | १ | १ | १०० |
| ख) कृषि नीति शाखा | | | | | |
| १. | नार्डेफ स्वायत्त निकायको रूपमा संचालन गर्न ऐन तर्जुमा | पटक | १ | १ | १०० |
| २. | कृषि नीति कार्यान्वयन सम्बन्धि अनुगमन | " | ६ | ६ | १०० |
| ग) योजना तथा मानव संशाधन विकास शाखा | | | | | |
| १. | मानव श्रोत विकास सम्बन्धी अन्तरक्रिया गोष्ठि गरी कृषि मन्त्रालय अन्तर्गत विद्यमान जनशक्तिको स्थिति तथा भविष्यमा आवश्यक पर्ने समूहगत जनशक्तिको विवरण तयार गर्ने | पटक | १ | १ | १०० |
| २. | उच्च शिक्षा, तालिम, सेमिनार र अवलोकन भ्रमणमा जानेहरुको अभिलेख तयारी गर्ने | " | १ | १ | १०० |
| ३. | योजना तर्जुमा सम्बन्धी अधिकृतहरुका लागि बढी मूल्डका वाली बस्तुको थाइल्याण्डको अवलोकन भ्रमण | " | १ | १ | १०० |
| घ) बैदेशिक सहायता तथा समन्वय शाखा | | | | | |
| १. | सार्क सदस्य राष्ट्रहरुमा प्राविधिक समितिको बैठकमा भाग लिने/विदेशी पाहुनाहरुलाई स्वागत | पटक | १ | १ | १०० |
| २. | द्विपक्षिय तथा बहुपक्षिय सहयोग सम्बन्धि आयोजना प्रस्ताव तयारी, सम्झौता तथा अनुगमन सम्बन्धि कार्य | " | ३ | ३ | १०० |

ख) लैङ्गिक समता तथा वातावरण महाशाखा

परिचय

नेपालको कृषि प्रणालीमा महिला कृषक श्रमको उल्लेखनीय योगदान रहँदै आएको प्ररिप्रेक्ष्यमा खासगरी महिला वर्गको शिप, शिक्षा र ज्ञानमा अभिवृद्धि नभएसम्म आशा गरेअनुरूप कृषि क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्वमा बृद्धि ल्याउन कठिन पर्ने भएकाले महिला कृषक विकास कार्यक्रमलाई छुट्टै कार्यक्रमको रूपमा नसोची कृषि उत्पादनका समग्र कार्यक्रमहरूमा उनीहरूलाई यथोचित सहभागिता गराई लैङ्गिक समता विकास गर्न मन्त्रालय अन्तर्गत आ.व. ०४९/५० मा स्थापना भएको महिला कृषक विकास महाशाखालाई २०६१ बैशाखदेखि लैङ्गिक समता तथा वातावरण महाशाखा नामाकरण गरी कृषि वातावरण तथा कृषि जैविक विविधतासंग सम्बन्धित कार्यक्रमहरू समेतलाई महाशाखाको कार्यक्षेत्रभित्र समावेश गरिएको छ ।

उद्देश्य

- कृषि विकासका समग्र कार्यक्रमहरूमा लैङ्गिक मूलप्रवाहिकरण (Gender Mainstreaming) गर्ने ।
- वातावरणीय ह्रासबाट कृषिजन्य उत्पादन र उत्पादकत्वमा पर्नसक्ने नकारात्मक प्रभावलाई न्यून गरी दीगो कृषि विकासमा योगदान पुऱ्याउने ।

कार्य क्षेत्र

- कृषि उत्पादन कार्यमा महिला श्रमको अत्याधिक योगदान रही आएको हुंदा महिला कृषकहरूको शिप र ज्ञानमा अभिवृद्धि ल्याउन आवश्यक पहल गर्ने ।
- लैङ्गिक समविकासको लागि महिला कृषकहरूको आयमूलक रोजगारीको अवसरमा बृद्धि गरी कृषि उद्यमीको रूपमा विकसित गर्न उपयुक्त वातावरण सिर्जना गर्ने ।
- कृषिजन्य क्षेत्रमा लैङ्गिक आधार तथ्याङ्कको विकास गर्दैजाने ।
- वातावरणीय ह्रास न्यूनिकरण तथा जैविक विविधता संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्न आवश्यक नीति तथा मार्गदर्शन तयार गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | सूचना प्रविधि तालिम | पटक | १ | १ | १०० |
| २. | जेन्डर डाटावेश सफ्टवेयर निर्माण गर्ने र अध्यावधिक गर्ने | " | १ | १ | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| ३. | विश्व वातावरण तथा जनसंख्या दिवस मनाउने | " | १ | १ | १०० |
| ४. | कृषि कार्यक्रमहरुमा भएका लैङ्गिक मुलप्रवाहिकरण सम्बन्धि कार्यहरुको अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण गर्ने | " | ३ | १ | ३३.३३ |
| ५. | कृषि जैविक विविधता संरक्षण समितिको बैठक | " | १ | १ | १०० |
| ६. | कृषि वातावरण संरक्षण समितिको बैठक | " | १ | १ | १०० |
| ७. | प्रवितेदन प्रकाशन | " | १ | १ | १०० |
| ८. | प्रेस क्लिपिङ्ग (समाचार संकलन) गर्ने | " | १२ | १२ | १०१० |
| ९. | प्रेस भेटघाट | " | ३ | २ | ६६.६६ |
| १०. | पुस्तकालय सुदृढिकरण तथा सूचना इकाई स्थापना | " | १ | १ | १०० |

ग) कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा तथ्यांक महाशाखा

परिचय

कृषि क्षेत्रको सालवासाली तथ्यांक संकलन, प्रशोधन, विश्लेषण, प्रकाशनसम्बन्धी कार्यहरु २०२९ सालमा स्थापना भएको तत्कालिन खाद्य तथा कृषि बजार सेवा विभाग अन्तर्गत कृषि तथ्यांक शाखाबाट संचालन हुदै आएकोमा २०४९ सालको कृषिको नयाँ संगठनात्मक ढाँचानुसार एउटै छानामुनी राख्ने उद्देश्यले कृषि विभागको गठन भएपश्चात् तत्कालिन खाद्य तथा कृषि बजार सेवा विभागको कृषि तथ्यांक शाखा, कृषि मन्त्रालय अन्तर्गत कृषि तथ्याङ्क महाशाखाको रुपमा रहन गई कृषि तथ्यांक संकलन, सम्पादन, प्रशोधन, विश्लेषण, अनुमान एवं प्रकाशन सम्बन्धी आवश्यक कार्यहरु यसै महाशाखाबाट हुदै आई रहेको छ । यस महाशाखालाई आ.व. ०५६/५७ देखि कृषि भौगोलिक सूचना प्रणाली विकास विस्तार गर्ने कार्य पनि थालिएको छ । यसको अलावा तत्कालीन सरकारको मिति ०५७/३/२६ को निर्णयअनुसार यस मन्त्रालयको संगठन संरचनामा परिवर्तन भई कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा तथ्याङ्क महाशाखा गठन भए पछि मिति २०५७/६/१६ देखि साविक योजना महाशाखा अन्तर्गत रहेको कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन इकाईको कार्य पनि यस महाशाखाले नै गर्ने निर्णय भएको र त्यसैअनुसार कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यक्रम पनि यसै महाशाखाबाट संचालन गर्ने प्रावधान रहेको छ ।

उद्देश्य

- कृषि क्षेत्रको योजना, अनुगमन तथा मूल्यांकनको लागि आवश्यक तथ्याङ्क संकलन, संग्रह तथा प्रकाशन गर्ने ।
- कृषिसंग सम्बन्धित भौगोलिक सुचना प्रवाहमा समन्वय गर्ने ।
- कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धनको लागि नीतिगत कार्य एवं समन्वयकारी भूमिका निर्वाह गर्ने तथा उच्चस्तरीय कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन समितिको सदस्य-सचिव भै काम गर्ने ।
- विश्व व्यापार संगठनसंग सम्बन्धित कृषि क्षेत्रका कार्यक्रमहरूको Focal Point को कार्य एवं समन्वयको कार्य गर्ने र राष्ट्रिय नोटिफिकेशन अथोरिटी (National Notification Authority) को रूपमा कार्य गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- कृषि सम्बन्धित व्यवसायमा संलग्न उत्पादक, व्यापारी तथा उद्यमीहरूको व्यवसाय प्रवर्द्धनका लागि नीति निर्माण, विश्लेषण तथा परिमार्जन गर्ने ।
- कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सम्बन्धी क्रियाकलापहरूमा नेपाल सरकारका निकाय, समिति/संस्थान, गैर सरकारी संघसंस्था, नीजि क्षेत्रका संघसंस्थाहरूलाई समन्वय गर्ने ।
- कृषि व्यवसाय विकासका संभावना र बस्तुस्थितिका विविध पक्षहरू समेटि कृषि व्यवसाय सूचना पद्धतिको विकास गर्ने ।
- व्यापार प्रवर्द्धन सम्बन्धी Regional संगठनहरू जस्तै SAFTA, BIMSTEC संग सम्बन्धित कार्य गर्ने ।
- कृषि क्षेत्र उपक्षेत्रको सालवासाली तथ्यांक संकलन कार्यको नियमित अनुगमन गर्ने ।
- तथ्यांक संकलन, प्रशोधन, विश्लेषण विधि - सुधारको कार्यमा मन्त्रालय अन्तर्गत र बाह्य निकायहरूसंग समन्वय गर्ने ।
- अर्धवार्षिक तथा वार्षिक वालीनाली क्षेत्रफल तथा उत्पादन तथा पशुपंक्षी संख्या र उत्पादन सम्बन्धी प्रारम्भिक अनुमान तयार गरी प्रकाशन गर्ने ।
- आवधिक वालीनाली स्थिति (द्वैमासिक) प्रतिवेदन तयार तथा प्रकाशनसमेत गर्ने ।
- कृषि क्षेत्रको दैविक प्रकोपसम्बन्धी कार्यको समन्वय गर्न तथा प्राप्त सूचना उपलब्ध गराउने र राहत सम्बन्धी कार्यसमेत गर्ने ।
- कृषि योजना तर्जुमाको लागि गाउँ विकास समितिस्तरको प्राकृतिक श्रोत सम्बन्धी Digital Map उपलब्ध गराउने ।

- दीर्घकालीन कृषि योजनाले परिलक्षित गरेबमोजिम उच्च मूल्यका वाली विशेषको पकेट क्षेत्रको पहिचान गरी जिल्लास्तरीय कृषि योजना बनाउने कार्यमा सघाउँ पुर्याउने ।
- कृषिसंग सम्बन्धित Spatial and Non Spatial तथ्यांक अध्यावधिक गर्ने कार्यमा सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाहरूसंग समन्वय गर्ने ।
- कृषि भौगोलिक सूचना प्रणाली सम्बन्धी तालिम, गोष्ठी संचालन गर्ने ।
- SPS को National Notification Authority को कार्य गर्ने ।
- कृषि उपजहरूसंग सम्बन्धित भंडार संरचनाको वारेमा सुझाव दिने ।
- विश्व व्यापार संगठनसंग सम्बन्धित निकायहरूसंग समन्वय गरी कार्यक्रम संचालन गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | कृषि तथ्यांक तर्फ | | | | |
| १.१ | Statistical Information on Nepalese Agriculture पुस्तकको लागि तथ्यांक संकलन, प्रशोधन र प्रकाशन गर्ने | पटक | १ | १ | १०० |
| १.२ | वालीनाली तथा पशुपंक्षी स्थिति निरिक्षण एवं दैवी प्रकोप निरिक्षण र द्वैमासिक प्रतिवेदन प्रकाशन गर्ने | " | ६ | ६ | १०० |
| १.३ | अर्ध वार्षिक, वार्षिक कृषि तथ्यांक संकलन, प्रशोधन, अनुगमन तथा प्रकाशन गर्ने | " | २ | २ | १०० |
| १.४ | कृषि क्षेत्रको दैवी प्रकोप तथा संचालित राहत कार्यक्रम सम्बन्धी गोष्ठी | " | २ | २ | १०० |
| २. | WTO तर्फ | | | | |
| २.१ | WTO Notification System कार्य संचालन | | | | |
| | 1. Web Hosting | पटक | १ | १ | १०० |
| | 2. Web Site Maintenance | पटक | १ | १ | १०० |
| २.२ | WTO डकुमेन्टेशन केन्द्रको लागि पुस्तक, जर्नल तथा सूचना सामग्री खरिद गर्ने | पटक | २ | २ | १०० |
| २.३ | नोटीफिकेशनका लागि आवश्यक सम्बन्धित कानुनी अभिलेख अंग्रेजीमा रुपान्तरण गर्ने | पटक | १ | १ | १०० |
| २.४ | बैठक तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम | | | | |
| | १. SPS Coordination Committee सम्बन्धी बैठक गर्ने । | पटक | ४ | ४ | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|---------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| ३. | GIS तर्फ | | | | |
| ३.१ | कृषि श्रोत व्यवस्थापन सम्बन्धी जिल्लास्तरीय Bio-Physical तथा Infrastructure Data संकलन एवं अध्यावधिक गर्ने (४ जिल्ला) | पटक | ३ | ३ | १०० |
| ३.२ | GIS को माध्यमबाट कृषि बस्तुहरुको संभाव्यता अध्ययन एवं प्रतिवेदन प्रकाशन (२ जिल्ला) गर्ने | पटक | १ | १ | १०० |
| ३.३ | Agricultural Planning and Resource Management मा GIS को उपयोग सम्बन्धी १ दिने कार्यशाला गोष्ठी (केन्द्रियस्तर) | पटक | १ | १ | १०० |
| ३.४ | जिल्लास्तरमा GIS को पूर्वाधार विकास/विस्तारका लागि Digital Data र Software Installation Orientation अनुगम, प्रशिक्षण गोष्ठी एवं तालिम कार्यक्रम समन्वय गर्ने (क्षेत्रियस्तर २) | संख्या | २ | २ | १०० |
| ३.५ | जिल्लाअनुसार कृषि तथ्यांक (वाली एवं पशुपंक्षीसंग सम्बन्धित आंकडा) लाई GIS को माध्यमबाट नक्शांकन एवं वितरण गर्ने | पटक | २ | २ | १०० |
| ४. | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तर्फ | | | | |
| ४.१ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन नीतिको कार्यान्वयन सम्बन्धी अनुगमन तथा समन्वय | पटक | ३ | ३ | १०० |
| ४.२ | कृषि उद्यमीहरुको परिचयात्मक विवरण पुस्तिका प्रकाशन | पटक | १ | १ | १०० |
| ४.३ | कृषि व्यवसाय नीति कार्यान्वयन गर्न कार्यविधि तयार गर्ने | पटक | १ | १ | १०० |
| ४.४ | कृषि बाली तथा पशुपंक्षी विमा सम्बन्धी गोष्ठी गरी संभाव्यता एवं आधारहरु तयार गर्ने | पटक | २ | २ | १०० |
| ४.५ | OVOP कार्यक्रम संचलान खर्च | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० |

घ) प्रशासन महाशाखा

परिचय

मन्त्रालयको दैनिक प्रशासन एवं अन्य प्रशासकीय कार्य संचालनको लागि प्रशासन महाशाखाको व्यवस्था भएको छ । यस महाशाखाले मुख्यतया सामान्य प्रशासन, कर्मचारी व्यवस्थापन र आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी कार्य गर्दै आएको छ । कर्मचारी प्रशासन अन्तर्गत निजामती कर्मचारी प्रशासनमा प्रशासनिक सुधार ल्याउन अपनाउनु पर्ने नीति नियम तर्जुमा गर्ने, पदपूर्ति व्यवस्थापन, सरुवा, बढुवा, काज, पुरस्कार, सजाय, अवकास आदिको व्यवस्थापन गरिन्छ भने सामान्य सेवा तर्फ अभिलेख व्यवस्था, कार्यालय व्यवस्था, ऐन नियम, विधेयकहरूको तर्जुमा र मन्त्रालयको दैनिक प्रशासन सम्बन्धी कार्यहरू हुने गर्दछ । त्यस्तै आर्थिक प्रशासन अन्तर्गत बजेट निकासा, नियमित आर्थिक कारोबार, लेखा परिक्षण तथा बेरुजु फछ्यौट सम्बन्धी कार्यहरू गरिन्छ । यसको अतिरिक्त प्रशासन महाशाखा अन्तर्गतको ऐन नियम परामर्श शाखाले ऐन नियमको तर्जुमा गर्ने, कानुनी राय परामर्श दिने तथा विधेयक सम्बन्धी कार्यहरू गर्दछ ।

कार्य क्षेत्र

- कर्मचारी प्रशासन सम्बन्धी कार्य गर्ने ।
- सामान्य प्रशासन सम्बन्धी कार्य गर्ने ।
- कार्यालयको सामानको समुचित व्यवस्था गर्ने, मर्मत संभार गर्ने गराउने ।
- मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूलाई कानुनी राय परामर्श दिने ।
- मन्त्रालयस्तरमा हुने कर्मचारीको नियुक्ति, नियमित सरुवा र बढुवाको व्यवस्थापन गर्ने ।
- मन्त्रालय र अन्तर्गतका कार्यालयहरूको स्तरबाट हुने कर्मचारी नियुक्ति सरुवा बढुवा आदीको प्रकृयाको अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी उपयुक्त कार्यवाही गर्ने र नियमानुसार काम गराउने व्यवस्था मिलाउने ।
- साधारणतर्फको बजेट तर्जुमा तथा कार्यान्वयन गर्ने ।
- सम्पूर्ण बजेट निकासा गराउने र नियमित आर्थिक कारोबार संचालन गर्ने ।
- लेखापरिक्षण तथा बेरुजु फछ्यौट सम्बन्धी कार्य गर्ने गराउने ।
- आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी अन्य कार्य गर्ने ।
- मन्त्रालय मातहतको लेखासम्बन्धी कामको नियमित अनुगमन मूल्यांकन व्यवस्था मिलाई उपयुक्त कार्यवाही गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | २० जिल्लाको स्थिर सम्पत्ति सामान तथा क्षतिको सूचना संकलन तथा केन्द्रीय अभिलेख तयार गर्ने | " | २ | २ | १०० |
| २. | प्रशासकीय अनुगमन कार्यशाला (केन्द्रीय स्तर) ५ विकास क्षेत्र | " | ५ | ५ | १०० |
| ३. | प्रशासकिय अनुगमन २० जिल्ला | " | २ | २ | १०० |
| ४. | मन्त्रालयको O&M Survey | " | १ | १ | १०० |
| ५. | कर्मचारी सूचना व्यवस्था अद्यावधिक गर्ने | " | २ | २ | १०० |
| ६. | टेलिफोन, फोटोकपी, कम्प्युटर मर्मत, संभार | " | ३ | ३ | १०० |

ड) अनुगमन तथा मूल्यांकन महाशाखा

परिचय

विगतमा मन्त्रालयको मूल्याङ्कन तथा आयोजना विश्लेषण महाशाखाको नामबाट कार्यरत महाशाखालाई २०४९ सालदेखि कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय अन्तर्गतको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन महाशाखाको रूपमा कायम गरीएको हो । यस महाशाखाबाट मन्त्रालय अन्तर्गत संचालित विकास आयोजनाहरु तथा वैदेशिक सहायताबाट संचालित आयोजनाहरुको नियमित अनुगमन र मूल्यांकन गर्ने कार्य हुँदै आएको छ । आयोजना संचालनमा देखा परेका समस्याहरुको समाधानको लागि आवश्यक कदमहरु चाल्ने तथा कृषि विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन व्यवस्थाको लागि विभिन्न निकायहरु बीच आवश्यक समन्वयको व्यवस्था गर्ने एवं संसदमा उठेका कृषिसंग सम्बन्धित प्रश्नहरु उपर आवश्यक विवरण तयार पार्ने जस्ता कार्यहरुमा आवश्यक समन्वयको व्यवस्था मिलाउने कार्य यस महाशाखाले संपादन गर्दै आएको छ ।

उद्देश्य

- मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरुबाट संचालित कार्यक्रम, आयोजनाहरुको कार्यान्वयनमा प्रभावकारीता ल्याउन विभिन्न तहमा नियमित रूपमा अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने, गराउने ।

कार्य क्षेत्र

- कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरु एवं वैदेशिक सहायतामा संचालित आयोजनाहरुको कार्यक्रम संचालन तहदेखि नीतिगत तहसम्म अनुगमन एवं मूल्यांकन गर्ने गराउने ।
- नियमित रुपमा (मासिक, द्वैमासिक, चौमासिक र वार्षिक) कार्य प्रगतिस्थितिको समीक्षा गर्ने गराउने र पृष्ठपोषण (Feed Back) गर्ने ।
- समय समयमा प्राप्त हुने निर्देशनहरुको कार्यान्वयन र अन्तरनिकाय समन्वय गर्ने ।
- संसद सचिवालयसंग सम्बन्धित कार्यहरुको समन्वय र रिपोर्टिङ्ग गर्ने ।
- रासायनिक मल लगायत कृषि उत्पादन सामाग्रीको आपूर्ति एवं गुणस्तर नियन्त्रणको नीतिगत व्यवस्था मिलाउने र अनुगमन गर्ने ।
- मातहतका निकायहरुबाट प्राप्त समस्या समाधानार्थ आवश्यक कारवाही गर्ने र Feed Back दिने ।
- दीर्घकालीन कृषि योजना कार्यान्वयनसंग सम्बन्धित अन्तरनिकाय समन्वय गर्ने ।
- वार्षिक कार्यक्रम तर्जुमा एवं नयाँ आयोजना तर्जुमाको क्रममा योजना महाशाखालाई पृष्ठपोषण गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| क) | प्राथमिकता प्राप्त कार्यक्रम तथा बैदेशिक सहयोग र बोर्ड, संस्थान, समिति समन्वय | | | | |
| १. | कृषि विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन स्थिति अनुगमन मूल्यांकन । | पटक | १८ | १८ | १०० |
| २. | संसद अधिवेशन सम्बन्धी विवरण तयारी | " | १ | १ | १०० |
| ३. | चौमासिक, वार्षिक समीक्षा बैठक संचालन | " | ३ | ३ | १०० |
| ४. | वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन छपाई | " | १ | १ | १०० |
| ५. | अनुगमन, मूल्यांकन एवं रिपोर्टिङ्ग सम्बन्धि अन्तरक्रिया कार्यक्रम । | " | ३ | ३ | १०० |
| ख) | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन तथा विश्लेषण शाखा | | | | |
| १. | केन्द्रिय कृषि विकास कार्यान्वयन समितिको बैठक संचालनका लागि छलफल पत्र तयार गरी बैठक संचालन गर्ने । | " | ३ | ३ | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| २. | दीर्घकालीन कृषि योजना प्राथमिकता कार्यक्रमहरुको Periodic अनुगमन गर्ने र प्राविधिक समिति (APP-TWG) को बैठक संचालन गर्ने तथा बैठकको लागि आधार पत्र तयार गर्ने । | " | ३ | ३ | १०० |
| ३. | पकेट क्षेत्रको निर्धारण र Projectization बाट कृषि कार्यमा आएको परिवर्तनको अध्ययन । | " | १ | १ | १०० |
| ग) | कृषि सामग्री आपूर्ति अनुगमन शाखा | | | | |
| १. | रासायनिक मलको माग संकलन तथा प्रक्षेपण | पटक | २ | २ | १०० |
| २. | रासायनिक मल आपूर्ति तथा वितरण अनुगमन | " | ६ | ६ | १०० |
| ३. | रासायनिक मलको गुणस्तर अनुगमन | | | | |
| | क) रासायनिक मल नमूना संकलन तथा परिक्षण | " | ३० | ३० | १०० |
| | ख) बजारमा उपलब्ध रासायनिक मलको गुणस्तर सम्बन्धी प्रतिवेदन तयार गर्ने | " | १ | १ | १०० |
| ४. | मल क्षेत्रसंग सम्बद्ध निकायहरुबिच अन्तरक्रिया गोष्ठी | " | २ | २ | १०० |
| ५. | बीउ क्षेत्रसंग सम्बद्ध निकायहरुबिच अन्तरक्रिया गोष्ठी | " | १ | १ | १०० |
| ६. | रासायनिक मल विषयमा भएका अध्ययनहरुले दिएका सुझावहरुको कार्यान्वयन स्थिति सम्बन्धी अन्तरक्रिया गोष्ठी | " | १ | १ | १०० |
| ७. | रासायनिक मल विश्लेषक तालिम | " | १ | १ | १०० |

च) कृषि सूचना तथा संचार केन्द्र

परिचय

कृषि विकासमा कृषि सञ्चारको वृहत महत्वलाई बुझेर संस्थागत रूपमा कृषि सम्बन्धी प्रविधि प्रचार प्रसार सामग्रीहरुको प्रकाशन गर्ने र श्रव्य-दृश्य सामग्रीहरुको उत्पादन एवं प्रदर्शन गर्ने उद्देश्यले तत्कालिन कृषि सूचना शाखाको स्थापना वि.स. २०२२ सालमा भएको थियो । कृषि सूचना शाखाले गरी आएका कामहरु र प्रदान गर्दै आएका सेवाहरुलाई परिस्थिति अनुसारका नयाँ चुनौती एवं मागअनुरूप ढाल्नुपर्ने आवश्यकता महशुस भई सरकारले कृषि मन्त्रालय अन्तर्गतका सबै विभागहरुलाई संचार सेवामा सघाउ पुऱ्याउन र देशका आम कृषकहरुलाई प्रत्यक्ष वा परोक्ष

रुपमा सूचना प्रवाह गर्न वि.स. २०४६ फल्गुण १३ गते कृषि सूचना शाखालाई कृषि संचार महाशाखामा परिवर्तन गर्‍यो । कृषिसंग सम्बन्धित सम्पूर्ण निकायहरूसंग उचित ढंगले समन्वय कायम गरी कृषि प्रविधि तथा सूचनाहरु प्रवाहित गर्न संरचनागत सुधारको आवश्यकता महशुस गरी २०५७ श्रावण महिनादेखि कृषि सञ्चार महाशाखालाई कृषि सूचना तथा सञ्चार केन्द्रमा परिणत गरी हाल सोभै कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयको छानामुनि रहने व्यवस्था गरिएको छ ।

उद्देश्य:

- आधुनिक सूचना प्रविधिको प्रयोगद्वारा कृषक, कृषि प्रसार कार्यकर्ता तथा अनुसन्धानकर्ता बीचको अन्तरसम्बन्ध बढाई ज्ञानमा आधारीत कृषि प्रणाली अपनाउन कृषक समुदायलाई उन्मुख तथा अभिप्रेरित गर्ने ।
- कृषि क्षेत्रमा समग्र रुपमा हाँसिल भएका वैज्ञानिक उपलब्धीहरु, खाद्य पोषण, कृषि बजार र कृषि व्यवसाय, सहकारी सम्बन्धी प्रविधि तथा अन्य विविध सूचना जानकारीहरुमा नीति निर्माता, सरकारी तथा गैह्र सरकारी निकायमा कार्यरत कृषि प्राविधिकहरु, कृषि वैज्ञानिकहरु, कृषि उपज प्रशोधन तथा विक्री वितरणमा संलग्न व्यक्ति संघ संस्थाहरु, सहकारीहरु एवं कृषकहरुको पहुच सरल र सुलभ गराउने ।

कार्य क्षेत्र

- कृषि, पशु पालन, खाद्य पोषण, कृषि वातावरण संरक्षण, कृषि बजार र कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन, सहकारी आदि सम्बन्धी उन्नत प्रविधिहरु तथा जानकारी प्रसारण, प्रकाशन तथा वितरण गर्ने ।
- नेपाल सरकारले कृषि क्षेत्र, कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन, सहकारी अभियानको प्रवर्द्धनका लागि लिईएका नीतिहरु र बनाएका ऐन नियम कानुनबारे जानकारी प्रशारण गर्ने ।
- नेपाल सरकारले कृषि कार्यक्रम मार्फत् ग्रामीण विकासका लागि लागु गरेका नयाँ कार्यक्रमहरुबारे जानकारी प्रशारण गर्ने ।
- कृषि संचार सम्बन्धी ज्ञान र सल्लाह उपलब्ध गराउने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | उपकरण खरिद (ल्यापटप कम्प्युटर १, मल्टिमिडिया प्रोजेक्टर सेट १) | संख्या | २ | २ | १०० |
| २. | राष्ट्रिय बीउ विजन समिति, उपसमितिहरु तथा अस्थायी प्राविधिक उपसमितिहरुको बैठक संचालन | पटक | १५ | १६ | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| ३. | निरिक्षण तथा अनुगमन | पटक | ९ | ९ | १०० |
| ४. | राष्ट्रीय बीउ विजन वासलात तयार गर्न बीउ विजन माग तथा आपूर्ति अन्तरक्रिया/गोष्ठी संचालन | पटक | ५ | ५ | १०० |
| ५. | बीउ विजन ऐन नियम कार्यान्वयन सम्बन्धी कार्यशाला गोष्ठी (राष्ट्रीयस्तर) | पटक | १ | १ | १०० |
| ६. | बीउ विजन गुण नियन्त्रण निर्देशिका तयार गर्न बैठक संचालन | पटक | १० | १० | १०० |
| ७. | APSA को सदस्यता नवीकरण | पटक | १ | १ | १०० |
| ८. | विभिन्न प्रयोगशालाहरुबाट कसचेक परीक्षणको लागि प्राप्त नमूना परीक्षण | संख्या | २५० | ३६५ | १०० |
| ९. | अन्तर्राष्ट्रिय बीउ परीक्षण संस्था (ISTA) बाट प्राप्त मध्यस्थ नमूना (Referee Sample) परीक्षण | संख्या | ३ | ३ | १०० |
| १०. | रजिष्ट्रेशन र प्रमाणिकरण शाखाबाट प्रति बीउ नमूनाहरुको परीक्षण | संख्या | २०३ | २३७ | १०० |
| ११. | विभिन्न प्रयोगशालाहरुमा मध्यस्थ नमूना (Referee Sample) परीक्षणको लागि पठाउने | संख्या | १८० | १८० | १०० |
| १२. | विभिन्न निकायबाट प्राप्त सेवामुलक बीउ परीक्षण | संख्या | १५० | ३५८ | १०० |
| १३. | बीउ परीक्षण प्रयोगशालाहरु निरिक्षण | पटक | १० | १० | १०० |
| १४. | कुषकस्तरमा संचित बीउको गुणस्तर परीक्षण तथा प्रतिवेदन तयार | पटक | २ | २ | १०० |
| १५. | भारपातको बीउ नमूना संकलन, पहिचान र संरक्षण | पटक | २ | २ | १०० |
| १६. | निकासी गरिने मुलाको बीउमा स्वास्थ्यको परीक्षण | पटक | १ | १ | १०० |
| १७. | धानको सुसुप्त अवस्था हठाउने विधिसम्बन्धी नमूना संकलन र परीक्षण | पटक | १ | १ | १०० |
| १८. | श्रोत केन्द्रमा उत्पादित धान र गहुँको मूल बीउको नमूना संकलन तथा स्वास्थ्य परीक्षण | पटक | २ | २ | १०० |
| १९. | ISTA को सदस्यता नवीकरण | पटक | १ | १ | १०० |
| २०. | बीउ परीक्षण तालिम (९ जना) | पटक | २ | १ | १०० |

छ) राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष

परिचय

कृषि अनुसन्धान तथा विकासको क्षेत्रमा विविधता ल्याई वढावा दिन, गैर सरकारी क्षेत्र एवं नागरिक समाजलाई योजना तर्जुमा तथा लगानीमा सहभागी गराउन र कृषि अनुसन्धान, प्रसार तथा तालिममा सामान्जस्यता ल्याउन निजी क्षेत्र, गैह्र सरकारी समुदाय एवं नागरिक समाजको संलग्नता अभिवृद्धि गर्न सरकारीस्तरबाट प्रदान गरिने साधन, श्रोत एवं अवसरको सेवालाई प्रतिस्पर्धात्मक अनुदान प्रणालीका आधारमा वितरण गरी कृषि क्षेत्रको विकासमा योगदान पुऱ्याउन एउटा छुट्टै कोषको स्थापना गरी त्यसको परिचालन गर्न वान्छनीय भएकोले कार्य सञ्चालन कोष ऐन, २०४३ को दफा ३ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी मन्त्रिपरिषद्को मिति २०५८/०८/२५ को निर्णयले “राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोष” को स्थापना भएको हो ।

उद्देश्य

- सरकारी, गैर सरकारी, शैक्षिक संस्था निजिक्षेत्र तथा नागरिक समाजबाट कृषि अनुसन्धान तथा विकास सम्बन्धी आयोजना प्रस्तावहरु आव्हान गर्ने ।
- प्रतिस्पर्धात्मक अनुदान प्रणालीको आधारमा उपयुक्त आयोजना र प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रहरुमा पूर्ण वा आंशिक रूपमा अनुदान उपलब्ध गराउने ।
- सरकारी सेवाको न्यायोचित वितरणद्वारा त्यस्ता आयोजना संचालन गरी लक्षित विकासका उद्देश्य हाँसिल गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- कृषि क्षेत्रको अनुसन्धान र विकासमा विविधता ल्याउन उक्त संस्थाहरुको सहभागीता एवं साभेदारीमा हुने कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिने ।
- कृषि क्षेत्रको अनुसन्धान र विकासमा उक्त संस्थाहरुको क्षमता विकास एवं सशक्तिकरण कार्यक्रमलाई साधन र श्रोतको परिधिभित्र रही सहयोग पुऱ्याउने ।
- कृषि पेशालाई व्यवसायीकरण गर्ने र स्थानीय प्रविधि जगेर्ना गर्ने कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिने ।
- दीर्घकालीन कृषि योजना र कृषकहरुको आधारभूत आवश्यकता तथा हितलाई केन्द्रीत गरी कार्यनीति बनाउने र सोहीअनुसार कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने, गराउने ।
- दिगो किसिमले कृषकहरुको जीवनस्तर उकास्नसक्ने खालका कार्यक्रमलाई उचित प्राथमिकता दिने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | प्रोजेक्ट कम्पाइलेशन/प्रकाशन | संख्या | ५०० | ५०० | १०० |
| २. | वार्षिक पुस्तिका प्रकाशन | संख्या | २०० | २०० | १०० |
| ३. | कार्याशाला गोष्ठी संचालन | | | | |
| ३.१ | कोषका समीक्षकहरुलाई पनुर्ताजगी तालिम | संख्या | २ | २ | १०० |
| ३.२ | कोषका समीक्षकहरुलाई आयोजना अवधारणा पत्र र पूर्ण प्रस्ताव सम्बन्धमा अनुशीक्षण तालिम | संख्या | ४ | ४ | १०० |
| ३.३ | कोषबाट संचालित आयोजनाहरुको लेखा व्यवस्थापन सम्बन्धमा अन्तरक्रिया | संख्या | १ | १ | १०० |
| ३.४ | कोषबाट संचालित आयोजनाहरुको समीक्षा गोष्ठी | संख्या | २ | २ | १०० |
| ४.१ | आयोजनाको अनुगमन तथा मूल्यांकन | पटक | २० | २० | १०० |
| ४.२ | स्वतन्त्र निकायद्वारा कोषबाट संचालित आयोजनाहरुको मूल्यांकन | पटक | १ | १ | १०० |
| ५. | प्रतिस्पर्धात्मक अनुदान प्रणालीमा आधारित कृषि अनुसन्धान तथा विकास | | | | |
| ५.१ | आयोजना अवधारणा पत्र आब्हान | पटक | १ | १ | १०० |
| ५.२ | आयोजना अवधारणा पत्र समिक्षा | पटक | १ | १ | १०० |
| ५.३ | पूर्ण प्रस्ताव समिक्षा | पटक | १ | १ | १०० |
| ५.४ | विज्ञापन अनुसार आवेदन परेका क्षेत्रमा नयाँ आयोजना स्वीकृत एवं संचालन गर्ने (सोधकार्य अनुदान तथा साना आयोजना संचालन समेत) | पटक | १ | १ | १०० |
| ७. | स्थानीयस्तरका सरकारी एवं गैर सरकारी निकायहरुलाई यस कोषमा प्रतिस्पर्धा गर्न क्षमता विकास तालिम दिने | पथक | १ | १ | १०० |

ज) बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र

परिचय

कृषि उत्पादन अभिवृद्धिको लागि उन्नत जातको गुणस्तरयुक्त बीउको प्रयोग अपरिहार्य छ । उन्नत जातको बीउको गुणस्तर हास हुनबाट जोगाउन व्यवस्थित प्रणालीबाट बीउ उत्पादन कार्यक्रम संचालन गरी बीउको गुणस्तर नियन्त्रण गर्न पनि उत्तिकै आवश्यक छ । उच्च

गुणस्तरको बीउ बिजन उत्पादन, प्रशोधन तथा परीक्षण व्यवस्था मिलाई गुणस्तरयुक्त बीउ बिजन सु-व्यवस्थित रूपले उपलब्ध गराई सर्वसाधारण जनताको सुविधा तथा आर्थिक स्थिति सुदृढ गर्न बान्छनिय भएअनुरूप बीउ बिजन ऐन, २०४५ को व्यवस्था गरिएको हो । यसै ऐनअन्तर्गत बीउ बिजन नियमावली, २०५४ पनि लागु भैसकेको छ । नेपालले विश्व व्यापार संगठन (WTO) को सदस्यता लिएपछि बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण कार्य अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्डअनुसार संचालन गर्नु पर्ने भएकोले यस शाखालाई सुदृढीकरण गरी आ.व. ०५९/६० मा सोभै कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय अन्तर्गत रहने गरी बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्रको व्यवस्था भएको हो ।

यस केन्द्रले यसको स्थापनाकालदेखि नै राष्ट्रिय बीउ बिजन समिति (रा.बि.वि.स.) को कार्य गर्दै आएकोले केन्द्रमा रा.बि.वि.स. को सचिवालय पनि रहेको छ । यसको अलावा यस केन्द्रमा ३ शाखाहरु, केन्द्रिय बीउ बिजन परीक्षण प्रयोगशाला, बीउ बिजन प्रामाणिकरण शाखा र बीउ बिजन/जातीय रजिष्ट्रेशन शाखा संचालित छन् ।

उद्देश्य

- देश भित्र बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण पद्धति कार्यान्वयन गरी सर्वसाधारण कृषक वर्गलाई गुणस्तरयुक्त बीउ उपलब्धतामा सुनिश्चित गराउने ।
- गुणस्तरयुक्त बीउ बिजन उत्पादन गरी राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा बीउ बिजन विक्री वितरणबाट कृषकको आय आर्जनमा बृद्धि गर्न सहयोग गर्ने ।
- बीउ बिजनको आयात प्रतिस्थापन तथा निर्यात प्रवर्द्धन गर्ने ।
- बीउ बिजन बजारमा गुणस्तरयुक्त बीउ बिजन उपलब्ध गराउन सहयोग गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- उन्मोचित जातहरुको Seed Bank अद्यावधिक गर्ने ।
- बीउ बाली बीमा सम्बन्धी अध्ययन गर्ने ।
- राष्ट्रिय बीउ बिजन समिति तथा उप-समितिहरुको बैठक संचालन गर्ने ।
- बीउ बिजन परीक्षण गर्ने ।
- विभिन्न बीउ बिजन परीक्षण प्रयोगशालाहरु निरीक्षण तथा अनुगमन गर्ने ।
- भारपातको बीउ नमूना संकलन, पहिचान तथा संरक्षण गर्ने ।
- बीउ बाली निरीक्षण तथा क्रसचेक निरीक्षण गर्ने ।
- बीउ प्रामाणिकरण तथा प्रमाणिकरण कार्यको निरीक्षण गर्ने ।

- संकेतपत्र लगाईएको बीउ तथा अन्य विक्री वितरण भैरहेको बीउ नमूना संकलन, परीक्षण तथा प्रतिवेदन तयार गर्ने ।
- Distinctness, Uniformity and Stability (DUS) परीक्षण गर्ने ।
- उन्मोचन भैसकेका जातको Database अद्यावधिक गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| क. | राष्ट्रिय बीउ बिजन समितिको सचिवालय | | | | |
| १. | राष्ट्रिय बीउ बिजन समिति, उप-समितिहरु तथा अस्थायी प्राविधिक उप-समितिहरुको बैठक संचालन | पटक | १५ | १५ | १०० |
| २. | राष्ट्रिय बीउ बिजन वासलात तयार गर्न बीउ बिजन माग तथा आपूर्ति अन्तरक्रिया/गोष्ठी संचालन | पटक | ५ | ५ | १०० |
| ३. | निरीक्षण तथा अनुगमन | पटक | ९ | ९ | १०० |
| ख. | केन्द्रिय बीउ बिजन प्रयोगशाला | | | | |
| १. | विभिन्न प्रयोगशालाहरुबाट क्रसचेक परीक्षणको लागि प्राप्त नमूना परीक्षण | संख्या | २५० | २९६ | १०० |
| २. | अन्तर्राष्ट्रिय बीउ परीक्षण संस्था (ISTA) बाट प्राप्त मध्यस्थ नमुना (Referee Sample) परीक्षण | संख्या | ६ | ६ | १०० |
| ३. | रजिष्ट्रेशन र प्रमाणिकरण शाखाबाट प्राप्त बीउ नमूनाहरुको परीक्षण | संख्या | २०० | २२५ | १०० |
| ४ | विभिन्न निकायबाट प्राप्त सेवामूलक बीउ परीक्षण | संख्या | १५० | १९० | १०० |
| ५. | विभिन्न प्रयोगशालाहरुमा मध्यस्थ नमुना (Referee Sample) परीक्षणको लागि पठाउने | संख्या | १८० | १८० | १०० |
| ६. | श्रोत केन्द्रमा उत्पादित धान र गहुँको मूल बीउको नमूना संकलन तथा स्वास्थ्य परीक्षण | पटक | २ | २ | १०० |
| ग. | बीउ बिजन प्रमाणिकरण | | | | |
| १. | विभिन्न निकायले गरेको बीउ बाली निरीक्षणको क्रसचेक अनुगमन | हेक्टर | १२५ | १६४ | १०० |
| २. | बीउ बाली खेत निरीक्षण (धान, गहुँ, मकै, दलहन, तेलहन) | हेक्टर | ४० | ५८ | १०० |
| ३. | ट्याग छपाई तथा वितरण | मे.टन | १५०० | १५०० | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| घ. | बीउ विजन जातीय रजिष्ट्रेशन | | | | |
| १. | बीउ विजन ऐन प्रयोजनको लागि बजार निरीक्षण गरी नमूना संकलन (खरिद), परीक्षण र प्रतिवेदन तयार | संख्या | २०० | २२५ | १०० |
| २. | बीउ विजन व्यवसायीलाई बीउ उत्पादन तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम संचालन | पटक | ४ | ४ | १०० |
| ३. | धान र गहुँ बालीको Promissing लाईनहरुमा DUS test गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने | संख्या | २ | २ | १०० |

भ्र) दीर्घकालीन कृषि योजना सहयोग कार्यक्रम

परिचय

कृषि र ग्रामीण विकासको लागि सरकारको मूल नीतिका रूपमा नवौं योजनाको प्रथम वर्ष (वि.स. २०५४) देखि दीर्घकालिन कृषि योजना (APP) लागू भएको छ। दशौं योजना र सरकारको गरिवी घटाउने रणनीति कार्यपत्र (Poverty Reduction Strategy Paper) दुवैले दीर्घकालिन कृषि योजनाको कार्यान्वयन पक्षलाई जोड दिनुका साथै कृषि विकास तथा गरिवी निवारणलाई उच्च प्राथमिकता दिएका छन्। त्यसैगरी दीगो विकास सम्बन्धी विश्व सम्मेलन २००२ मा प्रस्तुत नेपालको दीगो विकास सम्बन्धी एजेण्डाले पनि दीर्घकालिन कृषि विकास योजनाको कार्यान्वयन र प्रवर्द्धनमा जोड दिएको छ।

ए.पि.पि. एवं दशौं योजनाको उद्देश्य प्राप्तमा अघि बढ्न सरकारले वेलायत सरकारको अन्तर्राष्ट्रिय विकास विभागको सहयोगमा जिल्ला तथा राष्ट्रियस्तरमा नेपालको दीर्घकालिन कृषि योजना कार्यान्वयन (जि.रा.-ने.दि.कृ.यो.) कार्यक्रमको शुरुवात गरेको हो। चैत्र १०, २०५९ (मार्च २४, २००३) बाट शुरु भएको यस दीर्घकालिन कृषि योजना सहयोग कार्यक्रम (APPSP) को अवधि पाँच वर्षको रहने र यसले नेपालको कृषिमा संस्थागत तथा नितीगत सुधार र विकासको माध्यमबाट गरिवी र विपन्नता घटाउने लक्ष राखेको छ।

दीर्घकालिन कृषि योजना सहयोग कार्यक्रम (APPSP) ले दशौं योजना र सरकारको गरिवी निवारण रणनीति कार्यपत्रअनुरूप दीर्घकालिन कृषि योजना कार्यान्वयनलाई गरिबमुखी (pro-poor) तुल्याउन सहज गर्नेछ। कृषिमा आधारित जिवीकोपार्जनका अवसरहरु वृद्धि एवं राष्ट्रियस्तरमा संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नुको साथै जिल्लास्तरमा स्थानीय सहकर्मीहरूसंग सहकार्य गरी तिनीहरुबाट प्रवाहित हुने सेवाहरु जवाफदेहीरूपमा प्रवाहित गर्न जिल्लास्तरीय निकायहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्नेछ।

लक्ष

गरीब उत्पादक, कृषि श्रमिक र उपभोक्ताहरु लाभान्वित हुने गरी कृषि क्षेत्रको वृद्धि हासिल गर्ने ।

उद्देश्य

नीति र संस्थागत व्यवस्थापन सुधारको माध्यमबाट गरीबहरुलाई उपयुक्त कृषि सेवा र टेवा प्रदान गर्ने ।

कार्यक्षेत्र

क) केन्द्रिय स्तर

- नीति सहयोग कोष (Policy Support Fund) मार्फत समसामयिक नीतिगत विषयहरुको अध्ययन विश्लेषण गर्न मन्त्रालयलाई सहयोग गर्ने ।
- गरीब तथा उपेक्षितवर्गउन्मुख कृषि सेवा कार्यक्रम प्रभावकारी रूपमा विस्तार गर्न विनियम तथा निर्देशिकाहरु विकास गर्ने ।
- गरीब तथा उपेक्षित वर्ग उन्मुख कृषि सेवाको अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रणाली विकास गरी कार्यान्वयन गर्ने ।
- नीतिगत सुधार ल्याउने क्रममा बृहत्तर सहभागिता सुनिश्चित गर्ने ।

ख) जिल्लास्तर

- जिल्ला विकास समितिमा जिल्ला कृषि विकास कोषको स्थापना तथा सोको नियमित परिचालन गर्ने । यस कोष अन्तर्गत २ वटा उपकोषको व्यवस्था गरिएको छ ।
 १. जिल्ला प्रसार उपकोष (DEF) - सेवा प्रदायक संस्था मार्फत् ।
 २. स्थानीय प्रयास उपकोष (LIF) - कृषक समूह मार्फत् ।
- जिल्ला प्रसार उपकोष अन्तर्गत प्रति प्रस्ताव अधिकतम रु. १० लाखसम्म र बढीमा ३ वर्षका लागि प्रदान गर्न सकिने र स्थानीय प्रयास उपकोष अन्तर्गत प्रति प्रस्ताव बढीमा रु. २५ हजारसम्म रकम प्रदान गर्ने ।
- गरीब तथा उपेक्षित वर्ग सम्बन्धी अनुगमन र मूल्यांकन पद्धति विकास गरी तथ्यांक संकलन व्यवस्थापन तथा विश्लेषण गर्न सहयोग गर्ने ।
- जिल्ला कृषि विकास कोषको कार्यान्वयनको अनुगमन र मूल्यांकन गर्ने ।

- पारदर्शीरूपमा कार्यक्रम संचालन भएको सुनिश्चित गर्न सार्वजनिक लेखा परिक्षण (Public Auditing) गर्ने ।

कार्यक्रम संचालन भएका जिल्लाहरू

| विकास क्षेत्र | जिल्ला |
|-------------------|--|
| पूर्वाञ्चल | ओखलढुंगा, उदयपुर र सिरहा |
| मध्यमाञ्चल | रामेछाप, सिन्धुली र रौतहट |
| पश्चिमाञ्चल | अर्घाखाची र कपिलबस्तु |
| मध्य पश्चिमाञ्चल | हुम्ला, मुगु, प्यूठान, रोल्पा, रुकुम, सल्यान र जाजरकोट |
| सुदूर पश्चिमाञ्चल | बाजुरा, बझाङ्ग, अछाम, डोटी र वैतडी |

आयोजनाअन्तर्गत संचालित कार्यक्रमको आ.व. ०६४/६५ को मुख्य मुख्य कार्यक्रमको लक्ष तथा प्रगति स्थिति

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|---------|---|--------|---------|--------|---------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत |
| १. | कृषिसंग सम्बन्धित नीतिगत अध्ययन | | | | |
| १.१ | बैदेशिक अध्ययन भ्रमण (उच्च स्तरीय टोली सहित) | पटक | २ | २ | १०० |
| १.२ | सञ्चार सम्बन्धी नीतिगत अध्ययन | संख्या | १ | - | - |
| १.३ | जिल्ला कृषि प्रसार कार्यक्रम र APPSP द्वारा जिल्लामा संचालित कार्यक्रमको तुलनात्मक अध्ययन | संख्या | १ | १ | १०० |
| १.४ | तालिम प्रभावकारीता अध्ययन | संख्या | १ | १ | १०० |
| १.५ | Hicast मा अध्ययनत विद्यार्थीहरुलाई नीतिगत सहयोग/छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने | संख्या | ५ | ५ | १०० |
| १.६ | रामपुरमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरुलाई नीतिगत सहयोग/छात्रवृत्ती प्रदान गर्ने | संख्या | ५ | ५ | १०० |
| १.७ | विभिन्न निर्देशिका/कार्यविधि आदि छपाई गर्ने | पटक | ३ | ३ | १०० |
| २. | दीर्घकालीन कृषि योजना अनुगमन/टेवा तथा कार्यान्वयन स्थिति Newsletter (अंग्रेजी तथा नेपालीमा) प्रकाशन गर्ने | पटक | ३ | १ | ३३ |
| ३. | सरोकारवालाहरूसंग अनुभव आदान प्रदान (Experience Sharing) कार्यक्रम | पटक | १ | - | - |

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|---------|---|--------|---------|--------|---------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत |
| ४. | कृषि क्षेत्रमा निक्षेपण सम्बन्धि कार्याशाला गोष्ठी | पटक | १ | - | - |
| ५. | अधिकृतस्तरीय तालिम (एक हप्ते) | पटक | २ | २ | १०० |
| ६. | जिल्ला कृषि विकास कोष संचालन | | | | |
| ६.१ | जिल्ला प्रसार उपकोष आयोजना संचालन | घरधुरी | १७६७३ | १५३८५ | ८७ |
| ६.२ | स्थानीय प्रयास उपकोष परियोजना संचालन | घरधुरी | १७८६८ | १५५३१ | ८७ |
| ७. | आ.व. २०६१/६२ देखि २०६३/६४ सम्म कार्यान्वयनमा रहेका आयोजना तथा परियोजना संचालन | | | | |
| ७.१ | जिल्ला प्रसार उपकोष आयोजना संचालन | घरधुरी | १८१३६ | १३२४२ | ७३ |
| ७.२ | स्थानीय प्रयास उपकोष परियोजना संचालन | घरधुरी | १०५७७ | ८२३८ | ७८ |
| ८. | नीतिगत अध्ययन तथा विश्लेषण कार्यको लागि तथ्यांक संकलन | पटक | १८ | १३ | ७२ |
| ९. | सफल प्रविधि तथा सेवा प्रसारण | पटक | ३९ | ३० | ७७ |
| ९.१ | सेवा प्रदायक गोष्ठी | पटक | २१ | १८ | ८६ |
| ९.२ | भिडियो/डकुमेन्ट्री निर्माण | पटक | १ | १ | १०० |
| ९.३ | सेवा प्रदायकहरुको क्षमता अभिवृद्धि तालिम | पटक | १ | १ | १०० |

विभागहरू

१. कृषि विभाग

परिचय

कृषि विकास कार्यक्रमहरूलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गराउन गहन भूमिका निर्वाह गर्दै आएको कृषि विभागले केन्द्रीयस्तरदेखि सेवा केन्द्रस्तरसम्म संचालित विभिन्न कार्यक्रमहरूको कार्यान्वयन पक्षमा समन्वय ल्याउने, कार्यक्रम कार्यान्वयनमा सहयोग पुऱ्याई छिटो छरितो रूपमा कार्यक्रमहरूलाई कार्यान्वयन गर्ने/गराउने, अनुगमन तथा मूल्यांकन पक्षलाई दरिलो बनाई कृषि विकासको गतिलाई अधि बढाउने, कृषकहरूलाई विभिन्न वालीको उत्पादनमा आवश्यक सहयोग पुऱ्याउने जस्ता विभिन्न कार्यक्रम संचालन गर्दै आएको छ। विशेष गरी कृषकहरूलाई खाद्यान्न वाली, नगदेवाली, फलफूल, तरकारी, माछापालन तथा अन्य वालीहरूको उत्पादन कार्यमा आवश्यक सेवा टेवा पुऱ्याउने जिम्मा यस विभागको रहेको छ। यस विभागले कृषिका विभिन्न क्षेत्रहरूको विकास गर्न कृषकहरूलाई वाली विकास, वागवानी विकास, वाली संरक्षण, मत्स्य विकास र बजार विकास जस्ता महत्वपूर्ण कार्यक्रमहरूमा आवश्यक सेवा टेवा पुऱ्याई रहेको छ। यस विभाग अन्तर्गत हाल १२ वटा कार्यक्रम निर्देशनालय, ५ क्षेत्रिय कृषि निर्देशनालय र ७५ जिल्ला कृषि विकास कार्यालयहरूका साथै केन्द्रियस्तरका आयोजनाहरू पनि संचालित छन्।

उद्देश्य

दिगो कृषि विकास मार्फत समग्र आर्थिक विकासमा टेवा पुऱ्याउन कृषि विभागले विभिन्न कार्यक्रम संचालन गर्ने सन्दर्भमा निम्न अनुसारका उद्देश्यहरू राखेको छ,

- भौगोलिक विशेषताको आधारमा कृषि उत्पादन वृद्धि गर्ने,
- खाद्यवस्तुको आन्तरिक आपूर्ति वृद्धि गरी खाद्य सुरक्षामा टेवा पुऱ्याउन उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि ल्याउने,
- कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विस्तार गर्न आवश्यक कच्चा पदार्थको उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि ल्याउने,
- कृषि उपजहरूको उचित बजार व्यवस्था एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभका आधारमा कृषिजन्य उत्पादनको मूल्य अभिवृद्धि गर्ने,
- कृषिजन्य लघुउद्यमलाई बढावा दिई गैह्र फार्म रोजगारी वृद्धि गर्ने,
- कृषिजन्य वस्तुको आयात प्रतिस्थापन एवं निर्यात प्रवर्धनमा टेवा पुऱ्याउने,
- सिमान्त, साना र महिला किसानहरूका लागि उत्पादनशील रोजगारीका अवसरहरू बढाई गरीवि निवारणमा टेवा पुऱ्याउने,

- एडेप्टिभ रिसर्च संचालन गरी प्रविधि भेरिफिकेशन गर्ने,
- कृषि विकास र वातावरण संरक्षणबीच सन्तुलन कायम राख्ने ।

कार्य क्षेत्र

- उत्पादनमूलक कार्यक्रम
 - वाली विकास (खाद्यान्न तथा नगदे वाली, वीउ विजन प्रविधि बिस्तार) ।
 - बागवानी विकास (फलफूल, तरकारी, मसला, चिया, कफि, आलु, आदि) ।
 - मत्स्य विकास (मत्स्य पालन प्रविधि, माछा भुरा उत्पादन तथा वितरण) ।
 - व्यवसायिक कीट विकास (रेशम, च्याउ र मौरी) ।
- सेवामूलक कार्यक्रम
 - कृषि प्रसार सेवा ।
 - वाली संरक्षण सेवा ।
 - साना सिंचाई ।
 - कृषि तालिम सेवा ।
 - पोष्ट हार्भेष्ट क्षति नियन्त्रण सेवा ।
 - कृषि बजार विकास सेवा ।
 - वीउ विजन तथा गुण नियन्त्रण सेवा ।
 - माटो परिक्षण सेवा ।
 - कृषि इन्जिनियरिङ्ग सेवा ।

रणनीति

- कृषि प्रसार कार्यक्रम कृषक समूहमार्फत संचालन गर्न प्राथमिकता दिने ।
- स्थान विशेषको संभाव्यताको आधारमा वाली विशेषका पकेटहरुको पहिचान गरी संभाव्य वालीको उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा बृद्धि ल्याउने ।
- सिंचित क्षेत्रमा वाली विशेषका पकेटलाई प्राथमिकता दिई कार्यक्रम संचालन गर्ने तथा सिंचाई नहुने पहाडी जिल्लाहरुमा स्थानीय संभाव्यताको आधारमा कम लागत तर बढी मूल्यका कृषि बस्तुहरुको उत्पादन कार्यक्रममा प्राथमिकता दिने ।

- पिछडिएका कृषक तथा महिला वर्गको उत्थानमा प्राथमिकता दिई कृषि कार्यक्रम संचालन गर्ने ।
- उद्यमी, कृषक एवं निजी क्षेत्रको सहभागितामा कृषि प्रविधिको विकास एवं प्रसार, श्रोत तथा वितरण केन्द्रहरुको सम्बर्द्धन, विकास एवं विस्तार गरी उत्पादन सामग्रीहरुको आपूर्तिमा स्थायित्व ल्याउने ।
- कृषि मूल्य र बजार सूचनाहरुको संकलन विश्लेषण र प्रवाह गर्नुका साथै बजार व्यवस्थापनको लागि आवश्यक पूर्वाधारको विकास गर्ने ।
- खाद्य सुरक्षाको लागि खाद्यान्न उत्पादन बृद्धिमा जोड दिने ।
- उत्पादनलाई कृषिजन्य उद्योगसंग आवद्ध गराउँदै लगि उत्पादन र उद्योग बीच तादात्म्यता राख्ने ।
- भू-बनोटलाई अधिकतम उपयोग गरी वाली विविधिकरण, कृषि व्यावसायीकरण र कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धनमा सहयोग पुग्ने किसिमका कार्यक्रम संचालनमा ध्यान दिने ।
- कृषिजन्य उत्पादन सामग्रीहरुको उपयोग र प्राकृतिक श्रोतको उपयोग बीच तादात्म्यता राखी वातावरणमा प्रतिकूल असर पर्न नदिन एकीकृत शत्रुजीव व्यवस्थापन प्रणालीमा विशेष जोड दिने ।

आ.व. ०६४/६५ को मुख्य मुख्य कार्यक्रमको लक्ष तथा प्रगति स्थिति

क) प्रमुख केन्द्रियस्तरका कार्यक्रमहरु

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|---------|------------------------------------|-----------------|---------|--------|---------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत |
| १ | फलफूल बिरुवा उत्पादन तथा वितरण | संख्या | १४८०५० | १५०७२४ | १०० |
| २ | तरकारी वीउ उत्पादन वितरण | के.जी. | ६८६७ | ११७०६ | १०० |
| ३ | तरकारी वेर्ना उत्पादन वितरण | संख्या (०००) | २२१३ | २५६९ | १०० |
| ४ | आलँकारी बिरुवा उत्पादन वितरण | संख्या | ३७४०१ | ३६७४३ | ९८ |
| ५ | अलैची बिरुवा विक्री वितरण | संख्या (लाख) | १ | १ | १०० |
| ६ | कफि बिरुवा उत्पादन वितरण | संख्या | १३००० | १७१०५ | १०० |
| ७ | माछा भुरा उत्पादन वितरण | | | | |
| | ह्याचलिङ्ग | संख्या (०००) | ८४००० | ९४५८५ | १०० |
| | फ्राई | „ | १३०५० | १३५२६ | १०० |
| | फिङ्गरलिङ्ग | „ | ६२०० | ६२०४ | १०० |
| ८ | कृषकद्वारा उत्पादीत रेशम कोया खरिद | मे.ट | ३२ | २८ | ८८ |

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|---------|--|--------|---------|---------|---------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत |
| ९ | चौकी कीरा पालन र कृषकलाई वितरण | बक्स | २०६३ | २०५२ | ९९.४७ |
| १० | रेशम धागो उत्पादन | के.जी. | ७०० | ६०८ | ८६.८६ |
| ११ | विज कोया उत्पादन | के.जी. | १६०० | १५६७ | ९७.९४ |
| १२ | रेशम कीराको फुल उत्पादन | बक्स | ४००० | ४००० | १०० |
| १३ | माटोको नमूना विश्लेषण | संख्या | ३००० | २८३२ | ९४.४० |
| १४ | रासायनिक मलको गुणस्तर परिक्षण विश्लेषण | संख्या | ३३५ | ३३५ | १०० |
| १५ | शुद्धतत्व विश्लेषण | संख्या | ३०० | ३०० | १०० |
| १६ | माटो परिक्षण शिबीर | पटक | ८२ | ८२ | १०० |
| १७ | तालिम कार्यक्रम | | | | |
| | अधिकृतस्तर | जवान | ८(१६५) | ७(१३९) | ८७.५० |
| | प्रा.स./ना.प्रा.स. | „ | २२(४७७) | २२(४१७) | १०० |
| | अगुवा कृषक | „ | २७(६१३) | २७(५१५) | १०० |
| १८ | बीउ परिक्षण | संख्या | २६०० | ४०८५ | १०० |
| १९ | बीउ प्रमाणिकरण | मे.टन | ९१० | २०६२ | १०० |
| २० | बीउ भण्डार निरिक्षण | पटक | २१ | २४ | १०० |
| २१ | श्रोतकेन्द्रको बीउ नमूना परिक्षण | संख्या | ३२५ | ५६२ | १०० |

ख) प्रमुख जिल्लास्तरीय कार्यक्रमहरू

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|---------|-----------------------------------|--------|---------|--------|---------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत |
| १ | प्रदर्शन | संख्या | २६०७३ | २५८१२ | ९९ |
| २ | मिनीकिट वितरण | संख्या | २६९९३३ | २६९१६९ | १०० |
| ३ | कृषक प्रतियोगिता | संख्या | २३१ | २३२ | १०० |
| ४ | कृषक समूह गठन | संख्या | २३०३ | २३९९ | १०४ |
| ५ | कृषक गोष्ठी/दिवस | संख्या | ६९४ | ६८९ | ९९ |
| ६ | कृषक भ्रमण | | | | |
| | कृषक भ्रमण जिल्लास्तर | संख्या | १०३ | १०३ | १०० |
| | कृषक भ्रमण अन्तर जिल्ला | संख्या | ४१ | ३८ | ९३ |
| | कृषक भ्रमण से.के.स्तर अन्तरसमूह | संख्या | ५ | ४ | ८० |
| ७ | कृषि मेला प्रदर्शन | संख्या | ४५ | ४५ | १०० |
| ८ | फलफूल वगैचा स्थापना | हेक्टर | ८५१ | ८५३ | १०० |
| ९ | नमूना वगैचा स्थापना/व्यवस्थापन | संख्या | ५१७४ | २१७४ | ४२ |
| १० | नीजि नर्सरी स्थापना | हेक्टर | २०३ | २०३ | १०० |
| ११ | विजवृद्धि खाद्यान्न, तेलहन, दलहन, | हेक्टर | १२४८ | १२५७ | १०० |

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|---------|---------------------------------|---------|---------|--------|---------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रतिशत |
| | आलु, तरकारी | | | | |
| १२ | विभिन्न सामग्री वितरण | संख्या | ८१६६ | ८१२४ | ९९ |
| १३ | मौरी घर वितरण | संख्या | २१८८ | २१५४ | ९८ |
| १४ | रेशम खेती विकास | | | | |
| | किम्बु खेती विस्तार | हेक्टर | १४ | १४ | १०० |
| | कोया उत्पादन | मे.टन | १३ | १२ | ९२ |
| १५ | मत्स्य पालन कार्यक्रम | | | | |
| | मत्स्य नीजि नर्सरी | संख्या | ११ | ११ | १०० |
| | माछा भुरा वितरण | सं.हजार | २२३७८ | २१३८१ | १३१ |
| १६. | अलैंची खेती विस्तार | हेक्टर | ७६ | ८६ | ११३ |
| १७. | सेलार स्टोर निर्माण | संख्या | १२ | १२ | १०० |
| १८. | रष्टिक स्टोर निर्माण | संख्या | ७ | ७ | १०० |
| १९. | माटो परिक्षण सेवा (नमूना संकलन) | संख्या | २६३० | २६२९ | १०० |
| २०. | अगुवा कृषक तालिम | | | | |
| | सेवा केन्द्रस्तर | पटक | ५६७७ | ५६६९ | १०० |
| | क्षेत्रीय स्तर | जना | ७३५ | ६०५ | ८२ |
| | प्रा.स./ना.प्रा.स. | जना | २५० | २३३ | ९३ |
| २१. | वार्षिक पुस्तिका प्रकाशन | संख्या | ६७ | ६३ | ९४ |

२. पशु सेवा विभाग

परिचय

नेपालको कृषि प्रणालीमा पशु व्यवसायको महत्वपूर्ण स्थान रहिआएको छ । यसर्थ वर्तमान अवस्थामा यो व्यवसाय कृषि उत्पादनको पुरक अंग मात्र नभएर जनसाधारणको आय आर्जन गर्ने प्रमुख आधारकै रूपमा विकसित भएको छ ।

पशुपालन व्यवसायलाई लाभप्रद बनाउँदै लैजान पशुहरुको गुणात्मक सुधार गर्न आवश्यक पर्ने पशु सेवा, नश्ल सुधार, पशु आहारा तथा पशु व्यवस्थापन आदि विविध पक्षवारे कृषकहरुलाई आवश्यक सेवा पुऱ्याउने काम यस विभागबाट हुँदै आएको छ । यसका साथै भौगोलिक स्थिति अनुसार चरन विकास गर्ने, पशु आहाराका लागि घांसको नयाँ प्रविधिबारे कृषकहरुलाई चेतना जगाउने, गाई भैसीको नश्ल सुधार गरी उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा सुधार गर्दै लाने, प्राथमिक उपचार, भ्याक्सिनेसन, रोग निदान जस्ता सेवा पुऱ्याउँदै आएको छ । यस विभाग अन्तर्गतका ४

वटा कार्यक्रम निर्देशनालय, ५ वटा क्षेत्रिय पशु सेवा निर्देशनालय तथा ७५ वटा जिल्ला पशु सेवा कार्यालयहरूले सेवा पुऱ्याउँदै आइरहेका छन् ।

उद्देश्य

पशुपालन व्यवसायलाई विविधिकरण, व्यावसायीकरण, आयमूलक तथा सम्मानित पेशाको रूपमा विकास गरी राष्ट्रिय उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउनका लागि यस विभागको निम्न उद्देश्यहरू लिएको छ

- पशुजन्य पदार्थको उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा वृद्धि ल्याउने र यसको सन्तुलित सेवन विस्तारबाट कुपोषणको समस्या हटाउँदै लाने ।
- ग्रामीण अर्थतन्त्रलाई टेवा पुऱ्याउन र क्षेत्रिय सन्तुलन कायम गर्न पशुपालन व्यवसायलाई विशेष ध्यान दिने ।
- गरीब तथा सामाजिक दृष्टिकोणबाट पिछडिएका वर्ग र महिला वर्गको आर्थिक तथा सामाजिक स्थितिमा सुधार ल्याउन पशुपंक्षिपालनबाट विशेष योगदान गर्न सहयोग पुऱ्याउने ।
- उन्नत पशुपालन पेशालाई कृषक परिवारको एक प्रमुख आय श्रोतको रूपमा विकास गरी वातावरण संरक्षण तथा सन्तुलन कायम गर्न सहयोग पुऱ्याउने ।
- देशमा पशुधनको सुरक्षा र जनस्वास्थ्य संरक्षण गर्न योगदान पुऱ्याउन विशेष पशु रोगहरूको नियन्त्रण सेवा विस्तार गर्ने ।
- आयात प्रतिस्थापन तथा निर्यातमूलक पशुपंक्षी उत्पादनबाट उद्योगलाई कच्चा पदार्थ उपलब्ध गराई सहयोग पुऱ्याउने ।
- व्यावसायिक पशुपंक्षीपालन, त्यसको श्रोत विकास तथा संरक्षण सेवा तथा बजार व्यवस्थापनमा निजी क्षेत्रको संलग्नता बृद्धि गराउने ।
- पशुपंक्षीपालन तथा सम्बन्धित उद्योग तथा उपभोक्ताहरूको हितमा गुणस्तर नियन्त्रण सेवा विस्तार गर्ने ।
- लोप हुने सम्भावना भएका उपयोगी पशुपंक्षीहरूको पहिचान, संरक्षण, संवर्द्धन र विकास गर्दै लैजाने ।

रणनीति

क) पशु स्वास्थ्य सेवा

- पशुपंक्षीलाई आवश्यक पर्ने भ्याक्सिनहरू स्वदेशमै उत्पादन गर्ने ।
- पशुपंक्षी उपचार तथा प्राविधिक परामर्श सेवाहरूमा निजी क्षेत्रको संलग्नता बढाउँदै लैजाने ।

- बढी क्षति गर्ने संक्रामक रोगहरुको नियन्त्रण तथा उन्मूलन गर्ने ।
- जनसाधारणमा पशुपंक्षी रोग निदान सेवा उपलब्ध गराउने ।
- रोगको प्रवाह बढ्न नदिन र प्रभावकारी उपचार पुर्याउन रोगहरुको देशव्यापी सर्भिलेन्स गर्ने ।
- पशुपंक्षीमा प्रयोग हुने औषधी तथा भ्याक्सिनको नीति तय गरी गुणस्तर कायम गर्ने ।
- विदेशबाट रोग भित्रिन नदिन पशु क्वारेन्टाइन सेवा प्रभावकारी बनाउने ।
- पशुपंक्षीबाट मानिसमा सर्ने रोगहरु (Zoonosis) को नियन्त्रण गर्ने ।
- पशु बधशाला तथा मासु जाँच ऐन क्रियाशिल गर्ने र बधशाला स्थापना र संचालन निजी क्षेत्रबाट गराउन प्राविधिक तथा आवश्यक पूर्वाधार विकासमा सहयोग पुर्याउने ।
- निजी क्षेत्रबाट पुर्याउने पशुपंक्षी उपचार सेवालाई गुणस्तरयुक्त बनाउन सहयोग गर्ने ।
- विश्व व्यापार संगठन तथा O.I.E. को मापदण्डअनुसार पशु स्वास्थ्य सेवालाई आधुनिकीकरण गर्ने ।

ख) पशु उत्पादन सेवा

- पशु विकास फार्महरुमा घाँसको मूल वीउ, पशुपंक्षीका उन्नत नश्ल (Nucleus Herd) स्थापना गरी जिल्लाका श्रोतकेन्द्रहरुमा वितरण गर्ने र देशमा उपयुक्त नश्ल स्थापित गराउन प्रजनन नीति तय गर्ने ।
- पशुपंक्षीको दाना तथा दानामा प्रयोग हुने कच्चा पदार्थको गुणस्तर व्यवस्थापन गर्ने ।
- सामुदायिक खर्क/चरन उपभोक्ता समूहमार्फत् उत्पादनशील बनाई प्रयोगमा ल्याउने ।
- कवुलियती तथा सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमा उपलब्ध गराई घाँस/चरनको आपूर्ति बढाउने ।

आ.व. २०६४/६५ मा संचालित मुख्य मुख्य कार्यक्रमहरुको प्रगति स्थिति

क) केन्द्रियस्तर

| सि.नं. | मुख्य मुख्य कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|-----------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १ | पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम | | | | |
| १.१ | विभिन्न पशु रोग विरुद्ध भ्याक्सिन उत्पादन | ह. मात्रा | १८५९० | २०७७३ | १०० |
| १.२ | खोरेत भाइरस सोरोटाईपिङ्ग | संख्या | १२५ | १२९ | १०० |
| १.३ | रेविज रोग विरुद्ध भ्याक्सिन उत्पादन | ह. डोज | २२ | २२ | १०० |

| सि.नं. | मुख्य मुख्य कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|-------------|----------|----------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १.४ | भेटेनरी औषधी तथा भ्याक्सिनको प्रयोग शाला परिक्षण | संख्या | २१७ | २३३ | १०० |
| २ | पशु विकास सेवा कार्यक्रम | | | | |
| २.१ | रागो/साँढेको जमेको विर्य उत्पादन | ह.डोज | ११० | १२३ | १०० |
| २.२ | तरल नाइट्रोजन उत्पादन | ह. लिटर | १९.७ | २०.२ | १०० |
| २.३ | पशुजन्य पदार्थको गुण सम्बन्धी प्रयोगशाला परिक्षण | संख्या | ३३० | ३३० | १०० |
| ३ | पशु पंक्षी बजार प्रबर्द्धन कार्यक्रम | | | | |
| ३.१ | बजार सूचना संकलन तथा व्यवस्थापन | पटक | १२ | १२ | १०० |
| ३.२ | पशु हाट बजार स्थलगत अध्ययन | पटक | १० | ९ | ९० |
| ३.३ | पशु बधस्थल सम्बन्धी निर्माण सुधार | पटक | ४ | ३ | ७५ |
| ४ | पशु विकास फार्महरू | | | | |
| ४.१ | बाच्छा बाच्छी उत्पादन | संख्या | १६ | २२ | १०० |
| ४.२ | मुरा भैसीको पाडापाडी उत्पादन | संख्या | २५ | ३१ | १०० |
| ४.३ | बंगुरको पाठापाठी उत्पादन | संख्या | ७६० | १०११ | १०० |
| ४.५ | भेंडा/बाखाको पाठापाठी उत्पादन | संख्या | ३३० | ३६८ | १०० |
| ४.६ | कुखुराको चल्ला उत्पादन | संख्या हजार | १४० | १५८.९ | १०० |
| ५.६ | इनोकुलम उत्पादन | के.जि | १५० | १५८ | १०० |
| ५.७ | याक नाक | संख्या | १५ | १८ | १०० |
| ५ | पहाडी कवुलियती वन तथा चरन विकास | | | | |
| ५.१ | बाखा छनोट तथा वितरण | संख्या | २२३०४ | १९४४४ | ८७.१८ |
| ५.२ | बोका छनोट तथा वितरण | संख्या | ११६० | १०४७ | ९०.२६ |
| ५.३ | बोका/बाखामा भ्याक्सीनेशन | ह. संख्या | ४५.५ | ४६.८० | १०२.८६ |
| ६ | सामुदायिक पशु विकास आयोजना | | | | |
| ६.१ | समिति गठन (बाखा २३६, भैसी ६१, गाई ४, बंगुर २६ र घाँस २१, कुखुरा २९) | संख्या | ३७७ | ३७७ | ०.०० |
| ७ | पशु सेवा तालिम | | | | |
| ७.१ | अधिकृत स्तर तालिम | पटक | ५(९६) | ५(९६) | १०० |
| ७.२ | प्रा.स./ना.प्रा.स. | पटक | ११ (२१८) | १२ (२१८) | १०० |
| ७.३ | कृषकस्तर तालिम | पटक | १८(३४४) | १८(३४४) | १०० |

ख. जिल्लास्तर

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|---------|-------------------------------------|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | उन्नत पशुपंक्षी वितरण | | | | |
| १.१ | उन्नत पशु वितरण | संख्या | ७०० | ६४५ | ९२ |
| १.२ | चल्ला वितरण | संख्या | ६५००० | ६४०४३ | ९९ |
| २. | पशु प्रजनन सेवा | | | | |
| २.१ | कृत्रिम गर्भाधान | संख्या | ९०००० | ८६३०० | ९९ |
| ३. | पशु आहार कार्यक्रम | | | | |
| ३.१ | घाँस विकास गर्ने | हेक्टर | ७७७ | ७७७ | १०० |
| ४. | तालिम कार्यक्रम | | | | |
| ४.१ | सेवाकेन्द्रस्तरीय कृषक तालिम | पटक | १०७५ | १०४६ | ९७ |
| ४.२ | क्षेत्रिय कृषकस्तर तालिम | जवान | ३४४ | ३४४ | १०० |
| ४.३ | क्षेत्रियस्तर प्रा.स. वा ना.प्रा.स. | संख्या | २१८ | २१८ | १०० |
| ५. | पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम | | | | |
| ५.१ | प्रयोगशाला सेवा | हजार | २३९ | २६६ | ११२ |
| ५.२ | रोग नियन्त्रण खोप सेवा | हजार | ८१८ | १०८० | १३२ |
| ५.३ | उपचार सेवा | हजार | ९६१ | ११०७ | ११५ |
| ६. | शिविर कार्यक्रम | पटक | ८५ | ८३ | ९८ |
| ७. | प्रतियोगिता कार्यक्रम | पटक | २० | २० | १०० |
| ८. | प्रदर्शन कार्यक्रम | पटक | ५७ | ५७ | १०० |
| ९. | वार्षिक पुस्तिका प्रकाशन | जिल्ला | ७५ | ७४ | ९९ |

३) सहकारी विभाग

परिचय

सहकारिताको आवश्यकता र महत्वलाई दृष्टिगत गरी वि.सं. २०१० सालमा यस विभागको स्थापना भएको थियो । यसपछि सहकारी संस्थाहरुको गठन २०१३ देखि शुरु भएको पाइन्छ । २०१६ सालमा आएर सहकारी संस्था ऐन र २०१८ सालमा नियमको व्यवस्था भयो । हाल कूल सहकारी संस्था ८३३ रहेका छन् । सहकारी आन्दोलनलाई जनताको चाहना र सक्रियतामा प्रजातान्त्रिक परिपाटीमा प्रवर्द्धन गरी ग्रामीण क्षेत्रका विपन्न वर्गको सामाजिक आर्थिक विकासमा टेवा पुऱ्याउने उद्देश्यले स्थापित सहकारी विभागअन्तर्गत हाल सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, क्षेत्रिय स्तरमा ५ क्षेत्रिय सहकारी विकास कार्यालय र देशका ३८ जिल्लामा जिल्ला सहकारी डिभिजन कार्यालयहरु रहेका छन् ।

सहकारीताको भावना तथा मान्यताका आधारमा गठन हुने सहकारी संघ/संस्थाहरूको प्रवर्द्धन तथा नियमनको अतिरिक्त सहकारी सम्बन्धी गतिविधिलाई समन्वयात्मक रूपमा अगाडी बढाउन सहकारी विभाग क्रियाशिल रहेको छ । सहकारी प्रणाली मार्फत् आर्थिक तथा सामाजिक विकासका क्षेत्रहरू पहिल्याउदै सहकारीताको अवधारणालाई सिमान्त वर्गसम्म पुऱ्याउने उद्देश्य बोकेको यस विभागका क्रियाकलापहरू विशेष गरी सिमान्त वर्गको हित सम्बर्द्धन गर्नेतर्फ नै केन्द्रित रहेको छ ।

सहकारी आन्दोलका विभिन्न पक्षहरूलाई समन्वयात्मक रूपमा परिचालन गर्दै देशको सहकारी प्रणालीलाई आर्थिक तथा सामाजिक रुपान्तरणको माध्यमका रूपमा विकसित गर्न यस विभागले सहकारी क्षेत्र सुदृढिकरण आयोजना संचालन गर्दै आएको छ । यस आयोजना मार्फत् सहकारीताको भावनालाई सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक रूपमा कार्यान्वयन गर्दै सहकारी संघ/संस्थाको प्रवर्द्धन र विकास सम्बन्धी विभिन्न क्रियाकलापहरू संचालन हुँदै आएका छन् ।

उद्देश्य

- जनताकै सक्रियता र सहभागितामा जनचाहना र आवश्यकताअनुरूप सहकारी सिद्धान्तमा आधारित सहकारी संघ संस्थाहरूको प्रवर्द्धन तथा विकास गरी ग्रामीण क्षेत्रका विपन्न तथा कृषि पेशामा लागेका जनसमुदायको आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा तिव्रता ल्याउन टेवा पुऱ्याउने ।
- देशमा छरिएर रहेका स-साना पूंजी तथा शीपलाई एकत्रित गरी सहकारीताको माध्यमले आफ्नो आवश्यकता आफैले पुरा गर्ने खालका स्थानीय आर्थिक क्रियाकलाप वृद्धि गरी राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा टेवा पुऱ्याउने अवसर श्रृजना गराउने ।
- सहकारी संघ संस्थाहरूलाई पुर्ण जनसहभागिताको आधारमा स्वस्फुर्त रूपमा सक्षम तरीकाले संचालन गर्न आवश्यक जनशक्तिको विकास गरी व्यवस्थापन परामर्श, प्राविधिक सेवा र टेवा पुऱ्याउने ।
- सहकारी संघ संस्थाहरू बीच राष्ट्रिय स्तरमा समन्वय गरी प्रारम्भिक सहकारी संस्था देखि विषयगत केन्द्रीय संघ र राष्ट्रिय सहकारी संघसम्म सहकारीका आफ्नै निकायहरू बीच व्यावसायिक कारोवारको अन्तर सम्बन्ध र श्रृखला (Network) कायम हुने वातावरण बनाई सहकारी बजार प्रणाली विकास गरी ग्रामीण जनसमुदायलाई आवश्यक पर्ने उपभोग्य बस्तु, कृषि सामग्री, शीत भण्डार, कृषि ऋण, कृषि उत्पादन बजार तथा अन्य सेवा उपलब्ध गराउनको लागि सहकारी क्षेत्रको आधारशीला विकास गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- नेपाल सरकारलाई सहकारी नीति तथा कार्यक्रम निर्माण गर्ने सिलसिलामा सल्लाह सुझाव दिने तथा नीति तथा कार्यक्रम तयार गर्न सहयोग गर्ने ।

- सहकारी संघ/संस्था दर्ता गराउने कार्यलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
- विनियम संशोधन सम्बन्धी कार्य गर्ने ।
- सहकारी संघ/संस्थाहरुको सूचना, प्रतिवेदन संकलन, विश्लेषण सम्बन्धी कार्य गर्ने ।
- अन्तिम लेखापरिक्षकको स्वीकृति दिने ।
- संचालक समितिले समय समयमा निर्वाचन नगराएमा निर्वाचन गराउने ।
- समयमा साधारण सभा नबोलाएमा सभा बोलाउन निर्देशन दिने ।
- संघ/संस्थाहरुले सन्तोषजनक काम नगरेको भन्ने सूचना प्राप्त भएमा सोधपुछ गर्ने/गराउने ।
- संघ/संस्थाहरुले सहयोग मागेमा ऋण, बाँकी बक्यौता असूली प्रक्रियामा सहयोग पुऱ्याउने ।
- संघ/संस्थाको एकीकरण, विभाजन गर्ने र विघटन सम्बन्धी अन्य व्यवस्था गर्ने ।
- विघटनकर्ताको (लिविडेटर) नियुक्ति तथा विघटन सम्बन्धी अन्य व्यवस्था गर्ने ।
- सहकारी ऐन नियम पालना गर्ने गराउने विषयमा सूचना एवं सुझाव प्रदान गर्ने ।
- प्रचलित कानूनको विपरित कार्य गर्ने संस्थाहरुलाई कानूनका अधीनमा रही कारवाही गर्ने ।
- संघ/संस्थालाई पारदर्शी बनाउन आवश्यक सूचनाहरु एवं निर्देशिकाहरु जारी गर्ने ।
- ऐनप्रदत्त छुट र सुविधाहरु संघ संस्थाहरुलाई दिलाउन कारवाही अधि बढाउने ।
- सहकारी संघ संस्थाहरुको आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीलाई सक्रिय बनाउन आवश्यक भूमिका खेल्ने र यी संघ संस्थाहरुमा देखिएका त्रुटी तथा समस्या समाधान गर्न सुझाव दिने ।
- सहकारी शिक्षा तथा तालिम प्रदान गर्ने विषयमा समन्वयात्मक भूमिका खेल्ने ।
- विभाग अन्तर्गतका कार्यालयहरुको प्रशासनिक नियन्त्रण, निर्देशन तथा निरिक्षण गर्ने ।
- सहकारी संस्थाहरुबाट प्राप्त लेखापरिक्षण प्रतिवेदन र लेखापरिक्षकले औल्याएका समस्या तथा त्रुटी समाधानको उपाय पत्ता लगाउने सम्बन्धी समन्वयात्मक एवं निर्देशनात्मक भूमिका निर्वाह गर्ने ।
- सहकारी क्षेत्रमा आवश्यक जनशक्ति तयार गरी सहकारी विशेषज्ञको सेवा उपलब्ध गराउने ।
- राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड, राष्ट्रिय सहकारी संघ तथा अन्य जिल्लागत एवं विषयगत संघहरुसंग समन्वय गरी सहकारी अभियानलाई आवश्यकताअनुसारको सहयोग पुऱ्याउने ।
- सहकारी आन्दोलनलाई स्वस्फूर्त आन्दोलनको रुपमा विकसित हुने वातावरणको सृजनामा सहयोग पुऱ्याउने ।
- सहकारी सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय सम्मलेन/सभा गोष्ठीहरुमा प्रतिनिधित्व गर्ने ।

आ.व. २०६४/६५ को मुख्य मुख्य कार्यको वार्षिक लक्ष र प्रगति विवरण

| सि. नं | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--------------------------------|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| क) | सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम | | | | |
| १ | मामला अध्ययन | पटक | २८ | ३८ | १०० |
| ख) | सहकारी सुदृढिकरण कार्यक्रम | | | | |
| १ | समूह शहरीकरण | संख्या | ६८५ | ६६८ | ९७.५२ |
| २ | दर्ता खारिज | संख्या | १९१ | १४७ | ७६.९६ |
| ग) | तालिम कार्यक्रम | | | | |
| १ | आधाभूत सहकारी व्यवस्थापन तालिम | पटक | २४ | २४ | १०० |
| २ | आधारभूत सहकारी लेखापालन तालिम | पटक | ३० | ३० | १०० |
| ३ | पूर्व सहकारी शिक्षा | पटक | १३९ | १४० | १०० |
| ४ | सहकारी सचेतना तालिम | पटक | ११२ | ११२ | १०० |

४. खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग

परिचय

खाद्य पदार्थ तथा दानाहरुको उत्पादनस्तर देखि विक्रि/वितरण एवं आयात/निर्यातसम्म न्यूनतम गुणस्तर कायम राखी उपभोक्ताहरुको हकहित संरक्षण गर्ने, संभाव्य उद्यमी/व्यवसायी विकासको लागि उपयुक्त खाद्य प्रशोधन प्रविधि विकास एवं तालिम दिने र खाद्य बस्तुहरुको पोषण तत्व पहिचानको साथै पोषण ज्ञान विस्तार जस्ता कार्यक्रमहरु संचालन गरी सेवा/टेवा पुऱ्याउने काम यस विभागले गर्दै आईरहेको छ । वि.सं. २०१८ सालमा खाद्य विभागको रुपमा स्थापना भएको यस निकायले २०३७ सालदेखि केन्द्रिय खाद्य अनुसन्धानशालाको रुपमा संचालनमा रह्यो । २०५७ सालदेखि खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभागमा परिणत भई यसले आफ्नो कार्य क्षेत्रको विस्तार एवं विकास गर्दै आएको छ ।

यस विभागको उद्देश्य एवं कार्यनीतिवमोजिमको सेवा/टेवा पुऱ्याउन विभागअन्तर्गत केन्द्रियस्तरको काठमाडौंमा खाद्य गुण नियन्त्रण महाशाखा, खाद्य प्रविधि विकास तथा तालिम महाशाखा, राष्ट्रिय खाद्य प्रयोगशाला, राष्ट्रिय पोषण कार्यक्रम र काठमाडौं बाहिर केन्द्रीयस्तरकै आयोजनाको रुपमा विराटनगर, हेटौंडा, पोखरा, नेपालगंज र धनगढीमा क्षेत्रिय खाद्य प्रयोगशालाहरु र जुम्लामा स्याउ प्रशोधन केन्द्र संचालनमा रहेका छन् ।

उद्देश्य

- खाद्य बस्तुहरुको उत्पादनस्तरदेखि विक्रि/वितरणसम्म शुद्धता कायम गरी उपभोक्ताहरुको हकहितको संरक्षण गर्न गुण नियन्त्रण सेवा परिचालन गर्ने ।

- दाना ऐन, २०३३ लाई क्रियाशील गराई स्वस्थ एवं स्तरयुक्त दाना आपूर्तिमा वृद्धि ल्याई पशुपालन व्यवसायमा टेवा पुऱ्याउने ।
- खाद्य प्रशोधन संरक्षण तथा प्याकेजिङ्ग र पोष्ट हार्भेष्ट प्रविधिहरुको विकास, अनुशरणिता अनुसन्धान एवं परामर्श सेवा तथा तालिममार्फत कृषिजन्य खाद्य व्यवसाय एवं प्रशोधन उद्योगको प्रवर्द्धन गर्ने ।
- पोषणयुक्त खाद्य वस्तुहरुको पहिचान, पोषकतत्व विश्लेषण, परिकार विकास र पोषण शिक्षा जस्ता कार्यक्रमहरु संचालन गरी जनताको पोषणस्तर बढाउन सहयोग पुऱ्याउने ।

कार्य क्षेत्र

क) खाद्य गुणनियन्त्रण सेवातर्फ:

- नेपालका ७५ वटै जिल्लामा खाद्य ऐन/नियमावली क्रियाशील गर्ने र गुण नियन्त्रण प्रणालीसंग सम्बद्ध पक्षहरुको बीच समन्वय गरी खाद्य गुण नियन्त्रण कार्यक्रम प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने ।
- खाद्य वस्तुहरुको न्यूनतम अनिवार्य गुणस्तर लागु गर्दै जाने ।
- दाना तथा दानाजन्य वस्तुको स्तरीय उत्पादन बढाउन दाना ऐनलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने ।
- खाद्य वस्तुको ग्रेडस्तर निर्धारण गरी श्रेणीकरण तथा प्रमाणीकरण गर्ने व्यवस्था लागु गरी स्तरयुक्त उत्पादनमा जोड दिने ।
- खाद्य वस्तुहरुको उत्पादनमा स्वस्थ एवं गुणात्मक सुधार ल्याई डब्लू.टि.ओ. को अवधारणा अनुरूप Sanitary and Phyto-Sanitary/Technical Barrier to Trade को स्तरअनुसार आन्तरिक उपभोगमा सुधार र बाह्य बजारमा प्रतिस्पर्धा गर्नसक्ने तुल्याउने ।
- स्थानीय निकाय तथा नगरपालिकाहरुका जाँचकीहरुलाई खाद्य निरिक्षण तालिम दिई गुण नियन्त्रण सेवा संचालनमा प्रभावकारिता ल्याउने ।
- वर्तमान केन्द्रीय प्रयोगशालाको विश्वसनियता अभिवृद्धि गर्दै निजी प्रयोगशालाको भूमिकालाई समेत आवश्यकताअनुसार सक्रिय गराउँदै लैजाने ।

ख) खाद्य प्रविधि विकास तथा तालिमतर्फ:

- फलफूल तथा तरकारीजन्य, खाद्यान्न, माछा मासु तथा दूध एवं दुग्ध पदार्थमा आधारित व्यवसायिकस्तरको प्रविधि प्याकेजहरुको विकास एवं पहिचान गरी प्रविधि परामर्श तथा प्रचार/प्रसार गर्ने ।
- आधुनिक प्रशोधन प्रविधि जस्तै:- वायो-टेक्नोलोजी, सोलार-ड्रायर, कूल-चेम्वर तथा By Products हरुको सदुपयोग सम्बन्धी उपयुक्त प्रविधिहरुको विकास एवं विस्तार गर्ने ।

- फलफूलजन्य पदार्थहरूको ढुवानी तथा Self life अध्ययन, स्न्याक्स फुड्सको Self life तथा भण्डारण अध्ययन र प्याकेजिङ्ग मेटेरियल्सहरूको स्तर एवं उपयोगिता अध्ययन गरी प्रविधि प्रोफाईल तयार गर्ने ।
- फलफूल, खाद्यान्न, माछा, मासु र दूध तथा दुग्ध पदार्थसम्बन्धी प्रविधि प्याकेजहरूमा आधारित शिप विकास (स्वरोजगारमूलक) तालिमहरू प्रदान गरी संभाव्य उद्यमी व्यवसायी विकास गरी खाद्य औद्योगीकरणमा टेवा पुऱ्याउने ।

ग) खाद्य पोषणतर्फ:

- दुर्गम पहाड तथा तराईमा वस्ने जनजाती र समुदायमा विद्यमान रहेको पोषण स्थितिवारे सर्भेक्षण/अध्ययन गर्ने ।
- कृषिजन्य खाद्य बस्तुहरूको पौष्टिक तत्व पहिचान गरी खाद्यतत्व तालिका निर्माण गर्ने ।
- सस्तो बाल आहार परिकार तथा स्कूल जाने स-साना बाल बालिकाहरूको खाजाको लागि परिकारहरूको विकास गर्नुका साथै खाद्य-पोषण शिक्षाको प्रचार प्रसार गरी कुपोषण न्यूनीकरण गर्न सघाउ पुऱ्याउने ।

आ.व. ०६४/६५ मा सम्पन्न गरेका मुख्य मुख्य कार्यहरूको विवरण

| सि.नं | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|-------|---|--------|---|---------------------------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | खाद्य/दानाको स्वच्छता तथा गुणस्तर नियमन अन्तर्गत उद्योग/बजार निरिक्षण तथा नमूना संकलन | संख्या | ३४२५ | ३९५१ | ११५ |
| २. | खाद्य तथा दाना उद्योग निरिक्षण कार्यक्रम | पटक | ९२० | ७७० | ८४ |
| ३. | होटल, रेष्टुरेण्ट तथा मिठाई पसलहरूको निरिक्षण | पटक | ८७० | ११४९ | १३२ |
| ४. | दुर्गम तथा पहाडी क्षेत्रका उपभोक्ताहरूलाई लक्षित गरी खाद्य स्वच्छता तथा गुणस्तर नियमन कार्यक्रम | पटक | १२ | १२ | १०० |
| ५. | खाद्य स्वच्छता तथा गुणस्तर वारे सूचना सन्देशहरू निर्माण तथा प्रशारण/भेला | पटक | २४, सूचना, १ सन्देश/निर्माण, १२ सन्देश प्रशारण र ६ भेला | लक्ष अनुसार कार्य सम्पन्न | १०० |

| सि.नं | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|-------|--|--------|-----------|-----------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| ६. | पेष्ठीसाईडको प्रयोग/नियन्त्रण वारे कृषकहरुलाई ज्ञान एवं सुसूचित गर्ने र पेष्ठीसाईड मनिटरिङ्ग स्किम तयार गर्ने | किसिम | २ लिफ्लेट | २ लिफ्लेट | १०० |
| ७. | स्तरनिर्धारण तथा परिमार्जन | बस्तु | ६ | ६ | १०० |
| ८. | प्रयोगशाला सेवा | संख्या | १६००० | १६६५२ | १०४ |
| ९. | एक गाउँ एक उत्पादन नीतिलाई सहयोग पुर्याउन ट्रायल परिक्षण अध्ययन | अध्ययन | ३ | ३ | १०० |
| १०. | प्रविधि परामर्श सेवा | पटक | २० | २० | १०० |
| ११. | खाद्य बस्तुहरुको पोषक तत्व विश्लेषण | संख्या | २०० | २०० | १०० |
| १२. | पोषण सर्भेक्षण/खाद्य पोषण तालिम | संख्या | ५/५ | ५/५ | १०० |
| १३. | <u>प्रयोगशाला उपकरणहरु खरिद:</u> जि.सी.एम १, एच.पी.एल.सी १, भोल्टेज स्टाविलाइजर १, मिलिक्यू वाटर प्युरोफिकेसन सिस्टम १, अन्य ३ | संख्या | ७ | ६ | ८६ |
| १४. | ल.ई. वमोजिम निर्माणाधीन प्रयोगशाला भवनको निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने | संख्या | १ | १ | १०० |

परिषद्

१. नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्

परिचय

कृषि उत्पादन वृद्धिको लागि उन्नत प्रविधि (उन्नत वीउ, वेर्ना/विरुवा, उन्नत पशुपंक्षि, माछा, आदि) को प्रयोगको सम्बन्धमा अध्ययन र अनुसन्धान गरी कृषकहरूको लागि उपयुक्त जातको श्रोत र उपयोगको लागि प्रविधि प्याकेज तयार गर्ने कार्य नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषदले गर्दै आएको छ ।

यस मन्त्रालयको संरचना भित्र रहेको यो निकाय नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् ऐन २०४८ द्वारा नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् को नामले एक स्वायत्त संस्थामा भएको हो । यस परिषदले कृषि अनुसन्धानमा महत्वपूर्ण स्थान रहेको प्रविधि विकास, प्रविधि प्रसार र प्रविधि उपयोगको लागि प्राविधिक सेवालार्ई एक अर्कासंग समन्वयात्मक रूपमा परिचालन गरी प्रविधि विकासअन्तर्गत विकसित प्रविधि प्रमाणित गर्ने, परिक्षण गर्ने र प्रमाणीकरणबाट प्राप्त नतिजाहरूको आधारमा स्थानिय आवश्यकताअनुरूप बाह्य अनुसन्धान एवं मिनिक्विट कार्यक्रम संचालन गर्दै आएको छ । प्रविधि सेवाअन्तर्गत कृषि प्रसारको क्रममा कृषकहरूलाई आवश्यकपर्ने रोग, कीरा, माटोसंग सम्बन्धित समस्याहरूको पहिचान र विश्लेषण गरी वाली संरक्षण सेवा दिने, तालिम दिने, प्रजनन वीउ, मूल वीउ, वेर्ना/विरुवा उत्पादन गर्ने, गुणस्तर निर्धारण गर्ने जस्ता कार्यक्रमहरू पनि परिषद् अन्तर्गत संचालन हुँदै आएका छन् ।

यस अन्तरगत अनुसन्धान कार्यक्रमहरू संचालन गर्न एउटा मुख्य कार्यालय, २२ वटा विषयगत महाशाखाहरू, १५ वटा वाली-बस्तु अनुसन्धान कार्यक्रमहरू, ४ वटा क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्रहरू, १३ वटा वाली, वागवानी, पशु तथा मत्स्यसंग सम्बन्धित अनुसन्धान केन्द्रहरू संचालित छन् । यस परिषदले दीर्घकालीन कृषि योजनाले पहिल्याएअनुरूप दशौं योजनाको लक्ष्यमोजिम प्राथमिकताप्राप्त बस्तुहरूको व्यवसायिक उत्पादनलाई सघाउ पुऱ्याउन आवश्यकपर्ने प्रविधिहरूको विकास प्रयासमा निरन्तरता दिँदै आएको छ ।

उद्देश्यहरू

- कृषि सम्बन्धी विविध पक्षमा अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्ने/गराउने ।
- कृषि उत्पादकत्व एवं गुणस्तर बढाउनको लागि कृषि क्षेत्रका समस्याहरू निराकरण गर्न उपायहरू पत्ता लगाउन आवश्यक प्रविधि, ज्ञान तथा शीपहरूको खोजपूर्ण अध्ययन गर्ने ।
- राष्ट्रिय कृषि नीति तर्जुमाको लागि नेपाल सरकारलाई आवश्यक सहयोग पुऱ्याउने ।
- कृषि योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, सुपरिवेक्षण, मूल्यांकन तथा अनुगमन पद्धतिलाई सबल बनाउने ।

परिषद्ले अपनाएका कार्यनीतिहरू

- अध्ययन, अनुसन्धानका प्राथमिकता तोक्ने ।
- प्रविधि विकासमा कृषक सहभागिताको अवधारणा राख्ने ।
- प्रविधि विकास कार्यमा वातावरणीय पक्षलाई दृष्टिगत गर्ने ।
- कृषि विविधिकरणका लागि मुलुकमा विद्यमान विविध कृषि परिस्थितिकीय प्रणालीको यथा संभव सदुपयोग गर्ने ।
- अनुसन्धान एवं प्रविधि विकासको लागि राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय संघ, संस्था तथा व्यक्तिहरूसंग समन्वय एवं सम्पर्क स्थापित गर्ने ।
- विकास गरिने प्रविधिको गुणस्तर बढाउने ।
- अनुसन्धान कार्य एवं नतिजाहरूको अभिलेख राख्ने ।
- विभिन्न संचार माध्यमहरूबाट विकसित प्रविधिहरूको प्रचार प्रसार गर्ने ।

परिषद्को कार्य क्षेत्र तथा कार्यक्रम

परिषद्को संगठनअनुसारका निकायहरूमार्फत वा परिषद् बाहिरका संस्थाहरूलाई सहभागी बनाई परिषद्ले निम्नलिखित क्षेत्रमा अनुसन्धान कार्यक्रमहरू संचालन गरी प्रविधि विकास गर्ने प्रयास गरिरहेको छ

- खाद्यान्न तथा नगदेवाली
- वागवानी
- पशुपालन तथा पशु स्वास्थ्य
- मत्स्यपालन
- चरन तथा घाँसेवाली
- एग्रो फरेष्ट्रि/फार्म फरेष्ट्रि
- कृषि इन्जिनियरिङ्ग
- माटो तथा सिंचाई व्यवस्थापन
- कृषि बनस्पति तथा जैविक प्रविधि
- कीट विज्ञान, वाली रोग विज्ञान एवं वाली संरक्षण
- खेती प्रणाली
- कृषि प्रसार

- कृषि अर्थशास्त्र तथा बजार व्यवस्था
- खाद्य - विज्ञान
- कृषिसंग सम्बन्धित अन्य विषयहरु

आ.व. ०६४/६५ मा गरेका मुख्य मुख्य कार्यहरुको विवरण

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|---------|-----------------------------|--------|----------|---------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | बाली अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | १२६(६२२) | ५९८ | ९६.४१ |
| २. | बागवानी अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ७५(३११) | २९० | ९३.२४ |
| ३. | पशुपंक्षी अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | ३६(१८९) | १७८ | ९४.१७ |
| ४. | मत्स्य अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | २१(९१) | ८७ | ९५.६० |
| ५. | बाह्य अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | १३५(७२२) | ६६८ | ९२.५२ |
| ६. | विविध अनुसन्धान परिक्षण | संख्या | २३(८०) | ८० | १०० |
| ७. | शिर्च सपोट तथा ब्यवस्थापन | संख्या | ६५(३१७) | ३१७ | १०० |
| ८. | उत्पादन कार्यक्रम | संख्या | ४१(१९७) | १९७ | १०० |
| ८.१ | श्रोत विउ उत्पादन | मे.टन | ७६५ | १६२९.४४ | २१२.९९ |
| ८.२ | वेर्ना विरुवा उत्पादन | संख्या | ३९६४०० | ४३८४०५ | ११० |
| ८.३ | पाठापाठी/पाडापाडी | संख्या | १००० | १४३६ | १४०.३६ |
| ८.४ | चल्ला | संख्या | १०००० | २००२२ | २००.२२ |
| ८.५ | माछा भुरा | संख्या | ४५०००० | ४३१४४७३ | ९५८.७७ |
| ८.६ | खाने माछा | मे.टन | १८ | १०.५५ | ५८.६१ |

बोर्डहरू

१. राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड

परिचय

देशमा दूध तथा दुग्ध पदार्थबाट उत्पादित बस्तुको बढ्दो मांगलाई ध्यानमा राखी उत्पादन वृद्धिको लागि सरकारी तथा निजी दूध उत्पादन सम्बन्धी कार्यक्रमहरू बीच सामन्जस्य ल्याई जनसहभागिताको आधारमा दूध उत्पादनमा वृद्धि गर्ने उद्देश्यले राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड ऐन २०४८ अन्तर्गत २०४९/१/१७ मा राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्डको स्थापना भएको हो ।

उद्देश्य

राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड ऐन, २०४८ अनुसार बोर्डका मुख्य उद्देश्यहरू यस प्रकार छन्

- राष्ट्रियस्तरमा दुग्ध व्यवसायसम्बन्धी नीति निर्माण र तत्सम्बन्धी विकास योजना तर्जुमाको लागि नेपाल सरकारलाई आवश्यक सहयोग पुऱ्याउने ।
- दुग्ध उद्योगको विकास गर्ने, गराउने ।
- दुग्ध विकासको लागि पशु विकास र पशु स्वास्थ्य क्षेत्रमा देखापरेका समस्याहरूको निराकरणका उपायहरू पत्ता लगाउने ।
- देश भित्रका सम्पूर्ण निजी र सरकारी क्षेत्रका दुग्ध व्यवसायीहरू बीच सामन्जस्य स्थापना गर्ने, गराउने ।
- दुग्ध विकास सम्बन्धी उच्चस्तरीय अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्ने, गराउने ।
- पशु चरनको प्रवन्ध गर्ने, गराउने ।

कार्य क्षेत्र

- दुग्ध उत्पादन सहकारी संघहरूमा व्यवसाय विकास कोषको अनुगमन ।
- दुग्ध उत्पादक संस्थाहरू तथा निजी डेरी उत्पादकहरूबाट तथ्यांक संकलन ।
- नेपाल टेलिभिजनबाट जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रसारण ।
- दुग्ध विकास कोषअन्तर्गत संचालित कार्यक्रमहरूको अनुगमन ।
- राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्डसम्बन्धी समाचार प्रकाशन ।
- स्वच्छ दूध तथा दुग्ध पदार्थ उत्पादनसम्बन्धी तालिम संचालन ।
- जिल्ला एवं केन्द्रिय दुग्ध उत्पादन सहकारी संघहरू र निजी दुग्ध व्यवसायीहरूसंग पूर्व कार्यक्रम तर्जुमा गोष्ठी ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्यहरूको प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|-------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | दुग्ध उद्योगको लागि ब्यवाहारिक संहिता कार्यान्वयन सम्बन्धि अनुगमन | पटक | ८ | ८ | १०० |
| २. | दुग्ध उत्पादक सहकारी संघका ब्यवस्थापकहरूसंग केन्द्रिय स्तरमा एक दिने अन्तरक्रिया गोष्ठी | पटक | १ | १ | १०० |
| ३. | दुग्ध उत्पादक सहकारीसंघ/संस्थाका कृषक प्रतिनिधि र बोर्डका प्राविधिकहरूको अध्ययन भ्रमण | पटक | १ | १ | १०० |
| ४. | पशु चरणको प्रबन्ध गर्न सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहहरूलाई घाँसे खेतीको लागि सहयोग | वटा | २० | २० | १०० |
| ५. | दूग्ध विकासको क्षेत्रमा संचालित कार्यक्रमहरूको उपादेयता/आवश्यकता सम्बन्धि गोष्ठ | पटक | १ | १ | १०० |
| ६. | दुग्ध पदार्थ उत्पादन तथा विविधिकरण तालिम | पटक | २ | २ | १०० |
| ७. | होर्डिङ्ग बोर्डको स्थापना | वटा | १ | १ | १०० |
| ८. | स्थानीय रेडियो/एफ.एम. मा प्रचार प्रसार | पटक | १० | १० | १०० |
| ९. | डकुमेन्ट्री निर्माण | वटा | १ | १ | १०० |
| १०. | दुग्ध उद्योगहरूमा Good Manufacturing Practice लागु गर्न चेतना अभिवृद्धि गर्ने सन्दर्भमा दुग्ध उद्योगका मालिक र कार्यरत कर्मचारीहरूसंग एक दिने अन्तरक्रिया/गोष्ठी | पटक | २ | २ | १०० |
| ११. | दुग्ध उद्योगहरूको अनुगमन | पटक | ६ | ६ | १०० |
| १२. | चिलिङ्ग भ्याथहरूको अनुगमन | पटक | १२ | १२ | १०० |
| १३. | दुग्ध पदार्थ विविधिकरणको पुस्तक प्रकाशन | प्रति | १२०० | १२०० | १०० |
| १४. | स्वच्छ, सफा दुध उत्पादनको पुस्तक प्रकाशन | प्रति | १२०० | १२०० | १०० |
| १५. | डेरी न्यूज प्रकाशन | प्रति | ३००० | ३००० | १०० |
| १६. | बोर्डको वार्षिकोत्सव | पटक | १ | १ | १०० |
| १७. | धूलो दूध कारखानाको प्रारूप तयार | पटक | १ | १ | १०० |
| १८. | दुग्ध व्यवसायमा छुवाछुतको समस्या र समाधान | पटक | १ | १ | १०० |

२. राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड

परिचय

सहकारी सिद्धान्तानुरूप निम्नस्तरका जनताको आर्थिक तथा सामाजिक विकासको लागि सेवा तथा सुविधासम्बन्धी नीति निर्माण तथा तत्सम्बन्धी योजना तर्जुमा गरी सहकारी संघ/संस्थाहरूको विकासमा सघाउ पुऱ्याउने उद्देश्यले राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड ऐन २०४९ अन्तर्गत यस बोर्डको स्थापना भएको हो । पारस्परिक सहयोग र सहकारिताको माध्यमद्वारा निम्नस्तरका जनताको आर्थिक तथा सामाजिकस्तरमा सुधार ल्याई विभिन्न किसिमका सहकारी संस्था तथा संघहरूको प्रवर्द्धन एवं विकासमा सघाउ पुऱ्याउने र त्यसको कार्य संचालन सम्बन्धी व्यवस्था गर्ने यस बोर्डको मूल उद्देश्य रहेको छ ।

उद्देश्य

- नेपाल सरकारलाई सहकारी नीतिहरूको तर्जुमा र कार्यान्वयन गर्नमा सघाउ पुऱ्याउने ।
- सहकारी आन्दोलन (सहकारी क्षेत्र) र सरकारी तथा गैह्रसरकारी निकायहरूका कार्यक्रम वीच समन्वय स्थापित गराउने ।
- सहकारी संघ, संस्थाहरूलाई प्राविधिक एवं वित्तीय सहयोग पुऱ्याउने ।
- सहकारिताको प्रवर्द्धन एवं संरक्षणका लागि आवश्यक अनुसन्धान तथा खोजकार्यहरू गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- राष्ट्रिय स्तरमा सहकारीताको माध्यमबाट सहकारी संघ/संस्थाहरूको प्रवर्द्धन एवं विकासका लागि आवश्यक नीतिहरू तर्जुमा गरी सोको कार्यान्वयन गर्न नेपाल सरकारसमक्ष सिफारिस गर्ने ।
- सहकारी विकास सम्बन्धि नीति निर्माण र तत्सम्बन्धी विकास योजना तर्जुमाको लागि नेपाल सरकारलाई आवश्यक सहयोग पुऱ्याउने र ती नीतिहरू कार्यान्वयन गर्ने, गराउने ।
- सहकारी विकास सम्बन्धी आवश्यक अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्ने, गराउने ।
- सहकारी संघ/संस्था वा सहकारी बैंकको शेयरमा लगानी गर्ने ।
- सहकारी संघ/संस्थाहरूलाई सुलभ तरीकाबाट ऋण वा अनुदान प्रदान गर्ने उद्देश्यले सहकारी विकास वा अनुदान प्रदान गर्ने उद्देश्यले एक सहकारी विकास कोष खडा गरी सो कोषबाट सहकारी संघ/संस्थालाई विकासमुलक कार्यसंचालन गर्नका लागि आवश्यक पूँजी उपलब्ध गराउने ।

- सहकारी संघ/संस्थाहरुको विकाससंग सम्बन्धित कार्यक्रम संचालनसम्बन्धी आवश्यक व्यवस्था मिलाउन तथा सहकारी संघ/संस्थाहरुको प्रवर्द्धन तथा संरक्षण गर्न प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गर्ने, गराउने ।
- नेपाल सरकारका विभिन्न विकास सहकारी संघ/संस्था तथा गैरसरकारी संस्था बीच सामन्जस्य स्थापना गरी त्यस्ता संस्थाहरुलाई व्यवसायमूलक कार्यमा प्रोत्साहित गराउन समन्वयात्मक सहयोग पुर्याउने ।
- सहकारी विकाससम्बन्धी अन्य आवश्यक कार्य गर्ने, गराउने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | सहकारी नीति तर्जुमा | संख्या | १ | १ | १०० |
| २. | संघहरु आवधिक योजना तर्जुमा अन्तरक्रिया | " | १ | १ | १०० |
| ३. | सहकारी बैंक ऐन मस्यौदा | " | १ | १ | १०० |
| ४. | महिला उद्यमी सहकारी संस्थाहरुको अवस्था अध्ययन | " | ५ | ३ | ६० |
| ५. | आयोजना प्रस्ताव | " | ४ | ३ | ७५ |
| ६. | सहकारी सम्बाद पत्रिका छपाई (द्वैमासिक) | अंक | ६ | ६ | १०० |
| ७. | सहकारी रेडियो कार्यक्रम | | २४ | २४ | १०० |

३. राष्ट्रिय चिया तथा कफि विकास बोर्ड

परिचय

राष्ट्रिय स्तरमा चिया तथा कफि उद्योगको विकाससम्बन्धी योजनाहरुको तर्जुमा गरी निजी तथा सरकारी क्षेत्रमा संचालित चिया तथा कफि उद्योगलाई सुव्यवस्थित, प्रभावकारी एवं सवल बनाउन राष्ट्रिय चिया तथा कफि विकास बोर्डको स्थापना २०४९ सालमा गरिएको हो । यस बोर्डले चिया तथा कफिको खेती र प्रशोधन गर्ने कार्यमा सामन्जस्य ल्याउने, आधुनिक प्रविधिको प्रयोगद्वारा उच्चगुणस्तरको चिया तथा कफि उत्पादन गर्ने र बजार व्यवस्थापन तथा निकासी पैठारी गर्नको लागि ठोस नीति निर्माण गरी देशमा भएका चिया तथा कफि उद्योगको योजनाबद्धरूपमा विकास गर्ने मूल उद्देश्य राखेको छ ।

उद्देश्य

- चिया तथा कफि उद्योगको विकासको लागि उत्पादन प्रशोधन, बजार व्यवस्थापन तथा निकासी पैठारी सम्बन्धी नीति तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने/गराउने ।
- चिया तथा कफि खेतीमा देखापरेका समस्या समाधानका उपायहरू पत्ता लगाउने ।
- चिया तथा कफि उद्योगको विकासको लागि चिया तथा कफिको उत्पादन र प्रशोधनका लागि आवश्यक पर्ने सामग्रीहरूको आपूर्तिको व्यवस्था गर्ने/ गराउने ।
- चिया तथा कफि उद्योगको विकासको लागि तालिम तथा अनुसन्धान केन्द्र स्थापना गरी चिया तथा कफि उद्योगमा कार्यरत व्यक्ति वा संस्थाहरूलाई आधुनिक प्राविधिक ज्ञान, प्रशिक्षण र प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराउने ।
- चिया तथा कफि उद्योगको विकासको लागि अध्ययन अनुसन्धान गर्ने/गराउने ।
- चिया तथा कफि उद्योगको क्षेत्रमा कार्यरत संस्थाहरूसंग समन्वय गर्ने ।
- चिया तथा कफि उद्योगलाई सहयोग पुर्याउने ।

कार्य क्षेत्र

- नेपालमा चिया तथा कफि खेतीको विस्तार तथा विकास गराउन चिया तथा कफी उद्योगको स्थापना, सुधार, प्रवर्द्धन तथा संरक्षण गर्न आवश्यक नीति तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने/गराउने ।
- चिया तथा कफी खेतीको विकास र विस्तारको लागि आवश्यक पर्ने प्राविधिक एवं वित्तीय आधारहरू तयार पारी सोहीअनुसार कार्यान्वयन गर्ने/गराउने ।
- चिया तथा कफीको मूल्यसम्बन्धमा नेपाल सरकारलाई परामर्श दिने ।
- सानास्तरमा चिया तथा कफी खेती गर्ने कृषकहरूलाई आवश्यक पर्ने कर्जा, बीउ वेर्ना, रासायनिक मल, कीटनाशक विषादी, औजार, इन्धन, प्राविधिक सेवा आदिको आपूर्तिको व्यवस्था गर्ने/ गराउने ।
- चिया तथा कफी लगाउन उपयुक्त ऐलानी सरकारी जग्गाहरू नेपाल सरकारबाट उपलब्ध गरी चिया तथा कफी लगाउन लिज वा किस्तावन्दीमा दिई चिया तथा कफी खेती गर्न लगाउने ।
- बजार व्यवस्थालाई विकास गर्न समय समयमा बजार सर्भेक्षण गरी उपभोक्ताले रुचाउने खालको चिया तथा कफीको ग्रेड र किसिम आदिको यकिन गर्ने र चिया तथा कफीको गुणस्तर निर्धारण गर्ने/गराउने ।
- अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा चिया तथा कफीको मागसम्बन्धमा निर्यातकर्ताहरूलाई जानकारी गराउने ।

- चिया तथा कफी उद्योगसंग सम्बन्धित व्यवस्थापन र मजदुर बीच समझदारी विकास गर्न आवश्यक कार्य गर्ने ।
- चिया तथा कफी उद्योगहरूको दर्ता लगत राख्ने ।
- नेपाल सरकारको स्वीकृति लिई चिया तथा कफीमा सेवा शुल्क लगाउने ।

राष्ट्रिय चिया नीति

राष्ट्रिय चिया तथा कफी विकास बोर्ड ऐन २०४९ मा अन्तर्निहित भावना अनुरूप राष्ट्रिय चिया नीति २०५७ स्विकृत भई लागु गरिएको छ, जसमा निम्नानुसार उद्देश्य तथा लक्षहरू राखिएका छन् ।

उद्देश्य

- चिया खेतीमा निजी क्षेत्रको सहभागितामा बृद्धि गरी चिया उत्पादनमा गुणात्मक एवं परिमाणात्मक बृद्धि हाँसिल गर्ने ।
- चिया व्यवसायी र कृषकहरूलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
- आय आर्जन र रोजगारीका अवसरहरू बढाई गरिवी निवारणमा सहयोग पुर्याउने ।
- चियाको बजार प्रवर्द्धन गर्ने ।
- चिया व्यवसायलाई दिगो र आकर्षक बनाउने ।
- चिया खेती विस्तार गरी वातावरण संरक्षणमा समेत सहयोग पुर्याउने ।
- चिया विकासको लागि संस्थागत विकासको प्रवर्द्धन गर्दै जाने ।
- आन्तरीक मागको आपूर्ति गरी चिया निर्यातद्वारा विदेशी मुद्रा आर्जनका अवसरहरू बढाउँदै जाने ।
- चिया व्यवसायको लागि आवश्यक अध्ययन अनुसन्धान, प्रविधिको विकास र जनशक्ति विकासमा जोड दिने ।

कफी नीति, २०६०

कफी उत्पादन प्रशोधन एवं व्यापारीक कारोवारमा नीजि तथा सहकारी क्षेत्र समेतको सहभागिता बृद्धि गरी आय आर्जन रोजगारीको अवसर बृद्धि एवं वैदेशिक मुद्रा आर्जन गर्ने भरपर्दो श्रोतको रूपमा कफी विकास गर्न गराउन राष्ट्रिय कफी नीति २०६० स्वीकृत गरी लागु गरेको छ ।

उद्देश्य

- कफीको आयात प्रतिस्थापन गरी निर्यात प्रवर्द्धन गर्ने ।
- आय र रोजगारीका अवसरहरू श्रृजना गरी गरिवी निवारणमा सहयोग पुऱ्याउने ।
- कफी खेती विस्तार गरी वातावरण संरक्षणमा सहयोग पुऱ्याउने ।
- कफी व्यवसायलाई दिगो र आकर्षक बनाउने

वर्तमान अवस्थामा कफी खेती तर्फ कृषकहरूको आकर्षण बढ्दै गई व्यावसायीक रूपमा कफी खेतीमा निरन्तर वृद्धि भईरहेको छ । यसै अनुपातमा उत्पादन एवं निर्यातमा पनि उल्लेख्य वृद्धि भइरहेको छ । कफीको सस्थागत विकासका लागि अन्तरराष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाहरू, विनरक इन्टरनेशनल, Helvetas तथा Danida लगायत नेपाल कफी व्यावसायी संघ र बोर्ड समेत आवद्ध भएर कफी क्षेत्र विस्तार, उत्पादन वृद्धि तथा बजार प्रवर्द्धन कार्यक्रमहरू संचालन भईरहेका छन् ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|---|---------|---------|---------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | चिया प्रशोधन कारखाना स्थापना साना किसान चिया सहकारीसंग समन्वय गरी गर्ने | प्रतिशत | १० | १४ | १०० |
| २. | चिया दिवस (वैशाख १५ गते) | पटक | १ | १ | १०० |
| ३. | कफी दिवस (मंसिर १ गते) | पटक | १ | १ | १०० |
| ४. | चिया कफी अनुगमन निरिक्षण -चिया, कफी क्षेत्रमा) | पटक | २१ | २१ | १०० |
| ५. | चिया कफी स्मारिका प्रकाशन | पटक | १ | १ | १०० |
| ६. | बगान संभार | रोपन | वार्षिक | वार्षिक | १०० |
| ७. | कफि नीति निर्देशिका तथा लोगो कार्यान्वयन कार्यक्रम | पटक | वार्षिक | वार्षिक | १०० |
| ८. | अन्तराष्ट्रिय संघ/संसथको सदस्य बन्ने तथा नविकरण गर्ने | वार्षिक | वार्षिक | वार्षिक | १०० |
| ९. | कफी अनुसन्धान | वार्षिक | वार्षिक | वार्षिक | १०० |
| १०. | जातिय रोग किरा प्रतिरोधात्मक अध्ययन (कफी) | वार्षिक | वार्षिक | वार्षिक | १०० |
| ११. | सिड स्टक रोपण विकास (चिया) | वार्षिक | वार्षिक | वार्षिक | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|--|---------|---------|---------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १२. | कफी विरुवामा अनुदान (५० प्रतिशत) | संख्या | १२००० | १२००० | १०० |
| १३. | चिया कफी कुषक तालिम फिल्डस्तर, कार्यालयस्तर | पटक | ३० | ४४ | १०० |
| १४. | सहकारी स्तरमा चिया प्रशोधन इकाई निर्माण सम्बन्धी गोष्ठी तथा अध्ययन प्रतिवेदन तयारी | पटक | १ | १ | १०० |
| १५. | चिया किसान तथा उत्पादक संघहरूलाई अर्गानिक चिया खेती सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि | वार्षिक | वार्षिक | वार्षिक | १०० |

संस्थान तथा समितिहरू

१. पशु आहारा उत्पादन विकास समिति

परिचय

उन्नत जातका पशुपालन कार्यको विस्तार तथा विकासको लागि अन्य सेवाहरूको साथै सन्तुलित दानाको व्यवस्था हुन नितान्त आवश्यक भएको हुनाले उन्नत एवं सन्तुलित दानाको आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित गराउने हेतुले विकास समिति ऐन २०१३ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी २०४१ सालमा हेटौडामा स्थापित यस पशु आहारा उत्पादन विकास समितिले विभिन्न पशुपंक्षिहरूको लागि सन्तुलित दाना उत्पादन गरी कृषक वर्गमा विक्रि वितरण गर्दै आएको छ । उत्पादित दाना उपयुक्त गुणस्तरको हुनसक्ने स्थितिका लागि यस समितिमा एक गुण नियन्त्रण शाखाको व्यवस्था गरी उत्पादित दानाको गुणस्तर परिक्षण गर्ने कार्य गर्दै आएको छ । विभिन्न पशुपंक्षिहरूको लागि आवश्यक सन्तुलित दाना एवं हड्डीचूर्ण उत्पादन गर्ने र प्राविधिक सेवा प्रसार एवं विस्तार गर्ने काम यस समितिको रहेको छ ।

उद्देश्य

- पशुपंक्षिको लागि सन्तुलित पौष्टिक दाना उत्पादन गरी सुपथ मुल्यमा उपलब्ध गराउने ।
- पशु आहारा उत्पादन गर्ने सम्बन्धमा आवश्यक अनुसन्धान तथा अध्ययन गर्ने गराउने ।
- निजी क्षेत्रमा उत्पादित पशु आहारा उद्योगलाई प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराउने ।
- काँचो हड्डीलाई प्रशोधन गरी दानामा प्रयोग हुने हड्डी चूर्ण उत्पादन गर्ने र निजी क्षेत्रमा स्थापित दाना उद्योगलाई समेत सक्दो मात्रामा उपलब्ध गराउने ।

कार्य क्षेत्र

- विभिन्न पशुपंक्षिको दाना उत्पादन गर्ने ।
- चौपाया पशुको हाड संकलनबाट हड्डी चूर्ण उत्पादन गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|-----------------------------|-------|---------|---------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | पशुपंक्षिहरूको दाना उत्पादन | मे.टन | १६०० | १००१.६६ | ६२.६० |
| २. | बोनमिल उत्पादन | " " | १०० | १०१.६० | १०० |
| ३. | बजार अध्ययन विस्तार | पटक | ३ | ३ | १०० |

२. कपास विकास समिति

परिचय

वि.स. २०४४ देखि यस मन्त्रालय अन्तर्गत रहेको यस कपास विकास समितिले कपास खेतीको विकास र विस्तार गर्ने नीतिअनुरूप कार्य गर्दै आएको छ । आधुनिक ढंगबाट कपास खेतीको विकास र विस्तार गर्ने क्रममा नेपालको तराई र भित्री मधेशका फांटमा कृषकहरुलाई कपास खेतीतर्फ उन्मुख गराई स्वदेशमा स्थापित कपडा र धागो उद्योगहरुलाई कच्चापदार्थ उपलब्ध गराउने र कपास खेती सम्बन्धी अध्ययन र अनुसन्धान गरी परिक्षण कार्य गराउने यसको लक्ष रहेको छ ।

उद्देश्य

- देशमा स्थापित कपडा तथा धागो उद्योगलाई चाहिने कच्चा पदार्थ उत्पादन गर्ने ।
- कपासको आयात घटाउन सहयोग गर्ने ।
- विशेष गरी साना कृषकहरुको आयस्तरमा वृद्धि गर्ने ।
- ग्रामीण रोजगारी बढाउने ।
- परियोजना क्षेत्रमा थप रोजगारी अवसर श्रृजना गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- कपास खेतीप्रति कृषकहरुलाई आकर्षित गरी धागो तथा कपडा उद्योगहरुलाई आवश्यक पर्ने कच्चापदार्थ उपलब्ध गराउने ।
- कपास सम्बन्धी अनुसन्धान तथा शेयर फार्मिङ्ग कार्यक्रमलाई सक्षम र सुदृढ पार्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा यस समितिले गरेका मुख्य मुख्य कार्यको वार्षिक लक्ष र प्रगति स्थिति

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|--------|---|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रगति प्रतिशत |
| १ | गत र चालु आ.व.मा निजीस्तरका कृषकहरुले लगाइएको कपास बालीको सुपरिवेक्षण गर्ने | हेक्टर | १५० | १५० | १०० |
| २ | कृषकहरुबाट उत्पादित विऊ सहितको कपास खरीद गर्ने | मे.टन | १०० | १०० | १०० |

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|--------|---|--------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रगति प्रतिशत |
| ३. | उत्पादित कपास ढुवानी गरी प्रशोधन गर्ने | " " | १०० | १०० | १०० |
| ४. | कपास प्रशोधन गर्ने मेशिन मर्मत गर्ने | संख्या | ४ | ४ | १०० |
| ५. | ५ हेक्टर कपास बाली सम्बन्धि अनुसन्धान गरी जातीय परिक्षण गर्ने | हेक्टर | ५ | ५ | १०० |
| ६. | कपास बालीको संरक्षणको लागि विषादी खरिद गर्ने | लिटर | ५०० | ५०० | १०० |
| ७. | कृषकहरुलाई कपास बाली सम्बन्धि प्रशिक्षण दिन तालिम र गोष्ठी संचालन गर्ने | संख्या | ५० | ५० | १०० |

३. चन्द्रडांगी वीउ विजन तथा दुग्ध विकास समिति

परिचय

वि.स. २०३२ सालमा स्थापित कन्काई कृषि फार्मलाई आ.व. ०५२/५३ देखि (समिति गठन आदेश २०५२ अन्तर्गत) चन्द्रडांगी वीउ विजन तथा दुग्ध विकास समितिमा परिणत गरिएको हो । आ.व. २०५२/५३ देखि यस समितिले मुख्य रूपमा खाद्यान्न वीउ उत्पादन, माछा भुरा उत्पादन, पशु नश्ल सुधार जस्ता कार्यहरु गर्दै आएको छ ।

उद्देश्य

- खाद्यान्न बाली सम्बन्धी वीउ विजन उत्पादन गर्ने ।
- उन्नत जातका गाई तथा भैसीका बाच्छा बाच्छी, पाडा पाडी उत्पादन गर्ने ।
- माछा भुरा उत्पादन गर्ने ।
- फलफूलको बोट विरुवा उत्पादन गर्ने ।
- कृषकहरुबाट उत्पादित दुग्ध संकलन गरी दुग्ध प्रशोधन कारखानालाई उपलब्ध गराउने ।
- स्थानीय गाई भैसीको नश्ल सुधारमा सहयोग पुऱ्याउने ।

कार्य क्षेत्र

- धान, गहुं, मकै, जै घाँसको बीउ उत्पादन ।
- पशु नश्ल सुधार कार्यक्रम (रांगा, भैसी र बाखा) ।
- माछा भुरा उत्पादन तथा माछा पालन ।
- जैविक तरकारी खेती ।

४. दुग्ध विकास संस्थान

परिचय

दुग्ध व्यवसायलाई संगठित र विकास गर्दै दूध संकलन, प्रशोधन र विक्रि वितरणको अलावा उच्च हिमाली क्षेत्रमा याक र चौरीको दूध खरिद व्यवस्था मिलाई चिज तथा मख्वन उत्पादन र विक्रि वितरणमा व्यापक प्रभाकारीता ल्याउने उद्देश्यले संस्थान ऐन २०२१ अन्तर्गत दुग्ध विकास संस्थानको स्थापना २०२६ साल श्रावण १ गते भएको हो । यो नेपाल सरकारको पूर्ण स्वामित्व भएको संस्थान हो र यसको कूल सम्पति ८२ करोड रहेको छ ।

संस्थानको स्थापनाकालमा काठमाडौंमा एउटा दुग्ध वितरण आयोजना र एउटा चिज उत्पादन तथा विक्रि वितरण आयोजनाबाट सुरु भएको हो । चिज उत्पादन तथा विक्रि वितरण आयोजना अन्तर्गत चार हिमाली याक चीज उत्पादन केन्द्रहरू स्थापना भैसकेका छन् । संस्थानको कार्य क्षेत्र क्रमिक रूपमा वृद्धि हुदै गएको छ । हाल संस्थानले ६ वटा दुग्ध वितरण आयोजनाको साथै एउटा दुग्ध पदार्थ उत्पादन तथा विक्रि वितरण आयोजना अन्तर्गत ११ वटा चीज उत्पादन केन्द्रहरू (याक, कन्चन र भैसी) संचालन गरिरहेको छ । संस्थानले दुग्ध वढी हुने समयमा कृषकहरूबाट उत्पादित सबै दूध संकलन गर्न प्रशोधन कारखानाहरूको क्षमताले नभ्याउने भई हप्ताको केही दिन मिल्क होलिडे गर्नु पर्ने बाध्यता र दूध कम हुने समयमा धुलो दूध विदेशबाट आयात गर्नुपर्ने जस्ता समस्याबाट पार पाउन संस्थान अन्तर्गतको विराटनगर दुग्ध वितरण आयोजनामा एउटा धुलो दूध उत्पादन गर्ने कारखाना स्थापना भई धूलो दूध उत्पादन पनि हुदै आएको छ ।

यस संस्थानअन्तर्गत संचालित आयोजनाहरूले पूर्वमा मेची अञ्चलको पाचँथर, इलामदेखि पश्चिमका भेरीको सुर्खेतसम्मको जिल्लाहरूबाट दूध संकलन गरिरहेका छन् । संस्थानद्वारा उत्पादित दुग्ध तथा दुग्ध पदार्थहरूको विक्रि वितरण व्यवस्थाको लागि आयोजनाहरू अन्तर्गतका शहरी क्षेत्रहरू जस्तै काठमाण्डौं, ललितपुर, भक्तपुर, विराटनगर, धरान, हेटौंडा, वीरगंज, नारायणगढ, पोखरा तथा बुटवलको विभिन्न स्थानहरूमा उपभोक्ताहरूलाई पायकपर्ने गरी विक्रि केन्द्रहरूको व्यवस्था गरिएको छ ।

उद्देश्य

- ग्रामीण क्षेत्रका दुग्ध उत्पादक कृषकहरूलाई उनीहरूले उत्पादन गरेको दूधको उचित मूल्यको साथै निश्चित बजारको व्यवस्था गर्ने ।
- शहरी उपभोक्ताहरूलाई उच्च गुणस्तरयुक्त प्रशोधित दूध तथा दुग्ध पदार्थहरूको सुलभ तरीकाले नियमित रूपले आपूर्ति गर्ने ।
- प्रशोधित दूध तथा दुग्ध पदार्थहरूको आपूर्तिमा क्रमशः आत्मनिर्भर हुने दृष्टिकोण अपनाउने ।

आ.व. ०६४/६५ मा गरेका मुख्य-मुख्य कार्यहरूको प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | |
|--------|---------------------------|--------|----------|----------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | प्रगति प्रतिशत |
| १ | दूध संकलन | लि. | ६१८४५००० | ५०७६७६३९ | ४१.०४ |
| २ | प्रशोधित दूध विक्री | लि. | ५८६३४००० | ५२०४८९६८ | ४२.६१ |
| ३ | चीज उत्पादन | के.जी. | ३००००० | १७३९७१ | ०.१४ |
| ४ | मखन उत्पादन | के.जी. | १२९५००० | ८९६२२१ | ०.६९ |
| ५ | स्किम मिल्क पाउडर उत्पादन | के.जी. | ७१२००० | ४२५९५० | ०.४५ |

५. कृषि सामग्री कंपनी लि.

परिचय

नेपाल सरकारले रासायनिक मलको कारोवारमा निजी क्षेत्रको सहभागिता गराउने नीति लिएको र संस्थानलाई निजी क्षेत्रसंग प्रतिस्पर्धी बनाउन संस्थानको संरचना सुधार गरी वीउ विजन र मलको कारोवारलाई दुई छुट्टाछुट्टै संस्थाबाट संचालन गर्ने नीति लिएअनुरूप मन्त्रिपरिषदको मिति २०५९/०१/१९ को निर्णयअनुसार कृषि सामग्री संस्थानले गरी आएको मलको कारोवारलाई निरन्तरता दिने गरी कम्पनी ऐन २०५३ अन्तर्गत २०५९/०१/२५ मा कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेडको स्थापना भएको हो ।

नेपाल सरकारको वर्तमान नीतिअन्तर्गत निजी क्षेत्रलाई रासायनिक मलको कारोवारमा संलग्न गराइएकोले कम्पनीले निजी क्षेत्रसंग प्रतिस्पर्धा गर्नुपर्ने कुरालाई ध्यान दिई कम्पनीले आफ्नो कारोवार संचालन गरिरहेको छ । हाल यस कम्पनीको अधिकृत पूंजी ६० करोड र जारी पूंजी ५३ करोड २५ लाख रहेको छ ।

उद्देश्य

- राष्ट्रिय आवश्यकताअनुसार विभिन्न प्रकारका रासायनिक मल आयात गरी विक्री वितरण गर्ने ।
- रासायनिक मल उत्पादनको लागि आवश्यक कच्चापदार्थ आयात गरी प्रशोधन, उत्पादन तथा मिश्रण (Blending) गरी विक्री वितरण तथा निर्यात गर्ने ।
- नेपाल सरकार, दातृ राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रिय संघ संस्थाबाट उपलब्ध हुने सहायता अन्तर्गतका रासायनिक मलबाट जगेडा मौज्जात (Buffer Stock) व्यवस्था एवं परिचालन गरी रासायनिक मलको आपूर्तिमा सुनिश्चितता ल्याउने ।
- जगेडा मौज्जात (Buffer Stock) को व्यवस्थापन एवं परिचालनमा नेपाल सरकारलाई सहयोग गर्ने ।
- कम्पनीलाई आय आर्जन हुने कृषिसंग प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने अन्य कार्यहरु संचालन गर्ने/गराउने ।
- कृषि उत्पादनको खरीद विक्री एवं आयात निर्यात गर्ने ।

कार्यनीति

कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेडको कार्यनीति देहाय अनुसार रहेको छ

- गुणस्तरयुक्त रासायनिक मलको आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित गरी देशभर रासायनिक मल सहज एवं सुलभ रूपमा उपलब्ध गराउने ।
- रासायनिक मलको सन्तुलित प्रयोग प्रवर्द्धन गर्ने ।
- दातृ राष्ट्रबाट प्राप्त मलको संचिति एवं वितरण व्यवस्थामा सहभागी हुने ।
- संभाव्यताको आधारमा जैविक तथा सुक्ष्मत्व मलको कारोवारमा संलग्न हुने ।
- कम्पनीको भौतिक संरचना एवं अनुत्पादक सम्पतिको उपयुक्त परिचालन गरी आय श्रोतको रूपमा विकसित गर्ने ।
- निजी क्षेत्रको लगानी भित्राई Public - Private साभेदारीको रूपमा कम्पनीलाई दिगो एवं प्रभावकारी संस्थाको रूपमा विकसित गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|------------|-------|---------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | यूरिया | मे.टन | ३०००० | २५०० | ८.३३ |
| २. | डि.ए.पि. | " " | १०००० | १९९० | १९.९० |
| ३. | कम्प्लेक्स | " " | १५००० | २१५६ | १४.३७ |
| ४. | पोटास | " " | २५०० | ०.३०० | ०.०१ |
| ५. | ए/सल्फेट | " " | २५०० | - | - |
| ६. | एन. | " " | १९१२५ | १९३९ | १०.१४ |
| ७. | पि. | " " | ७६०० | १३४६ | १७.७१ |
| ८. | के. | " " | १५०० | ०.१८० | ०.०१ |

६. राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी लिमिटेड

परिचय

कृषि उत्पादन वृद्धिको लागि आवश्यक पर्ने गुणस्तरयुक्त बीउ विजन आपूर्तिको लागि कम्पनी ऐन २०५३ अन्तर्गत मिति ०५९/०१/२५ मा राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी लि.को स्थापना भएको हो । विगतमा कृषि सामग्री संस्थानले गर्दै आएको बीउ विजन सम्बन्धी कारोवार यस कम्पनी मार्फत् हुँदै आएको छ ।

यस कम्पनीको उद्देश्यअनुसार खाद्यान्न तथा तरकारीका बीउविजनहरु उत्पादन, खरीद, प्रशोधन, संचय एवं विक्री वितरण गर्ने कार्यलाई सरल र सुलभ ढंगले व्यवसायिक रुपमा संचालन गर्न केन्द्रीय कार्यालयका अतिरिक्त देशका विभिन्न स्थानहरुमा क्षेत्रिय, फार्म तथा शाखा कार्यालयहरुको स्थापना गरिएको छ ।

यस कम्पनीबाट विक्री वितरण हुने बीउविजनहरु कम्पनीका कार्यालहरुबाट मात्र विक्री वितरण गर्दा सन्तुलित रुपमा विक्री गर्न नसकिने र निजीस्तरका व्यापारीहरु पुग्न नसकेका ठाउँमासमेत कम्पनीले सेवा पुऱ्याउनुपर्ने भएकोले वितरण प्रणालीलाई व्यापक र व्यवस्थित गराई डिलर मार्फत् कृषकहरुलाई बीउविजन सरल र सुलभ ढंगले उपलब्ध गराउनका लागि “डिलरशिप निर्देशिका - २०५९” लागु गरिएको छ ।

उद्देश्य

- कृषि उत्पादनका लागि आवश्यक पर्ने उन्नत बीउ (खाद्यान्न, तरकारी तथा अन्य बालीको) उत्पादन, खरीद, प्रशोधन, संचय तथा विक्री वितरणको कार्य व्यवसायिक रुपमा गर्ने ।
- उन्नत बीउ विजनहरु आयात तथा निर्यात गर्ने ।

- देशका विभिन्न भागहरूको भौगोलिक स्थितिलाई विचार गरी विभिन्न प्रकारका तरकारी, दलहन र अन्न वालीका बीउको आवश्यक परीक्षण, अध्ययन, अन्वेषण तथा आवश्यकता अनुसार तालिम तथा परामर्श सेवा कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने/गराउने ।
- निजी क्षेत्रका बीउ उत्पादक कम्पनीहरूलाई उन्नत बीउ थोकमा बिक्री गर्ने ।
- सम्बन्धित निकायसंगको समन्वयमा समयसापेक्ष प्रजनन् (Breeder) बीउ उत्पादन गर्ने ।
- बीउ उत्पादन, बितरण तथा बजार प्रवर्द्धन सम्बन्धी कार्यहरू आफै वा संयुक्त लगानीमा गर्ने ।
- कृषि क्षेत्रका लागि आवश्यकपर्ने किटनाशक तथा रोगनाशक कृषि रसायन (विषादी) हरूको कारोवार गर्ने ।
- बीउ प्रशोधन कारखानाहरूको स्थापना एवं संचालन गर्ने ।
- कम्पनीलाई आय आर्जन हुने कम्पनीको उद्देश्यसंग सम्बन्धित अन्य कार्यहरू सञ्चालन गर्ने गराउने ।

कार्य क्षेत्र

- कम्पनीको कुशल संचालनका लागि आवश्यक पर्ने कर्मचारी नियुक्ति गर्न तथा तिनको सेवाका शर्तहरू निर्धारण गर्न नियम विनियम तर्जुमा गर्ने ।
- सम्बन्धित निकायको स्वीकृतिमा कम्पनीको उद्देश्यअनुरूप प्रशोधन, उत्पादन, आयात, निर्यात र संचित मौज्दात (Buffer Stock) आदि कार्यहरू संचालन गर्ने ।
- कम्पनीमा लगानी भएको शेयरको रकम, त्यसबाट आर्जित रकम तथा कम्पनीलाई प्राप्त हुने अन्य रकम बैंकमा जम्मा गरी पूंजी परिचालन गर्ने ।
- कम्पनीलाई आवश्यक पर्ने रकम बैंक वा कुनै वित्तीय संस्थाबाट धितो राखी वा नराखी कर्जा लिने ।
- कम्पनीको नामबाट शेयर तथा डिभेन्चर खरीद गर्ने तथा त्यसलाई बिक्री गर्ने ।
- अन्य:
 - कम्पनीलाई आवश्यकपर्ने बीउ प्रशोधन गर्ने, संचय गर्ने र बीउको कारोवारसंग सम्बन्धित अन्य आवश्यक मेशिन, यन्त्र, औजार तथा उपकरणहरू खरीद गर्ने, भाडामा लिने वा अन्य तरीकाबाट प्राप्त गर्ने ।
 - कम्पनीलाई आवश्यक पर्ने सवारीका साधन खरीद गर्ने वा भाडामा लिई प्रयोग गर्ने ।
 - समान उद्देश्य भएका अन्य स्वदेशी, विदेशी कम्पनी, फर्म वा संगठित संस्था वा व्यक्तिसंग आर्थिक एवं प्राविधिक सहयोग प्राप्त गर्ने, सो सम्बन्धमा सभौता गर्ने र सहयोगी कम्पनी खडा गर्ने ।

- कम्पनीलाई आवश्यक पर्ने बैकिङ्ग कारोवारसंग सम्बन्धित सम्पूर्ण कार्यहरू गर्ने ।
- कृषि क्षेत्रको लागि आवश्यक पर्ने कीटनाशक, रोगनाशक कृषि रसायन (विषादीहरू) खरीद, आयात र विक्री वितरण गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ मा भए गरेका मुख्य मुख्य कार्य तथा वार्षिक प्रगति विवरण

| सि.नं. | बीउको नाम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|--------|------------|-------|---------|----------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १. | धान | मे.टन | ११८३ | ८९६.६३६ | ७५.७९ |
| २. | गहुं | " " | ३२०० | २८८२.९४९ | ९०.०९ |
| ३. | मकै | " " | ४५ | ०.५७५ | १.२७ |
| ४. | मुसुरो | " " | ४७ | ४.९६३ | १०.५५ |
| ५. | जुट | " " | ५.१५ | १.४८४ | २८.८१ |
| ६. | तोरी | " " | ७.१० | ०.८१६ | ११.४९ |
| ७. | ढैँचा | " " | ४ | - | ० |
| ८. | घाँसे बाली | " " | १.८० | ०.१७९ | ९.९४ |
| ९. | तरकारी | " " | १२.२० | १४.७६६ | १०० |
| १०. | अन्य | " " | - | ०.१३७ | ० |

७. कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार विकास समिति

परिचय

बजार सुविधाको माध्यमद्वारा कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी रोजगारीको अवसर तथा आयस्तरमा अभिवृद्धि गर्दै राष्ट्रिय अर्थ तन्त्रमा टेवा पुऱ्याउन २०५१ साल फागुन १ गतेदेखि कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार विकास समितिको स्थापना भएको हो ।

उद्देश्य

- बजार सेवा-सुविधाको माध्यमद्वारा तरकारी तथा फलफूलको उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा अभिवृद्धि गर्ने ।
- विभिन्न स्थानमा Satellite Market तथा संकलन केन्द्रहरू स्थापना गर्ने ।
- कृषि बजारको दिगोपना र विकासको लागि Backward/Forward Linkages विकसित गर्ने ।
- स्तरीय बजार व्यवहार र पद्धतिको स्थापना गर्ने ।

- कालीमाटी बजारलाई आत्मनिर्भर संस्थाको रूपमा विकसित गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- बजार व्यवस्थापनको सन्दर्भमा नीति निर्माण गर्ने र सोको कार्यान्वयन गर्ने ।
- बजार स्थलमा विक्री वितरण हुने बस्तुको प्रकृति र न्यूनतम परिमाण निर्धारण गर्ने ।
- बजार व्यवस्थापनको लागि आवश्यकपर्ने कर्मचारीको व्यवस्था गर्ने तथा तिनको पारिश्रमिक, सेवा शर्त तथा सुविधा निर्धारण गर्ने ।
- बजार प्रवर्द्धन गर्ने सिलसिलामा बजारको स्थापना वा नेपाल सरकार वा अन्य निकायबाट निर्मित वा संचालित बजारहरूलाई संचालन गर्ने तथा ती बजारहरूसम्म आफ्नो कार्यक्षेत्र विस्तार गर्ने ।
- कृषि बस्तुहरूको प्याकेजिङ्ग, ग्रेडिङ्ग तथा गुणस्तर सम्बन्धी प्रोत्साहनमूलक कार्य गर्ने ।
- फलफूल तथा तरकारी उत्पादक एवं थोक तथा खुद्रा व्यापारीहरूको लागि बजार सुविधा उपलब्ध गराउने ।
- बजार सेवा/सुविधा उपलब्ध गराएवापतको सेवा शुल्क निर्धारण गर्ने ।
- बजार संचालन सम्बन्धी कुनै समस्या उत्पन्न भएमा सोको समाधान गर्ने ।
- बजार क्षेत्रलाई सफा सुगन्ध राखी स्वस्थ वातावरण कायम गर्ने ।
- समितिको लागि आवश्यक जनशक्ति विकास सम्बन्धी कार्य गर्ने ।

कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार विकास समितिको आ.व. ०६४/६५ को वार्षिक लक्ष तथा प्रगति स्थिति

| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक भौतिक | | प्रगति प्रतिशत |
|---------|--|--------|---------------|--------|----------------|
| | | | लक्ष | प्रगति | |
| १ | समिति अन्तर्गतका बजारहरू संचालन तथा व्यवस्थापन | संख्या | ३६५ | ३६५ | १०० |
| २ | बजार सूचना सेवा एवं सुदृढिकरण | पटक | ३ | ३ | १०० |
| ३ | जनशक्ति बृत्ति विकास कार्यक्रम | संख्या | १७ | १७ | १०० |
| ४ | तालिम अन्तरक्रिया | पटक | १९ | १९ | १०० |
| ५ | बजार अवलोकन अध्ययन भ्रमण | जना | २० | २० | १०० |
| ६ | वार्षिक उत्सव कार्यक्रम | पटक | १ | १ | १०० |

द. राष्ट्रिय सहकारी संघ

परिचय

सहकारीमार्फत् समानता, प्रजातन्त्र, सामाजिक न्याय, लैङ्गिक समता, आदिको माध्यमबाट दिगो विकास हासिल गरी नेपालको सहकारी अभियानलाई दिशाबोध गर्न सहकारी अभियानको शीर्षस्थ निकायका रूपमा सहकारी ऐन, २०४८ बमोजिम मिति २०५० आषाढ ६ गते स्थापित राष्ट्रिय सहकारी संघ एक स्वतन्त्र निकाय हो । केन्द्रीय, जिल्ला एवं गाउँस्तरका सहकारी संघ/संस्थाहरूलाई उन्नतिको निम्ति सहयोग गर्ने संस्थाहरूलाई संगठित गर्ने एवं तिनीहरूको अगुवाई र प्रतिनिधित्व गर्ने मुख्य ध्येय रहेको यस संघमा हाल ३ वटा केन्द्रीय, ५७ वटा जिल्ला र ७ वटा प्रारम्भिक संस्थाहरू आवद्ध छन् । सन् १९९७ मा यस संघले अन्तर्राष्ट्रिय सहकारी महासंघको सदस्यता प्राप्त गरेपछि नेपाल अन्तर्राष्ट्रिय सहकारी अभियानमा सहभागी भएको छ ।

उद्देश्य

- सहकारी सिद्धान्तका आधारमा जनताको सक्रियता र सहभागितामा जनआवश्यकताअनुरूप नेपालमा सहकारी आन्दोलनको प्रवर्द्धन र विकास गर्ने ।
- जनताको सामाजिक तथा आर्थिकस्तर वृद्धि गर्न सहकारी संघ/संस्थाहरूका आर्थिक, सामाजिक कार्यक्रम तथा व्यवसायको विकासमा टेवा दिने ।
- सहकारी संघ/संस्थाको व्यवस्थापनमा सुधार ल्याउने र नेतृत्व विकास गर्न सहयोग गर्ने ।
- समान उद्देश्य भएका राष्ट्रिय, क्षेत्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय संघ/संस्थाहरूसंग पारस्परिक सहयोग अभिवृद्धि गर्ने ।
- नेपालको सहकारी आन्दोलनलाई समग्र नेतृत्व प्रदान गर्ने र राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा प्रतिनिधित्व गर्ने ।

कार्य क्षेत्र

- सहकारी अभियानको स्वस्थ विकास र विस्तारका लागि जनतामा सहकारी भावना जागृत गर्न प्रकाशन सम्बन्धी क्रियाकलापहरू गर्ने ।
- राष्ट्रियस्तरका तालिम, कार्यशाला गोष्ठी एवं सहकारी शिक्षा कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने ।
- कृषि सामग्री एवं रासायनिक/जैविक मलको आयात तथा आपूर्ति व्यवस्था मिलाउने ।
- सहकारी संघ संस्था एवं सरकारी निकायबीच समन्वय गर्ने, तिनीहरूको हित प्रवर्द्धन गर्ने ।
- राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा सहकारी आन्दोलनको प्रतिनिधित्व एवं मुख्य प्रवक्ताको रूपमा काम गर्ने ।

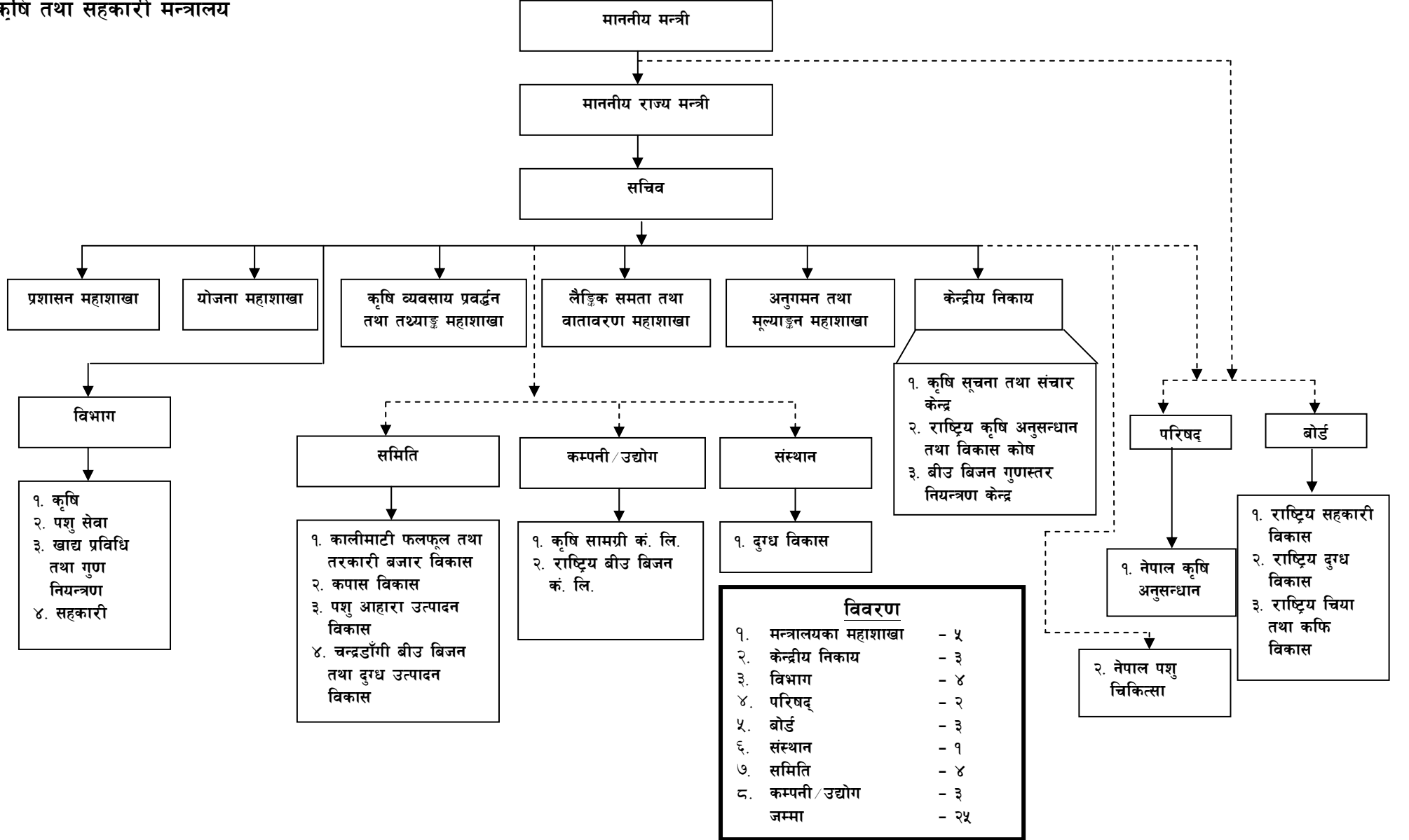
- सहकारी संघ संस्थाको सुविधाका लागि राष्ट्रिय सहकारी बैंकको स्थापना तथा प्रवर्द्धन गर्ने ।

आ.व. ०६४/६५ को राष्ट्रिय सहकारी संघको वार्षिक लक्ष र प्रगति विवरण

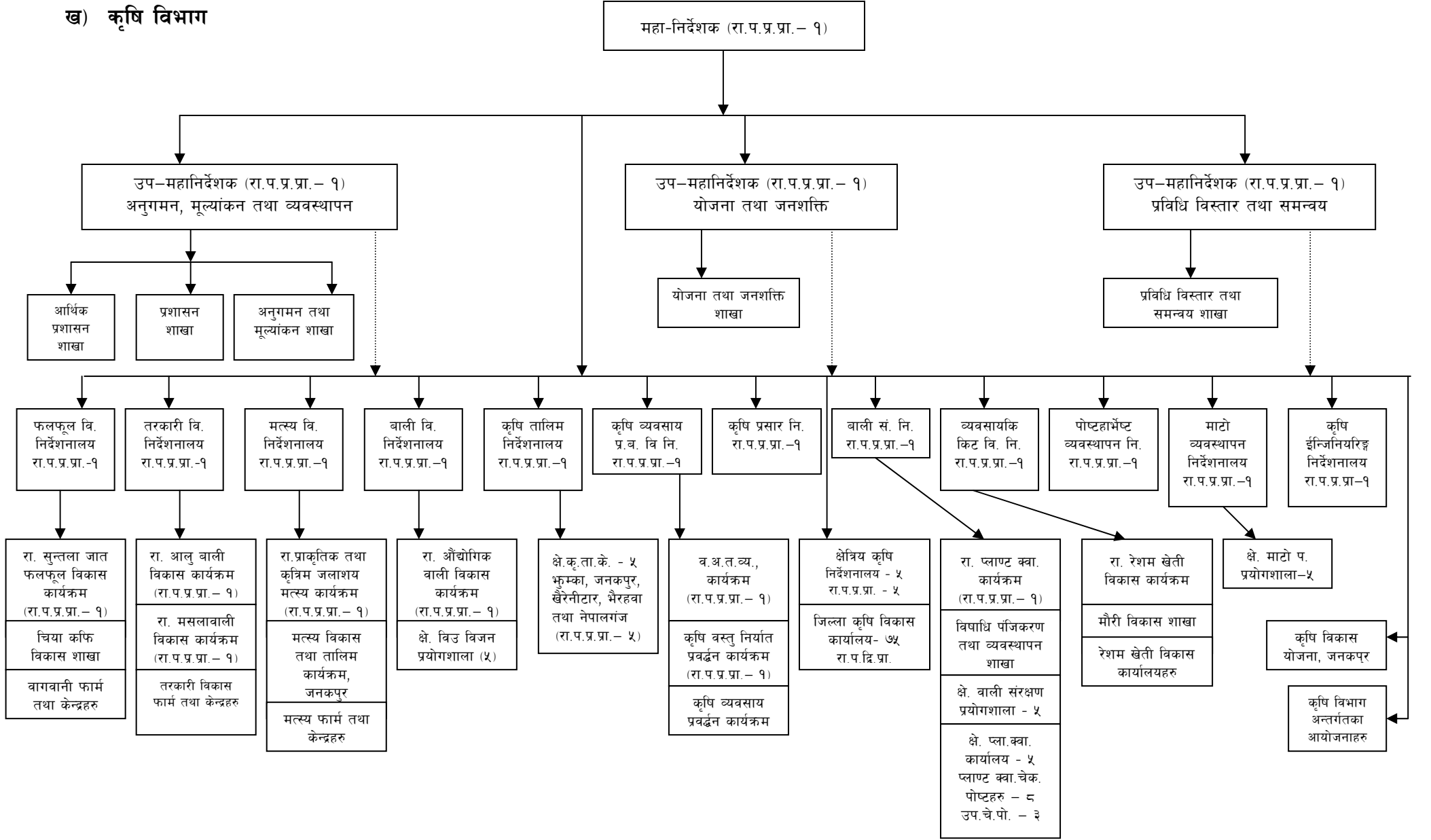
| सि. नं. | कार्यक्रम | इकाई | वार्षिक | | प्रगति प्रतिशत |
|---------|--|------|---------------------|--------|----------------|
| | | | लक्ष्य | प्रगति | |
| १. | सहकारी महिला नेतृत्व विकास तालिम (क्षेत्रस्तर) | वटा | २ (६० जना) | २ | १०० |
| २. | लेखा तथा कार्यालय व्यवस्थापन तालिम (क्षेत्रस्तर) | वटा | २ (६० जना) | २ | १०० |
| ३. | महिला सहकारी सचेतना शिविर (गाउँस्तर) | वटा | ५ (२०० जना) | ५ | १०० |
| ४. | दुर्गम क्षेत्र पहुच विसतार कार्यक्रम | वटा | १ (११० जना) | १ | १०० |
| ५. | विपन्न वर्ग उत्थान कार्यक्रम | वटा | १ (२० घर परिवार) | १ | १०० |

कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र अन्तर्गत निकायहरुको संगठनात्मक तालिका

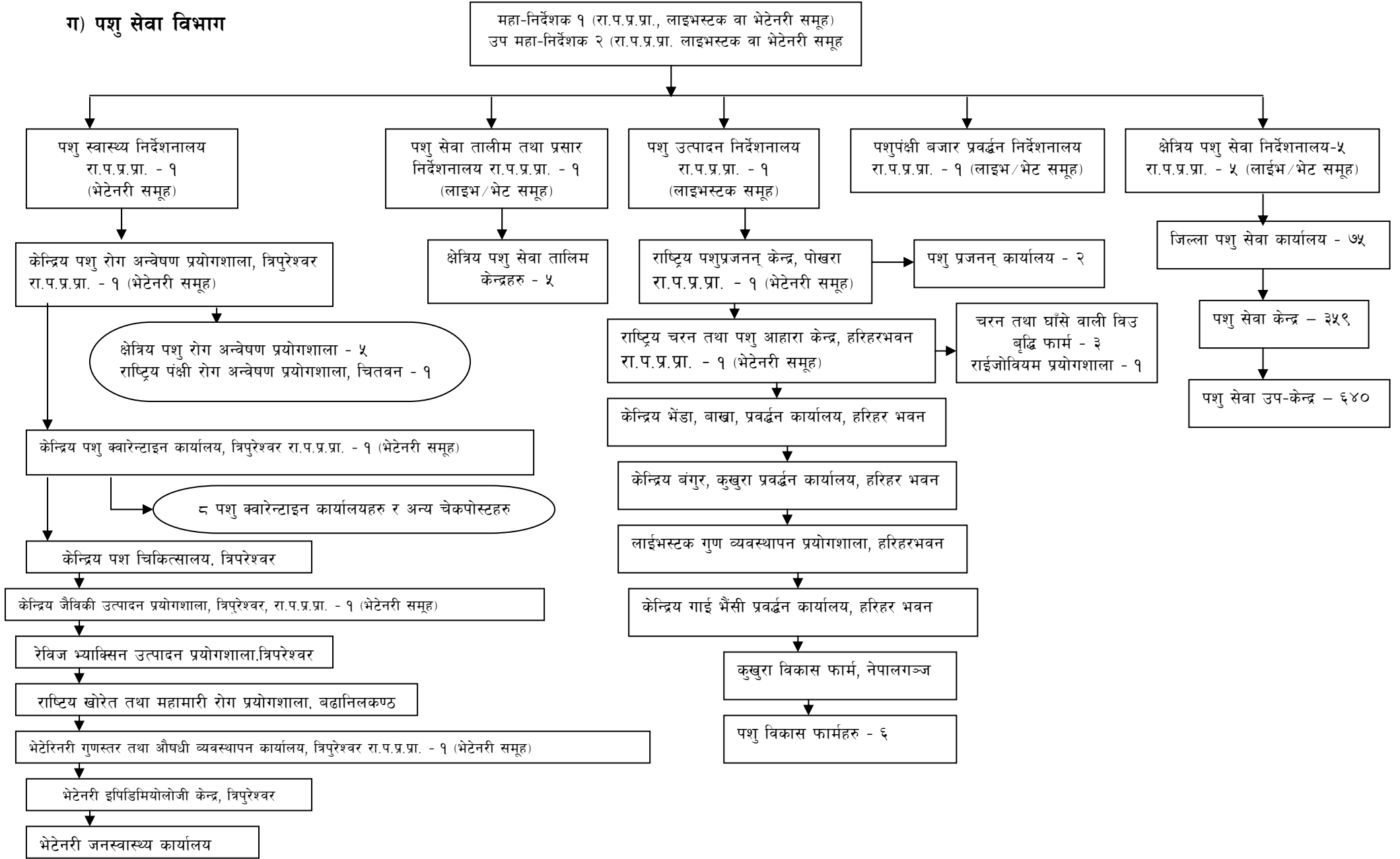
क) कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय



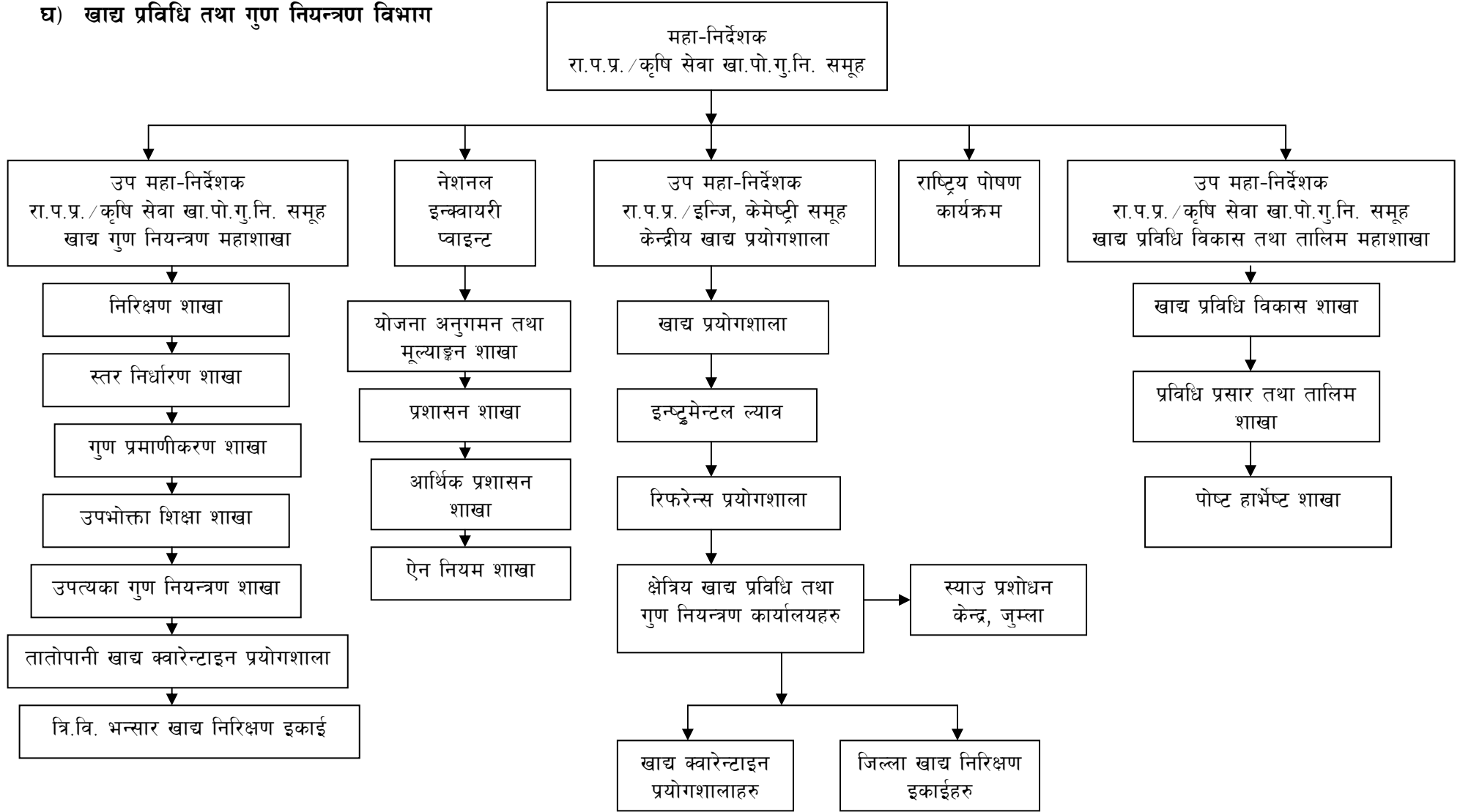
ख) कृषि विभाग



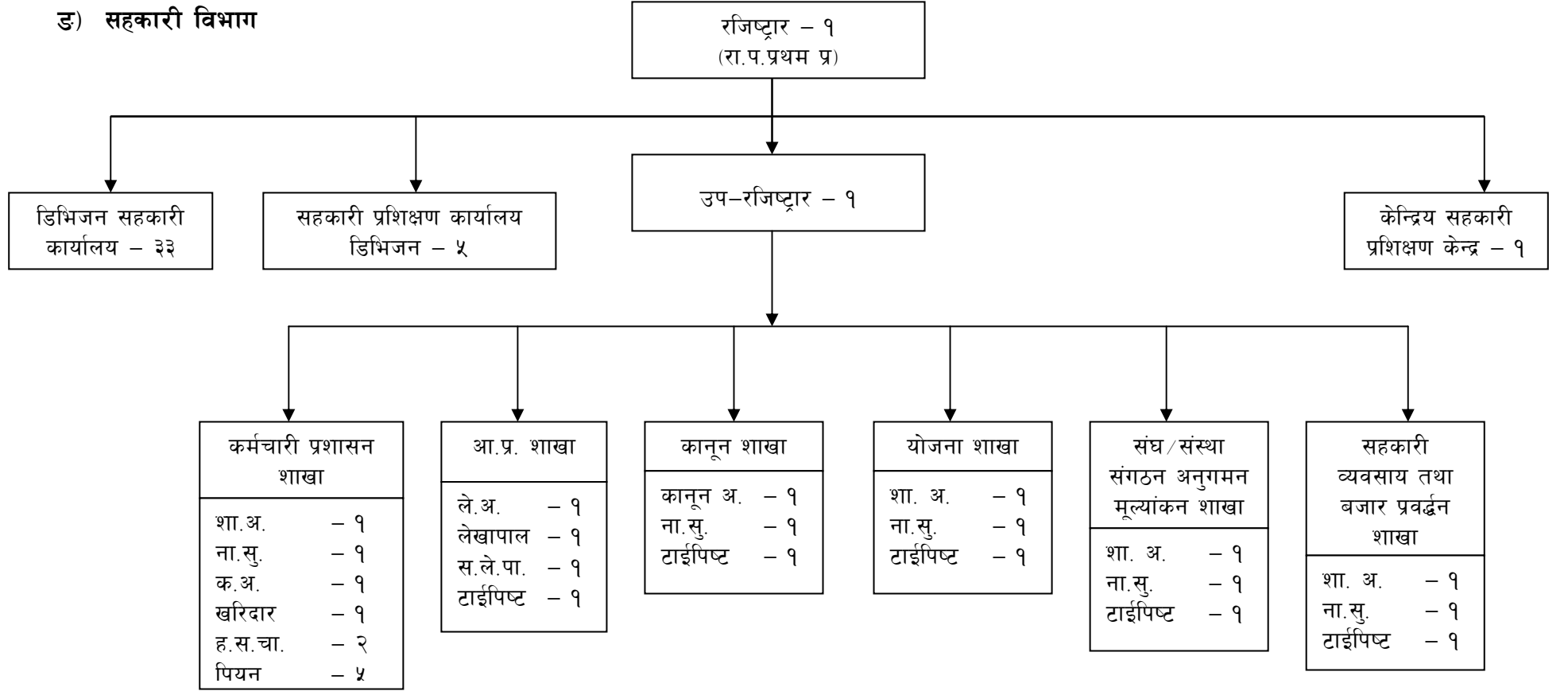
ग) पशु सेवा विभाग



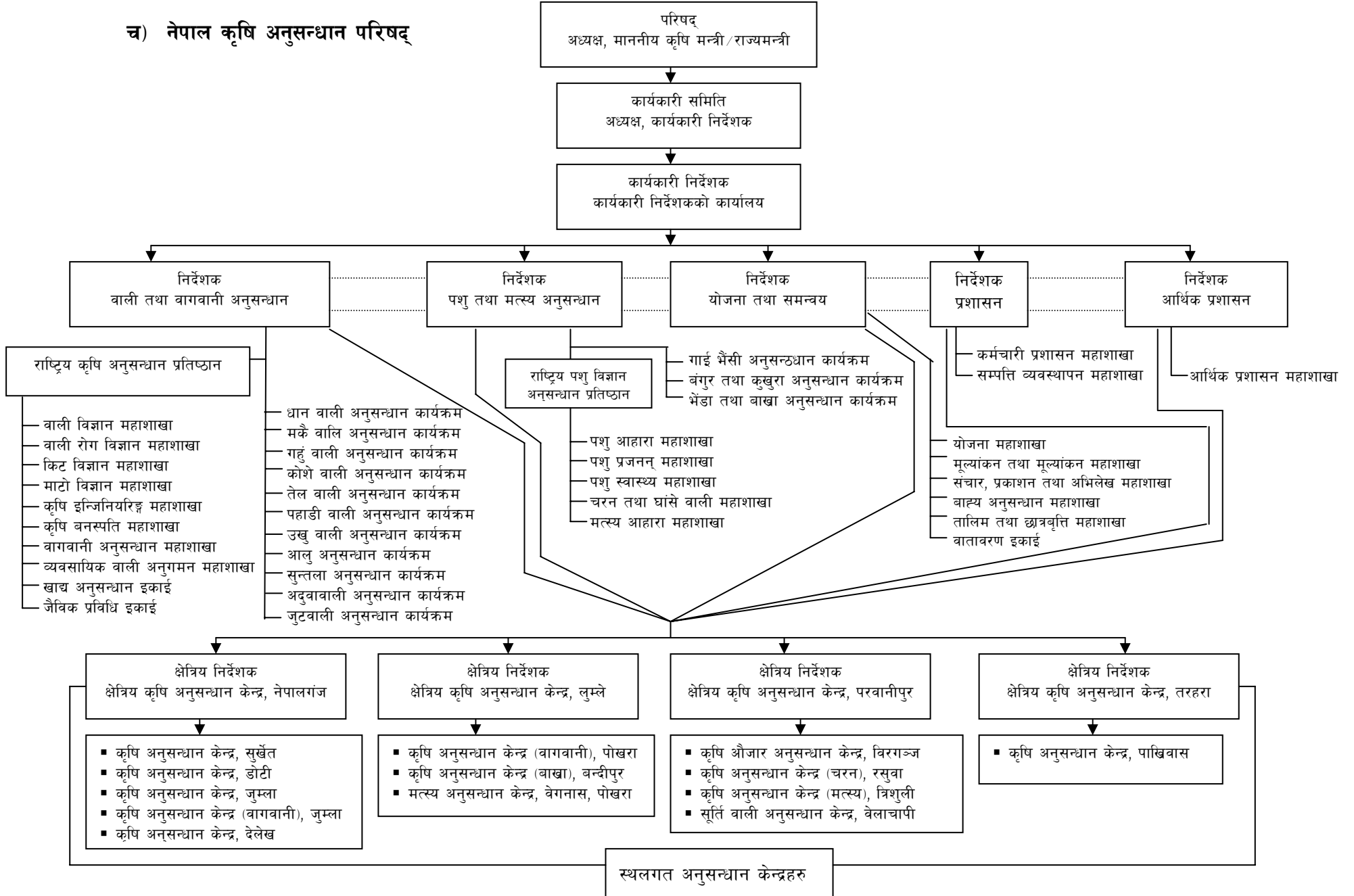
घ) खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग



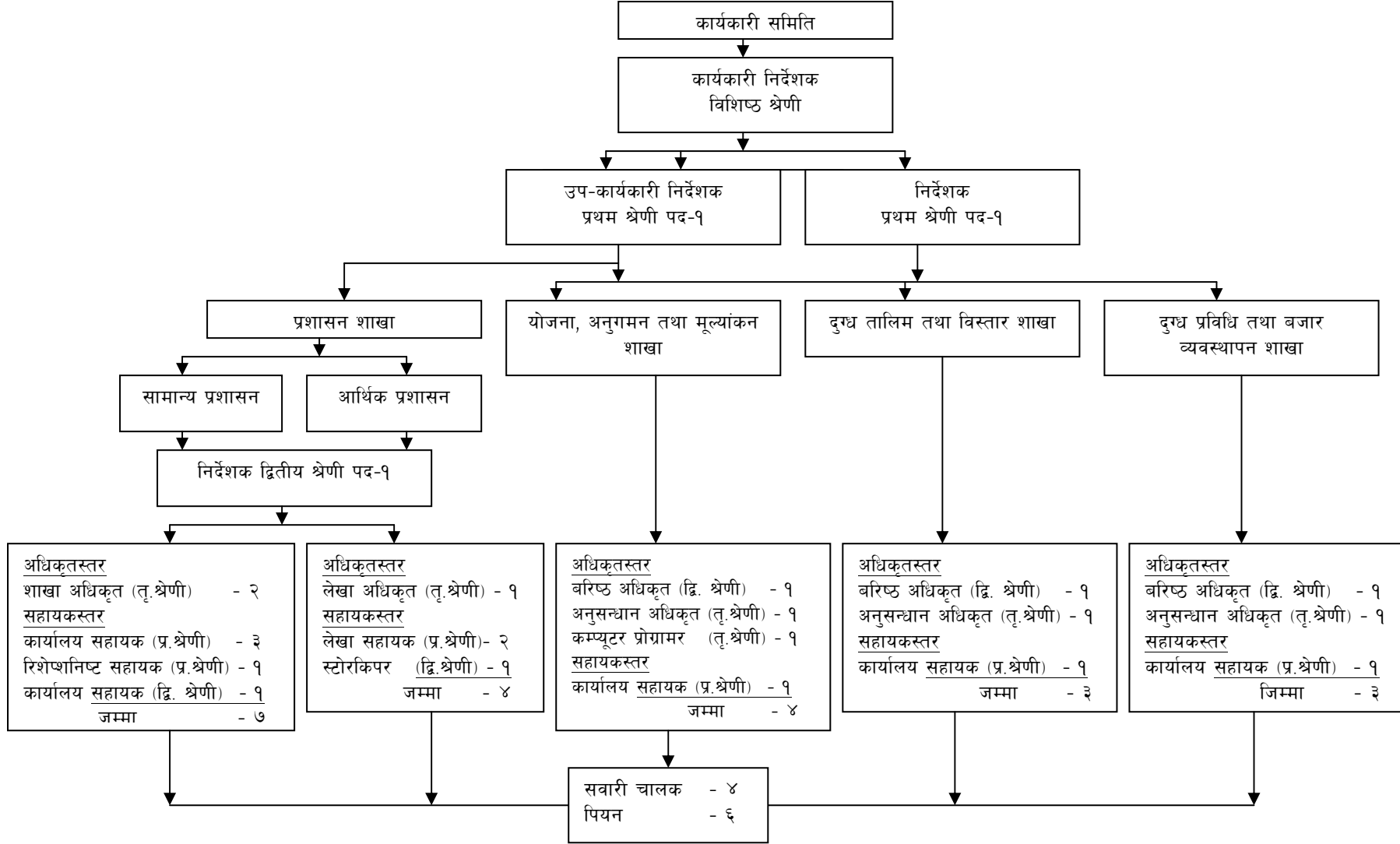
ड) सहकारी विभाग



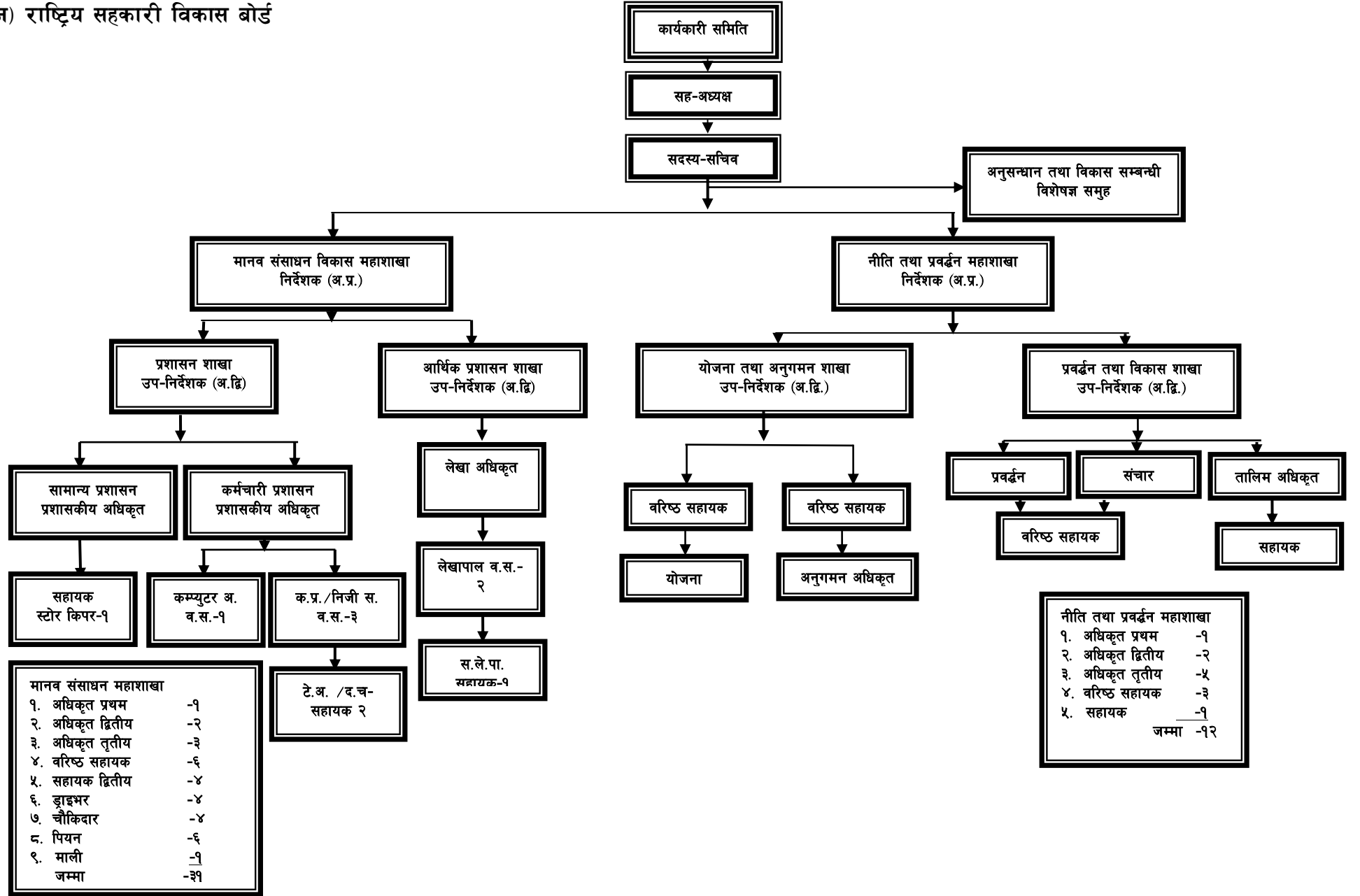
च) नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्



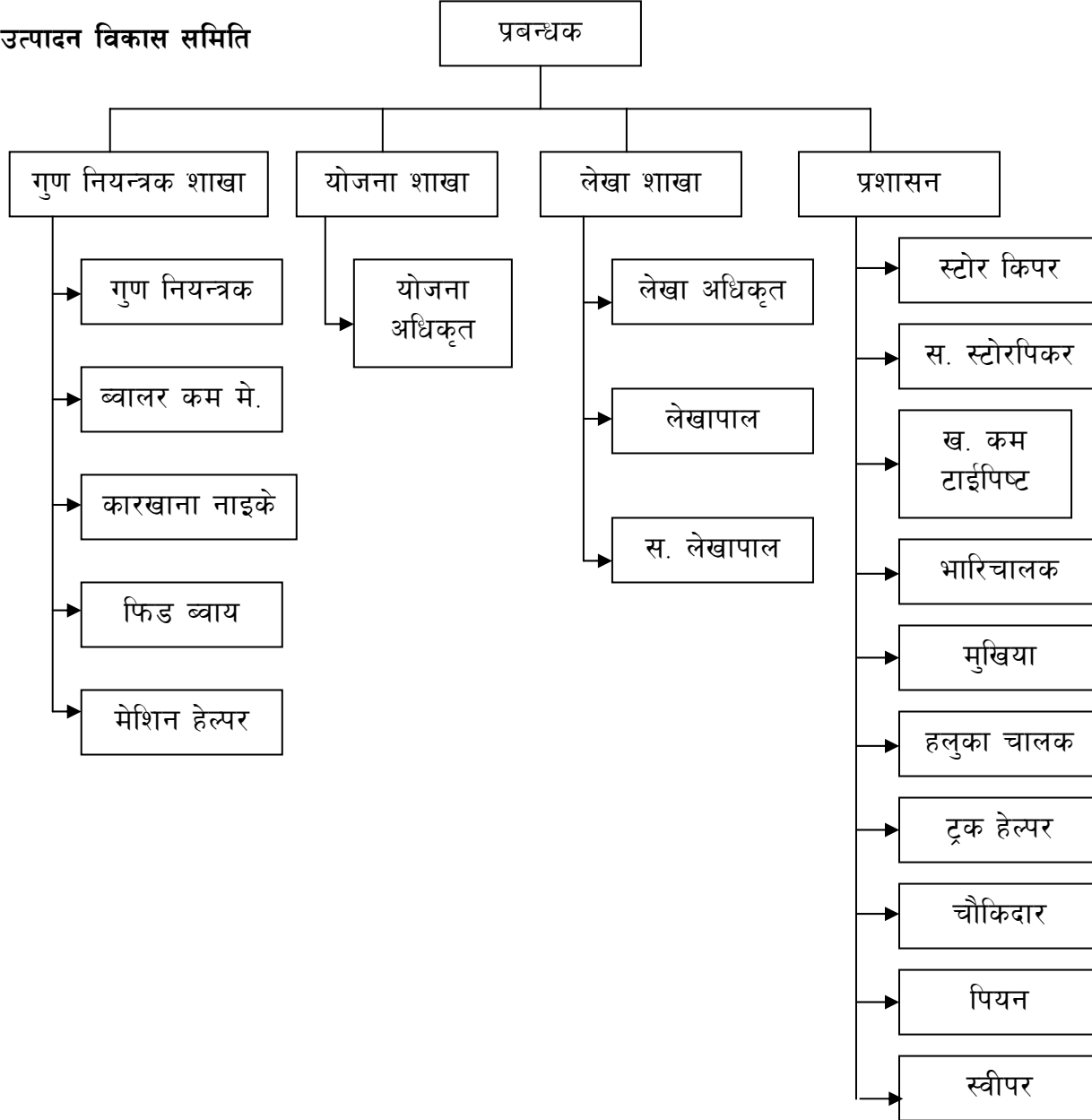
छ) राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड



ज) राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड



भ्र) पशु आहारा उत्पादन विकास समिति



ज) दूध विकास संस्थान

